ISSN-2394-2355

समास - 14

सबसे दिली दोस्त

सबसे भले दोस्त,
गायब हो जाएंगे भीड़ में।
सबसे दुखी दोस्त
झूठे पड़ जाएंगे उम्मीद में।
सबसे बड़े दोस्त
छूट जाएंगे मंजिल के पहले।
सबसे दिली दोस्त
ग़रीब हो जाएंगे विपत्ति में।

समास की सदस्यता ग्रहण करें

सम्पादक
समास
नयी दिल्ली

प्रिय महोदय,

समास के एक वर्ष (४ अंक+डाक व्यय) ३४०/- तीन वर्ष (१२ अंक) १०००/- पाँच वर्ष (२० अंक) १६००/- रुपए का चैक/ड्राफ्ट संलग्न कर रहा हूँ। कृपया मुझे वार्षिक/तीन वर्ष के लिए/पाँच वर्ष के लिए ग्राहक बना लें और मेरी प्रति निम्नलिखित पते पर भिजवाएँ।

अगर आप दिल्ली के बाहर का चेक हमें भेज रहे हैं तो कृपया बैंक कमीशन के ४०/- रुपए उसमें अतिरिक्त जोड़ दे।

नाम .....
पता .....
.....
.....
.....
टेलीफ़ोन नं. .....
ईमेल : .....

(चेक/ड्राफ्ट- समास के नाम पर बनाएँ जो नयी दिल्ली में देय हो और निम्नलिखित पते पर हमें भेजने की कृपा करें)

मनोज मोहन, प्रसार प्रबन्धक

रज़ा फाउण्डेशन, सी-४

१३६ सफ़दरजंग डेव्हलपमेण्ट एरिया,

नयी दिल्ली- १६

ई मेल : manojmohan2010@yahoo.com
टेलीफ़ोन : 8506014917, 9425674851

विदेश में :
हवाई डाक : एक प्रति १२ अमेरिकी डॉलर / ६ ब्रिटिश पाउण्ड
समुद्री डाक : एक प्रति ६ डॉलर / ४ पाउण्ड

यहाँ से काटिए

समास-14

साहित्य, कला और सभ्यता पर एकाग्र
त्रैमासिक

सम्पादक
उदयन वाजपेयी

समवेत लेखकों के विचारों का 'समास' आदर करता है
लेकिन यह आवश्यक नहीं कि वह उनसे सहमत ही हो।

समास : 14 © 2016
पंजीयन क्रमांक : F-2 (S-46)Press/2012
टाईटल कोड : DELHIN28638

त्रैमासिक पत्रिका

प्रकाशक : अशोक वाजपेयी
कार्यकारी न्यासी, रज़ा फाउण्डेशन, सी–4
139 सफ़दरजंग डेव्हलपमेण्ट एरिया, नयी दिल्ली–16
फ़ोन – 011–46526269

आवरण : कमलेश की हस्तलिखित कविता

सहयोग : मिथिलेश शरण चौबे, संगीता गुन्देचा

सम्पादकीय पत्र व्यवहार : उदयन वाजपेयी
एफ 90/45 तुलसी नगर
भोपाल (म.प्र.) 462003
फ़ोन – 0755–2556940

ईमेल – <udayanvajpeyi@gmail.com>

मूल्य : 60 रुपये

कम्पोज़िंग : रामवीर, मनोज डेकाटे, मो. फहीम खाँन
प्रूफ़ रीडिंग : शिवनारायण सिंह राजपूत
मुद्रण : भण्डारी आफ़सेट, अरेरा कॉलोनी, भोपाल (म.प्र.)

सम्पादकीय - ५

बातचीत

सभ्यताओं के विविध तत्त्व

बनवारी से उदयन वाजपेयी की बातचीत - ७-६०

कविता

कविता २०१६ - आस्तीक वाजपेयी - ६१- १०८

जवाहर गोयल की कविताएँ - १०६-११३

कुमार शहानी की कविताएँ - ११४-११५

कहानियाँ

कुछ सामान - रिज़वानुल हक़ - ११६-१२४

जन्मपत्री - शर्मिला बोहरा जालान - १२५-१३१

कमलेश की उपस्थिति

कमलेश : एक भिन्न तरह के कवि - भगवान सिंह - १३२-१३८

किसी भी दिन अपना झोला उठा हम यहाँ से चल देंगे - ध्रुव शुक्ल - १३६-१४४

कलमेश जी : एक चिन्तक की अनुपस्थिति में - रामशंकर द्विवेदी - १४५-१६५

कविता भी एक बसाव है - मिथलेश शरण चौबे - १६६-१७४

वे तब भी यहीं होते हैं - विशाल गोयल - १७५-१७७

वो : कमलेश एक कहानी - विक्रम भारद्वाज - १७८-१८०

श्रीकान्त वर्मा की कविता

मायादर्पण में श्रीकान्त वर्मा : एक खोज - हरप्रसाद दास - १८१-१६५

कविता का मायादर्पण - जयप्रकाश - १६६-२०४

मगध की मृत्यु कामना - आशुतोष भारद्वाज - २०५-२०६

बोली

मोनिया - सुबोध पाण्डे - २१०-२१५

निबन्ध

स्वभाव, सम्बन्ध और सभ्यता - ध्रुव शुक्ल - २१६-२२०

पश्यन्ति की व्युत्पत्तियाँ - गौतम चटर्जी - २२१-२२६

प्रूस्त की क़िताब के कुछ पन्ने - शिरीष ढोबले - २२७-२३२

पत्र- २३३

लेखक परिचय - २३४-२३६

सम्पादकीय

हिन्दी साहित्य में अपने दिवंगत मूर्धन्यों को शीघ्र ही विस्मृत या लगभग विस्मृत करने की प्रवृत्ति दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। आज श्रीकान्त वर्मा जैसे महान कवि-लेखकों का नाम कितने लोग लेते हैं? (हे भगवान्! क्या अब स्मृति का संचालन भी विचारधाराएँ करने लगी हैं?) शायद इसका कारण हमारी भाषा के अपेक्षाकृत युवा लेखकों का अपने को समकाल में समेटते जाना है। दूसरा कारण सम्भवतः हमारे साहित्य में विचारधाराओं की नासमझ है। यहाँ मेरा इशारा हिन्दी साहित्य में एक समय तक व्याप्त और अब तक किसी हद तक प्रभावी मार्क्सवादी विचारधारा से भी है। सामान्यतः इस विचारधारा ने कई पश्चिमी देशों में उनकी समूची परम्परा को खंगालने का कार्य किया है। इस खंगालने के फलस्वरूप जो दृष्टि उन्होंने उस परम्परा पर बलात आरोपित की, उसे छोड़ भी दें तब भी यह नकारना मुश्किल है कि उन देशों में मार्क्सवादी विचारकों ने अपनी परम्परा की अवहेलना की। हम उनके दृष्टि आरोपण को निश्चय ही प्रश्नांकित कर सकते हैं। पर उनके अन्वेषण को नकारना कठिन है। हिन्दी साहित्य के मार्क्सवादी लेखकों ने ऐसा करना आवश्यक नहीं समझा। वैसे भी यह कार्य श्रमसाध्य है और हमारा दुर्भाग्य यह है कि हमारे देश के बहुसंख्य बौद्धिकों और सर्जकों ने, कुछ अपवादों को छोड़कर, अधिकतर सरल और सरलीकृत रास्ते ही अपनाये हैं। शायद इसी कारण हमारे मार्क्सवादी लेखकों ने भी परम्परान्वेषण करने के स्थान पर परम्परा बल्कि परम्पराओं की अवज्ञा करने के ऐसे रास्ते चुनें जिसके कारण हमारे साहित्य का अधिकांश इकहरा होता गया। बल्कि यह कहना सत्य के अधिक निकट होगा कि हमारा साहित्य अखबारी होता गया है। पिछले तीन-चार दशकों से हिन्दी बल्कि आलोचना साहित्य मात्र में 'समाज' का जो अर्थ लिया जाता रहा, अगर उसका गहराई से विश्लेषण किया जाये तो मालूम पड़ेगा कि हमारे अधिसंख्य आलोचकों और लेखकों के लिए समाज का अर्थ मनुष्यों का एक स्मृतिहीन संगठन ही है। मानो इस समाज की कोई अपनी विशिष्ट स्मृति हो ही नहीं। मानो यह समाज किसी व्यापक सभ्यता का अंग ही न हो। अगर इस दृष्टि से समाज को देखा जाता है, उसे किसी भी दूसरे समाज से मूल्यों और दृष्टियों के स्तर पर अलगाने का कोई रास्ता नहीं बन पाता। दुर्भाग्य से हमारे साहित्य और पत्रकारिता में ऐसा ही कुछ हुआ है। हमने अपने समाज को अधिकांशतः स्मृतिहीन और अन्य समाजों जैसा ही मान रखा है। इसीलिए इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि हमने अपने समाज और सभ्यता को देखने और परखने के मूल्य पूरी तरह या अधिकतर पश्चिमी अध्येताओं से लिये हैं। यह कार्य अँग्रेज़ अध्येताओं के नेतृत्व में १९वीं शताब्दी में ही ज़ोर-शोर से शुरू हो गया था। पर यह जानना ज़रूरी है कि उन अध्येताओं के लिए यह करना उनकी अपने देश यानि ब्रिटेन के प्रति निष्ठा का प्रमाण था। वे वही कर रहे थे

जो एक 'बेहतर' उपनिवेशवादी सभ्यता अपने उपनिवेशों के साथ किया करती है। यहाँ यह स्मरण कर लेना शायद अनावश्यक न हो कि उपनिवेशवाद सैनिक विजय नहीं हुआ करता। उपनिवेशवाद में उपनिवेश बनायी गयी सभ्यता की स्वयं उसके नागरिकों में एक नयी और कृत्रिम छवि गढ़ी जाती है। इसके फलस्वरूप वह सभ्यता स्वयं अपने नागरिकों की दृष्टि में अवमूल्यित हो जाती है। अँग्रेज़ अध्येताओं ने हमारी सभ्यता के साथ ठीक यही किया था और इसके लिए उन्होंने जी-तोड़ परिश्रम किया था। स्वतन्त्रता-प्राप्ति के बाद हमारे अध्येताओं का यह सहज धर्म था कि वे भारतीय सभ्यता की इस विकृत छवि और उससे निःसृत मूल्यों का पुनर्परिक्षण करते और भारतीय सभ्यता को इस विकृति से बाहर निकालने के बड़े उपक्रम में भागीदारी करते। यह उनके लिए अपेक्षाकृत कम कठिन कार्य होता क्योंकि इसकी नींव महात्मा गाँधी जैसे विचारकों ने स्वतन्त्रता आन्दोलन में ही डाल दी थी। पर यह कार्य किसी हद तक आलस्य और किसी हद तक आत्मविश्वास की न्यूनता के कारण केवल थोड़े अंशों में ही हो सका। इस तरह हमने अपने समाज को उसकी व्यापकता में तो देखा पर उसकी गहराई को सम्यक रूप से देखने से चूक गये। मैं समझता हूँ कि हमारी भाषा के साहित्य के अपेक्षाकृत स्मृतिविहीन होते चले जाने का यह एक बड़ा कारण रहा है। इसी से जुड़ी हुई यह वृत्ति भी है कि हम अपने दिवंगत मूर्धन्यों को भुलाने में ज़रा भी देर नहीं करते। इसीलिए हमारा साहित्य दिन-ब-दिन इकहरा होता जाता है और आज फेसबुक-वीरों के लिए तो इस स्मृतिविहीनता की हद यह है कि उन्हें पढ़ते हुए यह लगता ही नहीं कि समूची दुनिया और समूचे अतीत में उनके अलावा कोई और लेखक कभी हुआ था। हम यह कहते हुए करुणा का अनुभव करते हैं। स्मृतिविहीन साहित्य दरअसल करुणा का सबब हुआ करता है। स्मृतिविहीन लेखक अगर अहमन्य हो जाये तो यह सहज सम्भव्य है, पर वह होता करुण ही है। साहित्य का एक दायित्व अपनी सभ्यता के नागरिकों को उनकी स्मृतिविहीनता-जन्य करुण स्थिति से बाहर लाना भी हुआ करता है। यह कार्य बांग्ला भाषा में बहुत बड़े स्तर पर रबीन्द्रनाथ टैगोर ने किया था। हिन्दी में वासुदेव शरण अग्रवाल, अज्ञेय, निर्मल वर्मा, कमलेश, श्रीकान्त वर्मा आदि लेखकों ने किसी हद तक इसी कार्य में अपना जीवन लगाया। इन लेखकों के कार्य को आगे बढ़ाना और उनका स्मरण करते रहना हमारी सोच में अपनी सभ्यता को दोबारा आत्मविश्वस्त बनाने की ओर धीरे ही सही पर सही दिशा में चलना है।

यह बेहद दुखद है के इस बीच तीन मूर्धन्यों का देहावसान हुआ है। श्रेष्ठ रंगकर्मी, नाटककार और कवि कावालम नारायण पणिक्कर जून के अन्तिम सप्ताह में, उसी सप्ताह में श्रेष्ठ चित्रकार और चिन्तक के.जी. सुब्रमनियम और इसी सप्ताह २२ जुलाई को महान चित्रकार, आधुनिक भारतीय चित्रकला की आधारशिला और रज़ा फाउण्डेशन के प्रेरणास्रोत सैयद हैदर रज़ा नहीं रहे। इन महानों की उपस्थिति भारतीय संस्कृति पर लम्बे समय तक बनी रहेगी। 'समास' का यह गौरव है कि रज़ा के हाथों लिखा 'समास' इस पत्रिका की मुख पृष्ठ पर प्रकाशित होता है। हम इन मूर्धन्यों के कलात्मक और जीवन मूल्यों को निरन्तर आलोकित करते रहने को वचनबद्ध हैं।

२४ जुलाई, २०१६

उदयन वाजपेयी

lH;rkvksa dk fofo/k rŸo

cuokjh l mn;u okt i;h dh ckrphr

cuokjh n'k d mu fopkjdksa e g ftUgksu Hkkjrh; lH;rk dks xgjkbZ l le>u d fy, u fl Q bl lH;rk d ckjhd&l&ckjhd fooj.kk dk /;ku l n[kk&ij[kk g cfYd vU; lH;rkvk d v/;;u d lgkj Hkh bl dh fo'k"krkvk dk j[kkfdr dju dk vuk[kk ckf) d miØe fd;k gA mUgksu ;g dkf'k'k dh g fd o vU;kU; lH;rkvk dk fcuk fd lh io/kkj.kk d n[k ldA bldk dkj.k lEHkor% ;g g fd o bl ckj e vkRe l tx g fd mifuo'kokn h bfrgkl dkjk dh nf"V l n[kh tku d dkj.k Hkkjrh; lH;rk dh vkRe Nfo fdruh fodr gk x;h gA cuokjh l ;g ckrphr bl o"k ekpZ e mUgh d fnYyh vkokl ij rhu fnuk rd gbZ FkhA o cgr Mcdj ckyr gA mudk ckyuk fdlh rVLFk ckf) d dk ckyuk ugh g] o ekuk gj ml ,frgkfld ifØ;k d Hkkxhnkj jg gk ftld fo"k; e mUgksu ckyk gA fnYyh e jgr g, Hkh o lkotfud lekjkgk e cgr de 'kkfey gkr gA mudk yxHkx lkjk le; ,dkUr e v/;;u&euu djr g, gh chrrk gA 1947 e tUe cuokjh u fnYyh fo'ofo|ky; e n'ku'kkL= dk v/;;u vkj dN le; v/;kiu fd;k gA mld ckn o ^fnueku* if=dk e dke djr jg vkj ckn d o"kk e o ^tulRrk* d lEikndh jgA fiNy db o"kk l o viuk lkjk le; Hkkjr lfgr vud lH;rkvk d xgu v/;;u e yxkr jg gA mud Hkkjrh; i;koj.k ijEijk ij dfUnr ^ipoVh*] idfr] mRlo vkj lekt ij dfUnr ^egkjkl* vkj ^Hkkjrh; lH;rk d l=* vkfn fucU/k lxg idkf'kr gA

mn;u % ejh bl ckr e xgjh #fp g fd dkbZ Hkkjrh; fpUrd vxj Hkkjrh; lH;rk dk fdlh gn rd le>u e lQy gk ldk g] mlu ;g ;k=k dl dh gkxhA bldk ,d dkj.k ;g g fd gekjh f'k{kk 0;oLFkk ml bl rjg dk Kku nu e yxHkx v{ke gA vkidk viuh vkjfEHkd vkipkfjd ;k vukipkfjd f'k{kk d nkjku ;g dl l>k fd vkidk Hkkjrh; lH;rk dh ckjhfd;k dk le>uk pkfg, vkj ,lk dju d fy, vU; lH;rkvk dk Hkh ckjhfd;k dk tkuu dk i;kl djuk pkfg,\ e ;g blfy, Hkh iN jgk g D;kfd viuh lH;rk dk fcuk le> reke ykxk dh] fQj Hkys gh o fdlh Hkh fo'ofo|ky; d D;ku gk] xtj&clj Bhd l py gh jgh gA vki fdl jkLr py g\

cuokjh % vxj e ;kn dju dh dkf'k'k d:] e> viu ekrk&firk l viu dVEc] viu {k= vkj

viu n'k ij ,d rjg dk LokfHkeku dju dh Hkkouk feyhA ;g db ykxk e lgt gh gkrk gA bl LokfHkeku d lkFk gh e fo|ky; e i<u x;kA ogk gekjh Vkyh Fkh] tk vkil e cgr ckr fd;k djrh FkhA vkt l ipkl o"k igy Hkh ;g i'u mBk;k tkrk Fkk fd ge ijk/khu D;k g, Fk \

mn;u % ;g vki fdl 'kgj dk ftØ dj jg g \

cuokjh % e fnYyh e gh Fkk ij ml teku dh fnYyh vkt dh fnYyh dh rjg ugh FkhA mle lc txg l ykx vkdj jg jg FkA mue viuh&viuh txgk d lLdkj 'k"k FkA tl dydRrk d ckj e dgr g fd og cgr lkj xkok dk lePp; g] mu fnuk fnYyh Hkh olh gh FkkA gekj vf/kdrj 'kgj ol gh jg gkxA gekjk fpRr 'kk;n olk gh FkkA ml teku e gh Ldy e eu ykfg;k th dk uke igyh ckj luk FkkA rc e ukoh&nloh e i< jgk FkkA ftlu ykfg;k th d ckj e e> crk;k Fkk] ml h u e> mudh fdrkc i<u dk nhA og fdlh ikVh&okVh dk lnL; ugh Fkk] ftKkl FkkA gekj ?kj e jk"Vh; vkUnkyu dk dN lLdkj FkkA gekj firk dHkh fdlh vkUnkyu e 'kkfey ugh g, ij mud eu e xk/kh th vkj ug: d ifr Hkkouk FkhA o ;g ekur Fk fd bUgh ykxk u n'k dk LorU=rk fnyk;hA ejh f'k{kk mUgh dh n[k&j[k e gbA o [kn cgr i<&fy[k ugh FkA gekjh ek fcYdy i<h&fy[kh ugh Fkh ij jkepfjrekul dk cgr lUnj ikB djrh FkhA Lok/;k; d dkj.kA firkth l e> nk&rhu rjg dh f'k{kk feyhA ,d ckj ge Vgy jg Fk] e mudh vxyh idM Fkk] e mul ckyk& ^e gkj x;k gA pyk ?kj py firkthA* bl ij mUgku e> Hkk"kk dh igyh f'k{kk nhA mUgku dgk& ^cVk] ^gkj* ugh] ^Fkduk* lgh 'kCn gA gkj d nlj vFk Hkh gkr gA* eu mld ckn ;g vUrj djuk lh[k fy;k fd 'kCnk dk cgr fglkc l gh mi;kx djuk pkfg,A ,d ckj mUgku e>l dgk fd cVk gkFk vxj mB rk nu d fy,] yu d fy, ughA lc ykxk u mul dgk fd o viu cV dk fgUnh foHkkx e Hkrh djk,A D;kfd ejh fgUnh cgr vPNh FkhA e> ge'kk mPpre J.kh d vd feyr FkA mUgku dgk] ^ml D;k i<uk g] ogh r; djxkA e dkb lykg ugh nxkA* e> vFk'kkL= il Un Fkk] eu mlh e nkf[kyk fy;kA ej fo'ofo|ky; tkr le; mUgku dgk] ^/ku d fy, ugh] ;'k d fy, i<ukA* ; ,d rjg l ufrd ckr g ij bue tk f'k{kk fufgr g] og vki vkj txg ugh ik,xA mu fnuk fnYyh e fgUn dkyt lcl Åpk ekuk tkrk FkkA mldk vFk'kkL= foHkkx vPNk gh FkkA eu ogk ik;k fd vFk'kkL= dh ,lh ,d Hkh ikB;iLrd ugh Fkh tk fdlh Hkkjrh; u fy[kh gkA Hkkjrh; vFk0;oLFkk ij tFkkj ,.M cjh dh fdrkc Fkh] vxj ml NkM fn;k tk,] lkjh fdrkc fonf'k;k dh fy[kh FkhA ml fdrkc e Hkkjrh; vFk0;oLFkk l lEcfU/kr

dN lkexh Fkh D;kfd og mlh fo"k; ij FkhA df"k ij Hkh tk ,d fdrkc Fkh] og fcVu d dkgu dh fy[kh gb FkhA ;g fdrkc mUgku fcVu dh df"k d vk/kkj ij fy[kh FkhA lc i<r g, e> mll v#fp gk x;hA eu lkpk] ;g lc i<dj e D;k tkuxk \ mu fnuk fo'ofo|ky;k dk ekgky vyx rjg dk FkkA ,d cMk leg ,lk cu x;k ftle ge lc rjg d fo"k;k ij ppk djr FkA e mu fnuk vFk'kkL= dh ryuk e nfu;kHkj d vU; fo"k;k ij ppk, vf/kd djrk FkkA ge ykx dkQh gkml e ?k.Vk cB jgr FkA mu fnuk nk gh e[; loky Fk] ge ijk/khu D;k g, vkj vkx dk jkLrk D;k g \ ejk lEid lektoknh ikVh d ykxk l gvkA ykfg;k th dk eu FkkMk&cgr i<k Fkk vkj e iHkkfor Hkh FkkA tc e fo'ofo|ky; e Fkk] rc 'kk;n e mu fnuk d cM ykxk d gh lEid e Fkk ij e> jktuhfr l cgr tYnh v#fp gk x;hA eu n[kk fd ge tk lkpr g vkj tk djr g] mle cgr vUrj gA e> yxk e bl lcl lEcU/k ugh cBk ikÅxkA ej eu e mud ifr dHkh frjLdkj ugh vk;kA o Åp gh ykx FkA viuh&viuh rjg l mUgku cM dke fd; gh Fk yfdu e> ;g vo'; yxk fd jktufrd lfØ;rk ejk dke ugh gA e mul vyx gkdj i<u&fy[ku e yx x;kA mUgh fnuk cukjl e ,d lxk"Bh gbA xk"Bh d ckn lEi.kkuUn lLdr fo'ofo|ky; d ck) ldk; d v/;{k d lkFk e cBk FkkA mUgku e> ,d fdLlk luk;k fd 1848 d vklikl ¼rc ;g vxtk d dgu ij dk'kh uj'k dh cuok;h 'kkldh; ikB'kkyk Fkh] ckn e ml vxt ljdkj u y fy;k vkj ogk oy.Vkbu uke d vxt dk ikpk; cuk fn;k½ cukjl dh lkj ;jki e ,lh /ke Fkh ftldh vkt ge dYiuk Hkh ugh dj ldrA vxt ljdkj u oy.Vkbu dk lUn'k Hktk fd cukjl d if.Mrk dh cMh [;kfr g] gekj ;gk ¼;jki e½ tk julk vkj mld ckn fpUru gvk g] cukjl d if.Mrk d lkeu j[kdj mul iNuk pkfg, fd bl ij mudh ifrfØ;k D;k g \ ml teku e Hkkjr e ,l vud vxt i'kkld g ftudh tkuu e cgr #fp gA mUgku lLdr lh[kh gA cukjl e ;jki d db fopkjdk tl Ýkfll cdu dh dfr;k dk lLdr e vuokn gvk gA xf.kr dh Hkh dN iLrdk dk vuokn lLdr e gvk gA ,lk ugh g fd lLdr d fo}kuk dk ;jki d fpUru dk tkuu dh ftKklk ugh FkhA lUn'k feyu d ckn oy.Vkbu dk'kh d if.Mrk d ikl x; vkj dgk fd ge ,d ,lh xk"Bh djuk pkgr g ftle gekj dN ykx gekj fpUru dk lLdr e vkidk crk,xA if.Mrk u tokc fn;k fd ge rk flQ 'kkL= lHkkvk e tkr g] mll ckgj dh phtk e gekjh #fp ugh gA og lEHkor% dk'kh e ikf.MR; dk vnHkkr le; gA rk igyh ckr rk ;g fd if.Mr bUg dN le>r ugh g vkj bud lkFk tMuk Hkh ugh pkgr gA tc og cM if.Mrk

l fujk'k gk x;k] oy.Vkbu NkV if.Mrk d ikl x;k] dN ykxk dk ukdjh dk ykHk jgk gkxk] fdlh dh dN vkj etcjh jgh gkxh ij ml xk"Bh e dN if.Mr x;A ;g xk"Bh rhu&pkj fnu rd pyhA vxt fo}kuk u viu fopkjdk dh ckr lLdr e iLrr dhA bld ckn if.Mrk l iNk x;k fd bl ij mudh D;k ifrfØ;k g \if.Mrk u tokc fn;k fd ble dkb fl)kUr ugh g rk ge fdl ij ifrfØ;k n \ ;g dgdj o py x;A oy.Vkbu cgr fujk'k gvk vkj mlu bl fo"k; ij ljdkj dk fy[k fn;kA mldk e[; dke ;gk d xUFkk dk vxth e vuokn djkuk vkj xk.k dke vxth dh dN iLrdk dk lLdr e vuokn djkuk FkkA ;g fdLlk ludj ej eu e if.Mrk d ckj e xkjo gvkA eu dN ykxk dk ;g fdLlk crk;k rk o cky fd bll ;gh fudyrk g fd o if.Mr tMcf) Fk vkj nfu;k dk le>uk ugh pkgr Fk blfy, ugh x;A mld dN fnu ckn eu fnYyh fo'ofo|ky; e n'ku'kkL= i<kuk 'k: fd;kA n'ku i<kr g, e> le> e vk;k fd gekjh ijEijk e n'ku dh dkfV;k cgr Åph g] mudk ;jki dh dkfV;k l dkb edkcyk ughA bll ej eu e tk vkRe&fo'okl ink gvk mll e> yxk fd bl lH;rk dk le>uk pkfg,A bld ckn ej lkeu ;g i'u mifLFkr gvk fd ;jki nfu;k dk viu iHkko e dl dj ik;k \

mn;u % D;k blh nkjku vkidh HkV/kjeiky th l gb \

cuokjh % /kjeiky th l ejh HkV 1976 e gbA

mn;u % D;k mud vykok ,l dN ykx vkid pkjk vkj Fk] ftudh bu i'uk e #fp gk\

cuokjh % cgr ykx FkA gekjh fe=&e.Myh bUgh lc i'uk e yxh gb FkhA ih-ih-,l-Vh- Hkh /kjeiky th l feyu d igy gh cu pdk FkkA mu ykxk d lkeu Hkh ;gh loky FkA e mUg /kjeiky th d dkj.k gh tku ik;kA ; lHkh ykx dkuij vkb-vkb-Vh- e FkA ogk ;g fopkj gvk fd vk/kfud foKku l gekjk dY;k.k rk ugh gvkA bu ykxk dk igyh ckr ;g le> e vk;h fd foKku dk lkoHkkfed gku dk nkok lgh ugh gA bldk ifri{k ;g Fkk fd foKku dk lLdkjfu"B vkj ykd0;kih gkuk pkfg,A bu ykxk dk ;g le> e vk;k fd ;jki d foKku d foijhr ykd0;kih vkj lLdkjfu"B foKku [kMk djuk gA blh fopkj d vk/kkj ij ifV;kfVd ,.M ihiYl lkbl ,.M VDukykth ¼ih-ih-,l-Vh-½ cuk FkkA ,l cgr lkj ykx Fk] tk bUgh dN lokyk l my> jg FkA /kjeiky th l feyu d dN fnu ckn mUgku e> crk;k fd enkl e ih-ih-,l-Vh- uke dk ,d leg g vkj mu ykxk dk ej ckj e crk;kA bl leg e ,e-Mh- Jhfuokl] ftrUn ctkt] v'kkd >u>uokyk] uoT;kfr flg vkfn cgr ykx FkA tc ge fey geu ik;k fd ge ,d&l i'uk l t> jg gA

mn;u % cukjl l ykVu d ckn tc vkie viuh lH;rk d ifr vkRe fo'okl fodflr gkuk 'k: gvk] vki fdl rjg d v/;;u e tV \

cuokjh % leL;k ; g fd bu lc i'uk dk db fopkjdk u ekf[kd :i l mBk;k Hkh vkj mul t> Hkh ij mu ij cgr fy[kk ugh x;kA vki ,lh ,d Hkh fdrkc ugh crk ldr ftld fo"k; e vki ;g dg ld fd ml i<u ij vki bu i'uk dk tokc ik ldA tc eu fnYyh fo'ofo|ky; e 'kk/k dju dk fu'p; fd;k e> Hkk"kk 'kkL=h; nk'kfud] foVx'Vkbu ij dke djuk FkkA vkjfEHkd foVx'Vkbu u ,d ckr ;g dgh fd ^fiikft'ku* ;kfu dFku dk ,lk 'k) :i gk ldrk g ftle dF; ugh gA tc ge lkpu yx fd bl fopkj dk Hkkjrh; nf"V l dl n[kx] ge bl urht ij igp fd ^fiikft'ku* dk fopkj xMcM gA ,lk dkb :i gk gh ugh ldrk ftle dF; u gkA blfy, gekjh nf"V l fiikft'ku gk gh ugh ldrkA blh rjg dh ryuk, djr&djr ge ml txg igp g] tgk ge ;g dg ldr g fd Hkkjrh; nf"V D;k g vkj ;jkh; nf"V D;k g \ ckf) dk dh ;g xyrQgeh gkrh g fd gj pht dk rkfÙod :i l le>k tk ldrk gA lHkh lH;rk, bruh tfVy g fd mud Hkhrj l fdlh ,d pht dk fudkydj vki ;g ugh dg ldr fd ;gh ml lH;rk dk ey gA ;g djuk mfpr ugh gA ge db o"kk rd tk ;g lkpr jg fd ;g pht Hkkjrh; g vkj ;g ;jkh; g] mle Je cgr yxk ij fudyk dN ughA ;k mruk ugh fudyk] ftru dh vi{kk FkhA bl lUnHk e Hkkjrh; rjhdk lh/k fdUgh fo'k"k rÙok rd igpu dk ugh g] Hkkjrh; rjhdk ;g g fd igy vki ;g n[k fd gvk D;k g\ fiNy nl o"kk l geu ;g n[ku dk i;kl fd;k fd fiNy pkj lk& ikp lk cjl e gvk D;k g\ iUng lk d ckn ;k mld igy Hkh fofHkUu lH;rkvk e D;k ?kVk g \ ;g ;jki dk 'kjhj vkj eu fdu ,frgkfld ifØ;kvk l cuk gA

mn;u % vkiu vHkh ;g dgk fd fdUgh fo'k"k phtk dk fudkydj ;g dguk mfpr ugh g fd ;g bl lH;rk d fo'k"k rÙo gA fdlh pht dk rÙo l bl rjg tkuu dh dkf'k'k djuk ekV :i e vk/kfud foKku dh i)fr gA vki bll myV nf"V iLrkfor dj jg gA mldh vkidh 0;k[;k D;k g \

cuokjh % vk/kfud foKku eyr% dk;&dkj.k lEcU/k ij fVdk gA tk tM inkFk g] mUg rk fQj Hkh lhfer djd i;kx'kkyk e n[kk tk ldrk gA yfdu lekt dk rk ,l fcYdy Hkh ugh n[k ldr D;kfd mle db ifjoru'khy jkf'k;k gA dk; e Hkh vkj dkj.k e HkhA blfy, dk;&dkj.k fdlh Hkh ifrifÙk e lkFk ugh yk; tk ldrA lH;rk, bru lkj vo;ok l feydj cuh gkrh g fd mue dN dh i/kurk gkrh g vkj dN dh ughA ogk vki ;g ugh

dg ldr fd ;g ccy g vkj ;g vkeA ;gk o'kf"kdk u ,d Åph ckr dgh gA o dgr g fd llkj e tk dN Hkh g] tho vkj vU; lHkh pht& mue dN lkekU; g vkj dN fo'k"kA gj tho fo'k"k g ij lkekU; Hkh gA vxj ge mle flQ lkekU; n[ku dh p"Vk djx] xyrh djx] D;kfd llkj dk gj tho lkekU; gku d lkFk&lkFk fo'k"k Hkh gA

,d ckj e vk'kh"k uUnh d lkFk fdlh lehukj e FkkA mUgh fnuk eu ;jki dk i<uk 'k: fd;k FkkA eu dgk fd ;jki vkUrfjd vkifuof'kdj.k l gh cuk gA bl ij o cgr ilé g,A vk'kh"k uUnh u ;jki dk cgr i<k gkxkA mUgku dgk] ; dkb dgrk ugh g] e bru fnu l dg jgk g fd og b.Vuy dkykukbt'ku l cuk g(vly e b.Vuy dkykukbt'ku dh ckr Hkh v/kjh gA ckr ;g g fd ;jki eu"; d cgyk'k dk eu"; ugh ekurkA ;ukuh dky e ;g dgk x;k fd mRiknu e yx ykx ikfyVh d v;kX; g] mue ikfyVh dh lkeF; ugh gA blkb;r u D;k dgk\ mUgku dgk fd eu"; e b'oj dk tkuu dh lkeF; gh ugh gA

mn;u % dgk ;g x;k fd mle ;g lkeF; ugh gA

cuokjh % b'oj tc pkgrk g] nonr Hktdj fdlh ,d vkneh dk Hkku djokrk g fd b'oj loiHkrk&lEié gA vkid ikl mlh tkuu dk dkb lk/ku ugh gA pfd mlu fdlh ,d vkneh d ek/;e l gh vkidk ; Hkku djok;k g fd og g] vkid ikl mld gku dk iek.k ml vkneh dk opu gA mld vykok dN ugh gA vki ml vkneh d opu dk ekudj mle vkLFkk j[kA bld vykok vkid ikl dkb jkLrk ugh gA vki [kn dHkh b'oj d lEid e ugh vk;xA tc vki ejx rc dgh fyVk fn; tk;x vkj d;ker d fnu tc og vk;xk vkj iNxk fd fdle ej ifr fu"Bk Fkh vkj fdle ugh Fkh] mld fglkc l vkidk Lox&ujd n fn;k tk;xk] oxjg&oxjgA ble cMh ckr ;g g fd eu"; e b'oj dk tkuu dh lkeF; g gh ughA blfy, vki lk/kd ugh gk ldrA ;g ,d ikfyfVdy lEcU/k gA vkidh b'oj e fu"Bk Hky gk] vki ml tku ugh ldrA bLyke u ;g ;uku l fy;kA ;ukuh ykxk u ftl ikfyVh d vk/kkj ij cgyk'k dk fMgîeukbt fd;k Fkk] mle de&l&de dN ykx rk cp gkx tk ikfyVh e FkA blkb;r u lcdk fMgîeukbt dj fn;kA ge viuh f'k"Vrk e ; ckr dgu l cpr g] yfdu ; ckr ;jki dk le>u d fy, cgr vko';d gA bldk fcuk le>] tk ogk gvk g ;uku d le; e ;k e/; ;x e ;k vkt tk gk jgk g] vki ml le> ugh ldrA ogk vkid vf/kdkj vkdfLed g] ikÑfrd ughA Hkkjr e eu"; cfYd ik.kh ek= e b'oj g vkj lHkh dk mldk tkuu dk vf/kdkj g vkj mldk ekx

miyC/k gA Hkxoku c) u ;gh dgk fd rEg dgh tkuk gk rk re D;k djkx\re ykxk l iNkx fd ogk rd tkuk g] jkLr e dku&dku&lh txg iMxhA re tc pykx rk mu&mu txgk dk n[kr g, igp tkvkxA ,l gh vki vxj pykx rk vKku l NV tkvkx& ,d ekx g ;g g mldk tkuu dkA ,lk ugh g fd ge ; u tkur gk fd ijelÙkk vfpUR; gA gekjh KkufUn;k Hkkfrd g vkj ijelÙkk vHkkfrd gA dkb Hkkfrd lÙkk fdlh vHkkfrd lÙkk dk tkuxh rk mldk rjhdk og ugh gk ldrk tk Hkkfrd lÙkk dk tkuu dk gk ldrk g] ; ge tkur gA gekjh ,d dynoh dk uke g] ^vfpUR;i.kh nohA* o vfpUR; g] mudk vki le> gh ugh ldrA ; ge tkur g] yfdu ge ;g Hkh tkur g fd vki vrhfUn; vuHko dj ldr gA Hkkfrd bfUn;k d ij tk ldr gA ogk vkidk b'oj dk ck/k gkrk g vkj gekj ;kfx;k u crk;k fd dl gkrk gA blfy, /ke ;k vk/;kRe d {k= e tk fLFkfr g] ogh jktuhfr d {k= e gA e ;g le>u dk i;Ru djrk jgk vkj xk/kh th d fopkjk d lgkj gh le>u dk i;Ru djrk jgk fd Lojkt D;k gA xk/kh th u dgk fd og ofnd fopkj gA eu n[kk fd gekj ;gk fujUrj ^LojkT; flf)* uke l xUFk fy[k x; gA LojkT; dk eryc g] ^vkReflf)A* vkReflf) dl gk] bl ij ; lkj xUFk fy[k x; gA ^LojkT;* eyrh jktufrd 'kCn ugh gA

mn;u % vk/;kRe dk 'kCn g ---

cuokjh % yfdu ;g Hkh /;ku e j[kuk pkfg, fd 'kkL= gekjh cf) dk idVu gh gA 'kkL= l ge ugh cuA 'kkL= gekjh fo'k"k cf)] gekjh fo'k"krk] gekj lkpu d <x dk ,d iLrkj gA ^ipk;r* 'kCn vkidk dgh lkfgR; e ugh feyxk vkj ipk;r bruh cMh lLFkk vkt l ugh] ge'kk l jgh gA eu n[kk fd ofnd dky vxj dkb Fkk rk mle ckã.kk dh lHkk vkj lfefr;k g] lHkk olh gh g tlh vkt dh ipk;r gA ogk bldk uke lHkk gA ml lHkk d fdlh dk; fo'k"k dk dju d fy, lfefr gA gekj ykxk u 0;ogkj e nljk 'kCn y fy;k] ^ipk;r*A og mruk gh lkjxfHkr gA ^ipk;r* dkb lk/kkj.k 'kCn ugh gA ipk;r eku ftle lef"V 'kkfey gkA rÙo ikp gA ^iip* eku og tk ikp rÙok l feydj cuk gA ipk;r ^lc* d vFk e gA

tc e ^ipoVh* fy[k jgk Fkk] eu ;g tkuu dh dkf'k'k dh fd ikp iM dku&l gA ipoVh d ckj e okYeh fd jkek;.k e D;k fy[kk gA eu ik;k fd mle dkb ikp iM g gh ughA lHkh iM fxuk; g, gA rHkh le> e vk;k fd ipoVh dk eryc ikp iMk dh oVh ugh gA

mn;u % ogk lHkh rjg d iM g ---

cuokjh % e> vpkud ckdh lc pht Hkh le> e vk;h] ;g Li"V gvk fd ip dk eryc ikp ugh gkrkA 0;ogkj e dHkh ikp dk vFk ikp Hkh jgk gk ldrk gA nk rEgkj i{k d fcBk fn;] nk mld i{k d fcBk fn;] ,d vkneh tk fdlh i{k dk ugh gA mll U;k; vPNh rjg gk tk;xkA yfdu lekU;r% ikp ykxk dk iek.k ugh feyrk] o T;knk ykx jg gkxA de gkx ;k T;knk gkx] yfdu mudk ikp gkuk vko';d ugh gA ipk;r e ^ip* dk vFk g lHkh ykxA ikf.kfu u ^v"Vk/;k;h* e dgk fd doy 0;kdj.k l gh 'kCnk dk vFk fuf'pr ugh gkrk] ykdflf) l Hkh gkrk gA mUgku ;g viokn Lo:Ik dgk gA ykd viuh lLFkkvk dk tk fuek.k djrk g] mle Hkh mruk gh ifj"dkj gA

geu 'kkL= vkj ykd dk ;jki l vk;k vUrj eku fy;kA ;jki e vUrj blfy, Hkh g fd ,fjLVkØlh ¼vfHktkr ox½ dk lekt l dkb lEcU/k ugh gA ogk ; dl gvk] bl ij FkkMh nj ckn vk;xA yfdu tc nkl&iFkk oxjg d fo#) dkuu cuu yx rk cMh leL;k mRié gk x;hA og ;g fd ,fjLVkØV dk [krh djuk ugh vkrk FkkA fQj dl gk [krh\tehu mld ikl g] Hk&nkl py x;] tc nkl&iFkk gV x;hA Hk&nkl dh ekx ; gb fd og tehu mldk feyuh pkfg,A rc jkT; u ;g dgk fd tk Hk&Lokeh ¼,fjLVkØV½ fdlkuk dk tehu cpuk pkgrk g mldk ilk jkT; nxkA : l e ;g gvkA jkT; u ilk dh Hkjikb dhA mlu ilk fn;k ,fjLVkØV dk vkj fdlku l dgk fd re ;g ilk gedk pdkr jgk nj rdA

mn;u % bl rjg fdlku u tehu [kjhn yh\

cuokjh % bll ,d ek;u e vf/kdk'k ,fjLVkØV ekykeky gk x;A tehu dk dkb dke ugh Fkk] mldk nke fey x;kA [krh djuk mudk vkrk ugh FkkA vkj fdlku jkT; l c/k x;kA ;jki e jkT; d vorj.k e doy bruk gvk g fd jktk ,fjLVkØlh d lkFk feydj 'kklu djrk FkkA vkiu ,fjLVkØlh dk gVk fn;k rk jkT; vkj 'kfä'kkyh gk x;kA vk/kfud le; e jkT; blhfy, 'kfä'kkyh g fd dkb ,fjLVkØlh ugh g ;jki eA

mn;u % lkjh 'kfä;k vc jkT; d ikl g ---

cuokjh % ykx 'kfä&lEié ugh g,] lkjh 'kfä;k jkT; d ikl vk x;hA ge bl ij FkkMk ckn e vk;x fd vk/kfud dky e D;k gvkA bldk le>uk cgr vko';d g fd ; dl gvkA ;g tk Hke gekj eu e cuk gvk g fd ;g KkukRed fodkl g] mldk VVuk cgr t:jh gA ml KkukRed fodkl ugh dg ldrA og g gh ughA tc ;jkih; lcl vf/kd Kku dh ckr dg jg g] ml le; lcl T;knk ccj ?kVuk, gk jgh gA

mn;u % julk d ckn\

cuokjh % gk] julk d cgr ckn rdA lkj ccj dke méhloh lnh rd gkr gh jg g] yfdu chloh lnh ej [;ky l lcl T;knk Hk;kud lnh gA e> ;g dgu e dkb ldkp ugh g fd eu"; d bfrgkl e] ;jki d Hkh bfrgkl e bruh vU/kdkje; dkb vkj lnh ugh jghA mld mu Lo:ik dk geu n[kk ugh gA gkrk ;g g fd fctyh dk ,d cYc tyk nk rk mldh jk'kuh e ckdh lc pht <d tkrh gA ge foKku vkj VDukykth l ,l pkf/k;k x; g fd mudk mi;kx fdlfy, gvk g] ;g Hkh ge tkuu dh dkf'k'k ugh djrA e fiNy fnuk lh-ih-,l-e cky jgk FkkA x#efr vkj ,e-Mh- Jhfuokl ogk FkA eu dgk fd 1890 rd foKku dh dkb Hkfedk gh ugh g] ftl vki vk|kfxd ØkfUr dgr g] mle foKku dh dN Hkfedk g gh ughA bl ij i'u gvk fd vkidk D;k vk'k; g\ eu dgk fd n[kk] foKku dk igyk mRikn ;k igyh pht cYc gA ,Mh'ku 1892&93 e igyh ckj vk;k gA mll igy ; lc ;kfU=d ifØ;k, g vkj bue Hkh gedk oL=&m|kx gh fn[kk;h nrk g vkj dN ughA eryc ;g g fd vk|kfxd ØkfUr diM d feyk d cuu l ugh gb] mll cMk ;kxnku jyo dk g vkj jyo oKkfud rjDdh d dkj.k ugh gk jgh g& nfu;k dk dCt e dju dh bPNk d dkj.k gk jgh gA Hkkjr e jy blfy, cuh g fd vkidk luk dk ,d txg l nljh txg y tkuk gA blfy, ugh fd vkidk lkeku y tkuk gA Hkki d btu dk bLreky gvk ikuh d tgktk eA diMk m|kx e] tk mUgku ;kfU=d ifØ;k, lh[kh g] mudk de bLreky gvk g] T;knk bLreky rk dCtk dju e gvk gA ; ckr ge blfy, Hky tkr g fd ;jki viu ckj e ;g lc fy[krk ugh gA

e ;g le>u dh dkf'k'k dj jgk Fkk fd vefjdk e lu 1930 dh eUnh D;k gb ;k vefjdk e ; nkyr dl vk;h] oxjg&oxjgA gekj eu e ;g /kkj.kk cBh gb g fd foKku vkj VDukykth l mUgku viu ykxk d Hkkfrd thou dk l/kkj fy;kA ;g lcd eu e /kkj.kk cBh gb g vkj mlh l fodkl oxjg fudyk gA foKku vkj VDukykth dk mí'; ,d rjg dh ;) e'khujh ink djuk Fkk vkj og ;) e'khujh vk|kfxd <kp dk [kM fd; fcuk lEHko ugh FkhA vxj vkidk luk dk ;gk l ogk y tkuk g] vkidk lMd pkfg,] jyo pkfg,] gokb vìk pkfg,A vkj blh rjg l vkidk lpkj d lk/ku pkfg,A ; lc iHkrk LFkkfir dju d fy, gA ; tk dN Hkh gvk] mldh igyh miyfC/k vefjdk dk vt; cukuk gA og ;g ugh g fd mlu miHkkäk oLr, ink dhA mlu ,lh ;) lkexh ink dj nh fd vki mldk yMkb e ugh gjk ldrA e[; ckr ;g gA vc ml vt;rk dk cuk; j[ku d fy, ;g vko';d g fd vki ml ;) lkexh dk ink djr py tk,A ; lEHko ugh g fd

vki flQ gokb tgkt ink djA tk rU= ;) lkexh ink dj jgk g] ml rU= dk vkid thou d fy, cgr lkjh pht ink djuh g ij og mldk lg&mRikn gA tk miHkkäk llkj g] og mldk lg&mRikn gA og mldk e[; mí'; ugh gA

mn;u % e[; mí'; lU; g ---

cuokjh % lkbl&VDukykth dk mí'; ;) dh 'kfä ink djuk g vkj ml rU= dk cuk; j[ku d fy, ;g vko';d g fd vki ckdh lcdk ml vk|kfxd mRiknd 0;oLFkk e 'kkfey dj vkj vki ;g rHkh dj ldr g tc mud fy, Hkh dN cuk,A ge mldk myV dj n[kr gA ge lg&mRikn dk e[; eku jg g vkj e[; dk xk.k eku jg gA

mn;u % bldk lEcU/k D;k vki ;ukuh 0;oLFkk l n[k jg g\

cuokjh % fcYdy] ;jkih; fpÙk e e[; ckr ,d 'kfä&rU= [kMk djuk jgk gA ;ukuh dky e Hkh ,lk gvkA ogk xnjh ml dky dk cMk v/;rk gA ,d ,lk le; g ftle lc uxj ,d nlj l yM jg gA

mn;u % ,FkU l vkj LikVk d chp e ;) py jgk g ---

cuokjh % bl yMkb d fy, T;knk lfud pkfg,A mru lkj lfud doy uxjk l ugh fudy ldr] mUg ckgj l yuk iM jgk g rk luk e o nkl Hkh 'kkfey gk jg g ftue ;) dju dh {kerk gA tc yMkb [kRe gkrh g vkj nkyr c<rh g] og mudk Hkh feyrh gA mle cgr l ykx bl fLFkfr e vk x; g fd o viuh LorU=rk [kjhn ldA mle 0;oLFkk ;g g fd vki viuh vktkmh [kjhn ldr gA igy vxj rhu pkFkkb nkl jg gkx rk ckn e nk frgkb jg x;A ;g ml teku e Hkh gA

mn;u % FkkMk vkj ihN tkdj ; lkp fd nkl iFkk dl 'k: gbA D;k ; ikÑfrd lEink d lhfer gku l gk ldrk g\D;kfd ; B.M n'k g] cgr mRiknu Hkh ugh gkrk gA

cuokjh % vc rk ;g de gk x;k yfdu igy ;jkih;k u ;g dgu dh dkf'k'k dh fd ; nk iofÙk;k D;k gA ,d rk ;g fd ogk d ykx bru fgld D;k g \ nfu;k e bruh fgl k dgh ugh gA bruh B.M g] iÑfr bruh fgld g fd ml l viuh j{kk d fy, o fgld gk x; g vkj nljk ;g fd ogk thou&;kiu d lk/ku cgr de gA vxj vefjdk ;jki dk ugh feyrk rk o ej gh tkrA lc ekur gA ;jkih; v/;rk bl ekur g fd vky u mudk cpk fy;kA [kk| d rkj ij vky yfVu vefjdk l vk;k vkj ; cp x;A bl rd dk ijh rjg ekuu e e> ef'dy gkrh gA ;jki rk yxHkx lu 800 d vklkl [kMk gvk gA jkeu lkekT; e ;jki dk cgr NkVk fgLlk 'kkfey gA vkt dk dkyku jkeu lkekT; dh vfUre dkykuh FkkA teuh dk

dkyku& ^dkyku* eku dkykuhA ftu bykdk e jkeu lkekT; ;k ;uku [kM g,] bru foié rk ugh Fk vkj ; xe bykd gA ;jki B.Mk bykdk g yfdu ;uku vkj bVyh bru B.M ugh gA blfy, bl rjg d iLrkok dk ekuu e e> ef'dy gkrh gA og D;k dN g] e ugh tkurk fd lH;rk dk ekul dl curk g\ blfy, eu vkil dgk fd rkfÙod ckr <<uk Bhd ugh g] og dHkh le> e vk;xh rk vk;xh] yfdu mll vki 'k: ugh dj ldrA gk ldrk g fd ml ij dHkh igp tk,A e> le> e ;g vk;k g fd Hkkjr vkj ;jki e ey vUrj ;gh g fd vki b'oj dk v'k g ;k vkidk b'oj l dkb lEcU/k ugh gA ;jki e vki n[kx fd ,fjLVkØlh vkj ckdh ykxk dk vUrj ;gh g fd ,d eu"; g nljk mll uhpk gA ,d ckj ;g fopkj LFkkfir gk x;k fd dN gh ykx eu"; g rc b'oj dh txg ikfyVh dk j[ku e ef'dy ugh gA bl rjg mUgku igy viu ykxk dk nkl cuk;k] ckdh dk ckn e cuk;kA

gkyckl u viuh fdrkc e Hkkjr vkj ;jki d vc rd d ckf)d lEid ij foLrkj l fy[kk gA fo'y"k.k djr g, og dgrk g] ;jki ij ;g vkjki yxk;k tkrk g fd o viu dk gh ekur g vkj ckdh nfu;k dk dN ugh ekurA ekuk ckdh nfu;k d dkb ek;u ugh gA Hkkjr d ykx lcdk 'kkfey djd pyr gA ijk llkj mud llkj dk vx gA yfdu tc Hkkjr d ykx viuh 0;k[;k djr g rk ; dgr g fd Hkkjrh; lekt pkro.k dk lekt gA ml pkro.k d lekt dh lhek ij ipe o.k cBk gvk g] tk 'k"k nfu;k gA ble ,d loky mBrk g fd ;jki d ,DlDyflfoTe vkj Hkkjr d buDyflfoTe e vUrj D;k gvk\ ; vPNk loky mlu mBk;k] yfdu vUrj g\ ipe o.k Hkh lekt dk fgLlk gh g] mld ifr Hkh vkidk nkf;Ro g] og vkid nkf;Ro l ckgj ugh g rk 'k"k nfu;k d ifr Hkh vkidk nkf;Ro gA ;jki ; ugh ekurk fd 'k"k nfu;k d ifr mldk dN nkf;Ro gA nljk d ifr mudh igyh ifrfØ;k ;gh gkrh g] fd vxj ;g gekj fy, fdlh rjg dh pukrh g rk bl ekj nkA yfdu vxj vki e ;g Hkkouk gk fd ^b'kkokL;fen lo ;fRdfpr txR;k txr*] bl lf"V e tk dN Hkh g og lc fn0;rk l gh 0;klr g rk vkie nljk d fy, og ifrfØ;k ugh gk ldrhA

,d Hke gee ; ink gvk g fd bfrgkl jf[kd g vkj og ,d fn'kk e pyrk gA if'pe u gedk ; euok fn;k fd ml ,d fn'kk dk urRo mlu fd;k g vkj og vc tgk igpk g] ogk ckdh lcdk igpuk gA ej [;ky l 1930&40 rd Hkkjr e ftru Hkh urk g] ftru Hkh fpUrd g] o lc ; tkur g fd bfrgkl ,lk ugh gkrkA nfu;k Hkj e ykx ;g

tkur g] phu e ; ykx tkur g fd bfrgkl e mrkj&p<ko gkr gA ; dN ikÑfrd fu;e g fd 'kfä ,d txg [kMh gkrh g] fQj dN le; ckn ogk <y tkrh g] fQj nljh txg [kMh gkrh g] fQj ogk <y tkrh g] fQj rhljh txg [kMh gkrh gA blfy, gekj ijku bfrgkl e ;g g fd y{eh ppyk g] og LFkku cnyrh jgrh gA ogh ckr 'kfä rU= d ckj e Hkh ykx gkrh gA og Hkh viuh txg cnyrk jgrk gA eu"; e ;kX;rk Hkh g yfdu detkjh Hkh gA db ckj vxj 'kfä rU= cgr iHkko'kkyh gk rk og mld iHkko e vk tkrk g] mldh pdkpk/k e vk tkrk g] mldh udy dju yxrk gA vHkh ;gh gk jgk gA ge if'pe dh bruh pdkpk/k e g fd geu ;g n[kuk Hkh NkM fn;k g fd mldk vkt dk Lo:lk dl cuk vkj mldk mí'; D;k g] mldk vkUrfjd <kpk D;k gA geu ;g le>u dh dkf'k'k gh ugh dh fd MekØlh g D;k\ geu ; le>u dh dkf'k'k ugh dh fd ;jki u tk Hkh vFk0;oLFkk cuk;h g] mldk Lo:lk D;k g] mldh iÑfr D;k g] og gekj fy, xg.kh; g Hkh fd ugh] ;k nfu;k d fy, xg.kh; g Hkh fd ugh ;k nfu;k l mldk lEcU/k D;k cu jgk gA ; lc ,l i'u g ftud mÙkj ge mud gh fn; g, mÙkjk e ugh [kktu pkfg, Fk] viuh nf"V l [kktu pkfg, FkA ,d rk geu ;g le>u dh dkf'k'k ugh dh fd gekjh viuh dkb nf"V g vkj ml nf"V l nfu;k dk n[kuk t:jh gA ge Hkh ,d le; rd nfu;k d mru gh f'k[kj ij jg g ftruk vkt ;jki g vkj nfu;k gel mruh gh iHkkfor jgh g ftruh vkt ;jki l g(gekjh viuh dkb nf"V jgh gkxh] ftll geu og 'kfDr&rU= [kMk fd;k FkkA og nf"V D;k g vkj ml nf"V l gedk vkdyu djuk g ;k ugh djuk g] ; vkRefo'okl ftl fnu gedk vk tk,xk] ge lc le> tk,xA mle dkb jgL; ugh g] og lc gkFk ij j[k g, vkoy dh rjg g] flQ gekjk /;ku ml rjQ ugh gA

if'pe e Hkh cgr ykx ;g dgr g fd mudk vkt dk rU= eyr% ;ukuh fopkj l fudyk g] ftl vc dgu oky cgr l ykx g fd ; lyVkfud gA mldk i<r le; ejh vk[k [kyh fd ftu 'kCnk dk geu lH;rk dk ekud eku fy;k g] o gekjh lH;rk dk ekud ugh gk ldrA tl ^flfofyVh* 'kCn g] ^ikfyVh* 'kCn gA ^ikfyVh* 'kCn lH;rkeyd ugh g] og 'kfä&rU=&eyd gA ;uku dk uxj 90 ifr'kr ykxk dk nkl cukdj [kMk gvk gA geu flQ ;g n[kk g fd og uxj g vkj ml uxj e jgu oky ykxk dk cMk xkjo g vkj o cf)eku eku tkr g] mud ukxfjd vf/kdkj gA mud ukxfjd vf/kdkj g yfdu ukxfjd dÙk0; ugh g] ; eu xk/kh th l le>kA xk/kh th u dgk g fd dÙk0; Åph ckr g] vf/kdkj ughA vf/kdkj dÙk0; e l fudyr g] dÙk0; vf/kdkj e l ughA gekjh lH;rk e gedk

ge'kk fl[kk;k tkrk Fkk fd /ke dk eryc viu dÙk0;k dk fu/kkj.k gA nljk d ifr vkid dÙk0; D;k g] eu";k d ifr D;k dÙk0; g] tkuojk d ifr] ouLifr d ifr] L=h&i#"kk d ifr D;k dÙk0; gA bu dÙk0;k l gekjk vf/kdkj fudyrk gA ,lk ugh g fd ogk dÙk0; ugh g yfdu dÙk0;k dh Hkfedk ihN g] vf/kdkj dh Hkfedk ie[k g vkj vf/kdkj dh Hkfedk blfy, ie[k g fd mudk 'kfä&rU= vf/kdkjk dh ifrLi/kk ij gh fVdk gvk gA tl gekj ;gk lH;rk dk fuek.k lokuefr l gkrk gA ogk dh 0;oLFkk lokuefr l ugh pyrh] og ifrLi/kk l pyrh g] ftldh T;knk l[;k g og fot;h gkxkA ikfyVh dh iÑfr ,lh g fd tk viu lkFk T;knk ykx yk,xk] og jkT; dk fu;fU=r djxkA ;g nf"V ;ukuh fopkj e vk;h g] yfdu ;ml Hkh igy dh gkxhA ;ukuh lekt] ;ukuh fopkj l ugh cuk gA dkb fpÙk g] mldh dkb nf"V g] tk lyVk e Hkh vkrh g] tk ogk dh jktufrd 0;oLFkk e Hkh g] ogk dh dyk e Hkh g] ogk dh lc phtk e vk tkrh gA

tc ge ;ryuk dju yxr g] tc ge 'kkL= e iM tkr g] ge mldflQ ,d i{k dk n[ku dk dkf'k'k djr g fd bud 'kkL= e vkj gekj 'kkL= e D;k vUrj g& og Hkh egÙoi.k g& yfdu mldk le>u d fy, ;g /;ku j[kuk t:jh g fd og lc fdlh ,d nf"V l fudyk gA og nf"V dgh tkrh ugh gA og nf"V gh vkidk e/;;xhu ;jki e fn[kk;h nrh gA e/;;xhu ;jki e lekt d vkUrfjd vUrlEcU/k ;uku dky d vUrlEcU/kk dk gh :ikUrj.k gA o cny ugh g] ogk tk nkl g] o ;gk Hknkl gA dN&dN ?kkyey gvk gA tc blkb;r vk;h] jke d jktk u ml Lohdkj fd;kA blkb;r u n[kk fd vxj ml lkekT; cukuk g rk mldfy, LFkkf;Ro pkfg,A LFkkf;Ro pkfg, dk eryc ;g fd tl ikfyVh lcdk foHkkftr djd pyrh Fkh] ml rjg d foHkktu l vki lkekT; ugh pyk ldrA mll uxj&jkT; py ldr g yfdu lkekT; ugh py ldrA mle bl ckr dh vko';drk egl gb fd ifjokj dk iuifrf"Bk fd;k tk,A ifjokj dh ifr"Bk ;uku dky e ugh g] blkb;r e g] og Hkh e/;dky e gh gA ;jki blkb vkj ;ukuh nkuk fof/k;k l py jgk gA fdlh ,d fof/k l ugh py jgkA nkuk e dkQh rkjrE; gA mudk ruko 'kfä dk ruko g fd iki lokPp g ;k jktkA og ekU;rkvk dk }U} ugh gA tlk geu eku fy;k g fd ; cM vU/kfo'oklh g vkj o cM j'kuy g(,lk dN ugh gA i'u ;g g fd nfu;k ij ;jki dk vlj dl gvk\ 1800 d vklikl phu mudh bPNk d v/khu g] Hkkjr mud fu;U=.k e gh gA 1800 d dN le; ckn gh vÝhdk dk mUgku thruk 'k: dj fn;kA 1870 rd ijk vÝhdk mud dCt e gA ; lc dl gvk\ ; lc tkuu dh ifØ;k e gh eu mud bfrgkl

dk n[kuk 'k: fd;kA e> ;g yxk fd lu 1350 iLFkku fcUn gA 1350 e ;jki e cgr Hk;dj lyx QykA lyx ogk igy Hkh Qyk gA gj M< lk&nk lk lky e ogk ,d ckj Hk;dj chekjh Qyrh gA ml chekjh e ,d frgkb ;k vk/k ykx ej tkr gA yfdu 1350 mudh Lefr e ^Cyd MFk*] dkyh eR; d uke l nt gA mle ;jki l yxkdj phu rd vk/kh vkcknh u"V gk x;hA bl vk/kh vkcknh d u"V gku u mud 'kfä&rU=] ftl vki gYd 'kCnk e bdkukeh dg ldr g] dk pkiV dj fn;kA [krh d fy, etnj ugh cpA [krh e Je yxrk g] etnj yxr g vkj bll ,fjLVkØlh dh vkenuh de gb] jktk dh vkenuh de gb] ;g cMh leL;k FkhA mruh tul[;k nckjk iku e nk lk lky yx x;A bu nk lk lkyk dh dkykof/k e mUgku [krh d vykok nlj lk/ku [kktuk 'k: fd;A blh ifØ;k e cu buDyktl ¼ifjlj½ e mUgku HkM ikyuk 'k: dj fn;kA ,d ckM cuk nh pkjk rjQ vkj ml ckM d Hkhrj HkM j[kh tkrh FkhA ogk lk'kvk l eu"; dk vkReh; ugh ccj lEcU/k gA e> ogk d eu"; vkj lk'k d lEcU/k dk n[kdj le> e vk;k fd gekj ;gk fdruk vko';d Fkk fd ge xk; dk ifo= ekuA xk; dk] tl xk/kh th u dgk Fkk] ifo= ekuu dk eryc lk'k ek= d ifr ol k lEcU/k j[kuk g] tl k geu xk d ifr j[kk gA ;gk ykx ekl [kkr Fk yfdu lk'k dk doy ekl d :lk e ugh n[kk tkrk FkkA vxj vki if'pe dk n[k] ogk lk'k l mudk ,d gh lEcU/k g fd og mudk Hkktu gA ogk vxj HkM g rk Åu d fy, g vkj vxj ckdh vkj lc lk'k g rk ekl d fy, gA

mn;u % o lk'kvk dk ykbo LVkd dgr Hkh gA

cuokjh % vefjdk d ckj e ,d fQYe n[k jgk Fkk] ^jupj*A ;jkih; ykxk u ogk tkdj lk'k ikyuk 'k: fd;kA ,d vkneh u 10 g tkj xk; iky yh] yfdu ml l mudk n/k ugh nkgk tkrkA ml ,d ckj dgh n/k nkguk iMrk gA og fdlh >kiMh e x;k gvk g] ogk mldh xk; gA cgr B.Mk ekle gA ogk ml efgyk d fy, ml n/k nkguk iMrk gA og ml l dgrk g fd n[kk vxj fdlh dk ; irk yx x;k fd eu n/k nkgk g rk ejh cMh cnukeh gkxhA pfd fdlh xMfj; dk n/k nkgr ugh n[kk tkuk pkfg,A eryc mudk lk'kvk l lEcU/k Hkktu dk ugh] ekl dk gA Hkktu n/k Hkh gk ldrk gA vxj vki n/k fudkyx] ekl ugh c<xkA bl rjg dk lEcU/k ogk gA

mn;u % 1350 d vkl ikl d lyx d D;k ifj.kke g,\

cuokjh % e> ;jki dk le>u e ; egÙoi.k ckr yxrh g fd 1350 dh ?kVuk d D;k&D;k ifj.kke g,\

mn;u % mld ckn ogk lk'kikyu 'k: gk x;k\

cuokjh % o [krh dk fcYdy ugh NkM ldr Fk] pfd mudk vé pkfg,A yfdu lk'kikyu d dkj.k cgr lkj ykx Ñf"k l mtM x; D;kfd lk'kikyu d fy, mru ykx ugh pkfg,A mtM ykx 'kgjk e vk x; vkj 'kgjk e vkdj fHk[kjh gk x;] D;kfd mud ikl dkb dke&/kU/kk ugh gA mlh nkj dh ?kVuk exuk dkVk dh gA jktk dk ;) yMuk gA jktk dk dke gh g ;) yMukA ;) yMu d fy, mUg dj pkfg, Fkk D;kfd lfudk dk oru nuk gA tc Hkh ;) gkrk g] jktk dk dj c<ku iMr gA ,fjLVkØV dk yxrk g fdlku ij Hkh ,d lhek rd gh ck> Mkyk tk ldrk gA vki fdruk dj yx\ lÙkj ifr'kr y yx] vLlh ifr'kr y yxA bll T;knk D;k yx\ o dgr g fd jktk d ikl ;knfPNd 'kfä;k ugh gkuh pkfg, fd o ftruk pkg dj c<k;A ge mld Vu.Vl g] Vu.Vl l iN fcuk ml dj ugh c<kuk pkfg,A exuk dkVk ,d rjg l ,fjLVkØlh vkj jktk d chp lfU/k gA mldk ykdrU= l dkb yuk&nuk ugh gA ,d jktk g] mldh jktifj"kn gA ml jktifj"kn e mld Vu.Vl vkr gA ml ogk ckn e ikfy;ke.V dgk tku yxkA bldk eryc ; ugh g fd o ykxk dk ifrfuf/kRo djrh gA og jktifj"kn jktk l ;g dg jgh g fd dj c<ku dk rEgkjk vf/kdkj dkb ugh y ldrk] og rEgkjk gh g yfdu re iN yk gel A ;g iLrko jktifj"kn e vk;kA eyr% ; ^exuk dkVk* gA jktk dl ; cnk'r djrk fd dj c<ku ;k ?kVku e mldk vf/kdkj ?kV tk;A og mld fy, fof/k fudkyrk gA fof/k ;g g fd jktifj"kn eukuhr lLFkk g] jktk ftldk pkg eukuhr dj ldrk g tk HkLokeh Hknykd] HkLokeh&Vu.V d vk/kkj ij cuh g] og mle uxj d ifrfuf/k;k dk eukuhr djuk 'k: djrk gA og dgrk g fd HkLokeh Vu.Vk d vykok tk Hkh cM uxj g] mud Hkh ,d&,d] nk&nk ifrfuf/k mle gkxA mle etnkj fdLlk ;g g fd jktk dk dkb pukrh ugh n ldrkA ogk ; leL;k 1800 rd gA ; 1800 d ckn Hkh gA ,l cgr lkj ykx g tk mu uxjk l eukuhr g] tk okLro e g gh ughA jktk viuh ckr dk euoku d fy, jktifj"kn d Lo:lk dk cnyrk jgk gA ble ,fjLVkØlh tUe ij vk/kkfjr g] ij jktk dk mll ckgj d ykxk dk yuk iM jgk gA dkeuj ¼tk ,fjLVkØlh d ckgj d ykx g½ jktk vkj ,fjLVkØlh dh yMkb e jktk d i{k/kj gA

/kj&/khj mudh l[;k c< tkrh g vkj mud fy, ,d vyx lnu cuk;k tkrk g& gkml vkQ dkeUlA ijku ,fjLVkØVk d fy, gkml vkQ ykMl gA gkml vkQ dkeUl] tk cx l vk; g] mud fy, gA o Hkh fdlkuk d ifrfuf/k ugh g] o 'kgjk d ifrfuf/k g vkj 'kgjk d Hkh vke ykxk d ifrfuf/k ugh gA o 'kgjk d /kuh ykxk d ifrfuf/k gA fQj ; loky

ink gkrk g fd ; dlk euku;u gk jgk gA tc ;jkih; ckgj fudydj nfu;k dk n[kr g rk Hkkjr e ikr g fd ,d puko tlh pht Hkh gkrh g uxj ifj"knk eA uxj ifj"kn e puko gkrk g] mld ckn lHkk curh gA ; ckr mudk cMh xg.kh; yxrh gA

mn;u % ;gk puko dh ifØ;k dlh Fkh] D;k ;gk gkFk mBkdj puko djr g ;k fy[kdj djr g\

cuokjh % ifp;k dk mi;kx gkrk gA bldk nf{k.k Hkkjr e cMk mnkgj.k feyrk gA ,l vkj Hkh cgr lkj mnkgj.k gA

mn;u % pxyiê e\

cuokjh % gk pxyiê e puko gkrk gA xk/kh th u nf{k.k vÝhdk e ogk dh vlEcyh dk fy[kk g fd ykdrU= rk vkiu gel lh[kk gA mle mUgku fy[kk g fd gekjh uxj lHkk puh tkrh Fkh] mld vk/kkj ij ; puko dh i)fr vkiu ;jki e 'k: dh vkj vkid ykx gh ;g ckr fy[k pd g rc fQj vki ;g dl dgr gk fd gee MekØlh dh ;kX;rk ugh gA nf{k.k vÝhdk e Hkkjrh; ykxk d okV d vf/kdkj dk Nhuk tk jgk g] mld tokc e o dg jg gA

;jki e 1900 rd okV nu dk vf/kdkj lEifÙk l tMk gA ftld ikl dN fo'k"k ek=k e lEifÙk g] og okV n ldrk g] ckdh ykx okV ugh n ldrA mld nl&iUng lky ckn tkdj ; gvk fd lcdk okV nu dk vf/kdkj gkxkA yfdu bldk dkj.k dN vkj gA lk/kkj.k ¼dkeuj½ ykxk dk vf/kdkj nu dk dkj.k ;g g fd jktlÙkk ftruh vc 'kfä&lEié g] mruh dHkh ugh FkhA jktk Hkh mru 'kfä&lEié ugh FkA jktlÙkk dk viuh 'kfä d fy, lgefr pkfg,A ykxk dh lgefr ugh gkxh rk mldh 'kfä iHkko'kkyh ugh gkxhA ykxk dh lgefr yu dk rjhdk g okV rkfd dgk tk ld fd ; rEgkj ifrfuf/k gA jkT; dh 'kfä blfy, g fd og vkidh lgefr l cuh gA vkidh lgefr l pyrh ugh gA tc mUgku nljk fo'o;) ?kkf"kr fd;k ;k igyk] ykxk dh lgefr ugh yhA mUgku viuk vkn'k ?kkf"kr dj fn;k fd gj vkneh dk luk e Hkrh gkuk gA vki le> ugh ldr fd mll fdruh ihMk Qyh gkxhA ,l cgr lkj ?kj Fk ftudk ,d gh dekÅ lnL; Fkk] vkiu ml Qkt e Hkt fn;k] og ej x;k rk ml ifjokj dk D;k gvk gkxkA nlj fo'o;) e lkr djkM ykx ekj x;] ijh nfu;k d ykx ekj x;] mle phu dk Hkh dkQh cMk fgLlk g] : l dk fgLlk g vkj ;jki dk mud edkcy de gkxk] yfdu g rkA gê&dê ykx vxj cMh l[;k e ekj tk, rk ml lekt dk D;k gkrk gkxk \ yfdu fdlh l bldh lgefr rk ugh yh x;h FkhA ,lh dkb etcjh ugh Fkh fd og ;) gkuk t:jh jgk gkA

lgefr Lo'kklu d fy, ugh jkT; d 'kklu d fy, gA MekØlh turk dk 'kklu ugh

gA gedk ;g xyrQgeh gk x;h g fd MekØlh eku& turk dk 'kklu A og turk ij 'kklu g] turk dk 'kklu ugh gA vkt ftruh 'kfä'kkyh jktlÙkk g] mruh 'kfä'kkyh nfu;k e dHkh dkb jktlÙkk ugh jghA bl 'kfä d fy, vkidk dkeuj ¼lkekU;k½ dk 'kkfey djuk Hkh cgr t:jh gA e> ;jki e gh ogk d ykxk u crk;k fd fL=;k dk D;k okV dk vf/kdkj feyk D;kfd mUg mRiknu 0;oLFkk e 'kkfey djuk FkkA pfd vki ;g ekudj py jg g fd ftru i#"k g] doy mud Hkjkl ijh mRiknu 0;oLFkk ugh py ldrhA fL=;k dk ifjokj l fudkydj vkidk etnj cukuk g] ukdj cukuk gA tc ukdj cukuk g] mudk dN nuk iMxkA mudk ;g crkuk iMxk fd vki Hkh Hkkxhnkj gA rk okV dk vf/kdkj fey x;kA

ge bldk tl n[kuk pkfg, mll myV n[k jg gA mudk ykdrU= turk dk 'kfä nuk ugh g] turk dh 'kfä dk vigj.k djuk gA mle turk dh jkT; dju d fy, lgefr g(yfdu jkT; d rkj ij tk fu.k; gkr g] mld fy, dkb lgefr ugh gA xk/kh th u dgk fd ogk dh lln o';k dh rjg gA dgk blfy, fd lln e cB ykxk dk cger g] o tk pkg Qlyk yA mle mfpr&vufpr dh ckr ugh gA ;,d cgr gh nj dk icU/k g fd vUrr½ tk xyr Qlyk yxk og puko e gkj tk;xkA puko ikp lky ckn gkr gA og gkj tk;xk rk D;k gkxk\ ,d nljk leg vkdj cB tk;xkA eryc og ifjoru eyHkr ugh gk ldrkA

mn;u % vki dg jg g fd MekØlh] njvly MekØlh g gh ugh!

cuokjh % MekØlh] MekØlh gh gA yfdu MekØlh turk ij 'kklu d fy, g] turk d 'kklu d fy, ugh gA og ogk dHkh ugh FkhA ;uku dky e MekØlh udkjkRed vFk e gh bLreky gkrh gA ^Mek* eku tk lkekU; vkneh ¼dkeuj½ g] tk ikfyVh dk le>rk ugh gA og bl vFk e bLreky gk jgh g fd vxj lkekU; vkneh dk 'kklu e 'kkfey dj fy;k tk;xk rk cMk xMcM gk tk;xkA MekØlh dk ogk mRijd vFk ugh gA mRijd vFk gvk vk/kfud dky e] ftle jkT; dk vuy?; cuk fn;k x;k gA jktk vuy?; ugh gA ykx fonkg djr jgr g] jktk cnyr jgr g] vc dkb jktk ugh g ij jkT; rk ugh cnyk tk ldrk] pfd og ver gA jkT; vuy?; gk x;kA vc bldh vuy?; rk dk ckj&ckj j[kkfdr dju d fy, t:jh g fd vki puko djk,] lgefr yA ;g lgefr jkT; d vf/kdkj d cu jgu d fy, g] jkT; dh iHkrk dk cuk; j[ku d fy, g] jkT; d fu.k;k d fy, ugh gA

LojkT; ;g ugh g fd dkb iHkrk&lEié 'kfä g] tk vkil dHkh&dHkh lykg y yrh gA vki gh mle iHkrk&lEié gA ;ipk;r gA ipk;r gh fdlh dk; d fy, ,d dk;&lfefr purh g vkj og dk;&lfefr ml dke dk dju d ckn lekIr gk tkrh g ;k

og vxj jktk l viuh lgefr okil y y] jktk dk dj ugh feyxkA tk lEifÙk g] ml ij ;jkih; ykxk d ;gk jkT; dk vf/kdkj g] ykxk dk vf/kdkj ugh gA dHkh ugh jgkA vkt Hkh ugh gA vkt ;g ckr cgr gkrh g fd 0;fäxr lEifÙk ogk LohÑr gk x;h] ;g xyr ckr gA ftl fnu pkg jkT; ml okil y ldrk gA fof/k cuku dk vf/kdkj jkT; dk gA vkt ml u ;g fof/k cuk;h g fd 0;fäxr lEifÙk dk vf/kdkj gA ftl fnu ml yxxk fd ; ml d vf/kdkj e ck/kd g] ml fnu og ml cny nxkA viu ;gk ;g vf/kdkj okil ugh fy;k tk ldrk FkkA viu ;gk ;g vf/kdkj vuy/; gA fdlku ;k dkjhxj ;k nlj ykx ey Lokeh gA ; llkj gh vyx g vkj og llkj vyx gA

nljh xyrQgeh ;g g fd ;jki u ,d mér ixfr'khy lH;rk ink dj yh] ml lH;rk u mudk ;g 'kfä n nh fd o nfu;k dk thr ldA Hkkjrh; ykxk d eu e Hke ;g g fd o pfd ,d mér lH;rk Fk blfy, mUgku Hkkjr dk thr fy;k vkj Hkkjr l yVdj o ekykeky gk x;A vly e 1350 d ckn dh lcl cMh ?kVuk vefjdk dh [kkt gA vefjdk dh [kkt cfYd vefjdk dk vigj.kA vefjdk mud gkFk e vku l igy nfu;k d 6-7 ifr'kr Hkxky ij ;jki dk vf/kdkj gA bldk eryc ;g gvk fd nfu;k d Hkxky e bruk mudk fgLlk gA vefjdk mud gkFk e vk;k rk vefjdk 28 ifr'kr gA vki le> yhft; fd viu l fdruk cMk {k= mud gkFk e vk x;k vkj ;g cgr lEié {k= g] mle nl djkM ykx jgr gA mle vé ink dju oky fo'kky {k= g] [kfut inkFk g] fo'kky enku g] lk'k gA lHkh dN mle gA vpkud bruh lEifÙk feyu d dkj.k D;k ifjoru gvk gkxk] vki bldh dYiuk dj ldr gA nfu;k dh tul[;k e ;jki dk ifr'kr 12 gA 1900 rd c<dj 25 ifr'kr gk x;kA mudk vuikr nfu;k dh tul[;k e nxuk gk x;k vkj flQ bruk gh ugh gvk] mudh vk/kh vkcknh ;jki l ckgj pyh x;hA

mn;u % vHkh rd\

cuokjh % vHkh rd ;gh vuikr gA vxj bruh cMh l[;k e vkidh viuh vkcknh ckgj pyh tk,] mll u doy vkidh Hkkfrd 'kfä c<xh] vkidk vkRefo'okl c< tk;xkA vkidh fo'o&fot; dh vkdk{kk fdruh c< tk;xhA ; Hkh cMh xfr'khy ifØ;k gA og bruh ljy ugh g] tlh dgu e yxrh gA ;jki d ykx ;g dgr g fd ekgEen lkgc d ink gku l ;jki d fy, vjc ,d pukrh gk x;kA vjc ykxk u bud dkQh fgLl dk thr fy;kA gvk ;g fd Liu oky bykd e dN vkUrfjd v0;oLFkk gb rk mUgku elyekuk dk viu ;gk 'kklu dju d fy, cyk;k vkj Liu mud d©t e pyk x;kA vkBoh 'krkCnh e Liu

elyekuk d dCt e x;k vkj iUngoh 'krkCnh rd mud dCt e jgkA 1500 e xuMk dk NkMdj ckdh lc mUgku eä dj fn;kA ml le; dh ifrfØ;k cgr ccj gA bUDoh th'kUl ¼/kkfed tkp&iMrky½ mlh le; 'k: gb] ;g n[kuk fd dku blkb g] dkb ugh gA ;g lc Fkk rk elyekuk d f[kykQ yfdu ejr ;gnh Hkh gA elyeku Hkh ejr g] ;gnh Hkh ejr g vkj funk"k ykx Hkh ejr gA tc dHkh pp fdlh ij ;g vkjki yxk nrk g fd ;g blkb /ke d fglkc l ugh py jgkA bUDoh th'ku ,d rjg dk fVC;uy g fd 0;fDr blkb /ke dk ekurk g fd ugh ekurkA mle cgr ykx ekj x; gA elyekuk l ;jki d lEid d dkj.k bl {k= d ykxk e 0;kikj dju dh vkdk{kk tkxr gk x;h D;kfd elyekuk d gkFk e 0;kikj gA tc o LorU= g,] mUgku lkpk fd gedk Hkh bl ifrLi/kk e Hkkx yuk pkfg, vkj mld fy, ge Hkh ekx feyuk pkfg,A Hkfe okyk ekx vjck d dCt e g rk ge len l dkb ekx [kktuk pkfg, io rd tku dkA o doy Hkkjr rd ugh vk jg FkA ;geu dYiuk dj yh g fd o Hkkjr dh [kkt e fudy g] o phu dh [kkt e Hkh fudy gA okLro e o Hkkjr vkj phu rd dk jkLrk n[ku d fy, fudy gA

mn;u % mud fnekx e io g\

cuokjh % gkA pfd io e lEiérk gA ;g ekU;rk igy l g fd io cgr lEié g] mll 0;kikj e ekykeky gk ldr gA ; bykd [kklrkj ij cgr lEié bykd gA ;jki d ikl 0;kikj e nu d fy, dN [kkl ugh g yfdu yu d fy, cgr gA mud fdlku [kjhnnkj ugh g] mudh ,fjLVkØlh gh [kjhnrh g] yfdu cgr cM ieku ij [kjhnrh gA rk ; 0;kikj Qyrk&Qyrk gA lcl igy [kkt e Likuh ykx gh fudy gA ; ykx x; nf{k.k vejhdk] budk ogk lkuk fey x;kA djhc 70 Vu lkuk ; ogk l ydj vk; gA lkuk ;jki e T;knk ugh gA

mn;u % 70 Vu ;k 70 gtkj Vu\

cuokjh % 70 Vu ml teku e cgr gA ;jki NkVh tul[;k g vkj mle ,fjLVkØlh vkj Hkh cgr NkVh g& 1 ;k 1-5 ifr'krA mld fy, 70 Vu Hkh cgr gA ml 70 Vu u mudh ,fjLVkØlh dk Hkh Hk"V dj fn;kA lc edku cuku e yx x;] ; dju e yx x; vkj og dju e yx x;] ,'k dju e yx x;A bl Hk"Vkpkj d ckn mue fot; dh i'k&iofÙk ugh jghA rc ,Xyk&lD'ku vkx vk;A 'k: e vefjdk e ,Xyk lD'ku ugh gA o dN lk&M< lk o"k d ckn vkr gA bu lcdk vefjdk e nk dke dju gA ,d rk ogk d bf.M;Ul dk lQk;k djuk g] nljk ogk ; lc [kMk dju d fy, etnj pkfg,A rk 1500 d vklikl gh vjc ykxk d lkFk&lkFk ; Hkh 0;kikj d fy, vÝhdk e x; gA

mn;u % ;jki d ykx\

cuokjh % gkA ; ogk ?kkM cpr g vkj ogk l lkuk [kjhnr gA pfd nfu;k dk lkuk vkj ghj oxjg dk lcl cMk lxg vÝhdk e gA ; ogk l lkuk oxjg [kjhnr g vkj 0;kikj 'k: gkrk gA mld ckn budk le> e vkrk g fd ;gk mUg nkl fey ldr gA ; ogk l djhc&djhc 1 djkM nkl cukdj y x;A o vefjdk igp gA dgr g fd mru gh ykx lenh ;k=k e [kRe gk x;A mudk [kkuk ugh fn;k tkrk FkkA mruk gh [kkuk fn;k tkrk g ftll o Hk[k cu jg vkj fonkg u dj yfdu fQj Hkh tgktk ij fonkg gkr gA ; lc ?kVuk, i<r g, eu e cgr Xykfu gkrh g fd mue fdruh Øjrk g] fdruh ccjrk gA ,d rjg l viuh nkl 0;oLFkk mUgku vejdk dk LFkkukUrfjr dj nhA vefjdk e ;jkfi;k d viu ykx nkl ugh g] vÝhdu nkl gA vefjdk flQ ,fjLVkØVl ugh x; Fk] pfd mudh bruh cMh l[;k ugh gA nlj ykx Hkh x; g] tk /kuh ykx g] tk fdlh dkj.k /kuh gk x;] o ogk tkdj vkj /kuh gk x;A mll ; gvk fd ijkuh nklrk ij vk/kkfjr rU= e njkj ink gkuh 'k: gk x;hA vefjdk d dkj.k ,d ,l u; ox dk mn; gk x;k tk nkl ugh jg ldrk FkkA vki lkk;x fd ogk 'k: d fpUru e gîefuTe oxjg dh cgr ckr gkrh g fd ogk gîefuTe ink gvk] oxjg&oxjgA vki ml ckjhdh l if<;] dkb [kkl gîefuTe ugh gA u;h njkj ink gk jgh g] ijkuk <kpk dN detkj iM jgk g vkj u; 'kkld ox e nk ox ink gk x; gA ,d tk ijkuh 0;oLFkk dk cuk; j[kuk pkgrk g] nljk tk bruk l/kkj djuk pkgrk g fd budh fLFkfr cgr detkj u gkA l/kkj dk eryc ,fjLVkØlh dk feVkuk ugh gA blh e lkjk dN g] Kkukn; ;k julk] og lc ;gh gA bll T;knk dN ugh gA mud rU= dk fu;U=.k cgr de ugh gk jgk g] FkkMk&cgr cny jgk g yfdu og cny blfy, jgk g fd vefjdk u ,d volj fn;k gA lEifÙk iku dk doy ,d gh rjhdk ugh jgk fd ykxk dk nkl cukvk] nljk rjhdk Hkh fey x;k] nlj n'kk ij dCtk djuk] nljk dh Hkfe ij dCtk djukA

mn;u % vki ;g dg jg g fd vefjdk d vku d ckn ,d l/kkj&lk gvkA D;k ;g dgk tk ldrk g fd ;jki d dN dkeul vefjdk igp x; g vkj mud ikl vc /ku gk x;k g vkj ml /ku l mUgku viu n'kk e] ;jki e viuk iHkko {k= c<k fy;k gA

cuokjh % ,d rjQ rk ;g gvk vkj nljh rjQ ;g fd ,fjLVkØlh dk ;g yxk fd vc nkl&iFkk cgr egÙo dh ugh g] mldk cuk; j[kuk cgr vko';d ugh g] gekjh 'kfä dk lkr dN vkj Hkh gk ldrk gA

mn;u % mud fy, u;k jkLrk [ky x;k---

cuokjh % u;k jkLrk [kyk g yfdu vÝhfd;k dk mUgku nkl cukdj gh j[kkA ;jki e cgr cgl g fd blkb ykx vÝhdh ykxk dk fØf'p;u cuk jg g vkj vÝhdh dgr g fd gekjh fLFkfr nkl k dh g] ge lkekU; ykxk d vf/kdkj ugh gA bl ij blkb ;jkih;k u dgk fd rEgkjh efä rEgkj blkb gk tku e g] bll Qd ugh iMrk fd rEgkj ikl o vf/kdkj g fd ugh gA

mn;u % mud fy, o bruk gh lk;klr ekur g\

cuokjh % vc ogk l ; lkjh pht fudydj vk jgh gA vckge fydu Hkh nkl iFkk ek= d f[kykQ ugh gA mldh cMh fpUrk ;g g fd vxj [krk l nkl fudky ugh x; rk QDVjh d fy, etnj dl feyxA ml ij QDVjh ekfydk dk Hkh cgr ncko g] og etcj g fd nkl iFkk tYnh [kRe gkuh pkfg,A

mn;u % rkfd etnj miyC/k gk ---

cuokjh % e ekDloknh dh rjg ;g ugh dg jgk g fd ; lc pht vkfFkd dkj.kk l gk jgh gA pfd eu"; dk LoHkko cMk tfVy gA mld LoHkko e dN pht nch g] dN pht Åij gA eu"; ek= dk eu cuk gh ,lk g fd og viuh LorU=rk pkgrk g] nljk dh LorU=rk Hkh pkgrk g] yfdu mld LoHkko dk ,d nljk igy Hkh ;g g fd db ckj og nljk dk fu;fU=r djuk Hkh pkgrk gA tc fu;fU=r dju okyh Hkkouk cyorh gkrh g] og olh 0;oLFkk curh gA yfdu nljh ckr Hkh ml fpÙk e iMh gb gA tc mldh ifjfLFkfr ink gkrh g] og Hkh FkkMh&cgr fudydj vk tkrh gA ;g fpÙk d Hkhrj dk }U}] Ågkikg gh ble l fudydj vk jgk gA og Kku dk fodkl ugh g] ifrLi/kh fopkj gA dN ykx ,d fopkj dh vkV yr g vkj dN ykx nlj fopkj dh vkV yr gA

ogk vU; cMh ?kVuk vejhdh ØkfUr gA lcl igy ;g gkrk g fd og viu vkidk fcVu l vyx dj yr gA mudk yxrk g fd fcVu gekj fy, ck/kd gk jgk gA vki ;g nf[k, fd bl fopkj u ;jki ij D;k vlj Mkyk gkxk fd ge fu;U=.k l eä gk ldr gA ; Hkkouk fd ge fu;U=.k l eä gk ldr g] Hknkl e ugh vk ldrh('kgj e jg jg vkneh e gh vk;xh] pfd og jktufrd :lk l lfØ; gA xko dk vkneh olk ugh gA og rk vkJ; [kkt jgk gA og fdlh rjg l iMk gvk gA vki ik;x fd ftruh Hkh ØkfUr;k gb] mle og fuf"Ø; g] 'kgj dk vkneh lfØ; g] ftldk dky ekDl u ^iVh ctvk* dgkA mudk ;g fn[k jgk g fd vefjdk u viu dk LorU= dj fy;k rk viuh LorU=rk dh lEHkkouk Hkh gA nljh rjQ ;g gk jgk g fd jktk dk ¶;My rU= l ruko g rk 'kgfj;k dk og viu i{k e 'kkfey dj jgk gA bl rjg l ftldk vki MekØlh dgr g] og 'kDy y jgh gA

fcVu e Hkh pukrh nu u; ykx vk jg g] Ýkl e Hkh vk jg gA Ýkl e okYr;j vk jg gA og pp vkj jkT; dk cgr cMk vkykpd gA jktk dk mruk vkykpd ugh g ftruk 0;oLFkk dk g] ,fjLVkØlh dk vkykpd gA og dgrk g fd vxj /ke n[kuk gk rk fgUn /ke n[kk] uhfr n[kuh gk rk dU¶;f'k;l dh n[kkA Ýkl dh 1772 dh ØkfUr l igy og ej pdk gA yfdu 1750 ;k 60 d vklikl og ;g le>u dh fLFkfr e g fd Hkkjr /ke d fygkt l Åpk g] phu uhfr d fglkc l Åpk g vkj ml le; okYr;j dk ogk cgr iHkko gA og ml le; dk lcl cMk fpUrd gA vki dYiuk dj ldr g fd ;jki dh viuh 0;oLFkk dlh gkxhA

vejhdh ØkfUr dk vxyk iHkko Ýkl dh ØkfUr ij iMrk gA Ýklhlh ØkfUr g D;k \ bldh tk rhu ckr g] ÝhMe] bDofyVh vkj QVfuVh] ; D;k g\mudh QVfuVh gekjk cU/kRo ugh gA mudh bDofyVh gekjh lekurk ugh gA mudh ÝhMe Hkh og ugh g ftl ge LorU=rk dgr gA Ýklhlh ØkfUr d 'k: e jktk dk ugh gVk;k x;k gA jktk dk cukdj mUgku ,fjLVkØlh dk gVk;kA o jktk d fo'k"kkf/kdkjk d f[kykQ gA mudk ;g yxrk g fd bu fo'k"kkf/kdkjk dk lkjk ck> ge ij vk x;k gA o ,lk 'kklu pkgr g ftle ; u jg] jktk jgA yfdu jktk /kk[kckt gA mldk ;g yxrk g fd fcuk ¶;My rU= d e jkT; dl d:xk\ og xMcMk jgk gA og ckgj viuk leFku n[k jgk g vkj viuh ml ijkuh 0;oLFkk dk nkckjk LFkkfir dju d i;kl e g] jktk idMk tkrk gA o ml ekj nr gA yfdu ; dku g tk ekjr g\ ; ØkfUrdkjh ykx dku g \

mn;u % jkC lfi;j] mud lkFkh vkj ---

cuokjh % M.Vu oxjg db ykx g] ; 'kgj d ykx g vkj o ykx g tk ;k rk ,fjLVkØlh l vk; g vkj ;g lkpr g fd 0;oLFkk cnyuk pkfg,A ;k /kuk<î ykx g vkj vkil e ifrLi/kh g vkj mru gh Øj gA ogk ,d egkojk ipyu e g fd Ýkl dh ØkfUr viu gh cPpk dk [kk x;hA gvk ;gh g fd ,d leg lÙkk e vk;k rk mlu nlj dk ejok fn;k] nljk leg lÙkk e vk;k rk mlu fdlh vkj dk ejok fn;kA blh l uikfy;u d vku dh txg cuhA ;g ØkfUr lÙkk ifjoru e lgk;d ugh gb gA cMk fofp= fdLlk gA uikfy;u ogk tkrk g] yfdu thrdj rk ugh tkrk] ij mldk uke g] og lukifr g vkj Ýkl ;) e yMk g] mudk ,d ,l vkneh dh t:jr g tk ;k)k gk rk o uikfy;u dk lÙkk lki nr gA ØkfUr l fudydj lÙkk uikfy;u d gkFk e vk x;h vkj uikfy;u u dN fnu e viu dk lekV ?kkf"kr dj fn;kA eryc ØkfUr dk 0;oLFkk dk <hyk dju e iHkko iMk yfdu ol dkb

ifjoru ugh gvkA

mn;u % vki rhu 'kCnk ij cfYd rhu /kkj.kkvk ij dN dg jg FkA

cuokjh % ÝhMe dk eryc g fd gedk ,fjLVkØlh d fu;U=.k l eä gkuk gA dyhu ox d fu;U=.k l eä gkuk gA bDofyVh dk eryc ;g g fd ge bl dyhu rU= d fo'k"kkf/kdkj lekIr dju gA ^U;k; d lkeu lHkh leku* tk ukjk g] og ;gh gA og eu"; ek= dh lerk ugh g] dkuu d le{k lerk gA tk dkuu gekj fy, g og dkuu lcd fy, gkA ,fjLVkØlh dk vkidk Qklh yxku dk vf/kdkj gA o ftl pkg Qklh ij p<k ldr g] ftldk pkg Qklh l mrkj ldr gA ØkfUrdkfj;k dk dguk Fkk fd ; xyr g] ;g ugh pyxkA mudk ukjk g] ^dkuu d lkeu cjkcjh* vkj geu bldk eku fy;k fd eu"; ek= dh lekurkA rhljk g QVfuVhA vly e 'k: e ^QVfuVh* 'kCn ugh gA 'k: e ^ÝhMe* vkj ^bDofyVh* gh gA yfdu tk ykx Hkh lkp jg Fk] mue l dN ;g dgr g vxj ÝhMe gkxh vkj bDofyVh gkxh rk 'kklu pyxk gh ughA lc ,d nlj d ifrLi/kh gkx] ekj&dkV gk tk;xh] 0;oLFkk ugh pyxhA fQj bldk dl pykvkx\ mle ;g fudydj vk;k fd doy ÝhMe vkj bDofyVh eY; ugh g] QVfuVh Hkh eY; g] ,d nlj d fy, gA jkekf.Vd fopkj g] 0;ogkj e bldk dkbLo:Ik ugh curkA ;g jkekf.Vd fopkj g fd gekj xko d ykx tk Hknkl g] o ,d rjg dh QVfuVh e jgr gA o xko dk tkur gh ugh g] ,fjLVkØV dk fcYdy ugh tkur] ; mudh fdrkck e ckj&ckj vkrk gA vHkh e :l ij ,d fdrkc i< jgk Fkk] mle Hkh vk;k Fkk fd ,fjLVkØlh dk xko d ykxk d thou dk dkb [kkl vUnkt ugh gA yfdu tc vkidk vUnkt ugh gkrk rHkh vki jkekf.Vd gkr gA mUgku ; fopkj cuk fy;k] mll dE;u dh LFkkiuk gbA dE;u e jkef.VflTe l gh ;g fopkj vk;k g fd mu ykx e lEifÙk dk lk>k gA

Hkkjr e D;k FkkA xko e Ñf"k dk ,d vUrHkr rd gA Ñf"k e vkidk midj.kk dk lk>k djuk iMrk gA eryc cyk dk lk>k djuk g] gy dk lk>k djuk iMrk g] feytydj [kr dkVu iMr gA vki etnjk ij fuHkj ugh gkrA fdlkuk dk vkil e ,d nlj dh enn djuh iMrh gA mlh e ;g Hkh vko';d g fd xko dh 0;oLFkk d fy, vki ,d nlj l [krk dk cnyr jgA blfy, ekfydkuk gd o;fäd Hkh g vkj lkenkf;d HkhA og doy lkenkf;d ugh g ;k doy o;fäd ugh gA fu;e ;g g fd xko dh tehu dk vki fdlh ckgj oky dk ugh cpr gA

mn;u % ; ekU;rk g Hkkjr e \

cuokjh % gk] Hkkjr e ; ekU;rk g fd cp ugh ldrA vkiu cVh fdlh dk C;kg nh rk ;g ugh fd o vkdj ; dg fd tk cVh dk fgLlk g] mI tehu dk cpdj e ilk ydj pyk tkÅxkA ; ugh gk ldrkA xko dh tehu xko e gh jguh pkfg,] mle ;g Hkkouk gA vkj mI I Bhd I mit gkuk pkfg,A [krh e vkidk Hkkx fuf'pr jgxkA vkid ikI nI ch?kk tehu g rk vki nI ch?kk tehu d ekfyd gA yfdu ; xko feytydj r; djxk fd bI Iky vki fdI tehu ij [krh djA ;g ekU;rk jgh fd xko ifjokj g] mle vPNh tehu ,d gh vkneh ;k ,d gh ifjokj d ikI jg] ; Bhd ugh g] og lcdk feyuh pkfg,A dN tehu vPNh g] dN vPNh ugh g] dN bI Iky vkidk feyh] vxy Iky fdlh vkj dk feyxhA og cnyrh jgrh gA og ,d I nIj d ikI tkrh jgrh gA mIdk cgr gh ifj"Ñr fu;e gA ; gekjh 0;oLFkk g] okLrfod 0;oLFkk gA mudh 0;oLFkk ,Ih ugh gA 'kk;n ; fopkj Hkh Hkkjr d lEid I gh mue vk;k g fd xko lkefgd Lokfeo I pyr gA ;jki e Lokfeo xko dk g ugh] ,fjLVkØlh ;k jktk dk gA fQj ; fopkj dgk I vk;k gkxk \ e> ,lk yxrk g fd bI rjg d fopkj nfu;k e fudydj mUgku n[k g vkj ogk I xg.k fd; g vkj mUg viu ;gk ij vkjkfir fd;k gA igy mUgku nfu;k dh Lefr dk viuh Lefr ij vkjkfir fd;k] ckn e viuh Lefr dk nfu;k dh Lefr ij vkjkfir dj fn;kA

vejhdu ØkfUr d ckn Ýklhlh ØkfUr gbA Ýkhlh ØkfUr I fcVu d ykx iHkkfor g,A mudk yxk fd vxj ogk ,fjLVkØlh ij bruk ldV vk ldrk g rk gekj ;gk Hkh vk ldrk gA mUgku jkt ifj"kn e 'kgjh ifrfuf/k;k dk ukfer dju dh xfr c<k nhA bl ;g lkpdj fd;k x;k fd budk 'kkUr j[ku d fy, ;g t:jh gA mlh e I lIn fudydj vk;hA ; nkuk pht lkFk py jgh gA jktk [kRe gk jgk g yfdu jkT; LFkkfir gk jgk gA 1910 rd u;h ukdj'kkgh e dkb dkeuj ugh gA mle ,fjLVkØlh dk lk/kkj.k ugh] Hkh"k.k cger gA

mn;u % o Hkh ukfer gkr g\

cuokjh % ughA f'k{kk dk vf/kdkj lk/kkj.k ykxk dk rk g ugh] fQj ukdj'kkgh e dku vk;xk\ 1850 d ckn gh ;g rU= [kMk gvk gA f'k{kk dk rU= Hkh rHkh [kMk gvk gA ble dkb "kM;U= dh Hkh vko';drk ugh gA ; lgt] LokHkkfod g fd tk vkx g o vkx jgxA ijh ukdj'kkgh e ,fjLVkØVI gh gA

mn;u % ogk puko phuh i)fr I ugh gkrk g\

cuokjh % ughA phuh i)fr fcYdy vyx gA mle ;g ekuk tkrk g fd jktk dk v/;rk gkuk pkfg,A

vxj jktk dk v/;rk gkuk g rk jkT; dk rU= i<&fy[k ykxk dk gkuk pkfg,A mld fy, f'k{kk dk rU= [kMk dj fn;k x;kA mle ;g dgk x;k fd ft ldk Hkh bPNk g jkT;rU= e vku dh] og igy i<&fy[kA mle lc ykx ugh vk ik;xA yfdu cgr ykx i<&fy[k yr g] mld ckn ftldk p;u gkrk g og ukfer gkrk gA yfdu ml v/;rk gkuk pkfg,A mle vkj ;jki e tehu&vkleku dk vUrj gA phu e i<kb puko d fy, gh gk jgh g vkj og ukdj'kkgh jktufrdk d v/khu gA ogk p;fur 0;fä ,d rjg l xouj gh g] LFkkuh; xouj gA phu e ,fjLVkØlh ,d nljh rjg dh g] 'kklu rU= nljh rjg dk gA mldh ekU;rk ;g g fd ukdj'kkgh dk uhfrK gkuk pkfg,A i<kb&fy[kkb uhfrK gku d fy, g] 'kfä fuek.k dju d fy, ugh gA eyr% i<kb dU¶;f'k;lokn dh gA mle itk d ifr dÙk0; crk; tkr g vkj bld foijhr ;jki e ;g g fd itk dk dl fu;fU=r djuk gA ; cgr cMk Qd gA yfdu e ;g dg jgk g fd ; tk ekuk tkrk g fd ;jki e cgr cMk ifjoru gk x;k] olk dN Hkh ugh gA 1900 rd ukdj'kkgh e dkb ckgj dk vkneh ugh g vkj ; lkjk 'kklu rU= ,fjLVkØlh d gkFk e gA ogk ,d cMk ifjoru vefjdk dh [kkt d dkj.k gvkA mll ; rU= dN <hyk gvkA nljk mUgku ckgj fudydj nlj n'kk dk n[kk rk dN u;h fof/k;k mudk feyhA mu fof/k;k dk 'kkfey dju l mUg viu rU= d foLrkj e lgk;rk feyh vkj rhljk ;g fd mudk viu l ckgj cMk ckt kj fey x;kA mld nk ifj.kke g,A ,d ;g fd vkidk ,lh mRiknu fof/k pkfg, tk de le; e] de LFkku e T;knk ink dj nA bld fy, ;kfU=d fof/k;k [kkth tku yxh tk T;knk mRiknu dj ldrh gA ; ck/;rk Kku d fodkl dh ugh gA ,d cgr cM {k= ij fu;U=.k LFkkfir gku dh gA dN le; igy rd ogk v/;rkvk d chp ;g cgr dgk tkrk Fkk fd lkekT;okn igy vkj mnkjhdj.k ckn e gA og ge Hky x;A lkekT;oknh gku d dkj.k gh mnkj gku dh xtkb'k cuhA yfdu ogk Hkh ;g ckr fNih gb Fkh fd mnkjokn ijku 'kfä&rU= dh iuLFkkiuk gh gA

^dkyh eR;* d ckn 1350 e ;jki e ;g Hkkouk mfnr gb fd iÑfr cMh vfo'oluh; g] bl ij Hkjkl k ugh fd;k tk ldrkA fcxkM dj ldrh g] pkiV dj ldrh g vkj mldk lcl cMk vlj ;g gkrk g fd gekj fy, dke dju oky ykx ugh feyr rk ge dN ,lk [kktuk pkfg, fd ,d rk ge iÑfr dk fu;fU=r dju dh fLFkfr e gk vkj nljk ge eu"; dk foLFkkfir dju dh fLFkfr e gkA ; nkuk bPNk, 1350 d lyx dk ifj.kke gA cdu u dgk fd ge iÑfr dk fu;fU=r dj lduk pkfg,A ;g og lyx d bl {k= ij iM iHkko d dkj.k dg jgk gA bld lkFk gh lkFk ogk ;g bPNk ink gk jgh g fd gedk eu"; dk fodYi

<<uk gA lk/kkj.k eu";k dk o eu"; ugh ekur] mud fy, o tkuoj gh g] mRiknu dju dk ,d vkt kj gA vc vxj og vkt kj mud dke dk ugh g rk mldk fodYi mRié djuk gA bl dkj.k g, ;kfU=dh dj.k e db 'krkfCn;k yx x;hA ;g dgk tkrk g fd mnkjokn vkj vk|kfxd ØkfUr lkekT;okn dk ifrQy gA tl jktk jktlÙkk e cny x;k vkj ver gk x;k] ol gh lkekT;okn vkfFkd iHkrk e cny x;k vkj ver gk x;kA ;g doy vkfFkd iHkrk ugh g] bld ihN dh 'kfä ;)d&'kfä gh gA vefjdk ;) e vt; g blfy, og vkfFkd 'kfä Hkh gA vkfFkd 'kfä g blfy, vt; ugh gA

mn;u % vc bl lUnHk e vk|kfxd ØkfUr dk Hkh n[k fy;k tk;A

cuokjh % vk|kfxd ØkfUr 1820 l ydj 1870 rd nk pj.kk e gbA 1820 l 1840 vkj 1850 l 1870 rdA 1800 rd ;jki nfu;k ij viuk vf/kdkj dj pdk FkkA vk|kfxd ØkfUr lkekT;okn dk ifj.kke FkhA vk|kfxd lekt lkekT;okn dk cuk; j[ku d fy, [kMk gvk gA vk|kfxdokn e mifuo'kokn vUrHkr gA og ckgj dk Hkh gkrk g] vUnj dk Hkh gkrk gA dky ekDl dh dgh ckr e dkb cgr cf) dh t:jr ugh Fkh fd b.MLVh cM ieku ij ink djrh g] ml ink dju e eY; rHkh vk;xk tc dkb ml [kjhnxkA mle yx etnjk dk nkuk Hkfedk, fuHkkuh gA

vk|kfxd ØkfUr dk geu doy diMk feyk e n[ku dh dkf'k'k dh g] yfdu mldk vkj Hkh cMk igy jyo vkj lEi"k.k d lk/ku g] ikuh d tgkt g] ftud vk/kkj ij o nfu;k dk fu;fU=r dj jg g] nfu;k dh vk|kfxd {ker dk u"V dj jg g vkj viu vk|kfxd lkeku d fy, ckt kj cuk jg gA diMk fey lEHko gh ugh Fk] vxj og bl diM dk Hkkjr e [kiku dh fLFkfr e u gkr ;k nfu;k e vkj nljh txg [kiku dh fLFkfr e u gkrA mRiknd gh miHkkäk gk] ;g vko';d ugh] og miHkkäk ckgj ink dj ldrk gA lkekT;okn u mudk miHkkDrk ckgj d n'kk l n fn;A o viu etnj dk de miHkkäk cuk; j[kdj Hkh mRiknd cuk; j[k ldA vk|kfxd ØkfUr d lkekT;okn l lEcU/k dk ekDl u u n[kk gk] u tkuk gk] lEHko ugh g(yfdu ml ;g Hkyk; j[kuk FkkA og ,d rjg l lkekT;okn dk ijkdkj gh gA og fgUnLrku e fcfV'k 'kklu dk leFkd gA mlu ixfr d fopkj dk ,lk cuk fy;k] ekuk ogh ekuoh; bfrgkl ifjHkkf"kr dj jgh gA mlu cgr vck/k cPp dh rjg vueku dj fy;k fd Hkfo"; ,d i;kx'kkyk dh rjg g ftle ¶;My 0;oLFkk ithoknh 0;oLFkk e vkj ithoknh 0;oLFkk lektoknh 0;oLFkk e cny tk;xhA ml le; d bfrgkl dh ifØ;k dk tkuu okyk d fy, ;g lgt jgk gkxk fd ,lk ugh gkrk] ,lk ugh

gvk vkj vkx Hkh ugh gkxkA ble nk&rhu ckr egÙoi.k gA ,d ;g fd vk|kfxd ØkfUr u ,lh Åtk ink dh] tk lkbl vkj VDukykth dk [kMk dju e yxhA ml le; lkbl vkj VDukykth u ;jki dh ;) {kerk c<k nhA 'k: e tk LVhy ink gk jgk g] Vd cuku e yxk;k tk jgk gA og ?kj cuku e ugh yx jgk gA ?kj ckn e cuA ?kj 1950 d ckn cu gA vkt dk ;jki 1950 vkj 1970 d chp nlj fo'o;) d /ol d ckn cuk gA vki vxj 1920 ;k 1930 dk cfyu n[k] mle vkidk tkek efLtn d bykd dh Nfo fn[kk;h nxhA olh gh HkhM Hkjh xfy;k vkj ol gh th.k&'kh.k edkuA pepekrk gvk ;jki 1950 l 1970 d chp dk ;jki g] ;f}rh; fo'o;) d ckn cuk g] yfdu fo/ol dh 'kfä mll igy dh gA lkbl vkj VDukykth u igy mudk ;) dh 'kfä nh] mld ckn vk/kfud Hkkfrd thou fn;kA vk/kfud Hkkfrd thou mudh ;) {kerk dk vu"kkfxd gA eu"; dN vkj djrk g] iÑfr dN vkj djrh gA iÑfr dk ;g fu;e vHkh Hkh mruk gh ykx g fd vxj ;jki e 'kfä&rU= ink gvk g rk og ge'kk ugh jgxkA cnyxkA og ge'kk f'k[kj ij ugh jg ldrkA blfy, mud vudj.k e iM jguk ol Hkh e[krk gA vkidk ,d LorU= tkfr d :lk e ;g n[kuk g fd bl 'kfä&rU= u nfu;k e D;k u"V fd;k g vkj gekjk D;k u"V fd;k g vkj ge mldk cpk, dlA ge viuh igy dk] viuh 'kfä dk iuthfor djuk g] tk <dh gb gA

mn;u % mldh lEHkkouk rd dk <d fn;k ---

cuokjh % ge ;g dju d ctk; mud ihN [kM gk x; fd ge rEgkj tlk cuuk gA

mn;u % D;k vc ge chloh 'krh ij vk tk,\ ;g 'krh Hkh vR;Ur egÙo dh gA bl ij fopkj vko';d gA

cuokjh % gedk yxrk g fd chloh lnh eu"; d KkukRed fodkl dh ;k rk vfUre voLFkk g ;k cgr mér voLFkk g ftle eu"; LorU= gk x;k] ftle mldk Hkkfrd thou cgr gh Åp Lrj ij pyk x;k vkj ;g LorU=rk bll igy d bfrgkl e fn[kk;h ugh nrhA ;gekj vueku gA ij gvk D;k g\ ;jki d ml NkV&l o.ku dk gh y yhft; fd mRiknu d lk/kuk ij ,d ox dk dCtk Fkk vkj ckdh ykx mll ofpr FkA ;ijkuh rLohj gA chloh lnh e D;k gvk\ chloh lnh e fodflr lkbl vkj VDukykth u mRiknu l eu"; dk gVk fn;k] e'khu dk y vk;A vejhdk e [krh e 3 l 1-5 ifr'kr ykx cp] fuek.k e 5 ifr'kr ykx cp] ckdh lc mRiknu&0;oLFkk d ckgj lok&{k= e g vkj 0;kikj e gA ;lc ,l dke g tk Hkki dh rjg dHkh Hkh lekIr gk ldr gA ;rc rd g tc rd vkidh lef) gA tc lef) ugh jgxh] ;

dke Hkh ugh jgxA rk D;k djx ykx\ vxj vki mRiknu&0;oLFkk e g] vki LorU= g] vxj mRiknu d lk/kuk ij vkidk vf/kdkj g] vki LorU= gA vxj mRiknu d lk/kuk ij vkidk vf/kdkj ugh g] vki LorU= ugh gA ithokn u Hkh ;gh fd;kA vly e og ithokn g ugh] pfd ith ogk gok&ikuh dh rjg gA vktdy ogk cdk e C;kt 'kU; ifr'kr gk x;k] tk m|kxk dk feyrk gkxkA ogk dt cgr feyrk g vkj dt ij gh dkikjV {k= [kMk gvk gA ith d ekfyd d gkFk e lc dN ugh gA ith ogk vklkuh l miyC/k gA ; ,d ,lk rU= g ftle 1 ifr'kr ykx gh gA bll T;knk ugh g tk dkikjV txr d ekfyd g] mudk vkiu ykxk dh cpr l] nfu;k Hkj d ykxk dh cpr l lk/ku miyC/k djk fn; x;] ith miyC/k djk nhA ge fot; ekY;k dk bruk gYyk epk jg g] ogk gtkjk&gtkj ekY;k jkt ink gkr g] tk cdk dk ilk yr g vkj ekt djr g vkj ekeyk [kRe gk tkrk gA mudk dkb gYyk ugh eprkA pfd o tkur g fd ,lk gh gkrk gA ogk gj lky ,d pkFkkb m|e cdkj gk tkr gA mudk bldk Qd blfy, ugh iMrk fd ilk mudh viuh egur l ugh vk;k gA tkikuh cpr dj jgk g ;k phuh dj jg g ;k vÝhdu dj jg g] mudh cpr g ogA geu tk foÙkh; 0;oLFkk cuk nh g] mld dkj.k mudk enn fey jgh gA ge lc mud fy, Mkyj viu ;gk lQ fMikftV e j[k jg g vkj o ;g tkur gA mld ckn o djUlh tkjh djr g vkj vejhdh ykxk dk dg fn;k x;k g fd redk cpr dju dh t:jr ugh gA ogk ithokn ugh g] ,d rjg dk dkikjV fu;U=.k g] dkikjV iHkrk g vkj dkikjV nkl&iFkk gA ,fjLVkØlh dk u;k :lk dkikjV g vkj ckdh lc mud nkl g vkj jkT; ble mudh enn dj jgk gA jkT; vkj dkikjV 0;oLFkk olh gh g] tl 'kkld ox e vyx&vyx ykx gkr gA jktk g vkj ,fjLVkØVl g vkj mud Vu.Vl g vkj pp Hkh ,fjLVkØlh dk gh fgLlk gA tc ge ,fjLVkØlh dh ckr djr g rk mle doy jktufrd ,fjLVkØlh ugh g] pp dh ,fjLVkØlh Hkh mle lfEefyr gA pfd ml Hkh fo'k"kkf/kdkj ikIr gA tlh pp dh ,fjLVkØlh g olh dkikjV dh Hkh gA blhfy, ;g dgk tkrk g fd vefjdu jk"Vifr dkikjV txr dk egt pgjk gA og mud gh fgr e pyrk gA mud ;gk ;g cjk ugh ekuk tkrkA vejhdh ljdkj viu dkikjVk d fgr d fy, dN Hkh dju dk r;kj jgrh gA ;g ekuk tkrk g fd ;g jkT; dk dke gA o gh mud 'kfä&rU= dk fgLlk gA ,d vkj ;g gvk fd lkbl vkj VDukykth u mudk vt; cuk;k vkj nljk ;g gvk fd lkbl vkj VDukykth u mud ykxk dk efydkuk gd l vyx dj fn;kA mRiknu&ifØ;k l LorU=rk dk vigj.k gk x;kA pfd LorU=rk dk eryc gkrk g mRiknu d lk/kuk ij vkidk LokfeRoA

ykx LorU= ugh jgA og dke tk dfiVfyTe u vefjdk e fd;k] ogh dke lkE;okn u : l e fd;kA lkE;okn u dgk fd lkotfud fgr d dkj.k vkidk cfynku djuk gA lEifÙk fdlh dh ugh gA 0;fäxr ugh gA og lcdh lkefgd g vkj mldk fu.k; lkE;oknh ukdj'kkgh d gkFk e gA ; lkE;oknh ukdj'kkgh ,fjLVkØlh dk u;k : lk gA og mruk gh neudkjh g ftruk neudkjh ogk dk ¶;MfyTe FkkA bl rjg chloh 'krh nkuk gh txg nkl&iFkk vk/kkfjr 'kfä&rU= dk iuokl gA

mn;u % vefjdk e Hkh vkj lkfo;r l?k e \

cuokjh % if'pe d nkuk [kek eA ;g ugh ekuk tk ldrk fd bue l dkb ,d vPNk g] ,d cjk gA nkuk d rjhd vyx&vyx g] yfdu ifj.kke ,d tlk gA ifj.kke ;gh g fd vf/kdk'k eu"; lc&gîeu gA tk ckr ;uku dky e g] ogh ckr vkt d vk/kfud if'pe e g] ogh dE;fuLV n'kk e gA

tc rd ge Hkkjrh; bl ckr dk vkRelkr ugh djr] ge if'pe dk ugh le> ldrA ge mud nklRo ij vk/kkfjr jktufrd rU= dk oj.; eku jg g vkj gekj ;gk ge'kk gh LorU= jg lekt ij ml ifrjkfir djr py tk jg gA e> ,d vkneh crk nhft,] tk ekDl dk fojk/kh gk] tk lkE;okfn;k l ;g dg fd re dgr Fk fd ox&l?k"k mRiknu d lk/kuk ij ftudk LokfeRo g vkj tk LokfeRo l ofpr g] d chp dk l?k"k g vkj geu vUrr% ofprk dk LokfeRo n fn;k g] ; dgk g\ ekDlokn fojk/kh Hkh ekudj pyr g fd mUgku og dj fn;kA

mn;u % mldk ijh{k.k ugh fd;kA

cuokjh % ijh{k.k gh ugh fd;kA phu e D;k gvk vkj : l e D;k gvk] lkefgdj.k ;k lgdkj d uke ij fdlkuk dh tk nn'kk dh x;h g] og n[ku yk;d gA pkj djkM ykx phu e ekj x;] vdky vkj ekvk dh jktufrd r;kjh eA vkj Lrkfyu d teku e D;k gky gvk gA ;jki d nlj ykx bud f[kykQ g] blfy, mUgku ml cgr mtkxj fd;k gA

mn;u % phu] vjc vkj ;jki dh lH;rkvk e D;k dN lkE; Hkh utj vkrk g\

cuokjh % ,d iofÙk cgr egÙoi.k g tk phu dk] vjc dk vkj ;jki dk le>u e lgk;d gA lcdh iofÙk FkkMh&FkkMh vyx gA yfdu phu d gku o'k d ckj e ekuk tkrk g fd mlu phu dk ,dhdj.k fd;k vkj ml ,dhdj.k dk Lo:lk ;g g fd gku lLÑfr lHkh dh lLÑfr gk x;hA lHkh dk ^gkuhdj.k* gk x;k] lcdk gku cuk fy;k x;kA ,d:irk n[kuk mld LoHkko e FkkA ,lk ugh g fd mUgku ,d:irk fdlh fl)kUr e n[kdj ml pkjk rjQ Qyk;k gA mlu

,d:irk jkT; dk 0;ofLFkr cuk; j[ku d dkj.k Lohdkj dh vkj ; eku fy;k fd vxj lHkh ,d gh rjg l] ,d gh lH;rk d vx ugh gkx rk mu ij 'kklu djuk ef'dy gk tk,xkA blfy, tk gku ugh Fk] gku lLÑfr mudk Hkh Lohdkj djok nh x;hA phu e ; gk x;k fd lHkh gku gA ;gh ckr vjc ykxk e fn[kk;h nrh gA bLyke dk mn; vjc d e[; {k= lÅnh vjfc;k e gvk] yfdu og Qyk vkj rth l Qydj mlu bl vjc lLÑfr dk foLrkj fd;kA mÙkjh vÝhdk vjc ugh Fkk] fel vjc ugh Fkk] ml Hkh mUgku vjc cuk fy;kA fel d {k= ij vjc igpku Fkki nh x;hA mÙkj vÝhdk dk tk ckdh fgLlk g] tk yhfc;k oxjg g ;k vkj Hkh cgr lkj bykd g] mue nk rjg l mUgku bl vkjkfir fd;kA ogk cnk;u vkj ccj nk e[; dchy gA vjc e cnk;u dchyk dk ogk foLrkj gvk vkj ccj dchyk dk mUgku viuh lH;rk d foLrkj e 'kkfey dj fy;kA bl rjg l mÙkjh vÝhdk dk vjchdj.k gk x;kA blh rjg l o lhfj;k oky bykd ijku elkikVkfe;k ;k cfcykfu;k oky bykd e QyA ogk db rjg d ykx FkA blkb Hkh cgr FkA pfd ; bykdk blkb;k d iHkko e FkkA mu lcdk Hkh vjchdj.k gvkA fQj ; e/; ,f'k;k e x;A e/; ,f'k;k dk vjchdj.k ef'dy FkkA pfd o rQd Fk vkj nljh rjg d dchy Fk] yfdu mu ij budk fu;U=.k gvkA mUgku ,d cM bykd dk fu;fU=r djd mldk viuh lH;rk e ,d :lk dju dh p"Vk dhA blh rjg l o bjku vk;] bjku dk Hkh vjchdj.k gvkA bjku vjc ugh g] Qkjl g] Hkkjr d T;knk utnhd g] yfdu mudk vjc igpku e 'kkfey fd;k x;kA :l e ;gh iofÙk gA tc :l dh lÙkk LFkkfir gb] mUgku viuk foLrkj fd;kA mUgku lkbcfj;k vkj e/; ,f'k;k dk cMk fgLlk viu 'kklu d vUrxr dj fy;kA mudk :lhdj.k lEHko ugh Fkk] yfdu dN dk :lhdj.k lEHko FkkA tl ckYrd vkj ;Øu oxjg bykdk e iky.M tc iHkkoh gvk rk budh Hkk"kk] budh lLÑfr oxjg mud iHkko e vk x;hA :l dk ;g lgî ugh Fkk] D;kfd og ekurk Fkk fd ; gekj iHkko d bykd gA tl gh tkj iHkkoh gvk] lcdk :l u viu fu;U=.k e y fy;k] bl rjg ,d cMk {k= mud fu;U=.k e vk x;kA ,l gh vki ;g ik,x fd tc ;jki dk foLrkj vejhdk e gvk] bld dkb 0;ogkfjd dkj.k ugh Fk fd mUgku ogk d bf.M;Ul dk D;k [kRe dj fn;kA o mul ey Hkh fcBk ldr Fk] mudk /kj&/kj viuh lH;rk e Hkh yk ldr Fk(yfdu mUgku ;g eku fy;k fd tk gekjh lH;rk dk vx ugh g mldh dkb lkFkdrk ugh g] og u"V gk tk; rk dkb Qd ugh iMrkA tk gekj vykok g] mldk vFk ugh gA og u"V gkrk g] ugh gkrk g] bldk dkb vFk ugh gA bl Hkkouk d dkj.k ;g gvk fd ipkl lky e mUgku djkMk ykxk

dk ekj fn;kA

mn;u % vkt ;g lkpuk Hkh dfBu yxrk g fd bru de le; e bru lkj funk"k ykxk dk dl ekj Mkyk x;k!

cuokjh % ,d vkj ckr ;g g] bfrgkl dkjk u Hkh bldk cgr fy[kk g fd rQd] exky oxjg u ck:n phu l yhA phu dk ck:n dk irk Fkk] og mudh vkfr'kckth e bLreky gkrh FkhA Hkkjr dk Hkh irk FkkA cgr ijku teku l vkfr'kckth Hkkjr e Hkh jgh gA ; cMh xyr le> g fd lHkh phtk dk ey fdlh ,d txg ij gh gA Hkkjr u Hkh ck:n lh[kk gkxk vkj phu u Hkh ck:n lh[kk gkxk] yfdu fdlh ,d l gh lh[kk gk] ; vko';d ugh gA phu l ck:n rQd ;k exky ykxk d gkFk e x;hA ; bykd Ñf"k oky bykd ugh g] vki l e >xMr gh jgr gA fdlh ,d le; e mue ,d vkneh ink gvk ftlu mu lcdk tkMk vkj viuh rkdr c<ku d fy, fudy iMkA exkfy;k d LVih pkjkxkg g m le nl yk[k ?kkM g] ,lk v/;rkvk dk dguk gA ?kkM mudh 'kfä dk vk/kkj gA ?kkM vkj ck:n d i{ki.k dh fof/k dk ydj o fudy iM vkj bl u;h fof/k l thrr py x;A mUgku vk/kk ;jki thr fy;k vkj mud ;gk ldV ink ugh gvk gkrk rk o ijk ;jki thr yrA bUg n[kdj rki[kkuk vkj cUnd cuku e ;jkih; lQy gk x;A

mn;u % ;jki dk bl rjg ,d ekx fey x;k ---

cuokjh % o m ldk T;knk ifj"Ñr dju e lQy gk x;A 'kL= dk ifj"dkj Kku dk foLrkj ugh g] og ,d iofÙk g tk nljk dk thru dh] nljk ij fot; ikr dju dh gA ml iofÙk dk ,d vkJ; fey x;k] lk/ku fey x;k vkj ml lk/ku u mudk fot; fnyokuk 'k: fd;kA

mn;u % Qd lH;rkvk dh LFkk;h iofÙk;k e gh gvk djrk gA ogh mudh fn'kk vkj vkfo"dkj dh vk/kkjHkfe r;kj djrh gA

cuokjh % ; iofÙk nlj lektk e ugh g blfy, mUgku og lc ugh fd;kA ,lk ugh g fd o rjUr ugh lh[k ldr FkA 1800 l FkkMk igy fcVu dh ukluk dk cMk vQlj ;g dg jgk g fd phuh ykx cM ifj"Ñr g] mUgku viu f'k"Vkpkj dk fodfl r dju e cMk Je yxk;k g] mruk Je vxj o rki e yxkr] vkt o gekj lkeu ;kpuk ugh dj jg gkr] ge mud lkeu ;kpuk dj jg gkrA yfdu bl oä0; dh ef'dy ;g g fd o ;g dg jg g fd lH;rk e[; pht ugh g] cy e[; pht gA vxj dkbZ phuh mul ckr dju d fy, gkrk] mul dgrk fd cy dh ,d vk; gkrh g] lH;rk dh vk; cy dh vk; l vf/kd g blfy, vkt rEgkj ikl cy g] dy ugh gkxk vkj dy gekj ikl Hkh gk ldrk gA

; fot; iofÙk dh fot; g] mle ckdh pht lk/ku gA mue eY; n[kuk ijh rjg lgh ugh gA vkt gekj fy, ;g vko';d g fd ge viuh j{kk dju e leFk gk bld fy, gedk gfFk;kj cuku gkx] tk vefjdk d ikl g] tk phu cuk jgk g] tk :l d ikl gA pfd ge viuh j{kk djuh gA mu gfFk;kjk dk cuku d lk/kuk dk vyx dj nuk pkfg,A ;jki u ;) dk tk rU= cuk;k] ogh mud fy, egÙoi.k g] ckdh lekt vu"kkfxd g] mld lkFk uRFkh gA gekj fy, lekt egÙoi.k gA gedk lekt d dN lk/ku fudkydj vyx l ble yxk nu pkfg, FkA pfd ;g ge vkjEHk l gh Kkr g fd lR; vkj cy vU;kU;kfJr gA lR; vxj cyghu g] og ugh fVdxk vkj cy vxj lR;ghu g] og vekuoh; gk tk;xkA ;g ge ekye g] blfy, gedk viuh j{kk e lyXu gkuk pkfg,A

tc vxt vk;] doy vxt ugh] Ýklhlh Hkh g] Mp g vkj mue vkil e >xMk Hkh gk jgk g vkj Hkkjrh; jktk viuh luk dk vu'kkflr dju d fy, mudh fo'k"kKrk dk bLreky dj jg g] mud ykxk dk viu ;gk ukdj j[k jg gA ;dy feykdj ,lk fdLlk ugh g fd ftle nk ykx nxy d enku e gk vkj tkj vktekb'k dj jg gk vkj mue l dkb ,d thr tk, vkj dg fd rEgkj ;gk d igyoku rk dN ugh g] gekj ;gk d igyoku Åp gA ge ml vkj ioÙk ugh g,] ftruk gkuk pkfg, FkkA og ml vkj viu LoHkko l ioÙk g] blfy, o thrr py x;A mle gekjh tkfr dh dkb ghurk ugh gA ej eu e tk i'u ge'kk jgrk Fkk fd ge gkj dl x;\ ;ckgj d dy vf/kd l vf/kd ,d yk[k ykx g] bru cMk n'k dk mUgku dl thrk\ mldk dkj.k ;gh g fd ge viu LoHkko l c/k g, gA lHkh ykx viu&viu LoHkko l c/k gkr gA u;h ifjfLFkfr d vu:lk viu vkidk <kyu e le; yxrk gA yfdu gekjk 'kk;] gekjh cf)] gekjk food vkjk l de ugh g] Åpk gh gA tk thrr g o ge'kk J"B ugh gkrA thruk vyx pht gA thruk cy dk vkd"k.k gA ;jki u viu cy dk c<k fy;k] vftr dj fy;k vkj ml cy dk c<ku dh ifØ;k e mUgku viuh cgr {kfr dhA og {kfr ge ugh n[krA ge ml rjg l ioÙk ugh g,] yfdu le; chru ij ;k rk ge ml {kfr dk ijh dj yx ;k iÑfr dN djxh ftll mudk gkl gkxkA ;cMh xfr'khy ifØ;k g ftle eu"; dk i#"kkFk vkj fof/k lk/kd gkrh gA doy ,d gh pht lk/kd ugh gA ifjfLFkfr;k fof/k cuk jgh g vkj eu"; mle viuk dk'ky yxk jgk gA nkuk d feyu l ;g gkrk gA gekjk vHkh le; ugh g] yfdu bll ;g fu.k; fudkyu dh vko';drk ugh g fd ge fdlh l ghu gA

mn;u % ml nf"V l dkb Hkh fdlh l ghu ugh gA vkt ;jki vkj vejhdk dk iHkko g] dy ,lk u

gkuk yxHkx vfuok; g---

cuokjh % yfdu lcdh iofÙk;k vyx&vyx gA lcdh iofÙk;k vyx g vkj e> xk/kh th dk ; okD; Lohdkj dju ;kX; yxrk g fd geu tk vftr fd;k] tk jpk mle i.krk gA ;gh dN vkjk u Hkh vftr fd;k g ij mudh 0;oLFkkvk e i.krk ugh g yfdu vkjk dh ryuk e gekjh 0;oLFkkvk e i.krk gA ge vkjk l lh[ku dh 'kk;n vko';drk ugh gA fdlh dky[k.M e lcdk ,d nlj l lh[ku dh vko';drk gA yfdu ; Hkko vufpr ugh g fd lc phtk dk n[kr g, ge vkjk l bDdhl gA méhl ugh gA

mn;u % Hkkjr njvly foLrr lH;rk jgh g] vkt Hkh g] bldk foLrkj cgr gvkA ml dk dkj.k ;jki d foLrkj l vyx g---

cuokjh % Hkkjr dh lH;rk dk cgr foLrkj gvkA fo;ruke pEik jkT; Fkk] Hkkjrh; ykxk dk Fkk vkj ijk nf{k.k&io ,f'k;k Hkkjr d ykxk }kjk gh 'kkflr Fkk] cgr yEc le; rdA blk dh igyh 'krkCnh e ogk pEik jkT; gA nk gtkj lky igy o gekjh lH;rk d iHkko e g vkj gekj ykx ogk jkT; dj jg gA mle budk fey f'kyky[k e o viuh igpku crkr g fd ge mu n'kjFk dh lUrku g ftud i= jke dh iRuh dk ,d jk{kl u pjk fy;k vkj ml dk ekjdj o mUg okil y vk;A o dg jg g fd ge jke d o'kt gA

mn;u % eryc ge j?ko'kh gA ;g dguk rF; Hkh g] xkjo HkhA ojuk bldk mn?kk"k dju dh vko';drk gh D;k g\

cuokjh % gkA ; rk ,d ckr gA etenkj u pEik ij ijh fdrkc fy[kh gA b.Mkuf'k;k ij jkT; yEc le; rd gekjk jgk gA ml ckj e vjc ykx gh fy[k jg g fd cgr J"B jkT; gA bl rjg dk U;k;'khy vkj J"B jkT; nyHk gkxkA ogk d jktk d ckj e ;g dgk tkrk g fd og gj jkt ,d lku dh bV viu egy d ckgj d rkykc e Qd nrk g] itk d fy, rkfd tc foifÙk dk le; gk rk ml dke vk;A ,l cgr jktk FkA blh rjg l vki Fkkby.M nf[k,A mUgku ogk v;k/;k cuk;hA blh rjg l e/; ,f'k;k e ck) /ke dk foLrkj gekj 0;kikj e cgr vkx gku d dkj.k gvk gA vQxkfuLrku rk Hkkjr dk gh vx FkkA vQxkfuLrku rd dk bykdk vkj vQxkfuLrku l Hkh vkx] tgk l ckcj oxjg vk;k] ; lc Hkkjr d iHkko e gh FkA e/; ,f'k;k dk dkQh cMk fgLlk Hkkjr d iHkko e Fkk(yfdu vki ,d Hkh jktk dk ,lk ugh ik;x] tk mudk foftr dju d fy, ckgj tk jgk g] tlk vki ckdh txg ik;xA vjc luk l gh ml dk foLrkj gvkA gekj ;gk jktk vkj ckã.k viuh ;kX;rk lnx.k d j{k.k e n[kr g] lR; d j{k.k e n[kr g] cy d foLrkj e ugh n[krA Hkkjr viu vkie

bruk foLrr bykdk g] mru foLrr bykd e Qyu dk ekdk de gh ykxk dk feyk g ml ,frgkfld dky e vkj ,lk ugh g fd ge foLrkj ugh tkur gA gekjk n'k Hkjr d uke l blfy, tkuk x;k fd Hkjr pØorh g vkj mUgku Hkkjr Hkfe dk foLrkj fd;k] mldk ,d cM {k= e Qyk;kA nk uke g jkepUn d vykok] ,d Hkjr ftud uke l Hkkjro"k gvk vkj nljk foØekfnR;A gj jktk ;g dgrk g fd e foØekfnR; gA foØekfnR; dh [kch ;g g fd mlu tk ckgj l vkdj vkØe.kdkjh ykx ;gk cB x; Fk mudk Hkxk fn;kA bu lce j{kk dk Hkko gA og Hkko ugh g tk ckdh lc txg fn[kk;h nrk gA

mn;u % foLrkj dk Hkko ugh g ---

cuokjh % gkA phu u viu fy, nhokj cuk;h rkfd ckgj d ykx vkØe.k u djA ; ugh fd;k fd ge ckgj tkdj geyk djA ; dE;fuLV phu u gh fd;kA mudh ,d:irk dh bPNk gel vyx gA gee ,d:irk dh bPNk ugh gA gekjh nf"V e ,drk gA ge b'oj l tk viuk lEcU/k ekur g og gedk lcd lkFk tkMrk g] viu Hkkjr d lc ykxk d lkFk tkMrk gA phu e mruh gh fofo/krk g Hkk"kkvk d ekey eA ;g LokHkkfod gA vc Hkk"kkvk dk fdlh ,d lkp e ugh <ky ldrA diMk dk <ky ldr gA blfy, phu e Hkh fofo/krk g yfdu ogk ,d:irk dh LohÑfr gA bPNk ,d:irk dh g ij og ijh rjg lEHko ugh gA gekj ;gk ,d:irk dh ml rjg dh bPNk Hkh ugh gA gekj ;gk fofo/krk dh LohÑfr g] pfd ge ;g ekur g fd tk ,drk g og fdlh vkj Lrj ij gA y{ehukjk;.k oek cgr vPNh ckr dgr Fk fd ,drk g blfy, fofo/krk gA geu ,dRo dk n[k fy;k g] blfy, ge bl fofo/krk dh j{kk dj jg gA

mn;u % blfy, ge mldk ,dlk cuku dk i;kl ugh dj jg gA

cuokjh % ; lf"V cã dh gh vfHk0;fä gA blfy, tk cã l gekjk lEcU/k g og ij Hkkjr dk ,d djrk g] mldh vfHk0;fä vuUr :ik e gkxhA blhfy, geu dgk fd Hkxoku dk dkb ,d :lk le>u dh vko';drk ugh gA lekV g"k dk b"V ;k vkjk/; LFkku'oj g& LFkku dk b'ojA d#{k= rk cM bykd dk uke g] yfdu mle efUnj LFkku'oj dk gA blfy, geu dgk viu LoHkko d vu:lk pkg fo".k Hkxoku dh itk djk] pkg f'ko Hkxoku dh itk djk] pkg fdlh :lk e itk djk] lc ,d gh g] yfdu mud fofo/k :lk jguk vko';d gA

Hkkjr d lkFk if'pe d ykx D;k dj jg g\ mUg elhgk d tfj; ftl b'oj dk Kku gvk g] mudh utj e ogh b'oj gA mle fu"Bk gh okLrfod fu"Bk gA mll brj fu"Bk vekU; gA blfy, mudh dkb o/krk ugh gA vxj vki mud opu dk ugh ekur ;k mud

opu dh gekjh 0;k[;k dk ugh ekur] vki eju d fy, r;kj gk tkb;A ;g lp g fd ck) /kekoyEch gekj ;gk cgr ugh g ij ck) /ke n'ku d :Ik e vkt Hkh ;gk thfor gA ck) vyx lekt ugh gA igy Hkh o fHk{k gh gA og lenk; gA tu ykxk u ,d lekt Hkh cuku dh dkf'k'k dhA ck) ykxk u dkb lekt ugh cuk;kA blh rjg ; xyr ckr dh tkrh g fd gekj dN jktk ck) gk x;A jktk] jktk gA og ck)k dk Hkh nf{k.kk n jgk g] lukrfu;k dk Hkh nf{k.kk n jgk g] o".kok dk Hkh nf{k.kk n jgk g vkj 'kok dk HkhA vxj og fdlh ,d vkpk; d iHkko e vk x;k rk mlu mldk T;knk nf{k.kk n nh] bldk eryc ;g ugh fd og ogh gk x;kA ; dguk fd Qykuk jktk o".ko g] Qykuk jktk 'ko g] Qykuk jktk ck) g] xyr ckr gA mldh viuh 0;fäxr vkLFkk dN Hkh gk ldrh g] ij mldk jkT; /kkfed g] yfdu lkEinkf;d ugh gA og fdlh ,d lEink; dk iJ; ugh n jgk gA pfd jktk dk ;g dÙk0; g fd og lHkh lEink;k dk j{k.k dj] og tuk] ck)k] lukrfu;k lcdk j{k.k djxkA gekj bfrgklfonk dk ;g dguk vthc g fd v'kkd ck) Fkk ;k Qykuk ck) Fkk] Qykuk o".ko FkkA

mn;u % D;k mldk vk'k; ;gh g fd v'kkd dh ck) n'ku e #fp vf/kd jgh gkxh \

cuokjh % ml le; dkb ck) fHk{kvk dk l?k ogk jgk vkj og mll iHkkfor g, gk vkj mUgku mudk nku fn;k] bll T;knk dN ugh gA nljh ckr ;g g fd v'kkd gekjh ,frgkfld Lefr e dkb cgr mYy[kuh; ugh gA dkb vxj mYy[kuh; g rk og pUnxlr ek; gA v'kkd dk mYy[kuh; vxtk u cuk;k gA pfd budk fn[kkuk Fkk fd tl ge g ol gh vdcj Fk vkj ol gh v'kkd FkA Hkkjrh; bfrgkl dh Lefr e v'kkd dk dkb [kkl egÙo ugh gA

phu dh 0;oLFkk e lekV dUnh; g vkj jktk ijh lH;rk dk dUn gA ogk fdlku dk cgr Åpk LFkku g] pfd og vé dk mRiknu djrk g] dU¶;f'k; l mudk cgr Åpk ekurk gA tlk viu ;gk gvk] ol ogk Hkh gvk fd luk d ie[k ykxk dk [krh l vyx dj fn;k x;kA ; dN vkj ckr gA gekj v/;rk bldk tkfr&Hkn e y x; fd tk ckã.k vkj jktir g o [krh ugh dj ldr ekuk [krh djuk uhpk dke gkA phu dk ;g vuHko g fd tk Hkh iHkRo'khy ox gkrk g] og viu fy, midj.k r;kj djrk gA tk vkneh lukifr cuk;k x;k g] og dN /ku bdëk djxk ghA fQj og nlj {k=k dk foftr djxk] mud gh nlj {k=k dk foftr djxkA mld ikl /ku Hkh jgxk] dk"kky; e Hkh tk;xkA bl /ku l og fdlku dh tehu [kjh yxkA fdlku d ikl tehu ugh cpxhA ,lk gvkA

mn;u % luk d ie[k ykxk dk blhfy, [krh dh eukgh g ---

cuokjh % tehu [kjhnu dh eukgh mruh ugh g ftruk [krh dju dhA o tehu [kjhnr gA nk ckj phu d jktk u ij n'k dh tehu dk nckjk fdlkuk dk okil fd;kA ,lk ugh fd dN ykxk dh tehu mlu okil fdlkuk dk n nh cfYd ij n'k d fdlkuk e tehu dk iuforj.k gvk gA

vxj vki l{erkvk ij ugh tk,x] xyfr;k gkxh] Åij l n[ku ij yxrk g fd tl ;jki e lkjh tehu dk Lokeh jktk g] ol gh phu e lkjh tehu dk Lokeh jktk g(yfdu ,lk g ughA cgr cMk vUrj gA ;jki d LokfeRo lkFk ;g ckr tMh gb g fd fdlku ykx eu"; l ghu voLFkk d ykx g rk ;g gekjk vf/kdkj g fd ge mudk viuk lk/ku cuk,A phu dk fdlku eu"; l ghu fLFkfr dk ugh g] cjkcj dk g] jktk d mld ifr dÙk0; gA mudh ekU;rk e rhu ykd gA ,d iFoh ykd g] ftle lc eu"; jgr g vkj Åij noykd gA bl eu"; ykd e nok dh fi; ,d txg g tk e/; n'k gA nok dh ftl fi; txg e nok dh bPNk d vu:lk 'kklu gk jgk g] og phu g& phu d ckgj ccj gA Hkkjr dk o ccj ugh le>r] yfdu Hkkjr d vykok lc ccj gA ccjk l viuh j{kk djuh g rk ,d nhokj cuk nk fd o u vk ik,A nljk dke ;g dj ldr Fk fd tkdj ccjk dk u"V dj nr yfdu og mUgku ugh fd;kA ; iofÙk vkidk ;jki e fn[kk;h nrh g] phu e ugh gA yfdu mudh 0;oLFkk dUnhÑr gA og Hkkjr tlh ugh g] yfdu og ;jki tlh Hkh ugh gA nfu;k e vud rjg dh lH;rk, gA ,lk ugh g fd ;k rk ;g g ;k og gA

;g ckr le>uk vko';d g fd bue vUrlEcU/k D;k gA dU¶;f'k;l dk ,d cMk lUnj oÙkkUr gA dU¶;f'k;l viu jkT; l fudy x;k] cgr dfBu le; g] tc lc jkT; ,d nlj l yM jg g vkj og FkkMk fopfyr gA dU¶;f'k;l fdlh jktk d ikl tkrk g] lgk;rk dh [kkt e fd ml lykgdkj j[k yA jktk bll dgrk g fd gekjk jkT; rk cMk U;k;fi; g] cMk vPNk jkT; gA ;gk vxj dkb firk vijk/k djrk g] mldk cVk vkdj jktk dk crk nrk g] jktk ml n.M n nrk g vkj vxj dkb cVk vijk/k djrk g] firk jktk dk crk nrk g rk ml nf.Mr fd;k tkrk g] blfy, gekj ;gk U;k; gA gekjh 0;oLFkk cgr U;k;&lEer gA dU¶;f'k;l og ugh ekurk vkj og mll dgrk g fd ; U;k; ugh gA gekj ;gk ,lk ugh gkrkA gekj ;gk vxj dkb cki xyrh dj] cVk ml fdlh dk ugh crk;xk] yfdu og viu cki dh xyrh l/kku dh dkf'k'k t:j djxk vkj cVk dkb xyrh dj] cki ml jkT; dk ugh crk;xk] og cV dk l/kku dh dkf'k'k djxkA pfd ifjokj dh ikourk g] ifjokj dk ; nkf;Ro g fd og viuh xyrh [kn Bhd djA tc mld fy, lEHko u gk rc og jkT; dh 'kj.k e tk;A yfdu ifjokj dh ifo=rk] Lok;Ùkrk cgr egÙoi.k gA ;gh Hkkjr dh

fo'k"krk g fd ;gk doy ifjokj dh gh ifo=rk ugh g] ;gk lkefgdrk d ftru Hkh Lrj g] mu lcdh ifo=rk gA ifjokj dh ifo=rk g] dy dh] tkfr dh] tuin dh] lEink; dh] Jf.k;k dh ifo=rk gA o lc viuk 'kklu pyku d nkf;Ro dk fy; g, gA og lc Lo'kklh gA Lo'kklh gku l e;knk vkrh g fd vki viu ;gk d nk"kk dk nj djA

1680 dk ,d fdLlk g fd et¶Qjuxj d ,d xko e ,d 'kjkch gA og egrj gA mlu ,d tkV yMd dk lkuk igu g, n[kkA 'kjkc d u'k e mlu ml ekjdj d, e Qd fn;k vkj lkuk y fy;kA ; ?kVukØe mldh gh tkfr dh fdlh efgyk u n[k fy;kA mlu tkdj tkVk dk crk;k fd ,d vkneh u ,lk fd;kA ml oä xko e D;k gvk\ ,d ipk;r cBh] ml ipk;r e ml efgyk dk lk{; fy;k vkj fQj ml vkneh dk cyk;k x;kA mlu dgk gk] e>l xyrh gk x;h] e>l ;g vijk/k gk x;kA ipk;r u dgk fd bld n.M dk fu/kkj.k ge ugh dj ldrA ge ;g vf/kdkj ugh gA bld n.M dk fu/kkj.k okYehfd ipk;r gh djxhA

mn;u % ;g fdudh ipk;r g\

cuokjh % ;g egrj tkfr d ykxk dh ipk;r gA rk mUgku dgk fd ogh bld n.M dk fu/kkj.k djxh] ge ugh dj ldrA fQj ; idj.k mudh ipk;r d ikl Hkt fn;k tkrk gA

mn;u % ; fdl ipk;r u dgk\

cuokjh % ; xko dh lc tkfr;k dh ipk;r u dgkA lotkrh; ipk;r u ml tkfr l dgk fd ; rEgkjh tkfr dk vkneh g] mlu vijk/k fd;k g] re bldk ltk nkA mudh ipk;r cBrh gA ; ijk fooj.k g ipk;r d fjdkM eA og ipk;r ikrh g fd blu ,lk vijk/k fd;k g] tk v{kE; gA bl vijk/k dh ltk eR;n.M gh gk ldrh gA mudk fu.k; nu dk vf/kdkj g] yfdu n.M nu dk vf/kdkj ugh gA og ipk;r xko dh lotkrh; ipk;r dk viuk fu.k; Hkt nrh g fd geu ; fu.k; dj fy;k g fd bldk eR;n.M fn;k tkuk pkfg,A o cBr g] mld fu.k; ij fopkj djr g] mldk mfpr ikr g vkj ml 0;fä dk eR;n.M fn;k tkrk gA ftl rjg dh dYiuk ge vkt dh f'k{kk&0;oLFkk l fey h g] mle ; lEHko gh ugh gA mle ;g g fd tkV rk leFk ykx g] mud fdlh yMd dk ekj fn;k rk og ijh tkfr dk [kRe dj nxA ,lk dN ugh gk jgk gA U;k; dh bll T;knk ln< vkj bll T;knk Åph i.kkyh dN ugh gkxhA ;g ckr phu e gA dU¶;f'k; l dh tk dgkuh eu vkidk luk;h] og ;gh g u fd ifjokj dh ,d ifo=rk g] mldk mYy?ku jkT; ugh dj ldrkA jkT; ; ugh dj ldrk fd tc pkg ftldk cykdj dg n fd reu ifjokj e gh vijk/k fd;k vkj e n.M

nrk gA tc ge ckgj d gLr{ki dk eku yr g rk ge ftl ifjf/k e ; vijk/k gk jgk g] mle l/kkj dh xtkb'k [kRe dj nr gA fQj ; ckgj dk ekeyk gk x;k] dkuu ckgjh gA dkuu dkb vkj cuk jgk gA viu ;gk ;g g fd 'kkL= Hkh dgrk g fd fof/k dk fuek.k n'k dky e gh gk ldrk gA e ,d ckj cukjl e FkkA eu lkpk fd e ;gk dN if.Mrk l fey yA e> ,d if.Mr th d ikl y tk;k x;kA o U;k; d if.Mr Fk vkj U;k; d lkFk&lkFk /ke'kkL= vkj nlj 'kkL= Hkh tkur FkA tc eu iNk fd vkidh fnup;k D;k jgrh g] o cky fd Lok/;k; oxjgA dN i<kuk gkrk g vkj db ckj tk ej {k= d ykx g o dkb leL;k ydj vk tkr g rk e mle U;k; djrk gA eu dgk& vki mle U;k; dl djr gA D;k vki /ke'kkL= d fglkc l U;k; djr g ;k Lefr xUFkk d fglkc l U;k; djr g\ o cky& ugh] ughA e mul iNrk g fd rEgkjh viu {k= dh ipk;r g] mld fu;e D;k g] ,l ekeyk e og D;k dgrh gA vxj o fu;e /ke'kkL= dh Hkkouk d fo#) g] e mul ;g dgrk g fd re og fu;e cnyk] og fu;e xyr gA ojuk e mudk ; crkrk g fd bl fu;e d vulkj U;k; ; gkxkA e mul dgrk g fd viuh ipk;r e tkvk vkj mldk bl rjg l ly>kvkA fof/k n'k dky e curh g] og ckgj l ugh yknh tk ldrhA og jktk ugh cuk ldrkA gekj ;gk jktk ^yk fxoj* ugh gA Lo'kklu d fy, nk vko';d vgrk, gA ,d vgrk ;g g fd LojkT; d fy, vkidk u doy mRiknu d lk/kuk ij cfYd lHkh rjg d lk/kuk ij Lokfero gk] nljh vgrk ;g g fd vkidk viu {k= dh ifjfLFkfr;k d fglkc l fu;e cnyu dk vf/kdkj gk] fof/k dk vf/kdkj gkA

; nkuk pht vki ik,x fd Hkkjr e g vkj Hkkjr dh lH;rk dk tgk&tgk foLrkj gvk g ogk lc txg g] bld vykok tk cMh lH;rk phu g] mle g vkj ml lH;rk l tk nljh lH;rk, cuh g& tkiku] dkfj;k& mue g vkj Hkkjrh; lH;rk d iHkko l tk {k= cu g& nf{k.k&io ,f'k;k oxjg e gA Hkkjr vkj Hkkjr l io lce ; gA Hkkjr l if'pe e Hkkjr dk iHkko Hkh dHkh Fkk] yfdu ;jki vkj vjc ykxk dh 0;oLFkk, [kMh gk x;h] mUgku og iHkko [kRe dj fn;kA mudh fof/k;k gel mYVh gA

mn;u % blh lUnHk e tkiku dk le>uk Hkh vko';d gA mldh xfr viu e vuBh g---

cuokjh % tkiku dk le>uk egÙoi.k gA tkiku 'kk;n fo'o dk lcl T;knk {kf=;Ro okyk n'k gA ckdh txg vki nljh pht n[kx] yfdu tkiku tl {kf=; /ke dh lk/kuk d fy, gh ink gvk gA mld bfrgkl e 'k: e gh ;g leL;k ink gk tkrh g fd tkiku dk ,d djuk gA ,d dju d fy, foijhr jktufrd 'kfä;k dk 'kkUr djuk vko';d gA mudk 'kkUr dju

d fy, viu luk uk;d Hktuk t:jh gA o ykx ;) d }kjk gh 'kkUr fd; tk;x] tk lkekT; d fo#) gA ; fopkj gvk fd ;) /ke dh {kfr djrk g vkj jktk /kekorkj gA jktk dk vxj ;) e yxuk iMxk] lekt 0;oLFkk dh {kfr gkxhA rk r; ;g gvk fd jktk dk bll vyx dj nkA vki n[kx fd 'kkXuV dky& 'kkxu eku lukifr& e jktk dh dk;dkjh 'kfä lukifr d gkFk e vk x;h vkj jktk ,d rjg l fdukj gk x;k vkj ukeek= dk gk x;kA jktk /ke dk vorkj gA jktk lh/k bu ;)k l lEcfU/kr ugh g] yfdu itk dk vkn'k jktk gh gA o ;g tkur g fd cy dk i;kx /ke dh gkfu djrk g] lR; dh gkfu djrk g] blfy, eY; dk cukdj j[kuk g rk jktk dk vyx j[kuk iMkA eth dky rd jktk ;) l fcYdy vyx gA eth dky e ;jki d ykx ogk vk x; vkj vkdj bUgku ;g fn[kk fn;k fd o u;h 'kfä gA

mn;u % l=goh 'krh e \

cuokjh % gkA mUgku fn[kk fn;k fd o u;h 'kfä g vkj mudk lkeuk djuk gA tkikfu;k u ;n[k fy;kA pfd o {kf=; g] mudk cy e mud cjkcj gkuk g rk mUgku bud cy d ey dkj.k dk le>uk 'k: fd;kA bud ckj e Hkh mudh cM Åph nf"V gA

mn;u % ;jkfi;k d ckj e\

cuokjh % o ;jkfi;k d fo"k; e dgr g fd ; fofp= ykx g] loHk{kh g] tgk tkr g lc [kk tkr gA eu"; dk ugh NkMr] lk'k dk ugh NkMr] ouLifr dk ugh NkMrA ; dl ykx g\ ,l loHk{kh ykx geu dHkh n[k ughA ;g ,d tkikuh dh ;jkfi;k ij fVli.kh gA ej [;ky l bud ckj e bll T;knk rh[kh fVli.kh vkidk vkj dgh ugh feyxhA dkb ,d tkikuh vkneh g] v[kckjk dk lEiknd g vkj cgr lkjh fdrkc Nki jgk g vkj fy[k jgk g fd cUnd dl curh g] vkfnA viu ,d lEiknd h; e og fy[krk g fd ;jki dk foKku noh; g ij lkekftd n'ku jk{klh gA ge bud foKku dk vudj.k djuk g] yfdu bud lkekftd n'ku dk nj j[kuk gA bud 'kL= gedk le>u g] bud 'kL= gedk cuku g yfdu budh lekt d ifr nf"V dk nj j[kuk gA bl rjg dk Li"V fopkj vkidk vkj dgh fn[kk;h ugh nxkA ge ;g ekur g fd mudk foKku vkj lkekftd n'ku nkuk jk{klh gA xk/kh th ; ekur gA yfdu xk/kh th mudk pukrh dh rjg ugh n[k jg] tl tkikuh ykx n[k jg gA xk/kh th mUg cjkcj dk ugh ekurA vc mUg ij lekt dk cy ikflr dh fØ;k e tVkuk Fkk rk mldh ckxMkj jktk d gkFk e gkuh pkfg,A jktk ,drk cuk; j[ku okyk rÙo FkkA eth dky e igyh ckj jktk dk deku nh x;h] tk vc rd d ij bfrgkl e fdukj ij /kekorkj dh rjg

cBk gvk FkkA mldk dgk tkrk g fd urRo dhft,A vkj cgr FkkMh&lh vof/k e tkiku :ikUrfjr gk tkrk gA mue ;g ldYi vk tkrk g fd ge ;jkih;k dk gjk;xA o 1905 e :l dk gjk nr gA ;g igyk ekdk g fd tc dkb ;jkih; rkdr ,f'k;k dh fdlh rkdr l gkjh gA mld ckn nlj fo'o;) e tkiku dk dkb 'kgj rckgh l ugh cpkA tl ;jki d lkj 'kgj rgl&ugl gk x;] bud Hkh lkj uxj rgl&ugl gk x;] yfdu bUgku gkj ugh ekuhA gkj rc ekuh tc fgjkf'kek vkj ukxklkdh ij ce fxj gA mld ckn budk yxk fd vc ifrjk/k djuk cdkj gA mld ckn mud jktk dk Hkk"k.k gA o dgr g fd ge ,d yMkb e gkj x; ij ;) gedk thruk gA chl lky e vkfFkd :lk l o mru gh lEié gk x; ftruk ;jkiA 1950&1970 e tk lEiérk ;jki u vftr dh g] ogh lEiérk tkiku u vftr dj yh gA o cjkcj gA {kf=;Ro l mUgku viuh FkkMh&cgr {kfr dh g yfdu o mud cjkcj gk x;A {kfr fdruh gb g bl ij cgr erHkn gA dN tkikuh ekur g fd gekjh {kfr ugh gb] ge vHkh Hkh ifji.k gA gekj ;gk lekt dk lxfBr dju dk rjhdk vHkh Hkh olk gh gA lekt'kkL= dh ,d iLrd e] tk ,d efgyk u fy[kh g] og dgrh g fd gekj ;gk l dkb ikQlj vejhdk pyk tk, rk mldh bTtr pyh tkrh gA vxj og ykVdj nckjk ;gk vkrk g rk i<ku d fy, igy rk ml og txg ugh feyrh] ;fn fey Hkh tkrh g rk og lEeku ugh feyrkA

mn;u % vxj og vejhdk tk; ;k ;jki ---- og flQ tkiku l ckgj tk,xk vkj mldk lEeku de gk tk;xk\

cuokjh % dgh Hkh ckgj x;k ;jki ;k vejhdk eA phu dk NkM nhft;] Hkkjr dk NkM nhft;] pfd ;rk viu gh lH;rk d bykd gA tkiku e vki fdlh ,d dEiuh e dke djr g] mldh ukdjh NkMdj vki nljh dEiuh e ugh tk ldrA ogk lEcU/kk dk ,lk irki g tk lekftd lEcU/kk ij cu gA ;g ,d rjg dk lekt g vkj tk lekt dk.VDV ij cu g] o nljh rjg d lekt gA ;jki dk.VDV ij cuk gA ogk d v/;rkvk u u; rkj ij ;g dguk 'k: fd;k fd gekj ;gk rk 1800 l igy lk{kjrk cgr FkhA

mn;u % ,lk ;jki u dgk\

cuokjh % bXy.M u tl dgkA e> cMk dkrgy gvk fd vxj ;gk Hknklk dk f'k{kk dk vf/kdkj gh ugh g rk mud ;gk lk{kjrk cgr dl gA e> irk yxk fd euj d Lokeh vkj Hknkl d chp e ,d dk.VDV ij gLrk{kj gkr Fk] ftle ;g Fkk fd re gekj ;gk dke djkx] rEgkj nkf;Ro ;&; g vkj ; nkf;Ro ij dju d ckn rEg ;&; feyxkA og dk.VDV Hknkl dh

lj{kk d fy, ugh gA og euj d ekfyd dh lj{kk d fy, g fd og ;g dg ld fd reu mldk ikyu ugh fd;k blfy, re nf.Mr fd; x;A ;gh gkrk Fkk ogkA nl f'kfyx dh pkjh ij Hkh vki fdlh dk Qklh ij p<k ldr FkA

mn;u % tc dk.VDV e ,lk fy[kk gkA

cuokjh % dk.VDV e lc pht ugh fy[kh gkxhA ij dkuu gA

mn;u % vki dkuu d vulkj Hkknkl dk nf.Mr dj ldr FkA

cuokjh % dk.VDV ij Hkknkl dk nLr[kr dju gA vc gj vkneh] gj Hkknkl nLr[kr djuk lh[kuk pkgrk gA ; lk{kjrk gA ml fIQ nLr[kr djuk vkrk g vkj dN ugh vkrkA ; lgt lEcU/k ugh gA ble cjkcj d ykxk dk lEcU/k ugh gA mle ekfyd vkj xyke dk gh lEcU/k gA Hkkjr ;k Hkkjr d io d n'kk e tk lEcU/k g] o vuy?kuh; gA lEcU/kk dh vuy?kuh;rk ;jki e ugh gA ge tk ckj&ckj dgr g fd fookg ,d dk.VDV g ;k Qyk pht ,d dkUVDV g vkj vktdy d vk/kfud i<&fy[k ykx mldh cMkb djr g fd n[kk dk.VDV u nkuk dk ck/k fn;kA ck/k blfy, fn;k g D;kfd mue dkb lEcU/k g ughA mldh dkb dYiuk ugh gA og lEcU/k l;kx l gA

mn;u % vklkuh l VV Hkh ldr g\

cuokjh % vklkuh l VVr gA cV dh thou Hkj firk l lEcU/k cuu dh dkb ifrKk ugh gA

mn;u % ifr&iRuh e gh ugh gA yfdu vki dg jg g fd tkiku e mlh rjg d lEcU/k g tl Hkkjr e ge n[kr FkA vc ugh gA ;k de cp gA

cuokjh % Hkkjr dh mér fof/k;k dh >yd vHkh Hkh vkidk phu e] tkiku e] nf{k.k&io ,f'k;k e feyxhA t:jh ugh g fd o fof/k;k Hkkjr l x;h gkA mudk LoHkko Hkkjr l feyrk&tyrk gA gk ldrk g fof/k;k mUgku Lor= :Ik l cuk;h gkA vHkh Hkh ge phu dk le>dj tkiku dk le>dj viu vrhr dk vkj vPNh rjg le> ldr gA mudh cgr lkjh fof/k;k gel feyrh&tyrh g] ftudh mUgku j{kk dh gA geu NkM fn;kA

mn;u % ; D;k gvk\ eryc gel NV x;h vkj o mUg idM jg ldA

cuokjh % mldk dkj.k gA xk/kh th u tk dgk fd gekj ;gk o pfd i.krk d Lrj ij g] blfy, cgr tfVy gA ,d cMh goyh dh rjg g] mle vxj ,d nhokj fxjxh rk ijh goyh dh {kfr gkrh gA mldk fQj nckjk [kMk dju e mruk gh le; yxrk gA ogk ; mruh i.krk e ugh gA blfy, mudh j{kk djuk phu e Hkh vklku g] tkiku e HkhA mnkgj.k d fy, vkid ;gk gj pht dk fof/k&fu"k/k g& D;k [kk,x] D;k ugh [kk,x] D;k igux] D;k ugh igux] dgk

tk,x] dgk ugh tk,x] mlh l ;g ekU;rk g fd Hkkjr deHkfe g vkj lRde djd vki ek{k dk iklr gk ldr gA lRde ryokj dh /kkj dh rjg g fd vkidk gj {k.k n[kuk g fd vki tk dj jg g og /ke d vu:lk g fd ughA vxj og /keku:lk ugh gkxk rk vki mll nj gVx] Kku vkj ek{k l vkidh vkj njh gk tk,xhA og deHkfe blhfy, g D;kfd vkidk ek{k dh vkj y tkrh g vkj ek{k dh vkj blfy, y tkrh g D;kfd vki lnk /keku:lk vkpj.k djr gA ; cgr tfVy 0;oLFkk g ftle vkidk vud fn'kkvk e /ke dh j{kk djuh gA ifjokj e /ke dh j{kk djuh g] tuin e /ke dh j{kk djuh gA lHkh txg /ke dh j{kk djuh g] mruh gh fof/k;k cukuh gA fof/k;k e bl foLrr llkj dk iuLFkkfir djuk Je&lk/; gA og vklku ugh gA tlo ,d fnu e ugh cuh g vkj vxj VVx;h g rk ,d fnu e iuLFkkfir Hkh ugh gk ldrhA mld edkcy bu ckdh lektk dh fof/k;k mruh foLrr ugh g] mruh tfVy ugh gA phu d ckj e dgr g fd ogk lklk Hkh [kk yr g] ; Hkh [kk yr g] og Hkh [kk yr gA mldk dkj.k ;gh g fd [kku d ekey e mUgku mru fof/k&fu"k/k ugh fd; ftru geu fd; g] ,l gh lekt dk pyku d ekey e mru fof/k&fu"k/k ugh fd; g ftru geu fd; gA

mn;u % bu fof/k&fu"k/kk dk ykxk u thu d nkjku vUrLFk dj j[kk gA

cuokjh % nkuk ckr gA

mn;u % ;gk mu ij bUg ykx djku okyh dkb ,tUlh vyx l ugh gA

cuokjh % vki bl nljh rjg l nf[k,& Jfr vkj LefrA Jfr] tk geu luk gA Jfr dk ,d :lk on g] _f"k;k u luk vkj eU= d :lk e dgkA og tk luk] og ,d lkodkfyd lR; tlk g ;k cM dky dk lR; tlk gA mldk NkV dky e ykx djuk g rk vki mldh Lefr d vk/kkj ij fof/k fu/kkj.k djr gA /ke'kkL= Lefr xUFk g] o Jfr ugh gA yfdu Lefr&xUFk dkuu ugh g] ; fof/k d fuek.k e lgk;rk dju oky xUFk gA fof/k d ckj e 'kkL= dk vkn'k ;g g fd fof/k dky lki{k gA blfy, ftud ;gk fof/k ykx dh tkuk g o gh mldk fuek.k djxA xke viuh fof/k dk fuek.k djxk] tkfr viuh fof/k dk fuek.k djxh] ckã.k viuh fof/k;k dk fuek.k djx] {kf=; viuh fof/k;k dk fuek.k djx bR;kfnA lc Lrjk ij Lo'kklu g] LojkT; gA LojkT; dh bdkb d vu:lk fof/k dk fuek.k gkrk gA

mn;u % bldk eryc ;g g fd ckã.k {kf=;k dh fof/k dk fuek.k ugh djxk \

cuokjh % ckã.k 'kkL= cukr le; ;g dg ldrk g fd mld ;&; l>ko g] yfdu og mud fy, fof/k ugh cukrk gA tl ^euLefr*A ^euLefr* e vf/kdk'k Hkkx ckã.kk dk D;k djuk pkfg,

D;k ugh djuk pkfg, dk g] mll NkVk Hkkx {kf=;k dk D;k djuk pkfg, D;k ugh djuk pkfg, dk g] mll Hkh NkVk Hkkx o';k dk D;k djuk pkfg, D;k ugh djuk pkfg, dk g vkj ekeyh&lk Hkkx 'knk dk D;k djuk pkfg, D;k ugh djuk pkfg, dk gA pfd ; Lefr xUFk g] blfy, mUgku lekt dk ,d lykg n nhA ^euLefr* e ;g dgk x;k g fd fof/k dk dl ikIr fd;k tk,A fof/k dk fun'k /ke'kkL=k e gA vkpk; fof/k dk 0;k[;ku dj ldr g] lnkpkj crk ldr gA pfd mudh cf) lkE; voLFkk e g] o lR; e fLFkr gA eu"; viu vUr%dj.k e Hkh fof/k ik ldrk gA vki viu vUr%dj.k e >kddj n[k rk vkidk irk yx tk;xk fd mfpr D;k g vufpr D;k g] dju ;kX; D;k g u dju ;kX; D;k gA ; yphykiu g] og vUr e vkidk viu vUr%dj.k rd y tkrk gA dkuu vUr%dj.k dk gVk nrk g] og ml ekurk ugh gA dkuu d fglkc l dN ykx gh g ftue ;g ;kX;rk g fd o ckdh lc ykxk dk crk, fd mudk D;k djuk gA dkuu dh eyHkr ekU;rk ;g g fd ftu ij ml ykx fd;k tkuk g og ml cuku e vleFk gA o lc&gîeu g] mue ;kX;rk gh ugh gA FkkM l ykxk e ;kX;rk gkrh gA mudk fn;k gvk dkuu ckdh lc ykxk ij ykx gkrk gA

mn;u % D;k blhfy, gekj ;gk dkuu d fy, dkb 'kCn ugh g\

cuokjh % g gh ughA ge ,d Hkkjrh; d :Ik e Lohdkj gh ugh dj ldr bldkA

mn;u % D;kfd ftl pht e vUr%dj.k dk 'kkfey ugh fd;k tk ldrk] og gekj fy, Lohdk; ugh gA

cuokjh % og jktkKk gA jktkKk lkodkfyd ugh gkrhA jktk u vkKk n nh] dy ifjfLFkfr cny x;h] vkKk cny x;hA og dkuu ugh] jktk dh e;knk gA og viu eu l vkKk ugh n ldrkA

mn;u % fdlh fo'k"k ifjfLFkfr e n ldrk gA ifjfLFkfr d cnyu l og viu vki fujLr gk tk;xhA

cuokjh % Hkkjr vkj Hkkjr l io d lekt e tk thou g] mle dky dh xfr'khyrk dk /;ku j[kk x;k gA og xfr'khy gA yfdu tk Hkkjr l if'pe d lekt g mue mldk Hkyu dh ;k ck/ku dh dkf'k'k gbA o tk 0;oLFkk, djx] mle dky dk /;ku ugh j[kk x;k gA ftruh fyf[kr ik.Mfyfi;k Hkkjr e feyrh g] mruh nfu;k e dgh ugh feyrhA yfdu fQj Hkh gekj ;gk ikFkfedrk ekf[kd ijEijk dh gh gA gekj ;gk ^fyf[kr* dh ijEijk nfu;k e lcl T;knk gA yfdu fQj Hkh okfpd dh ikFkfedrk dk dkj.k D;k g\ bldk ,d etnkj fdLlk gA ,d lrh'k dekj g] tk bXy.M py x;A ogk ,d if=dk ^fjltl* fudkyh tkrh FkhA o fdlh ,l le; ogk x;] tc mUg lEiknd dh vko';drk FkhA mudk lEiknd cuk fn;k x;kA mUgku e> mld dN vd Hkt FkA e ,d vd e yfVu vefjdk d fdlh bf.M;u vkneh dk Hkk"k.k i< jgk FkkA mldh nk ifä;k u e> cgr eX/k dj fn;kA og dgrk g& o ¼;jkih;½

er 'kCnk e 0;ogkj djr g] ge thfor 'kCnk e 0;ogkj djr gA

mn;u % tkiku u fdlh gn rd viu ikjEifjd lEcU/k vc Hkh cpkdj j[k gA

cuokjh % lekt dk mUgku cuk; j[kk gA vly e mud eu e ;g vk x;k fd lekt x;k rk lc x;kA tl igy 'kkXuV dky e 0;oLFkk dk cuk; j[ku d fy, mUg ; vko';d yxk fd jktk dk cy d i;kx l vyx dj nkA rc mudk lukifr jkT; dj jgk FkkA ol gh mudk ;g yxk fd jktk dh vko';drk g rk mUgku jktk dk y fy;k yfdu bl rjg ftl mud lekt dh {kfr u gkA lln Hkh mUgku Lohdkj dh] tkj&tcnLrh dju ijA vejhdh ykxk u bul Lohdkj djok;h g ,lh jktufrd 0;oLFkkA

mn;u % nlj fo'o ;) d ckn\

cuokjh % gk] lln ykx dh mUgku] MekØlh ykx dh yfdu mld fu;e tkiku e o ugh g tk ;jki ;k vejhdk e gA bud ;gk jktufrd 0;oLFkk Hkh ifjokj oky fu;e ij gh pyrh gA tl nl 0;fä g ftue urRo dh {kerk g rk mu nl d viu leg g vkj gj leg e ftru Hkh ykx g] mudh fu"Bk viu ef[k;k d lkFk gh gA og fdlh Hkh rjg fMx ugh ldrhA ; leg ,l ugh g tk [kRe gkr jgr gk vkj cur jgr gkA tk cu x; lk cu x;A ;g [kkVh fof/k gA lHkh n'kk dh dEifu;k e ldMk foHkktu gkr g& ; bthfu;fjx dk dke g] ; byDVhf'k;u dk dke g] ; Qyk dk dke g] ; f<dk dk dke gA ; lc tkiku e ugh gA ogk dk rjhdk ;g g fd ,d dEiuh g] mldk ,d ef[k;k g] mld nk&rhu Lrjk ij leg gA leg e eku yhft, fd ikp&N% vknehgA ikp&N% vknfe;k ij leg dh ftEenkjh gA mld ckn mldk dkb foHkktu ugh gkrkA gj fdlh dk gj dke dju d fy, r;kj jguk iMxkA mle Åp&uhp ugh gA tk lekt g og phu dk Hkh] tkiku dk Hkh] og Hkkjr dh rjg fcuk Åp&uhp dk gA vc rk geu o.kkJe dk Hkh Åp&uhp cuk fn;kA geu tkfr e Hkh Åp&uhp lkp fy;kA ;g bl rjg dgh ugh gA ; le>uk cgr t:jh gA ge tkiku ;k phu dk le>dj viu dk vkj vPNh rjg le> ldr g fd fcuk Åp&uhp dh 0;oLFkk dl gkrh g\

mn;u % vki ftl leg d fo"k; e crk jg g(mldk eku yhft,] dkb ef[k;k g] ml ef[k;k u ikp ykxk dk ,d leg cuk;kA vc ; ikp ykx g] ; dEiuh d fdlh Hkh rjg d dke dju d ;kX; eku tk,x\

cuokjh % eku yhft,] og dEiuh gokb tgkt cuk jgh g rk gokb tgkt cuku e pkj&N% rjg dh fo'k"krkvk d fo'k"kKk dh vko';drk gA mu pkj&N% rjg dh fo'k"krkvk d vk/kkj ij

pkj&N% foHkkx cu x;] yfdu mu foHkkxk e vkj vkx dkb Åp&uhp ugh gkxhA ml foHkkx dk tk Hkh dke g] og lcdk vkuk pkfg,A

mn;u % lcdk \

cuokjh % mle ;g gkrk g] eku yhft,] fdlh vkneh e cgr ;kX;rk ugh g rk dkb ckr ugh gA mldh ru[okg nlj l de ugh gkxh] mldh lfo/kk, nlj l de ugh gkxhA pfd og ,d ifjokj g ftle lc cjkcj gA vxj ?kj e pkj cV g vkj ,d cVk nlj cVk d cjkcj ;kX; ugh g rk bldk eryc ;g ugh g fd mldk [kkuk de feyxk ;k diM de feyxA mldk ifjokj e mruk gh vf/kdkj g ftruk nljk dk gA mle bruh ;kX;rk ugh g rk ugh gA blh rjg l leg e ftru Hkh ykx g] mle dkb de ;kX;rk okyk gkxk] dkb vf/kd ;kX;rk okyk gkxk] o ,d&nlj dh Hkjikb djx] yfdu bll mudh lfo/kkvk ij] mudh gfl;r ij] mudh vkenuh ij dkb vUrj ugh iMxkA

mn;u % blh dk vxj phu e y tk,A phu e efjVkØlh g] flfoy lokvk e] e.Mfju dh ukdjh e rk g gh yfdu ifjokj d vUnj ugh gA

cuokjh % e.Mfju dh ukdjh e Hkh ;jki tlk ugh gA ;jki e Åp&uhp vf/kd gA

mn;u % xouj e.Mjhu gh g(og jktufrd 0;fä ugh g] flfoy lod gA

cuokjh % vly e phu e flfoy lod vkj jktufrd 0;fä e bruk Qd ugh gA jktufrd ogh gk ldrk g ftlu og ijh{kk ikl dh gkA ;) dk'ky l ,d ckj jktk cu x;k] mldk o'k jkT; dj jgk gA tc rd mldk o'k g rc rd jkT; gkxk] fQj vkj dkb o'k vk tk;xk jkT; dju d fy,A mld ckn mldk rU= gA rU= nk rjg d gkr g& ,d flfoy gkrk g] ,d lfud gkrk gA tk lfud rU= g] og dU¶;fl;l d fopkj ij vk/kkfjr ugh g] yfdu flfoy rU= mlh ij vk/kkfjr g] ftlu og bfErgku ikl fd;k gk] ogh vkneh flfoy lod cu ldrk FkkA dE;fuLV 'kklu u vc mldk [kRe dj fn;kA yfdu ikjEifjd rjhdk ;gh g fd tk flfoy 'kklu g mldk vf/kdkjh ogh g ftlu ijh{kk mÙkh.k dh gkA tk 'kkL= dk Kkrk ugh g] ftlu dU¶;f'k;l dk i<k ugh g] og jkturk dl gkxkA jktuhfr dh f'k{kk ogh gA jkT; pyku dh f'k{kk ugh gA jkT; /ke dh f'k{kk gA e.Mjhu jkT;&/ke e nhf{kr gkdj e.Mjhu gvk gA og ukdj 'kkg ugh gA

mn;u % vxj bl rjQ vk, vkj n[k fd vÝhdh n'kk e jktufrd 0;oLFkk dlh jgh g\vkiu fiNy fnuk bl fo"k; e fy[kk Hkh gA

cuokjh % vÝhdh n'kk e dchy gA ogk dkVfEcd lEcU/kk d vk/kkj ij jktufrd 0;oLFkk cuh g] mu

dchyk d vk/kkj ij jkT; Hkh cu g vkj vf/kdrj jktk o Fk] tk dchy d ef[k;k Fk] yfdu dN jktk bll Hkh cM g,A cM jkT; Hkh cuA dchy ,d lkFk vk; vkj mUgku feydj ,d jkT; cuk fy;k] oxjgA tk ykx vÝhdk dk le>uk pkgr g] mud lkeu ;g loky vkrk g fd vÝhdk e dchyk d chp dh ekjdkV dk D;k dkj.k g \ pfd mudk viu v/khu dju d fy, ;jki u ;gh rd fn;k g vkj nklk dh [kjhn dk dkj.k Hkh ;gh FkkA ,d rk ;g g fd i#"k d LoHkko e ftruh lgdkfjrk g] mruh ifrLi/kk Hkh gA lHkh txg ij n"V ykx Hkh ink gkr gA tgk fdlh dchy dk ef[k;k n"V gk x;k] mle ;g vkdk{kk ink gkxh fd og nljk dk foftr dj vkj bll ekjdkV Hkh gkxhA yfdu vÝhdk e ; ekjdkV NkVh l?kVuk Fkh] ,lk vÝhdh ykxk dk dguk g fd vÝhdk dk tc ;jki d ykxk l 0;kikj 'k: gvk rk bUgku mudk nk pht cgrk;r e nhA ,d rk cUnd vkj nljh u'kk] MXlA vÝhdh ykx cgr vkØked gkdj viuh ;g ckr dgr gA mudh ;jki d fo#) rhork dk ge viu ;gk l ugh le> ldrA gekj ;gk og g gh ughA vkiu n[kk u! uYlu e.Myk dh iRuh u viuh iLrd e fy[kk g fd tc o vk; Fk rk mud gkFk e ckbfcy Fkh vkj gekj ikl cgr dN Fkk] tc o x; rk gekj gkFk e ckbfcy jg x;h vkj ckdh lc mud ikl pyk x;kA vÝhdh ykxk dk ;g dguk g fd tk ekjdkV vkt gedk fn[kk;h nrh g] dkb lk&M< lk lky e ;k nk&<kb lk lkyk e og ;jki d gfFk;kj nu dk ifj.kke gA bUgku gfFk;kj fn;] bUgku }U} ink fd;] ekjdkV c<k;h rkfd vÝhdh ykxk ij budk fu;U=.k gk ldA pfd vÝhdk bud fy, lcl ef'dy jgk gA

mn;u % ,lk D;k\

cuokjh % og flfoy lekt ugh gA mud dchyk d vkil d lEcU/k cgr n< gA mudh vogyuk Hkh ugh dj ldrA vki nlj dk ckVdj mll yM ldr g] ugh rk fQj vkeu&lkeu dh yMkb gA bUgku mudk blkb cuku dh dkf'k'k dhA ;g dke 16 lk ;k 17 lk e 'k: gk x;k FkkA yk[kk fe'kujht ;jki l ogk x;h g] yfdu o mudk blkb cuku e lQy ugh g,A mld ckn bUgku mudk thru dh dkf'k'k dh] yfdu mudk Bhd l 1864&65 e tkdj thr ik;A yfdu ,d NkV bykd ij budk vf/kdkj 1820&30 d vkl ikl gkuk 'k: gk x;k FkkA cM bykd ij vf/kdkj dju e mudk 50&60 lky yxA yfdu dkf'k'k cgr igy l dj jg FkA mudk vUnj l rkMu d fy, bUgku mudk gfFk;kj ckV vkj u'kk fn;kA phu dk bUgku vQhe l rckg dj fn;kA ,d le; gkyr ;g Fkh fd ijk dk ijk phu] fdlku lenk; rd] u'k e /kUk FkkA ogk d vQhe ;)k dk dkj.k ;gh g] rc tkdj mudk yxk fd ge rk

x;] ge ;g fdlh rjg jkduk iMxkA

mn;u % bud fy, vQhe ;jkih; yk; Fk\

cuokjh % ; fcVu dk gh fdLlk gA o Hkkjr e vQhe ink djr Fk vkj ogk tkdj tcjnLrh nr FkA mudh phu ij ie[k fot; lfud ugh gA ,lk ugh g fd mUgku phu ij vkØe.k djd mldk thr fy;k gk] mudh ie[k fot; ;gh g fd mUgku phu d jktk dk viuh 'kr euoku d fy, ck/; dj fn;k fd ;jkih;k dk mUg vQhe cpu dk vf/kdkj gA vki mudh ccjrk nf[k;] ;jkih; ;g dg jg g fd ge ;g 0;kikj dju dk vf/kdkj g] D;kfd ge nfu;k dh lokPp 'kfä g] ge 0;kikj dju dh NV vkidk nuh iMxhA phu ;g dg jgk g fd og gekj lekt d fy, gkfudkjd g] mld 0;kikj dh NV ge dl n ldr g\ budk ;g dguk g fd bll ge dkb eryc ugh g fd og gkfudkjd g ;k ugh g] gekjk nkok ;gh g fd ijk llkj gekj 0;kikj d fy, [kyk g] mldh vkidk NV nuh iMxh vkj jktk dk ;g NV nuh iMh] D;kfd mUgku ;) e mldk gjk fn;k FkkA

vkt Hkh fLFkfr ;gh g mud 0;kikj d fy, lcdk viu njokt [kkyu gkxA bUgku tkiku dk dgk fd re gel pkoy [kjhnkA mlu dgk fd ge [kjhn yx yfdu ;gk rk dkb [kk;xk ugh vkidk pkoy D;kfd tkikfu;k dk rk viu bykd d pkoy gh ilUn gA

mn;u % ; vejhfd;k u dgk \

cuokjh % mUgku dgk fd vkidk gekjh dkj [kjhnuk iMxhA tkikuh cky] rEgkjh dkj ;gk pyxh ugh] D;kfd ;gk cgr d'ky ykx g] cgr gh ifj"Ñr dkj cukr g] vkidh dkj Hkkjh g] ;g ttky g] dkb [kjhnxk gh ughA ;jkih; tkfr dh tcjnLrh ;gh g fd ge viuk lkeku cpu dk vf/kdkj g vkj rEg viuk cktkj gekj fy, [kkyuk iMxkA viu lkeku dk cpu e o dkb ufrd fu;e ugh ekurA mudk cktkj dlk g\ tc e ;jki e x;k] eu ogk iNk fd ;gk fdlh oLr d ykxr eY; vkj fcØh d eY; e fdruk vUrj gA irk pyk ikp xukA ejh le> e vk x;k fd ogk fuek.k e 20 ifr'kr ykx ml le; Fk ¼vc cgr de g] 7&8 ifr'kr gh g½ rk bru T;knk mudk nke c<kdj j[ku iMr g] ckdh ykxk d fy, xtkb'k j[kuh iMrh gA eukQ dk forj.k gkxk] rHkh o phtk dk miHkkx dj ik;xA Lon'kh d <kp e ; lEHko ugh gA ble nkuk phtr gA ,d rk vki cgr eukQk ugh y ldrA vkid cxy e gh tk lkeku ink gk jgk g og lcdh fuxkg e gA nljh ckr ;g g fd mldh x.koÙkk ,lh ugh gk ldrh ftll lekt dk dkb udlku gkA ;jkih; ekMy e [kjhnkj foØrk dk ugh tkurk vkj foØrk [kjhnkj dk ugh tkurkA nkuk ,d lekt dk fgLlk ugh g blfy, dkb

e;knk ugh gA u fcØh eY; dh dkb e;knk g] u x.koÙkk dhA ; vR;Ur vkljh 0;oLFkk gA gekjh ijh [krh cckn gk x;hA ge tk [kkr g og [kku ;kX; g ;k ugh g] ge ugh tkur vkj gekjk ml ij dkb vf/kdkj ugh g vkj budk ;g dguk g fd vkidk vf/kdkj ge ekux ughA

mn;u % vkidk viu thou ij vf/kdkj ugh g ---

cuokjh % ; ixfr gA ;jki dk ; mRd"k vkidh vuy?kuh;rk dk lekIr dju okyk gA blhfy, og vkljh g] ccj gA mle lnx.k dh lEHkkouk ugh gA mle /ke dh lEHkkouk ugh gA mle /keiod fu.k; ugh gk ldrk gA mll cpu d fy, geu ;g cuk fn;k fd /ke dk eryc ^fjyhtu* gA /ke dk eryc fjyhtu rk ugh gA /ke dk eryc mfpr vkj vufpr dk food gA

mn;u % ;jki u reke lektk dh vuy?kuh;rk dk Hkx fd;kA flQ Hkkjr gh ugh ijh nfu;k dh vuy?kuh;rk dk Hkx dj fn;kA

cuokjh % mldk dkj.k ;g g fd mudk yxrk g fd gekj vykok fdlh dk dkb vFk gh ugh gA mle Hkh dN ykx] ^pu g, dN* g] blkb;r d fglkc l Hkh vkj ;ukuh fopkj d fglkc l HkhA ;ukuh fopkj e tk j'kuy g og eu"; g] tk ugh g og eu"; ugh g] o lc&gîeu gA blkb;r e lgh ek;uk e b'oj dk dkb ugh tku ldrkA yfdu fQj Hkh b'oj d lUn'k dk tk okgd g] mldk tk lenk; g o b'oj d utnhd g vkj ckdh lc fujh'ojoknh gA

mn;u % o lk'kor gA

cuokjh % lk'kor o uk'k d ;kX; gA lk'k dk vki dkb mi;kx rk le>xA mudk rk [kku dk Hkh dkb mi;kx ugh g] o jg] u jg] blfy, ugh jg rk Hkh Bhd gA ,d cMh etnkj fQYe gA ,d bykd e ?kkMk dh ,d uLy gA tc o ml bykd dk mifuo'k cukr g rk dgr g fd ; ?kkM gekj dke d ugh g] gekjh luk d eryc d ugh g rk fQj lcdk [kRe dj nkA ogk d bykd d ykx bl uLy dk cgr il Un djr gA

mn;u % ;g xj ;jkih; bykdk gkxk!

cuokjh % tc mudh j{kk dk lUnHk vkrk g rk o dgr g fd re bruk ilk n nk] ge ?kkMk dk NkM nx] vU;Fkk ge lcdk ekj nx] D;kfd o vuRiknd g] gekj fdlh dke d ugh gA og ilk dgk l vk;xk\ fQYe e vkx ;g g fd vjc n'kk e dkb ,d ifr;kfxrk gkrh gA ij jfxLrku dk ikj djd ogk igpuk gkrk gA tk igp tk;xk mldk bruk ilk fey tk;xkA ,d vkneh g] ;g ml ifr;kfxrk d ckj e lurk g vkj ogk tkrk g vkj ejr&ejr thr

tkrk g] mruk ilk y tkrk g vkj ?kkMk dh uLy cpk yrk gA ;jkih; fopkj ;g g fd tk gekj mi;kx dk ugh g ml lkQ dj nkA ;g ykeg"kd ccjrk gA

mn;u % blkb;r io yfVu vefjdk e Hkh ,l fopkj dgh ugh feyxA

cuokjh % ;g dgh vkj ugh feyx D;kfd vU;= vUrfood gA ;jkih; e vUrfood ugh gA j'kufyVh vUrfood dk fu"k/k djrh gA ojuk ;jki d ykxk e lgt :Ik l ; vUrfood gA og ulfxd gA blfy, vki mudk Hkh cgr djhc ikvkxA eryc ixfuTe ftldk vki dgr g] ckdh nfu;k e ixu g fd ugh g] bldk vki Hky tkvkA og mud fy, [kjkc 'kCn gA ;jki d ykx ixu gh g vxj o blkb ugh g] mudh tk ey iofÙk;k g] vkidh tlh gh gA ; ml ij ;ukuh fopkj dk ifr:i.k g ;k blkb;r dk] tk mudk mudh ey iofÙk;k d vu:Ik dk; dju l jkdrk gA o vxj viu ekrk&firk dh dc ij tkr g rk ;g ekudj gh vkr g o dgh g vkj o gekjh j{kk dj jg gA blkb;r d fglkc l rk ; xyr g vkj bLyke d fglkc l HkhA

mn;u % D;k vki ;g dg jg g fd ;jki e tk 0;oLFkk, cuh] mue rkfÙod ekuoh; LoHkko ml gn rd 'kkfey ugh g\

cuokjh % o mldk nckdj cuhA tk eu"; dh ulfxd ofÙk g] tk mldk LoHkko g] mldk nckdj ; 0;oLFkk, cuhA ;jki d ykxk dh] tk lk/kkj.k ykx g] mudh Hkh o gh ofÙk;k gkxh] D;kfd lHkh eu"; dh iofÙk;k ,d tlh gA ij bl 'kfä&rU= l dN ykxk dh nf"V fudyh] ftl 'kkld oxk u vxhdkj dj fy;k vkj og lc ij ifrjkfir dj fn;kA

mn;u % fQj og nf"V :ikUrfjr gkrh pyh x;h vud 0;oLFkkvk e vkj vkt rd g& dkikjV ;x rd vkr&vkrA Hkkjrh; lekt dh vk/kfud vkykpuk & [kklrkj ij ;jkih; vkykpuk dg y& ;jki d vku d ckn dh vkykpuk g] og ;g g ; rk cgr T;knk Åp&uhp dh 0;oLFkk pyk; g, g vkj vktdy rk lekt 'kkL= e ckã.kokn ;k ckã.kfuTe vkj bl lcdk ydj ckr gkrh jgrh g] tk xYi tlh yxrh g] D;kfd bl 0;kid lekt e og ogr T;knk utj ugh vkrhA bldk mRl D;k g\ yfdu igy vjc lLÑfr vkj bLyke d foLrkj dk le>uk Hkh vko';d gA bld vHkko e gh ge vU;k; djr x; gA

cuokjh % bLyke viu mn; d le; ,d rjg l blkb;r dh ifrPNk;k gh gA ftu ykxk u bldk Lohdkj fd;k] mudk LoHkko ;jkih; ykxk l vyx g(yfdu mudk /ke'kkL= blkb;k dk gA ;g Qkyr fdLe dh ckr g fd ; ,f'k;k e ink gvk] oxjg&oxjgA ; T;kxkfQdy fdLlk ugh gkrkA 'k: e lfé;k u blkb;k dh rjg ;g eku fy;k fd fn0;rk bl llkj e ugh gA

blkb ykx ekur g fd fn0;rk bl llkj l ckgj gA og bl llkj l ckgj g] blfy, fdlh Hkh :lk e fn0; dk bl llkj e n[kuk /kefo#) g vkj blkb;k u Hkh bl fopkj dk mruh rhork l ugh ekuk ftruk bUgku ekuk D;kfd ; blkb;r ij ,d l/kkj d :lk e ink g,A mll ;g leL;k [kMh gk x;hA e/; ,f'k;k vkj ij Hkkjr dk bykdk bl llkj e fn0;rk dk n[krk g vkj mud iMkl e [kMk gk jgk bLyke llkj e fn0;rk ugh n[krkA ; ykx jktufrd rkdr d :i e ink g, ftle cMh 'kfä FkhA mlu ,d cgr cM bykd dk ftle mÙkjh vÝhdk l yxkdj e/; ,f'k;k rd dk cMk HkHkkx vkrk g] viu fu;U=.k e y fy;kA mldk fu;U=.k e yr&yr budh 'kfä pd x;hA 300 lky e o cyghu gk x;A fQj 950 d vklikl rd ykx vk;] mUgku /khj&/khj budk thruk 'k: fd;k vkj mld ckn bUg thr fy;kA dkykUrj e rdk u vkVkeu ,Eik;j] mLekfu;k lkekT; cuk fy;kA lu 632 l ydj 950 rd vjc ykxk dk dky gA 950 d ckn l rd ykx vk;] ckdh ykx vk;] exky Hkh vk;] og mudk gh dky gA 1258 rd vjck dk [kyhQk jgk] yfdu mldh dkb rkdr ugh FkhA jkT; mudk FkkA 1258 e exky vk;] mUgku mud [kyhQk dk ekj fn;kA ml le; exkyk e ;g ekU;rk Fkh fd jktifjokj d 0;fä dk [ku ugh cguk pkfg, D;kfd mle dN 'kfä gA ; [kyhQk jktifjokj dk gh Fkk] mldk [ku ugh cguk pkfg,] [ku cgxk rk vfu"V gk tk;xk] fdlh dh lykg ij exkyk u [kyhQk dk ,d dkyhu e yiVk vkj ml ij ?kkM nkMk fn; fd tk [ku cg og dkyhu e gh lek tk;A mldk ekjdj f[kykQr dk gh [kRe dj fn;kA mldh cVh l fdlh dk C;kg fn;k vkj cV dk viu ;gk y x;] oxjg&oxjgA tc 'kfä vjck d gkFkk l fudy x;h rk ;g ekU;rk fd fn0;rk bl llkj e ugh g] cnyhA bjku l yxkdj e/; ,f'k;k rd d ij bykd e ykx igy l ;g ekur Fk fd fn0;rk llkj e gA tlk ge ykx ekur gA ge ykx mldk cM 'kkL=h; :lk e ekur g] o mru 'kkL=h; :lk e ugh ekur] yfdu o ;g ekur Fk fd b'oj llkj e gA mldk igyk vkxg bjku d ykxk u fd;kA bjku d ykxk u dgk fd vYykg dk lUn'k gedk ekgEen lkgc d }kjk feyk gA vxj ekgEen lkgc d }kjk feyk g rk ml ln'k l gh mue fn0;rk vk x;hA vYykg dk lUn'k /kkj.k dju d dkj.k o vYykg d uj l lEié gk x;A bl rjg o fn0; FkA igyk vkxg mUgku ;g fd;k fd tk Hkh beke cu og mudk o'kt gkA mlh l >xMk gvkA vyh okyk >xMk ; gh gA yfdu mle beke dku gk] dku ugh gk okyk jktufrd loky xk.k gA e[; loky ;g g fd fn0;rk bl llkj e g fd ugh g\ léh ykx ;g ekur Fk fd ekgEen lkgc e dkb fn0;rk ugh g] o eu"; gA o tl ckdh lc eu"; g ol gh lk/kkj.k eu"; gA

b'oj u tk nonr Hktk Fkk] ml og lUn'k nuk Fkk] ml fdlh dk yuk Fkk rk ml nonr u mudk y fy;kA ; l;kx g fd mudk fy;kA mue viu vki e vkjk l vyx dkb ;kX;rk ugh FkhA o pu x; FkA egt ek/;e FkA f'k;k ykxk dk ;g dguk Fkk fd mue fn0;rk gA yfdu ml le; vjc ykxk e >xMk gk jgk FkkA [kyhQkvk d ckn igyh rkdr evkfc;kvk d ifjokj e x;hA evkfc;k u viu vkidk jktk ?kkf"kr dj fn;kA mul igy [kyhQk gh FkA jktk Hkh Fk] [kyhQk HkhA mld ckn nk jkto'kk d ykx vk;] o [kyhQk g,A yfdu ,d nlj dk ekjdj gh g,A o [kyhQk g] yfdu ekjdkV d }kjk gh lÙkk ifjoru gvk gA bu lc phtk dh dN Nk;k lekt ij gkrh gh gkxhA 950 d vklikl lQh ykx [kM gk x;A lQh ykxk u dguk 'k: fd;k fd b'oj dh Hkfä e yx ykxk] lk/kdk e fn0;rk fn[krh gA o dN dg nr g rk Qfyr gk tkrk g] o peRdkj dj ldr g vkj pfd o b'oj dh lk/kuk e yx g] mUgku dN flf);k ikIr dj yh g] bu flf);k d dkj.k bue fn0;rk gA ; ,d rjg l lfé;k dh ey ekU;rk dk fu"k/k FkkA rhuk lenk;k& f'k;k] léh vkj lQh& e cgr >xMk gvkA ,d nlj dk cnk'r dju d fy, dkb r;kj ugh FkkA léh T;knk 'kfä'kkyh jg Fk rk mUgku f'k;kvk dk cgr ekjkA mlh e ;g gvk fd f'k;kvk dk feó e viuh f[kykQr LFkkfir dju dk ekdk fey x;kA Qkreh&vu;kf;;k u ogk f'k;kvk dh f[kykQr [kMh dj nh] rd pfd lfé;k d lEid e vk;] blfy, o léh FkA tc rd jkT; LFkkfir gvk] og léh jkT; FkkA rc f'k;k feó ij geyk dj jg Fk] mudk yxk fd ; rk gekj gkFk l x;kA mUgku n[kk fd gekj gkFk l rkdr tk jgh g rk D;k dj] dl mudk edkcyk dj] rk f'k;kvk u nLr Hktuk 'k: fd;k& ftudk vktdy vkRe?kkrh dgr gA

mn;u % fQ;knhu nLrA

cuokjh % ^fQ;knhu* vkt dk 'kCn gA mUgku mldk dkb uke ugh fn;kA o ,dk/k txg lQy g,] yfdu T;knkrj foQy gh g,A mldk dkj.k ;g Fkk fd ml teku d jktk cgr gh 'kdky FkA o ,d fdy e jgr FkA ml fdy dh igjnkjh ,d rjg l fgtMk vkj xykek d gkFkk e Fkh] mud pkjk vkj xykek vkj fgtMk dk ,d dop cuk jgrk Fkk vkj o mud ifr cgr gh fu"Bkoku FkA pfd o lekt l dV g, Fk rk vkj fdlh d ifr mudh fu"Bk gk ugh ldrh FkhA mldk Hknuk cMk ef'dy Fkk] o lQy ugh g,] yfdu mud ckj e ;g dgk x;k fd ,lk nLlkgl rk vkneh u'k e gh dj ldrk gA mudk ^g'kflu* dgk x;kA g'kh'k [kk; g, ykx g g'kfluA blh l vxth dk ^,lflu* cuk gA

mn;u % ; g'kfluk dk Hktr dgk Fk\

cuokjh % cxnkn Hktr Fk] nf'ed Hktr Fk] tgk bud x< Fk ogk Hktr Fk feó lA bLyke ,d rjg dk iR;kjki.k g bl ij lekt ijA vjc ykx Hkh ;g ugh ekur Fk fd fn0;rk llkj e ugh gA o eDdk&enhuk e foxg dh itk djr FkA foxg dh itk dju dk eryc g fd fn0;rk ;gk gA ; lkjk lekt ,lk gh FkkA mle ,d iR;kjki.k gvk] bLyke dk mn; gvk vkj bLyke u ;g dgk fd fn0;rk bl llkj e ugh gA tk ;g ekuxk fd fn0;rk llkj e g] og uk'k&;kX; gA cr&f'kduh gbA lkj e/; ,f'k;k e c) dh efr;k dk mUgku rkMk] blfy, budk ^cr ¼c)½&f'kdu* dgk x;kA mudk ;g ruko gedk le> e vkuk pkfg, FkkA bLyke dk geu viuk n'eu eku fy;kA D;kfd ge mudk ,d:lk ekur jg] geu ;g ugh n[kk fd bLyke e Hkh foHkktu g vkj mle dN ykx g] tk gekj fudV g] tk ; dgr g, yM jg g fd llkj e fn0;rk gA ge mudk gkFk idMuk pkfg, Fkk] mUg etcr djuk pkfg, FkkA ogk dk foHkktu ;gk Hkh cuk jgk FkkA vjc ykx Hkkjr dk Hknu e lQy ugh g,A flU/k mUgku thrkA 1192 bLoh e iFohjkt d gkju d ckn gh mudk fnYyh e ij teku dk ekdk feyk] yfdu fnYyh e 'kklu LFkkfir dju dk eryc n'k thruk ugh FkkA n'k thru e mudk dkQh le; yxk vkj f[kyth vkj rxyd nkuk o'kk d nkjku ; lEHko gk ik;kA 1350 bLoh d vklikl ,d rjg l efLye lYrur ;gk iui ik;h& vo/k vkj cxky eA vo/k vkj cxky dh lYrur djhc&djhc 1350 bLoh d vklikl gA bl 'kklu dh iofÙk dk le>uk cgr t:jh gA mldh nk&rhu ckr egÙoi.k gA ,d og lfud 'kklu gA lfud ykx ;gk vk; gA rc rd ;gk lfud 'kklu ugh FkkA eryc ;gk xko g] mldk ef[k;k g] cgr l xkok d ykx g tk Lo'kkflr g vkj mue ,d jktk g vkj jktkvk d Hkh Lrj gA ,d uhp dk jktk g] fQj mll Åij d Lrj d jktk g] cMk jktk g oxjg&oxjgA ; jktufrd rU= uhp l Åij dh vkj [kMk gvk gA ; ykx ckgj l vk; lfud ykx gA ; 'kkld ugh g] ; rk fu;U=d gA bUgku vkdj LFkkuh; ykxk dk fdukj dj fn;k vkj lc txg viu ykx cBk fn;] tk lfud ykx g] tk fotrk gA exyk u vkdj mudk eulcnkj uke fn;kA mll igy dN vkj uke gA 'kklu dh i.kkyh ;k 'kkL= bjku d ykxk d ikl g] vjc ykxk d ikl ugh gA tc mUgku jktlÙkk, [kMh dh g rk 'kklu fof/k bul yh gA mLeku lkekT; e Hkh budk iHkko gA Hkkjr e Hkh tk efLye jkT; [kMk gvk] mle luk mtcd ykxk d gkFk e g] ckcj oxjg] tk viu vkidk exy ugh dgr] rej dk o'kt dgr gA vki ;g le> yhft; fd rej dh Nfo Hk;kud g vkj tk viu vkidk ^rejh* dg jgk g rk og Hk; dk mRikfnr dju d fy, gh dg jgk gkxkA og viu vkidk Åpk fn[kku d fy, ugh dg jgk gkxk] og

vkrfdr dju dk dg jgk gkxkA nljh ckr ;g g fd mudk lfud rU= ckgjh ykxk dk g vkj fujUrj ckgjh ykxk dk gA mle ckgj l gh ykx vkr gA o ;gk d ykx ugh gA ;gk d ykx ijkLr gk x;A vxj ;gk d ykx luk e ugh g rk bldk eryc g fd mud ikl 'kL= ugh gA mudk 'kL= j[ku dk vf/kdkj gh [kRe gk x;kA 'kL= cdkj gk x;A rhljh ckr ;g g fd LojkT; dh 0;oLFkk [kRe gk x;h] ckgj dh 0;oLFkk vk x;hA ; fgUnLrku e igyh ckj gvk FkkA exy 'kklu Hkh lfud 'kklu FkkA o dkb 'kklu ugh dj jg] mUgku ;gk ,d dj&i.kkyh cuk nh] ;g dj fn;k] og dj fn;k& ; T;knkrj fujFkd FkkA pfd vki tgk jkT; dj jg g] ogk dh leph 0;oLFkk dk m[kkM dj ugh Qd ldrA cgr&lh phtk l vkidk le>krk djuk iMrk gA rk tk le>krk fd;k g og ;gh g fd mUgku efUnj dk Hkh nku n fn;k] ; Hkh dj fn;k] mle og Hkh dj fn;kA yfdu mruh gh cMh fLFkfr ;g g fd mUgku VDl dk fgLlk cny fn;kA mud igy NBok Hkkx jktk dk feyrk FkkA ; vk; rk bUgku vk/kk dj fn;k fd mRiknu dk vk/kk fgLlk jktk dk feyxkA jktk dk vk/kk nu d ckn ckdh ykxk dk Hkh nuk iMrk gkxkA mld ckn fdruk fdlku dk cprk gkxk] bldh vki dYiuk dj ldr g! 1350 l yxkdj 1707 bLoh rd efLye 'kklu dk le; gA ; jkT; ,lk g ftle 'kklu ugh g] fu;U=.k gA mld ckn ejkB [kM gk tkr gA mudk fu;U=.k Hkh ij n'k ij ugh gA n'k d cM fgLl ij mudk 'kklu gA mle igkMh bykd cp g, gA mle jktir cp g, gA ge jktirk dh cMh fuUnk djr g fd mUgku viuh cfV;k exyk dk C;kg nh] oxjg&oxjg] yfdu ge ;g ugh n[kr fd ,lk djd mUgku viuh itk dk cpk fy;kA mudh itk cph gb g] og mud 'kklu e gA mud 'kklu dk eryc fd og viu Lo'kklu e g] vkrrk;h d 'kklu l cph gb gA bldk J; jktirk dk fn;k tkuk pkfg, fd o bud lkFk t:j vk; ij og ,d rjg dk le>krk FkkA og mUgku viuh itk d fgr e fd;kA o [kn cgr vkjke ;k vkuUn e ugh gA mudh bTtr pyh x;h g] o yxkrkj ij'kku gh g] yfdu viuh itk d fgr d fy, mudk ; mfpr yxrk gA ejkB vk; rk ejkBk dh 'kfä [kMh gk x;h vkj 18oh 'krkCnh e mudk exyk l Hkh T;knk cMk iHkko g] ftl {k= l mudk VDl fey jgk g] og exyk l cMk g] yfdu LFkkuh; 'kklu exyk d gkFk e gh gA o exy lÙkk dk VDl ugh n jg g] ejkBk dk gh n jg gA ejkBk dk le; 90 lky rd jgrk gA mudk vxj 150&200 lky fey tkr rk ; lc [kRe gk tkrA mud mn; l gh efLye 'kklu dk Hk; [kRe gk x;k Fkk yfdu mldh tM [kRe ugh gb FkhA Lo'kklu nkckjk LFkkfir gkuk t:jh FkkA og ugh gvk] yfdu mudk 'kklu [kRe gk x;k] mudh txg ejkBk dk

'kklu vk x;kA mldk xkjo de ugh gA vxtk u mldh vufpr fuUnk dh gA vki ;g nf[k, fd fdu ifjfLFkfr;k e o jg jg g! mud ikl viuh luk cuk; j[ku d fy, ilk ugh gA mudk bld fy, yxkrkj t>uk iM jgk gA pfd ; jktLo iku d fy, exyk d rjhd bLreky ugh dj ldr] bl n'k d ykxk dh voKk ugh dj ldrA exy ykxk dk bl n'k d ykxk dh voKk dju e tjk Hkh ldkp ugh gkrk FkkA ij ejkBk dh lhek gA bl lhek e jgr g, mudk dN pht cpkdj j[kuh iM jgh gA ;g fd elyekuk d lfud 'kklu dk lekIr dju dh fLFkfr e o ugh gA mUg le; feyrk rk 50&100 o"k e o ;g dke 'kk;n dj nrA

bl le; vxt vk; vkj mUgku elyekuk d cuk; rU= dk Lohdkj dj fy;kA viuh mifLFkfr mle n[kh vkj u flQ ogh] cfYd ; ipkfjr fd;k fd o mldh fujUrjrk e gA lkjk bfrgkl mlh rjg l fy[kk x;kA Hkkjr d bfrgkl dk u;k lLdj.k r;kj dj fn;k x;kA vdcj dk egku cuk fn;k x;kA pfd vxtk dk [kn viu vkidk egku cukuk Fkk] v'kkd dk egku cuk fn;k x;k] vkfnA

ml jkT; dh Nfo vkt d dyDVj jkt e gA dyDVj ckgj dk vkneh gA ; ckgj dk vkneh gkdj 'kklu dj jgk gA tgk og 'kklu dj jgk g] ml lekt l mldk dkb lEcU/k ugh g] mle mldh dkb #fp ugh gA dN nj d fy, og ogk vk;k gA og eulcnkj gA elyekuk u tk eulcnkj 0;oLFkk 'k: dh Fkh] og mldk mÙkjkf/kdkjh gA mldk dke VDl olyuk g vkj 0;oLFkk cuk; j[kuk g&'kklu djuk ugh gA ge LorU= gk x; yfdu viu ykxk ij geu fu;U=.k olk gh cuk; j[kk gA gekj ykx gh LorU= g] pfd ge'kk o 'kklu d lEid l nj jgr g] ykx gekj LorU= g] yfdu rU= mu fl)kUr ij py jgk g] tk efLye 'kklu d nkjku cu vkj vxtk d nkjku ln< g,A ml ekey e vkt Hkh ^gekjk rU= ijk/khu g* ; tc rd ge ugh le>x] ge bldk Hkkjrh; jkT; ugh cuk ldrA

Hkkjr dh 'kklu 0;oLFkk e VDl Åij l uhp ugh vkrk] uhp l Åij tkrk gA jktk dk mle Hkkx gA vHkh Hkh tk gekjh jkT; 0;oLFkk g] og jkT; 0;oLFkk bl ekU;rk ij g fd jkT; dk LokfeRo g] jkT; dk VDl yxku dk vf/kdkj g] og ftruk pkg VDl yxk;A mldk Hkkx blfy, fuf'pr gkrk Fkk D;kfd lekt dk cgr lkjh phtk d fy, 0;oLFkk djuh gkrh Fkh % mldk jktk dh Hkh 0;oLFkk djuh Fkh] rkykc dh Hkh 0;oLFkk djuh Fkh] efUnj d fy, Hkh 0;oLFkk djuh FkhA blfy, lc phtk dh 0;oLFkk dk lkeF; mld ikl jguk pkfg,] bldk dkb vkipkfjd fof/k&lEer Lohdj.k geu ugh fd;kA 0;kogkfjd :Ik l ogh gk jgk g tk

exy dky l gkrk vk;k gA LorU=rk d ckn ;g fu.k; fd fdlkuk dk [krh ij VDl ugh nuk iMxk& cMh ckr gA vkiu fdlkuk dk NkM fn;k] blfy, NkM fn;k fd bru yEc le; rd Ñf"k dh {kfr gb g vkj o viuk thou [kMk djA ; vkidk nfu;k e vkj dgh ugh fn[kk;h nxkA gekj ;gk ,d }r gA gekjh cf) e ,d dkuk mll Hkjk gvk g tk if'pe l geu lh[kk g vkj ,d dkuk mll Hkjk gvk g tk geu viuh ijEijk l ikIr fd;k gA ; nkuk lkFk py jg gA lekt dk ge NkM Hkh g, g viu fglkc l pyu d fy, vkj geu og rU= Hkh cudj j[kk g tk ml ij ck> g vkj mldk viu fglkc l ugh pyu nuk pkgrkA ; vf/kdkj lihe dkV dk ;k dUn 'kklu dk D;k gk fd tyhdê gk ;k ugh ;k ; vf/kdkj jkT; dk dl gk x;k fd lrh&iFkk gk ;k ughA ; n[kuk vkpk;k dk dke g] lekt dk dke gA vki lln e ; fu;e dl cuk ldr g\ lrh iFkk ^fop Øk¶V* ugh gA jkt dkb lrh ugh gkrkA tc lrh okyk loky vk;k Fkk] eu ;g i'u mBk;k fd tk L=h lrh g mld vk/kkj e rd g fd ,d lnx.k] ,d fu"Bk ifr&iRuh d chp g] rk ml lEcU/k e fLFkjrk jguh pkfg,A og fLFkjrk doy Hkkfrd 'kfä;k l ugh jgrh ;k Hkkfrd 'kfä;k Hkh mle yxrh g] Hkkfrd 'kfä;k dk tkxr j[ku d fy, ;g vko';d g fd vki mle vnHkr lkgl fn[kk;] fd ge bl lEcU/k dk cuk; j[ku d fy, viu dk cfynku rd dj ldr gA cfynku jkt ugh gkrkA djkMk ykxk e dkb ,d cfynku nrk g] yfdu ml bl ckr dh ifr"Bk jgrh g] mldk vkiu ekU; dj fn;kA yfdu n'k d fy, cfynku nuk cgr cMh ckr ekuh tkrh gA eku yhft ; gekjk dy phu l gh ;) gk tk;] ge viu lfudk dk j.k{k= e Hkt nxA

mn;u % mUg cfynku d fy, ifjr djxA

cuokjh % ifjr djxA lrh djkMk ?kVukvk e l ,d ?kVuk gkrh gkxhA ij lfud ml dgh cM ieku ij cfynku nr gkx] yfdu n'k l gekj lEcU/k d dkj.k n'k dh j{k.kh;rk vkidk vko';d yxrh g] yfdu bl ijLij fu"Bk d lnx.k dh j{k.kh;rk vkidk ugh yxrhA eu mle loky mBk;k Fkk fd vki e> crk nhft ; fd ,d vkid fy, lnx.k ugh g] nljk lnx.k g\ nkuk cfynku gA nkuk dk rd ;gh g fd dN eY; thou l T;knk egÙoi.k gA vki ; rk ugh dg jg fd fdlh iRuh dk ifr d lkFk viu lEcU/k e LFkkf;Ro ugh n[kuk pkfg,A vki ;g ugh dguk pkgr fd mue fu"Bkghurk gk] yfdu ;g dguk pkgr g fd mldh fu"Bk dk dkb lEcU/k mld eju e Qfyr ugh gkuk pkfg,A thou egÙoi.k g] rk vkidk ml L=h dk thou egÙoi.k yxrk g] yfdu lfud dk thou egÙoi.k ugh yxrkA

mn;u % mle rd ;g g fd ,d Hkh lrh LoPNk l ugh gkrhA tk rd dj jg g] mudk dguk ;g g fd ;gk LoPNk ugh] etcjh gA bl gh vxtk u Hkh ipkfjr fd;kA

cuokjh % yfdu ;g dl fl) gk fd og LoPNk l ugh gA vxtk d 'k: d lekt'kkfL=;k u bl ij cgr dke fd;k g(,lh ?kVukvk dk lxg fd;k gA mle vf/kdk'k e ;g ik;k x;k fd ftudk lrh gku l jkd fn;k] o thou Hkj ij'kku jgh] D;kfd mudk viuk thou fuLlkj yxrk FkkA mudk yxrk Fkk fd mUgku ,d eY; d fy, viu vkidk iLrr fd;k Fkk vkj mUg mll jkd fn;k x;k] vc mud thou dk vFk D;k gA ; vxtk dh fy[kh ?kVuk, gA bUg fgUn ykx ugh fy[k jgA fgUn ykx fuf"Ø; gh gk x; gA mudh jktk jkeekgu jk; dh rjg dh fLFkfr gk x;h g fd o bl rd l /oLr gk x; rk rd ugh dj ik jg gA yfdu ;jki d ykx gh rd dj jg g fd ; fofp= ckr g fd ftlu lrh gku dk i.k y fy;k] tc og lrh gku l jkd nh x;h rk mldk thou] thou gh ugh jgkA og lc phtk l nj gk x;hA mlu lc dN NkM fn;kA ;g rd fd og LoPNk l ugh dj jgh Fkh bldk vk/kkj D;k g vkj lfud LoPNk l dj jgk g bldk vk/kkj D;k g\

mn;u % bldk fu/kkj.k dl gkxk\

cuokjh % e ;g dg jgk g fd lrh gku d iFkk dk cuk; j[kuk t:jh ugh gA lHkh iFkkvk e n'k&dky d vulkj ifjoru gkuk pkfg,A vki mldk euk dj n] vPNk gh g] yfdu mle lekt dh lgefr rk gkA vkiu ,d ,lk ruko ink dj fn;k fd fL=;k lrh ugh gk jgh g yfdu lrh efUnj e ykx tk jg g vkj vkidk mUg jkdu ifyl Hktuh iM jgh gA ;g vufpr g vkj lln e ,d vkneh ugh g tk [kMk gkdj dg ld fd ; fujFkd gA vki viu lekt dh voKk ugh dj ldrA vki viu vkpk;k d ikl tkvkA jkT; dk vxj ;g yxrk g fd ; xyr g rk vkpk;k d ikl tk,] mudk le>k;] mul dgA vkt rd ,lk ugh gv fd dHkh ml le; d vudy dkb u;h ckr vk;h gk vkj vkpk; vM x; gk fd ugh] ge bl ugh ekuxA Hkkjr e dHkh ;g leL;k ugh vk;h fd fL=;k dk mudk vf/kdkj ugh fn;k tkuk pkfg,A

mn;u % bl fu.k; dk vf/kdkj jkT; dk ugh gA ;g fu.k; mudk gkuk pkfg, ftudh bl fo"k; e xgjh le> gA tl dyk&lkfgR; fo"k;d ely mUgh d vkpk;k ;k fo'k"kKk ij NkMu pkfg,A

cuokjh % jkT; ;nfPNd :Ik l ugh pyuk pkfg,A mldh Hkfedk g] yfdu og ,drjQk Qlyk ugh dj ldrkA vHkh rk ;gh g] yfdu Hkkjr d fpUru d fglkc l ,lk ugh gkuk pkfg,A

mn;u % lekt dh lokuefr gkuk pkfg,A

cuokjh % jktk dk n.M dk vf/kdkj g] fof/k dk vf/kdkj lekt dh fofHké lLFkkvk dk gA cUnjxkg e ynu d fy, vk; lkeku ij dj yxk n] ;g jktk dk vf/kdkj gA mldk dHkh&dHkh ; fu.k; djuk iMxkA tk vkfFkd 0;kikj xfr'khy g] u; ink gk jg g ;k u;h fLFkfr;k ink gk jgh g] mud ckj e og fu.k; dj fd ble VDl yx ldrk g ;k ughA yfdu tk ijEijkxr :Ik l r; g] mudk og ifjofrr ugh dj ldrkA fdlku l mldk NBok Hkkx feyuk g rk og ;g ugh dg ldrk fd rel NB Hkkx l T;knk fy;k tk;xkA 'kkL= e fy[kk g fd yMkb gk jgh gkxh rk pkFkk Hkkx fy;k tk;xk] yMkb ugh gk jgh gkxh rk NBk Hkkx fy;k tk;xkA bll T;knk fgUn jktk ugh y ldrA yfdu ;jki d jktk d fy, dkb ck/;rk ugh gA pfd ck/;rk rk rc gk tcfd ekfyd fdlku gkA ogk ekfyd jktk g] og ftruk pkg y yA o rk bl vucU/k ij g fd re bruk yxku nkx rk jgkx] ugh nkx rk ugh jgkxA

mn;u % o gVk nx rEg D;kfd re mudh tehu ij [krh dj jg gkA

cuokjh % ogk jktk dk 'kfä g fd og ogk lc pyk;] ;gk jktk dh ; 'kfä ugh g fd og eueth pyk;A ; dkb lk/kkj.k ckr ugh gA geu vxtk dh 0;oLFkk dk cuk; j[kk g] ; Hkh v/kjk lR; gA vxtk u mldk vf/kd vkipkfjd :Ik fn;kA yfdu bldk ey rk elyekuk d le; d 'kklu e [kMk gvk gA mle LFkkuh;rk dk fu"k/k gk x;kA Hkkjr dh viuh ijEijk e LFkkuh;rk dk egÙo jgk g] n'k&dky dk egÙo jgk gA og igy LFkkuh; gkxk] mld Åij fQj lhf<;k [kMh gkxhA ;jki dh i.kkyh f'k[kj l uhp vku dh gA jktk f'k[kj ij gkxk] igy LFkkfir gkxk] fQj mld Vu.V gkx vkj fQj euj dk ekLVj gkxkA gekjk fpÙk Hkkjrh; g vkj 0;oLFkk ;jkih; g] blfy, dN pyrk ugh gA

tc ;g dgk tkrk g fd 12 djkM ykx ^buQkey* {k= e vkj 1-2 djkM ^Qkey* {k= e g] mldk dkj.k ;gh g fd ykx viuk lEcU/k jktrU= l ugh n[krA ;jki dk vkneh ftruh vklkuh l cd d ikl dt yu igp tk;xk] viu m|e d fy,] mruh vklkuh l Hkkjr dk vkneh dt yu ugh igpxkA og viuh ith l viuk m|kx [kMk djxkA mld gkfu vkj ykHk dk og [kn ekfyd gA gkfu gkxh] og Hkxrxk] ykHk gkxk rk HkhA mUgku viu vkidk nj fd;k gvk gA vxj ; rU= mudk ijk;k ugh yxrk] o bl Lohdkj djr] bll lgdkj djrA ; rU= gVk nhft;] gekjh vkfFkd ixfr vklkuh l nxuh&pkxuh gk tk;xh] mld fy, dN vkj dju dh t:jr ugh g] mld fy, ith ugh pkfg,A rU= dh e/;LFkrk gV tk; ;k viuk rU= [kMk gk tk; vkj rU= o ykxk dk fcyxko [kRe gk tk;] fQj nf[k;

fdruh tYnh rjDdh gkxhA vki vxth dk gVk nhft;] vk/kk dke rk blh l gk tk;xkA vxth ,d rjg dk QUnk gA og ^v[k,* dh rjg gA tl ?kkMk v[k, d dkj.k ,d gh fn'kk e n[k ldrk g] ol gh vxth d dkj.k ge ,d gh fn'kk e lkp ldr gA gedk ogh /;ku e vkrk gA ge viu lekt e ¶;MfyTe gh n[kxA ge lkpx] ;g vxtk dh cuk;h 0;oLFkk g vkj bldk cnyuk pkfg,A bldk tc Hkh cnyu dh ckr vkrh g] ge ;gh lkpr g fd jktlÙkk dlh gk(ge ; ugh lkpr fd lekt dlk gkA jktlÙkk lekt dk ,d NkVk&lk fgLlk gA ; vdy xk/kh th dg jg FkA o dgr g fd e> ;g le> e ugh vkrk fd ; MekØlh d ihN D;k iM g] D;kfd jktk e vkj MekØlh e D;k Qd gA mudk 'kklu gekj thou dk FkkMk&lk fgLlk g] cMk fgLlk rk lekt e gh gA mUgku dgk fd lk'kfyLV ykx jkT; dh cgr ckr djr g] mudk n nk jkT;A ujUn no dk i/kkueU=h cuk nk] budk jkT; lki nkA ; tk djuk g djA dkxl dk lekt [kMk dju e yxuk pkfg,] xko&xko tkuk pkfg,A xk/kh th dk ; ckr le> e vk;h] yfdu bu ykxk e ; le> ugh gA ; bru fuf"Ø; g fd xke Lojkt dk eryc gh ugh le>kA bUgku ^xke Lojkt* dk vFk ^xkeh.k fodkl* fudkykA bll T;knk gkL;kLin vkj D;k gk ldrk gA

mn;u % D;k xke Lojkt dh 0;oLFkk Hkkjrh; lH;rk dh 'k:vkr l feyrh g\ mldk igy igy mYy[k dgk g vkj fdl :lk e g\

cuokjh % ge'kk l gA Lojkt d db :lk gA xko mldh cfu;kn gA blfy, xk/kh th dk xke Lojkt dguk iMkA ;jki e xke Lojkt ugh gA ;jki dh ryuk e gekj ;gk D;k g] bldk fpfâr dju d fy, mudk xke Lojkt dguk iMk] yfdu ol viuh 0;oLFkk LojkT; g] egt xke Lojkt ugh] xko Hkh ml ijh 0;oLFkk dk ,d vx gA tl ifjokj ,d vx gA edUn ykB t;ij e Fk] mUgku ^tulÙkk* d fy, ,d y[k fy[kkA byk Mkyfe;k ml ydj vk;hA byk Mkyfe;k ejh Hkh fe= Fkh vkj mudh HkhA mle ;g Fkk fd gekj 'kkL= e L=h yxkrkj ijk/khu gA og ;k rk firk d v/khu g ;k ifr d ;k i= d] og LorU= ugh gA LorU= o';k gh gk ldrh gA viu ;gk xf.kdk gh LorU= gA ; mUgku ml fucU/k e lkfcr fd;kA byk Mkyfe;k dk 'kk;n ; vPNk ugh yxk gkxkA o og y[k ej ikl ydj vk;h vkj dgk fd ; ykB lkgc u fy[kk g] vki Nki nhft, vkj bl ij dN fVli.kh dj nhft;A ,d lEiknd d ukr e> ;g mfpr ugh yxk fd e Lo; ml ij fVli.kh d:A eu i'kkUr vkj idt th dk dgk] vki nkuk bl ij fy[k nhft;xkA mudk y[k Nik] mld mÙkj e bu nkuk d y[k vxy vd e NiA i'kkUr u e> euLefr fn[kk;hA edUn ykB dk ijk y[k bl /kkj.kk ij vk/kkfjr Fkk fd

i#"kkFk rk i#"k d fy, g] L=h d fy, ughA pfd i#"kkFk L=h d fy, ugh g] blfy, og lHkh voLFkkvk e v/khu gA ^euLefr* e dgh ugh fy[kk g fd L=h dk firk d v/khu jguk pkfg,] yfdu mldk ; vk'k; ugh g fd og LorU= ugh gA ^euLefr* e i#"k D;k g bldh 0;k[;k gA i#"k dk eryc g ifr] iRuh vkj cPpA ifjokj dh bdkbA i#"k dk eryc ^ey* ugh gA i#"kkFk bu lcd fy, gA xgLFk dk dke ;K djuk gA lHkh ;K gA nku Hkh ;K g] gou Hkh ;K gA ;kfu ;K vkj gou vyx&vyx phr gA geu gou vkj ;K dk ,d eku fy;k gA og /ke d :Ik e tk Hkh dj jgk g] lc ;K gh gA

mn;u % /ke ;kfu dÙk0; o'k tk Hkh fd;k tk jgk g---

cuokjh % 'kkL= dk vkn'k g fd vxj ifjokj dk ef[k;k i#"k g] mld dN Hkh dju e mldh iRuh dh lgefr vko';d gA cgr lh ifjfLFkfr e ifjokj dh ef[k;k L=h Hkh gA ifjokj d nlj ykxk dh lgefr l o ;K dj jg gA blfy, i#"kkFk e lcdk vf/kdkj gA lfo/kku cur le; ; loky vk;k FkkA pfd gekj if.Mrk dk ; ekye FkkA mUgku dgk fd gekj ;gk ifjokj dk vkj fo[kf.Mr ugh fd;k tk ldrkA ifjokj vk/kkjHkr jktufrd bdkb gA vki tk okV dk vf/kdkj 0;fä dk n jg gk] bll vukpkj Qyxk] D;kfd ifjokj dh ,drk [kRe gk tk;xhA lfo/kku cukr le; ; rd cgr etcrh l fn;k x;k FkkA dN ykxk u dgk vkidh MekØlh dk rkuk&ckuk xko d vk/kkj ij [kMk gkuk pkfg,A xke dh lenk; d :Ik e ,d b;Ùkk gA mldk rkM ugh ldr] mldh voKk ugh dj ldrA og vuy?; gA ,l cgr rd fn;; x;] yfdu o fVd ugh ld] pfd ge fcuk le> fd ;jki e D;k gvk] mldh 0;oLFkk Lohdkj jg FkA

;jki e 'kfä rU= dh lokPprk vko';d gA og rHkh gk ldrh g tc mld v/khu vxk e dkb lEcU/k u gkA tl gh mue dkb lEcU/k gkxk] o lekukUrj 'kfä d :i ij [kM gk tk;x] blfy, mudk fc[kjk jguk vko';d gA ifjokj d Hkh o blfy, f[kykQ g fd ifjokj Hkh jktufrd 'kfä dk lEHkkfor pukrh gA pfd ifjokj lEcU/k ij vk/kkfjr gA ge ,lk ekur g fd ; lEcU/k gh jktufrd lÙkk dk lgh fn'kk e y tku dk rjhdk gk ldr gA jktlÙkk gekj fy, viu vkie oj.; ugh gA jktlÙkk /ke dh j{kk e lgk;d gk] rHkh og oj.; gA /ke dh j{kk e og rHkh lgk;d gkxh] tc lekt e lEcU/kk d :Ik e tk /ke fLFkr g og ml ij vk/kkfjr gkxhA gekj ;gk lEcU/kk dh LohÑfr g] mud fy, lEcU/k leL;k i/kku gA blfy, mud fy, ;g vko';d g fd o lHkh lEcU/kk dk lekIr djA o ;uku dky e Hkh lekIr g,] vkt Hkh lekIr gk jg gA vkt ;jki e 40 ifr'kr fookg rykd e cny

tkr gA fdlh vkj lekt e ,lk gk rk o fopfyr gk tk;] yfdu ;jkih; fopfyr ugh gkrA mUgku viu 'kfä&rU= dk vuy?kuh; cuku d fy, ;g 0;oLFkk dh fd 'kfä&rU= d vykok dkb lEcU/k u gkA ge lekt dk vuy?kuh; cukuk pkgr g] blfy, ge 'kfä&rU= Hkh ,lk pkgr g tk lEcU/kk d dU/kk ij [kMk gkA

mn;u % lkekftd lEcU/kk d dU/kk ij---

cuokjh % tc og xMcM djrk dU/kk f>Md fn;k tk, vkj og uhp vk tk;xkA ; ,lh ckr g tk gekj gj if.Mr dk ekye gA yfdu vxth i< fy[k x;k vkneh bl tkuu e vleFk gk x;k gA pfd vxth Hkk"kk d dkj.k fey jg Kku e bldh dkb Lefr ugh g] blfy, mldk ; Kkr ugh gvk gA pfd mldk ; Kkr ugh g] og bl tkuuk ugh pkgrkA ;g ckr gekj 0;kid lekt dk Hkh ekye gA 'kk;n vxth i<&fy[k ykxk e l cgr ykxk dk ekye gkxhA bue cgr l ykx mu ifjokjk d g tk ijEijkxr f'k{k.k l fudy g] yfdu gj le; dk viuk ,d egkojk gkrk g vkj ml egkojk dk leFk] tk rkdroj g] r; djrk gA mUgku r; dj fn;k gA vki mldk xyr ekur g, Hkh mldk ifrdkj ugh djrA

mn;u % fQj bl oä ftldk ; irk g] mldk D;k nkf;Ùo gvk\

cuokjh % >B dk lk ckj dguk iMrk g vkj mle 'kfä vk tkrh gA lR; dk nl ckj dgu e gh mruh 'kfä vk tkrh gA geu lR; dk nl ckj D;k] ,d ckj Hkh dguk ugh 'k: fd;kA no&cy ge e vkuk gA ; lc cMh leL;k, ugh g] NkVh leL;k, g] eukoKkfud leL;k, gA

mn;u % gekjh xke 0;oLFkk ;k ipk;r 0;oLFkk dk xgjk lEcU/k gekjh tkfr 0;oLFkk l g] o.k 0;oLFkk l gA bl ij ge ckr djuh pkfg,A ij bll igy bLyke vkj fgUnvk d chp d lEokn dk tkuuk pkfg,A

cuokjh % bl ij vHkh FkkMh nj e ckr djxA igy dN vkj ckr dj yA bLyke ij ckr djr g, ,d okD; dguk e Hky x;k fd lfé;k dh lQh vkj okgoh 'kk[kk e ruko ink gvkA mle fn0;rk d i'u ij ,d rjg dk ruko Hkkjr e idV gvkA Hkkjr ;k Hkkjrh; miegk}hi d vf/kdk'k ykx ¼yxHkx 80 ifr'kr½ ;g ekur g fd lfQ;k e fn0;rk gkrh gA o Hkkjr vkj ,d rjg l fgUn /ke d Hkh vf/kd fudV gA vxj geu bldk Bhd l le>k gkrk vkj rkfÙod Lrj ij bLyke l lokn fd;k gkrk] ge bLyke dh bl /kkjk dk i"V dj ldr FkA ge bl ij lkpu dh t:jr ugh Fkh fd gedk mudk cnyuk gA mUgku gedk n'eu eku fy;k vkj geu Hkh mudk n'eu eku fy;kA gekjk mul lokn ugh gk lkk;k& pfd gekjk

mul lokn ugh gk ik;k] ftldh jkd mudh rjQ l Fkh gh vkj gekjh rjQ l Hkh gk x;h blfy, viu dk cjyoh le>u oky 80 ifr'kr elyekuk dk fgUn viu lkFk yu l jg x;A ; vkt Hkh lEHko gA mll bLyke dk ,d Hkkjrh; Lo:Ik fudyxk vkj Hkkjr e mRié ldV& tgk nk vyx&vyx nf"V;k ,d nlj d vkeu&lkeu [kMh g& dk funku gkxk vkj gk ldrk g og lokn nfu;k Hkj e bLyke dk dkb u;k Lo:Ik nA ey vjc ykxk d vykok ckdh lc ykx ;g ekur g fd fn0;rk bl llkj e gA pfd og mud lLdkj e g vkj cgl[;k mudh gh gA

vÝhdk e 1950 d ckn blkb gkuk 'k: gvkA 1950 rd o ;jki d vkf/kiR; e FkA mue ,d Hkkouk Fkh] ,d vkRe xkjo] mld dkj.k o blkb ugh g,A tc ;jkih; py x;] bUgku ,d vk/kfud jkT; ogk ij cuk fn;k] og mud dchykb <kp ij ,d iR;kjki.k FkkA jkT;] vk/kfud jkT; dchy dk ugh ekurk] og dchy ij vkjki.k gA ml vk/kfud jkT; l fuiVu d fy, mudk ,d lekukUrj lLFkk pkfg, Fkk] /kerU= pkfg, FkkA og /kerU= mudk viuk ugh gk ldrk Fkk] pfd mud /ke dk dkb rU= ugh gA mudh jktlÙkk Hkh ugh FkhA tl gh mu ij jktlÙkk vkjkfir gb] mll fuiVu d fy, mUg /kerU= pkfg, FkkA mUgku blkb;r dk Lohdkj dj fy;kA yfdu ,d l'kk/ku d lkFk fd mUgku dgk fd re blkb ykxk dh ;g ekU;rk fd b'oj bl llkj e ugh g] ge ugh eku ldrA ge ;g ekur g fd gekj ij[k vHkh Hkh bl lf"V e gA o thfor ugh g] o dgh vkj g vkj ogk l o fujUrj gekjh j{kk djr gA gekj dY;k.k e yx jgr gA ge mudh itk ugh NkM ldrA vki nf[k,] ; fcYdy fgUn nf"V gA o dgx fd ixu nf"V gA mUgku dgk fd re vxj bldk Lohdkj djr gk rk ge rEg eku yr g] re bl Lohdkj ugh djr rk ge rEg ugh ekurA blkb;r u lkpk fd vk/kk vÝhdk elyekuk d gkFk e pyk x;k] vxj ge ugh ekux] ; ckdh vk/kk Hkh gedk ugh feyxkA mUgku eku fy;kA lk ogk dk pp ;g ekurk g fd iotk e fn0;rk gA mue dN ,lh 'kfä g tk vkid dY;k.k e lgk;d gk ldrh gA nf[k,] bl rkfÙod ruko e cy fdruk gA blkb;r dk vkj bLyke dk Lo:Ik ,d rjg dk vkjki.k gA tk eu"; dh ikÑfrd ofÙk g] ml ij df=e vkjki.k gA vxj ; ckr dHkh rÙo ij vk;h] eryc ekuu ;k u ekuu d Lrj rd vk;h rk fuf'pr rkj ij tk mu ij vkjki.k g mldk gVk fn;k tk;xkA o viuh Vd ugh NkMxA mudh Vd ;g g fd fn0;rk llkj e gA ; gekjk lgt vuHko gA ge bldk viu nfud thou l tkur g fd gekj Hkkfrd llkj] Hkkfrd rkuk&ckuk d Åij dkb 'kfä gA ,d rk ije 'kfä g] cã g] ;g lHkh tkur gA vÝhdh

ykx Hkh tkur g fd dkb ,d ije 'kfä g tk cã d tlh gA mld vykok 0;kogkfjd lÙkk d :Ik e cgr lkjh 'kfä;k g tk gekj iot g] tk no&'kfä;k g] o Hkh gekjh j{kk djrh gA

bldk 'kkL= doy Hkkjr e gA ckdh txg og fopkj d :Ik e] ,d ekU;rk d :Ik e gA 'kkL= Hkkjr e g rk vxj Hkkjr e rkdr vkrh g] bl 'kkL= e Hkh rkdr vk;xhA llkj Hkj d blkb ;k elyeku ;k dN vkjk e bl ekU;rk dk ekuu oky ykxk dk 'kfä feyxhA ;k rk bLyke ;k blkb;r e l/kkj gkxk ;k ykx mUg NkM nxA blfy, Hkfo"; bl ij fuHkj djrk g fd ge viuh fdruh 'kfä fn[kkr gA pfd gekj 'kkL= e cy gA ml 'kkL= e cy blfy, g fd og ulfxd gA og eu"; d LoHkko d vudy g] mlh e l fudyk gA mudk rU= LoHkko d foijhr g] ml ij vkjkfir gA

igy ftl xyrh dh ckr gb] og xk/kh th l Hkh gbA xk/kh th u f[kykQr vkUnkyu e nocfUn;k dk idM fy;kA nocUnh vjc iHkko d ykx g] tk ogkch iHkko dk ekur gA cjyoh mud f[kykQ gk x; vkj vxtk d lkFk py x;A tk gekj lkFk gku pkfg, Fk o gekj f[kykQ gk x; vkj mUgku ikfdLrku cuok fn;kA efLye yhx dh fgUnLrku e dkb gfl;r ugh FkhA og vxtk u tcnLrh cuk;hA o 1940 rd dgh Hkh thr gh ugh jg FkA mÙkjin'k e mudh FkkMh&cgr lhV Hkh dkxl l de FkhA ;g ,d cgr cMk [ky Fkk ftle fcfV'k ykx thr x;A xk/kh th tkur Fk fd ; [ky gk jgk gA mUgku mldh dkV dju dh dkf'k'k dh] yfdu dkxl d ykx bldk le>r gh ugh FkA blhfy, vkj dkb mud lkFk gh ugh FkkA o yxkrkj fpYyk jg g ^fgUn&efLye ,drk*] yfdu xyr ?kkM ij lokj gA ; gekj ckf)dk dh fpUrk dk fo"k; gkuk pkfg, FkkA xk/kh th vkj ekgEen vyh dk lokn vkf[kjh fnuk e] f[kykQr vkUnkyu d ckn] cgr egÙoi.k gA xk/kh th dk elyekuk d chp tku gh ugh fn;k tkrkA efLye urk dgr g fd elyekuk l ge ckr djx] vki dku gkr g mul ckr dju oky] vki rk fgUn gA xk/kh th dgh bl ij viuh vkifÙk idV djr g rk ekgEen vyh mudk fpëh e tokc nrk g& ^vkidk ;g tkuuk pkfg, fd bLyke d vulkj fo/keh lUr ;k/kekRek l Åpk n"V elyeku gkrk gA* bLyke dh bl LFkiuk ij gekj ;gk cgr fookn gkuk pkfg, Fkk fd ; dl gk ldrk g fd fo/keh lUr l vki n"V elyeku dk Åpk ekukx\ ;g /ke dh ey ckrk d fo#) gA yfdu fdlh u dN ugh dgkA ,d vkneh u Hkh xk/kh th dk leFku ugh fd;kA fdlh u ekgEen vyh l ugh dgk fd re xyr ckr dj jg gkA xk/kh th flQ ; dgdj jg x; fd ;g bLyke dh rEgkjh 0;k[;k g] ejh ugh gA bl

rjg l tk ekd gedk vktknh dh yMkb d nkjku fey Fk] o ge pd x;A

mn;u % ; lp g fd Hkkjrh; lH;rk dh 0;oLFkk e i.krk g] tk vc vkRe&foLer gA fQj ble vkRe&lUrk"k dl g\ geu n'kuk dh ijEijk e Hkh fiNyh vud 'krkfCn;k l dkb cgr ;kxnku rk fd;k ugh gA ge ; ugh dg ldr fd geu on&onkUr dh 0;k[;k e cMk Hkkjh ;kxnku dj fn;kA gekj ;gk lk/kd g, gA db g, gA xk/kh d vykok vkid ikl u; fopkj oky 0;fä cgr g ughA nk&rhu&pkj g] eku yhft ;A yfdu eyHkr fpUru dju oky dkb cgr g ughA igyh ckr] ; vkRe&lUrk"k dh Hkkouk bue dgk l vk;h gA nljh ckr] ejh fuxkg e fgUnvk u de&l&de fiNy db n'kdk e NkVkiu cgr fn[kk;k gA /keiky th u Hkh ,d ckj e>l ; ckr dgh Fkh] tk e> le> e vkrh gA tc foHkktu d ckn ikfdLrku dk dN il ge nu Fk] ge mle NkV iM x;A vki cM n'k Fk] vki cM lekt Fk] nk&pkj&ikp djkM #i; e vki bruk NkVkiu D;k fn[kkr jg\ rhljk] gekj ikl ,d Hkh ikekf.kd xUFk bLyke dh le> dk ugh g] tk gee l fdlh u fy[kk gk fd gekjh nf"V l bLyke g D;k] tk fdlh lLÑr oky u fy[k fn;k gkA tcfd nkjk f'kdkg u fy[kk gA mUgku Qkjlh e db lLÑr xUFkk d vuokn djk fn; vkj ;gk dh ijEijk dk le>u dh dkf'k'k dhA

cuokjh % igyh ckr rk ;g fd ; lUrk"k dgk l vk;k\ vkiu n[kk gkxk fd xk/kh th vdy 0;fä g] tk ^fgUn Lojkt* e ;g dg jg g fd gekj ykx xyke ugh g] i<&fy[k ykx gh xyke g] pfd o vxtk d v/khu gA gekjk cgl[;d lekt xyke ugh gA ; lUrk"k blh e l fudyrk gA o dgh ldV e ugh gA lekt viu dk ldV e blfy, egll ugh djrk] fd tlk neudkjh rU= vke ykxk ij ;jki e Fkk] olk rU= v/khurk d ckotn Hkkjr d ykxk ij ugh vk;kA bl ckr dk fd ge cgr ekj x;] xk/kh th u ,d txg mÙkj fn;k gA xk/kh th dk ;g dgk x;k fd elyekuk u gedk cgr mRihfMr fd;k gA bl ij o dg jg g fd yMkb e ykx ej x;] ckr [kRe gk x;hA yfdu vxtk d 'kklu dh ckr eju l [kRe ugh gkrhA ; gedk viekfur dj jg g] ; T;knk xgjh ckr gA yfdu ble Hkh xk/kh th ; dg jg g fd bldk ck> mUgh ij iM jgk g tk viu vkidk mud llkj dk vx cuk; g, g ;k mudk viu llkj dk vx cuk; g, gA 0;kid lekt ij bldk dkb ck> ugh g] og viu vkidk vxtk dk xyke ugh ekurk] blfy, mle dkb ldV okyh Hkkouk ugh gA ; fopkj rHkh fudyr g tc pukrh gkA 0;kid lekt dk dkb pukrh ugh yxrhA vc o viuh rhFk;k=k dju tk jg g rk dju tk jg g] mle dkb jkdu okyk ugh gA mud llkj dk pyku d

fy, tk Hkh ph t vko';d g] mudk dju e o leFk g] bl fy, leFk ugh g fd mudk dkb dju n jgk g] o bl fy, leFk g fd mue dkb fuf"Ø; ugh gA o Lok/khu ykx g] LorU= ykx g] LorU=rk mud LoHkko e g vkj o mldk Hkkx djr jg g vkj vHkh Hkh dj gA bl fy, og ldV mue ugh vkrkA n lj h ckr vkiu ;g dgh fd geu ifrfØ;k D;k ugh dhA ; ckr lgh ugh gA ; /keiky th Hkh dgr FkA ejk ;g dguk g fd fyf[kr lk{; lk;kIr ugh gkrA tk gvk g] o mldk ,d NkVk&lk fgLlk gh gkr gA ckdh ph t fy[ku e ugh vkrhA

mn;u % [kkldj Hkkjr t lh lH;rk e---

cuokjh % e lyekuk d ckj e gedk ^lR;kFk idk'k* e feyrk gA t l bue fy[kk gvk for.Mk g o l mud ;gk Hkh for.Mk gA mldk vki cgr xEHkhj ugh dg ldrA yfdu ,lk ugh g fd ykxk u xEHkhjrk l ml ij ifrfØ;k u dh gkA ;k nkjk f'kdkg u dh gkA nkjk f'kdkg d ml dju e irk ugh fdru if.Mr lgk;d g, gkxA xgu lokn gvk gkxkA ; if.Mr ykx fuf"Ø; ugh FkA if.Mr ykx Hkh lkp jg Fk] mudk n[k jg Fk] le> jg FkA e lyekuk d ;gk ,d cgr cMk ruko ink gvk fd iek.k D;k g] ge fd ldk ekuA rk Ng Ldy ink g,] tk 0;k[;k dj jg FkA mle igy pj.k e djku rk lkeu Fkh ghA mld ckn ;g gvk fd ekgEen lkgc dk vkpj.k Hkh gekj fy, iek.k gA mudk lkjk thou&oÙk gnhl e vk;kA yfdu gnhl mud ckn gh fy[kk x;k g rk mle mudh Lefr gA ftu ykxk dk ;kn Fkk] ftUgku mld ckj e luk Fkk] mul ludj ; lc fy[k x;A yfdu o Hkh thou d lHkh dk;dykik dk fdlh fu;e e ck/ku d fy, lk;kIr ugh FkA rk ,d Ldy ink gvk] ftle ;g dgk x;k fd djku vkj gnhl d vk/kkj ij ge ; fu.k; dj nx fd bl ifjfLFkfr e D;k mfpr g] D;k vufpr gA Bhd bl h le; ,d ox ink gvk ftlu ;g dgk fd rEgkjh ekU;rk fdlh dke dh ugh gA ge bu ekU;rkvk dk dkb egÙo ugh nxA gekj fy, rk doy mUgku D;k dgk] mUgku D;k fd;k] ; gh egÙoi.k gA ogh gekj fy, iek.k gA vkidk vk'p; gkxk fd ,d [kyhQk u viu thou Hkj rjct ugh [kk;k] pfd djku e ;k gnhl e bldk dkb iek.k ugh feyrk fd rjct dl [kkuk pkfg,A mlu dgk fd ogk ftl ckr dk dkb iek.k ugh feyrk og e dl dj ldrk gA

e lyekuk dh leL;k ;g g fd mudk ,lk yxrk g fd vxj o [kyx rk viu vkidk cpk ugh ik;xA bl fy, o fdlh lokn d fy, r;kj ugh gA tk nkjk f'kdkg okyk fdLlk g] og Hkh lokn dk fdLlk ugh gA og fdLlk ;g g fd ge mudh ckr eku yA mudh ckr e Hkh rÙo n[ku yxA pfd og dêj ugh g bl fy, og ; lc dg ik;kA rk mldh ifrfØ;k e

vkjxtc ink gvkA ml leL;k dk fgUn ykx viuh f'k"Vrk e viu Åij y yr gA pfd 'kkL= cf) fgUnvk e cgr gA ; le>uk fd mudh leL;k d fo"k; e mUgku ugh lkpk gkxk] ugh tkuk gkxk(lEHko ugh gA cgr ykxk u tkuk gkxk] yfdu mul lokn dl dj] o r;kj gh ugh gA vkiu dgk fd b'oj ,d g] yfdu og vkid dgu l rk ,d ugh gk tkrkA pfd og b'oj dh leL;k ugh g] elyekuk dh leL;k gA elyeku ;g dgr g fd b'oj ,d ugh g] b'oj doy ;g g ftldk ge b'oj dgr gA vki dgr jfg;] vkid dgu dk mu ij dkb vlj gh ugh gkxkA bl lokn d ugh gku dk ,d cMk dkj.k ;g Fkk fd fgUnvk u mudk ,d lenk; ekudj mul lokn dju dh dkf'k'k dhA o ,d lenk; ugh o db lenk; gA mue lQh g] f'k;k g] léh gA vxj fgUn mud chp d bl rkfÙod vUrj dk igpku dj mul lokn djr rk 'kk;n mle l dN fudy vkrkA

mn;u % pfd o ,d ,d&lk lenk; g gh ughA u fgUn g u elyeku gA

cuokjh % ,d ckr rk ;g g fd o ,d&lk lenk; g gh ughA nljh ckr ;g fd fgUnvk u mudh enjlk l fudyrh lLFkkfud fLFkfr dk ikekf.kd eku fy;kA mul ckr dju e dN ugh fudyxkA ;k rk o enjlk e Hkh Qd djrA vc tl nocUnh dk enjlk g] og vjc ykxk l iHkkfor gA ij mldh VDdj e cjyoh enjl [kM g,A fgUn mudk viu iHkko e yrA vlye ; pd gk x;h fd fgUnvk u mudh cgl[;k dk NkM fn;k x;kA

mn;u % ; blfy, gvk] D;kfd geu mudk le>u dk i;kl ugh fd;kA

cuokjh % vlye vxt ykx cgr n"V gA mudh dfVyrk dk vki eki ugh ldrA ; Hkkouk mUgku fgUnvk vkj elyekuk e Mkyh fd elyeku ,d lenk; gA geu 18oh 'krkCnh e tk lh[kk Fkk fd vQxku vyx g] rQd vyx g] vjc ykx vyx g] f'k;k vyx g] léh vyx g] lfé;k e lQh vyx g] vy gnhl vyx gA 18oh 'krkCnh dh bl le> dk mi;kxh cuk;k tk ldrk Fkk] yfdu vxtk u vkdj ml ifØ;k dk jkd fn;kA vxtk u fgUn vkj efLyek dk cjkcj dj fn;kA ,lk g ughA tc vxt ykx ;gk vk;] rc elyekuk dh l[;k 10&12 ifr'kr l T;knk ugh g dy vkcknh e vkj tc vxt ;gk l x; rc mudh l[;k 25 ifr'kr gk x;h gA cMk /kekUrj.k vxtk d teku e gvk g vkj vxtk d dkj.k vkj vxtk d dgu ij gvk gA vxtk u ;g n[k fy;k Fkk fd ; ykx blkb ugh gk ldr] dN fp< gA ; Hkh Fkk fd o 'kkld Fk vkj gee mud ckj e ifrjk/k FkkA o 'kkld g] ge ij vR;kpkj dj jg g rk ge mud /ke e dl tk ldr g] ;g ,d jkd FkhA yfdu olk dN elyekuk d ckj e rc rd ugh Fkk] pfd elyeku 'kklu ugh dj jg FkA mUgku dgk fd

elyekuk dh ihB ij gkFk j[kk rk o fgUnvk ij ncko cuk;x vkj o cgrk dk elyeku cuk nxA ojuk dkb dkj.k ugh gA ; tUenj vuikr l ugh fudy ldrk fd vxtk d 90 lky d 'kklu e o 10&12 ifr'kr l o 25 ifr'kr gk tk;A

Ek> ;g yxrk g fd ; cgr cMh leL;k g fd Hkkjrh; miegk}hi e elyeku fgUnvk d fo#) [kM gA yfdu e> ;g vk'kk g fd fdlh u fdlh fnu o bl oeuL; dk NkM nxA mldk ,d cMk dkj.k ;g g fd tk /kkj.kk mUgku bLyke dh cuk yh g] og gekj LoHkko d foijhr g vkj tk oeuL; dk vk/kkj gA o ml /kkj.kk dk NkM nxA

mn;u % ij fgUn ekul Lo; dk fiNy lk&M< lk lkyk e cgr cjh rjg l lkehdj.k gvk gA lPpkb rk ;gh gA

cuokjh % ; rk i<&fy[k dN eëhHkj ykx gA

mn;u % lLÑr d if.Mrk dh fdrkc if<;] mul ckr dfj;] ;gh vuHko gkrk gA

cuokjh % mudh leL;k ;g g fd ,d pyrk gvk egkojk gkrk g vkj og dgu e vk tkrk gA tc vxt ykxk dk ;gk 'kklu g rk U;k;&0;oLFkk e cgr lkj fgUn py x;A o ckã.k g] nf{k.k Hkkjrh; gA nf{k.k Hkkjrh;k e vu'kklu cgr g] fof/k&fu"k/k cgr gA o tk diM dpgjh e igur g] o fuf"k) gA o tc dkV l vkr g] lcl igy ngjh ij viu diM mrkjr g vkj of"V igur gA o viu ?kjk e mu diMk dk igudj ?kl ugh ldrA mUgku bl leL;k dk ,d }/k ink djd gy dj fn;k g fd og llkj vyx g vkj ; llkj vyx gA T;knkrj Hkkjrh;k dh ; leL;k gA Hkkjr e ; dgk tkrk g fd tc vk/kh vkrh g rk >d tkr g] tl iM >d tkr g rk m[kMu l jg tkr gA dN ;g g fd viu ;gk d ykx lkpr g fd Bhd g] vk/kh fudy tk; rc n[kxA

ckr ; g fd ejk vkj ej b'oj dk lEcU/k v}r dk gA ge nkuk ,d gh gA mud fcuk e dN g gh ughA ; ckr [kkVh fgUn fnekx l gh fudy ldrh g] fdlh vkj l ugh ij ej [;ky l lHkh e ; gA vxth i<&fy[k ykxk e Hkh ; gA o bldk dguk Hky x;] yfdu ftl fnu dkb cyiod ;g dgu yx rk mudk ,d feuV e ;kn vk tk;xkA dkb lkehdj.k ugh gvk vkj gkrk Hkh ugh gA nfu;k e ,lk ugh gkrk fd bruh vklkuh l ykx cny tk;] mudk LoHkko cny tk;A mudk egkojk cny x;k g] mud ckyu dh Hkk"kk cny x;h gA cl bruk gh gA

mn;u % ij gekjh ijh jktlÙkk dk rk vki dg gh jg g fd mldk fopkj ijk if'pe l fy;k x;k gA mldh ijh tcku Hkh lkehÑr gA

cuokjh % gekj ukdj'kkgh d ykxk dk vxth e ukfVx djuk vkrk ugh gA ;k tk gekj m|kx e ykx g mudk vki ,d fpëh fy[ku dk dgk] mudk ,d Mk¶V dju dk dgk] n I ykxk e I ,d vkneh feyxk] tk og Bhd I dj ik;xkA viuh Hkk"kk e o ;g dj Idr gA vxj viuh Hkk"kk dh NV gkrh rk 'kk;n dj yrA yfdu vxth dk fQj Hkh NkMr ugh gA vxj vki mudk Ih/k dfg; fd vki vxth dh txg viuh Hkk"kk dk bLreky dhft; rk o ugh djxA og pkg xyr vxth gk] xyr Mkf¶Vx gk] yfdu og mUgku jV yh g vkj mue ,Ih vIj{kk g fd mudk yxrk g fd vxj mudk dN vkj djuk iMk rk o 'kk;n gh dj ik;A bIfy, o vxth dk NkMr ugh gA ; dN oIh gh ckr g fd ge fnekx I IkehÑr g, ugh g] yfdu gedk tk IkehÑr rU=- feyk g] mII ckgj fudyu e Mj yxrk gA vIy e ; gekjh v/;rvk dh xMcM gA mudh xMcM ugh gA

mn;u % ugh] Ik/kj.k ykx Hkh ifjofrr g, gA vki vxj mudh ckrph r Ifu; ;k IEHkor% ,d ijk jktufrd ny gh , Ik gA IÙkk/kkjh ny gh , I gA

cuokjh % gedk tk xLIk g] mId dkj.k gedk yxrk g fd ; ,I gk x;A ; dgu e gekjk xLIk idV gk tkrk g] bIhfy, ,Ik gA yfdu ,Ik dN ugh gA ekDIoknh ykx Hkh IkehÑr ugh g, gA ekDIoknh ykxk I vki FkkMh nj ckr dhft; rk o /kjk'kk;h gk tkr gA muI ;g fudy vkrk g fd viuh ckr ij mudk [kn fo'okI ugh gA vHkh ge ;jki d ck> I nc g, gA IIkj e iHkRo mudk gh gA f'k{kk e yx g, gekj ykx tc dkb ipk fy[kr g] ;g Ikpdj fy[kr g fd mIdk tc dkb ckgj dk fo}ku i<xk] rk og dgh ukjkt rk ugh gk tk;xkA , Ik ugh g fd mudk ; ykyp gk fd ,d Iehukj e mudk cyk yxkA dN fuf"Ø;rk gA dN mud Hkhrj ,Ih reI g fd o mudk ukjkt ugh djuk pkgrA dN gkx ftue ykHk Hkh gkxkA ftue ; Hkh gkxk fd dfj;j cuxk] ugh cuxk] oxjg&oxjgA

mn;u % ILÑr rd d ,I cgr I if.Mr fey tkr g] tk IEekutud fn[ku d fy, Lo; viu okxe; dh vuxy 0;k[;k dju I ugh pdrA

cuokjh % efryky ogk x;kA efryky cgr cMk if.Mr FkkA mIu fdrkc fy[kh& ^ijII'ku*A mIe mIu ;g fy[kk fd gekjk 0;kdj.k cgr Åpk gA ;jki d ykx vkt Hkh mI gn rd ugh igpA yfdu ; 0;kdj.k d ykx dj D;k jg g] D;k dj jg g] mIe D;k n[k jg gA iNu ij mUgku dgk fd fu%J;I d fy, dj jg gA ; t:j g fd IkbI vkj VDukykth dh ftruh fuLIkjrk ge n[k Idr g] ;jkih;k u ugh n[kh gkxhA IkbI ,o VDukykth u ,d 'kfä&rU= ink fd;k gA ; ckr 'kk;n efryky dk Ie> e ugh vk;h gkxhA yfdu IkbI

vkj VDukykth gh lc dN g] ogh Kku g] ,lk og ugh ekurkA yfdu tgk og jg jgk g] ogk d ykx lkbl& VDukykth dk viuh J"Brk dk lk/ku cuk; g, gA mld f[kykQ og dN cky ugh ldrk] blfy, og dg jgk g 0;kdj.k Åpk rk cgr g] e> mul xo egll gkrk g] yfdu og cdkj g] mle l dN 'kfä rk ugh fudyhA ,lh fLFkfr gekjh g fd dN rk ge 'kk;n fnXHkfer gA cgr ykxk dk ; yx jgk g fd ;gk 'kkL= cgr Åpk g] mle thou dh x.koÙkk dh j{kk gkrh gA yfdu og vHkh Bgj ugh dj ik jgk gA og llkj e Lohdk; gh ugh g] mldk ckyu l D;k Qk;nk\ vxj ; ,d ckj le> y fd Hkkjrh; lH;rk d Lo:lk d vudy gh nfu;k g vkj ; Åij l i{ki g] tk bl ij nk&rhu lk lky e gvk gA vxj vki viuh ckr dk tkj l ckyu yxkx] og ncko e vk tk;xA vxj ; fo'okl mue ink gk tk; o lc ogh ckr dgu yxxA ckã.k vkj {kf=; dk vkRefo'okl ;k o'; dk ;k fdlku dk tk lgt vkRefo'okl g og vHkh gee vk;k ugh gA blfy, ge tk tkur g] tk ekur g] mldk dgu dh fLFkfr e ugh gA ge mldk viu eu e nckdj j[kr gA

mn;u % gekj lektk e LojkT; dk Lo:lk dc rd lfØ; jgk g\

cuokjh % ; 1192 bLoh rd jgk g cfYd 1350 bLoh rd jgk g T;knkrj n'k e vkj tc rd fot;uxj Fkk] rc rd ogk jgkA djy e tc rd /kejkt dk 'kklu jgk g rc rd jgkA tgk rd ; LFkkuh; 'kklu jgk] ogk rd og jgkA tc LFkkuh; 'kklu m[kkM dj mUgku nljk 'kklu vkjkfir dj fy;k og pyk x;kA ykx vHkh Hkh ifjokj e ol gh gA ifjokj e o LorU= g] yfdu n'k e LorU= ugh gA tk mudk viuk n'k gA viu LFkku] viu tuin o LorU= ugh gA

mn;u % vki dg jg g 1350 bLoh rd ;k bl FkkMk vkx eku y] LojkT; 0;ogkj e jgrk gA xke LojkT; vkj tkfr&0;oLFkk tMh gb pht g] lkFk e dke djrh gA xke LojkT; dh dYiuk ;k 0;ogkj tc ihN fleV tkr g] nc tkr g] rc tkfr;k dk D;k Lo:lk cprk g\

cuokjh % og ncrk ugh gA ij efLye dky e ftruh yMkb;k [kki ipk;rk u yMh g] vfo'oluh; gA bUgku ukfnj 'kkg dk ekjdj Hkxk fn;k FkkA vki mud o.ku i< rk ckN f[ky tkrh g fd vj D;k ykx g] D;k xko gA gj xko e eYy g] d'rh yMr g vkj ië ink gkr gA gj xko e pkj&ikp ?kkM g vkj ij xko e fdykcUnh gA blhfy, elyekuk vkj vxtk u budk neu fd;k] lhfer vof/k e fd;k gA fujUrj ugh fd;kA vxj fujUrj fd;k gkrk] rk ;k rk o [kRe gk tkr ;k ge [kRe gk tkrA yfdu ; g fd vk/kh vk;h vkj pyh x;hA mUgku le>krk fd;k] dN geu le>krk fd;kA og ckr fuHkku dh fLFkfr cuh jghA

mn;u % ; lfØ; dl gkrh Fkh vkj o.kkJe 0;oLFkk D;k g \

cuokjh % vHkh ml ij vkr gA ml le>uk cgr t:jh g fd tkfr&0;oLFkk D;k g vkj o.kkJe 0;oLFkk D;k gA

mn;u % vkj tkfr;k g D;k\ vkt tk tkfr;k ekuh tk jgh g] o egktkfr;k g] exkdkLV gA yfdu gekj n'k dh vkt dh tkfr 0;oLFkk ge'kk l ugh FkhA ; rk cuk;h gb gA gekjh NkVh tkfr;k dk feykdj cMh tkfr;k cuk;h x;h gA bldigy D;k g\

cuokjh % lekt dk tkfr d :lk e n[kuk Hkkjrh; rjhdk ugh gA ; vxtk u ge ij Mky fn;k] pfd vxt vkj ;jkih; Åp&uhp d vykok dN n[k gh ugh ldr FkA Åp&uhp Åij l Mkyh tkrh gA og LokHkkfod :lk l dHkh fodflr ugh gkrhA LokHkkfod :lk l dku pkgxk fd dkb vkj mldk v/khu cuk;A Åp&uhp v/khurk l curh g] LofPNd ugh gk ldrhA vkjkfir gkrh gA fot; d }kjk Mkyh tkrh g] og mifuof'kdj.k dk fgLlk gA ;jki e Åp&uhp blh dkj.k gA ogk mifuof'kdj.k gkrk jgk g yxkrkjA

Hkkjr dh nf"V dk le>u d fy, nk ckr vko';d gA og nf"V vopru e gkrh gA xk/kh th tc vLi';rk oky ekey e iM Fk] ; dg jg Fk fd vLi';rk dk 'kkL= dk leFku ugh gA mUgku dgk fd gekj 'kkL= dk ey fdl ckr e gA mUgku djy e tkdj dgk fd& n[kk] ; b'kkokL; mifu"kn dk igyk eU= cp tk; rk vki le> yhft; fd lukru /ke cp x;kA ckdh lc lkfgR; Hky gh foylr gk tk; %

b'kkokL;fen lo ;fRdfpr txR;k txrA

ru R;äu HkthFkk ek x/kh dL;fLo)ueAA

vxj ; fopkj cp tkrk g rk bll gh ge ijk lukru /ke fudky yx vkj og D;k g& ^ru R;äu HkthFkk*& mldk Hkkx NkMdj viuk Hkkx xg.k djkA ; ijk llkj b'ke; g] blfy, ble lcdk Hkkx g] nlj dk Hkkx NkMdj re viuk Hkkx xg.k djkA vxj re nlj dk Hkkx xg.k djkx] og pkjh gkxhA nljh rjQ 'kkL= u ;g dgk fd tk Hkh ge djr g] ;K gA ;K dk eryc D;k g\ ^;t* /kkr dk eryc g& foHkkx djukA tk Hkh ink gk jgk g] tk Hkh mRikfnr gk jgk g] tk Hkh miyC/k gk jgk g& mle lcdk ;kxnku gA lk'k&if{k;k dk Hkh ;kxnku g] ouLifr dk Hkh ;kxnku g] ipHkrk dk Hkh ;kxnku g] b'oj dk ;kxnku g] nok dk ;kxnku gA lcdk ;kxnku g rk lcdk mudk Hkkx nuk gA lcdk Hkkx vyx djuk] ; ;K gA blfy, ;g dgk fd Hkkjr dk thou ;Ke; gA mle gjd dk dÙk0; g fd og lcdk Hkkx NkMA ; dl gk\ ^ru R;äu HkthFkk* dl gk\vki nlj d fy, Hkkx dl NkM\ vki ik;x

fd if'pe e xg.k dju dh iofÙk g] gekj ;gk xg.k dju dh iofÙk ik;% ugh jghA gekj LoHkko e gh g fd ckVk] ftldk tk ikl; g og mI n nkA bIh :Ik e ;g gvk fd ,d jktk g] og gekjh j{kk djrk g rk ,d Hkkx mIdk gA ,d nork g] og gekjh j{kk djrk g rk ,d Hkkx mIdk gA ;g tk rkykc g] bII ge viu [krk dk Ihpr g rk ,d Hkkx rkykc dh n[k&j[k dk gA ;g tk ukb g og gekj cgr Ikj dke djrk g rk ,d Hkkx mIdk gA Icd Hkkx gA vki NkMu d fy, rHkh r;kj gkr g tc ftld fy, NkMk tkuk gk] og vkiI IEcfU/kr gkA vxj mII vkidk dkb IEcU/k ugh g] vki NkMu d fy, mRIkfgr ugh gkxA

mn;u % jkth Hkh u gkxA ;g ckr Ip g fd vki viu mRikn& og dIk Hkh gk& dk foHkkx viu vkReh; tuk e gh djr gA bI rjg vkReh;rk Hkh In< gkrh g vkj /ke ;k dÙkO; Hkh fuHk tkrk gA IEcU/kk d fcuk foHkkx dIk \

cuokjh % Hkkjrh; lekt IEcU/kk dk fuek.k djrk g] IEcU/kk dh j{kk djrk gA mIe pkj rjg d IEcU/k gA ,d jä dk IEcU/k gA vkidk ifjokj gA ifjokj c<rk g] vxyh ih<;k vkrh gA ifjokj dk foLrkj gkrk g] dVEc curk gA dVEc I Hkh vkx x;] vkj ih<;k ink gb] dy gvkA bIdk IkrR; vkid dy dh jpuk djrk gA dy Hkh vUr ugh gA dy dh 'kk[kk, curh gA 'kk[kk, dI cu\ ,d rjg I vkx tkdj o Hkh dy gk tk;xhA dy mII ukfer gkrk g] ftIu dkb cMk dke fd;k gk] i#"kkFkh gkA tI j?kdy gA bI dy e j?k cgr cM Fk] mud uke I dy 'k: gk x;kA ,d yEc le; rd pykA mI dy e fQj dkb u;k irkih vkneh ink gk x;k rk mId uke I fQj u;k dy 'k: gk x;kA dkb pht vuUr dky rd ugh py IdrhA vxj vki ;gk dyk dk v/;;u djx rk n[kx fd mudh 'kk[kk, gA o 'kk[kk, bIfy, g fd vkidk vxj fof/k dk fuek.k djuk g rk mIdh dkb ifjf/k cukuh iMxhA mIdk vUr :Ik e [kyk ugh j[k IdrA mIdh ifjf/k cukuk d fy, t:jh g fd vki mIdk fdIh rjg ck/kA mIdh 'kk[kk, bIhfy, cuk;h x;h g fd mIdh ,d ifjf/k cu rkfd fof/k&fu"k/k gk Id] ;g jä&IEcU/k gvk] tk dy d fuek.k dh rjQ y tkrk gA

nIjk Hkkxkfyd IEcU/k gA vkid iMkI e nIj ifjokj jgr g] nIj dy jgr g] mudk feykdj xko curk gA ; Hkkxkfyd IEcU/k Hkh Hkkbpkj dk gh IEcU/k gA muI vkidk yu&nu gA mud fy, vki NkMu dk r;kj gkxA mI IEcU/k e vkReh;rk gA og tc xko I cMk gkxk rk nI xko gkxA Ik xko gkx] tuin dk :Ik yxA tuin d ifr Hkh vkidk vkReh; Hkko gA xko e iM d ifr Hkh gA xko e Ik'k Hkh gA tk xko e dhM g muI Hkh vkReh;rk gA IkIk I Hkh gA gj ,d I vkiu IEcU/k cuk fy;k g % bIe ior g] unh gA ;

fof/k bruh 0;kid g fd ml Hkkxkfyd ifjfLFkfr e gjd l vkidk vkRe%; lEcU/k gA ckdk;nk cuk;k x;k lEcU/k g] ml Lohdkj fd;k x;k gA gekjh fpÙk&ofÙk gh olh g fd ge mll lEcU/k cukr g vkj tgk ml lEcU/k dh gkfu gkuh gk] ge mle ,lk dkb fu:i.k djr g fd og gkfu u gkA tl eku yhft,] ,d 'kj g] 'kj vkidk [kk Hkh tk;xkA vki ; n[ku dh dkf'k'k djr g fd fdlh rjg l 'kj ljf{kr jg vkj og vkidk gkfu u igpk;A ykx lkik l Ml gh tkr gA vki lkik l Ml tk;x rk vki lkik dk ekjxA rk ;g gvk fd ,d rk lkik d dkV dk bykt gkuk pkfg, rk mUgku bykt fudky fy;kA lcdk ekye g fd lki d dkV dk bykt gA nljk lki dk jkduk pkfg,] vkiu ,lh d'kyrk ink dj nh fd lkik idM yr g vkj mldk tgj fudky nr gA tc tgj gh ugh jgxk] og dkVxk dlA rhljk ;g fd mld ifr cj&Hkko [kRe gkuk pkfg,] rk dgk fd ukx dk n/k fiykuk vPNh ckr g] vkiu lkik dk n/k fiykuk 'k: dj fn;kA ; lc fof/k&fo/kku blhfy, fd; x; fd tk lekt dk gkfu igpk ldr g o Hkh gkfu igpku dh fLFkfr e u jg] mul vkidk lEcU/k cuA eryc bll T;knk ldkjkRed Hkko nfu;k e dgh ugh gk ldrkA e[; ckr ;g g fd gekj dy dk Hkh foLrkj gk jgk g] gekj Hkxky dk Hkh foLrkj gk jgk gA ,d rhljk lEcU/k g] og g okÙkk dk] 0;olk; dkA vki dkb 0;olk; djr g] mle nlj ykx Hkh lyXu gkxA vxoky dl cu\ mudk ;g dguk g fd egkjkt vxlu egkHkkjr dky d gA vxkgk gfj;k.kk e gA ogk ,d le; vBkjg dy Fk] 'kgj e jgr FkA 0;olk; djr FkA dkb ykgkj Fkk] dkb ;g Fkk] dkb og FkkA mu lcu Qlyk fd;k fd ge lenk; cuk yA mu lcu ;K fd;kA mud ;K dju oky ckã.k dk xk= mudk gk x;kA xk= _f"k l gkrk gA tk ckã.k dk xk= gkxk og vkidk gkxkA vxokyk e ogh xk= feyr g] tk mud ijkfgr FkA dkb xx g] dkb dN g] dkb dN g] oxjgA yfdu ; fofHké 0;olk; oky ykx g vkj o bdë g,A ;gh mue lkE; gA ; okÙkk oky ykx gA bl rjg ; tkfr cu x;hA vly e tkfr 0;olk; vk/kkfjr lEcU/k gA og vkj dN ugh gA ,d lEcU/k jä d vk/kkj ij cuk g] og dy dk lEcU/k g] og gekj ;gk ey gA dykpkj gekj ;gk lcl egÙoi.k ekuk x;k gA dykpkj gh vkidk vkx y tk;xkA

mn;u % dy d vulkj vkpkj\

cuokjh % vkid dy e crk;k x;k vkpkj] mldk ikyu djuk ^dykpkj* gA og ey gA Hkkjrh; lekt dk vxj vki igpkuuk pkgr g] dyk l igpkux] tkfr l ughA tl dy g ol xko g vkj ol gh tuin gA Hkkxkfyd foLrkj xko] tuin n'k vkfn oÙkk e gvkA dy dk

foLrkj dyk e gvk] dy legk e gvkA cgr lkj dy tk ,d rjg dk dke djr g o lkFk vk x; rk o tkfr gk x;A tkfr ,d rjg l dyk dk 0;kolkf;d lkeghdj.k gA o Hkkjrh; lekt dh vdyh igpku ugh gA flQ ,d igpku gA ,d igpku Hkkxkfyd g] ,d igpku jä&lEcU/k okyh g] ,d igpku 0;olk;xr gA ,d igpku vkj g o.kxr lk/kuk dh fd vki ;k)k g rk vki {kf=; gA vki Kku e yx g rk vkidh lk/kuk ckã.k dh gA igy lc okÙkk e FkA mle 0;kikj dju oky e vkj fdlku e dkb vUrj ugh Fkk] yfdu tc cM vkfFkd foLrkj g,] 0;ogkfjd :Ik l bu nkuk e vUrj dh vko';drk gbA bl rjg fdlku vkj o'; e vUrj gvkA o'; ^fo'k* 'kCn l cuk gA vFk g ^lolk/kkj.k*A lHkh ykx fo'k gA tk ckã.k ugh] {kf=; ugh o o'; gA mue mudk vyx dj fn;k tk doy 0;kikj e yx g vkj ckdh ykx vyx gk x;A mud vyx uke gk x;A o dkb fdlku g] dkb ryh g] dkb ukb g] dkb dN gA pfd ; l[;k e FkkM g] viuh lj{kk ugh dj ldr] blfy, mudh tkfr vko';d gA lHkh ryh ,d tkfr dk vx gA mud dy vyx&vyx gkx] yfdu mudh ,d 0;kolkf;d igpku gA og igpku gh tkfr g vkj dN ugh gA tkfr blfy, g fd fof/k&fu"k/k d fy, dkb nk;jk cukuk t:jh gA

mn;u % mud 0;olk; e fof/k&fu"k/k d fy,A vkj dy d fu"k/k vyx gkx\

cuokjh % dy vkj tkfr d fof/k&fu"k/k vyx gA yfdu tkfr ,d rjg l j{kk dop gA ; ftruh Hkh igpku g o ,d rjg l j{kk dop g fd vkidh voKk u dh tk ldA geu ;g eku fy;k fd ; mRihMd gA ckr mYVh gA dkb mRihMd u gk] og bll vkidh j{kk dju d fy, gA

mn;u % 'kn 'kCn dgk l g\ bl le>uk vko';d gA bldh ftruh vuxy 0;k[;k, gb g] mruh 'kk;n gh fdlh vkj iR;; dh gb gkA

cuokjh % bldh 'kkL=h; 0;k[;k bl idkj gA dN lgt iofÙk;k gj lekt e fn[kk;h nrh gA dN ykx Kku dh rjQ ioÙk gkr g vkj Kku e 'kfä gA dN ykx 'kk; dh lk/kuk djr g] 'kk; e 'kfä gA dN ykx /ku c<ku dh lk/kuk djr g] mle 'kfä gA ekV rkj ij ; rhu ox g] tk vkidk fdlh u fdlh rjg dh iHkrk dh rjQ y tkr g vkj lce bldh ;kX;rk gA ;jki u dgk fd cgl[;d lekt& tk 85&90 ifr'kr ykx g& e dkb ;kX;rk ugh g] o flQ mRiknu d it g vkj dN ugh gA geu ;g ekuk fd lce ;kX;rk gA fdlh e Kku dh ;kX;rk g] fdlh e 'kk; dh ;kX;rk g] fdlh e vFk dh ;kX;rk g vkj bll gh gekjh lH;rk d rhu ikphu 'kgj cl Fk& dk'kh gk x;h] v;k/;k gk x;h vkj eFkjk gk x;hA yfdu ,l Hkh ykx g tk viu l dN ugh djr] mue Loij.kk ugh g] dN fuek.k dju dh 'kfä ugh g]

o nljk d v/khu jgr gA ; gvk fd 'kn dku g\ tk nljk d v/khu g o 'kn gA vc dkykUrj e mUgku n[kk fd dkb fdlh d v/khu ugh g] lHkh LorU= gA vki n[kx fd Hkkjr e dkb 'kn ugh g] dkb tkfr viu vkidk ;g ugh ekurh fd ge 'kn gA yfdu 'kkL= e ; pyrk g fd og cMk 'kjkc ihrk g] og 'kn gA xkyh d rkj ij ^'kn* 'kCn dk bLreky gkrk g tk uhp dke djrk g og 'kn gA okLro e 'kn dkb ugh g viu ;gkA dHkh jgk gkxkA jktk gfj'pUn d teku e jgk gkxk] yfdu mld ckn ugh gA gekjh ,frgkfld Lefr e dkb 'kn ugh gA 'kn dk fdLlk i#"k lä d vykok dgh ugh feyrkA ; nkuk ckr tkuuk cgr vko';d g fd tkfr dk lkfgR; e dkb mYy[k ugh gA efLye dky e dN xUFk fy[k x; ^tkfr HkkLdj* oxjg d flok;A mldk dkj.k ;g g fd vkidk viu lekt dh j{kk djuh g rk vkidk viuk cuk;k dop ;kn vk;kA og dop dy g] xke g] tuin g] blh rjg l tkfr gA blfy, mldk efLye dky e gh mYy[k feyrk g] mll igy vkidk dkb ,lk xUFk ugh feyxk ftle ; gk fd ; Qyk tkfr g] ; f<dk tkfr gA dkb Åp&uhp dgh ugh feyxhA geu ;g eku fy;k] pfd ;jki e Åp&uhp g rk mlh rjg gekj ;gk Hkh gkxhA ,d txg ckyu [kMk gvk] ogk bjQku gchc d py Fk] eu dgk] gekj ;gk ¶;MfyTe ugh Fkk] rk cjl iM e> ijA [kM gk x;] ckyu ugh fn;k e>A dgk fd ; jktk D;k g] ¶;MfyTe gA

mn;u % yfdu jktk l ¶;MfyTe ugh gkrkA ;g e[k 0;k[;k gA mUg NkfM;A o vkykpuk d ;kX; Hkh ugh gA /ku dh lk/kuk tk dj jg g] mle lkj dkjhxj vkr FkA

cuokjh % vkj D;k! ^/ku* 'kCn dk vFk dN vkj gA eryc ^euh* mldk vFk ugh gA

mn;u % mldk vk'k; oHko g] lef) g---

cuokjh % lEifÙk gA jktLFkku e elyeku db rjg dh vPNh uLyk dh xk; iky jg gA tc vey lLFkk tc ogk [kMh gb] mUgku luk fd jktLFkku e ,lh cgr lkjh itkfr;k g vkj nljh txg Hkh tk cgr Åph g] mud n/k dh x.koÙkk cgr Åph gA rk o ogk x; vkj mUgku elyekuk l dgk fd re bl cp nkA mUgku dgk fd& D;k ckr djr gk\ viu /ku dk dgh cpk tkrk g \ ; tk xk; g] ftudk o iky jg g] mud fy, /ku g& xk/kuA /ku dk ; vFk gA /ku dk vFk ^lEifÙk* gA vxj vkidk dkb vkid /ku l vyx dj n rk vkidh LorU=rk dk vigj.k gk x;kA D;kfd og gh vkidk lkj g] ogh vkidk 'kfä nrk gA

vefjdk e ;g gvk fd VDukykth u ykxk dk dkikjV txr dk ukdj cukdj mudh LorU=rk y yhA mud ikl dkb lEifÙk ugh gA fdlh mRiknu d fy, o fdlh idYi d Lokeh ugh gA o fdlh cM dkikj'ku d lod gA mudh viuh lEifÙk D;k g\ mudh viuh

,dek= lEifÙk ?kj g] o ?kj d Lokeh gA vk/kfud lef) u mudk ,d ?kj n fn;k g] yfdu o ml ?kj dk D;k vpkj Mkyx\ vHkh vejhdk dh 2008 dh vkfFkd eUnh e ?kj d nke tehu ij vk x;A rc vki viu ?kj dk cpr fdl\

mn;u % dkb [kjhnu okyk ugh FkkA yk[kk ykx cjktxkj gk x;A

cuokjh % gekjk fdlku cp tk;xkA mld ikl tehu gA vdky Hkh iMxk rk og >y yxkA ge'kk vdky iMxk ughA blfy, mldh LorU=rk jf{kr gA mldh LorU=rk dh j{kk mldk [kr dj jgk gA vejhdh vkneh dh j{kk dkb ugh dj jgk gA mldh jktlÙkk u ;g ?kkf"kr fd;k fd e rEgkjh j{kk d:xh] yfdu og mldh j{kk rHkh rd djxh tc rd mld ikl lk/ku g] tc rc mldk mldh j{kk djuk Qk;neUn yx jgk gA yfdu tc ml budh j{kk djuk Qk;neUn ugh fn[kxk] og ml NkM nxkA ,lk ;jki d bfrgkl e vl[; ckj gvk gA gekjh LorU=rk dk vigj.k ugh gvkA gekjh LorU=rk dh j{kk dju e ; lc dke vk;A tkfr;k gekjh LorU=rk dh j{kd gA /keiky th u fdLlk fy[kk gA vlg;kx vkUnkyu fdld lgkj pyk g\ tkfr;k d lgkj pyk gA [kki ipk;rk dk tjk /;ku l if<;] vkidk le> e vk;xk fd ; tkfr Lo'kklu dk] LojkT; dk vx gA tkfr ,d rjg l dy dk foLrkj gA mle db dy vkdj fey x;A tkV fdlku gA mue vkil e Hkkbpkjk gkuk pkfg,A fofHké tkfr;k e Hkkbpkjk gkuk pkfg,A doy tkVk e gh Hkkbpkjk ugh gkuk pkfg,] ; Hkkbpkjk Hkkxkfyd Lrj ij Hkh gkuk pkfg,A ^efge pkchlh* e tkVk d FkkM l dy gA gj dy e FkkM&FkkM ykx g] ckdh lc txg dy cM gA ,d dy d iPphl xko gA

mn;u % ^efge pkchlh* D;k g\

cuokjh % gfj;k.kk e ,d txg gA mudh ipk;r cMh ipk;r gA ml ipk;r dk eu tkdj n[kk FkkA efge e NkV&NkV dy gA mld Hkkbpkjk dk vk/kkj ,d dy ugh g] lc dy feydj gA ml Hkkbpkj dk ck/ku okyh pht D;k g\dHkh ge vkil e ,d nlj d Hkkb g] lxk= g rk 'kknh&C;kg ugh djx vkil e ,d nlj lA vc ; fdruh Åph ckr g fd 'kknh&C;kg dk fu"k/k] tk vkerkj ij dVEc e gkrk gA ml dVEc dh igpku dk foLrkj vkiu xko e dj fn;k ;k vklikl d xkok e dj fn;kA [kki ipk;r e ;g g fd u flQ vki viu xko e Hkkbpkj dk lEcU/k j[kx] vklikl d xoku e& ;kfu vklikl d pkj&N% xko e Hkh vkidk Hkkbpkj dk lEcU/k gkxkA vki mle 'kknh ugh dj ldrA vkidk 'kknh dju d fy, mld ckgj tkuk iMxk] pfd vki lc Hkkb&cfgu gA tc e gfj;k.kk e igyh ckj x;kA gfj;k.kk dh ,d efgyk u e>l dgk fd cMk xyr le; vk x;kA gekj xko dh ,d yMdh dgh i<u

x;h vkj gekj ikl d xko dk Hkh Nkjk ogk i<rk g rk og mldk viuh cgu le>xk vkj mlh j{kk e viuh tku Hkh n nxkA ge ;g Hkjklk jgrk Fkk fd gekjh yMdh x;h g rk iMkl d xko dk yMdk rk ogk g] mldh D;k fpUrk djuk! vkt ;g g fd gekj ekgYy dk yMdk Hkh vxj ml txg i< jgk g rk ge fuf'pUr ugh g fd gekjh cVh jf{kr jgxh fd ughA lkjk Hkkbpkjk [kRe gk x;kA

mn;u % e ble ip n[k jgk gA tc vki dVEc e jgr g rk vkidk jfr&Hkko e;kfnr Hkh jgrk g vkj mldh rf"V gkrh jgrh gA ^dke* i#"kkFk dk vFk flQ ;ku lEcU/k ugh gkrk] mldk vFk g& ^bPNk d dk;*A o ?kj e db rjg l ij gkr jgr gA vc vki mldk gkLVy e Hkt jg g] og yMdk d chp jg jgk g] og yMfd;k d chp jg jgk gA ogk mld dke i#"kkFk vrlr jg vkr gA tlk fd LokHkkfod g] mldh ifr d fy, og lcl T;knk vklku jkLr yrk gA [kki ipk;r dk tk cMk lxBu g] cMh 0;oLFkk g] bl ifjofrr ifjo'k dk ydj mUg iufopkj djuk pkfg, Fkk] D;kfd o leFk FkA

cuokjh % e vkil ,d ifri'u djrk g fd vki ;g pkgr g fd [kki iufopkj dj] yfdu vki [kn ; iufopkj ugh djuk pkgr fd Vyhfotu jg fd ugh jg\

mn;u % u;h 0;oLFkk d fopkjd Hkh fopkj dj] ble D;k 'kd gA

cuokjh % ; iufopkj nkuk rjQ l t:jh gA lekt d fof/k&fu"k/k dk rkMu okyh fLFkfr;k dk e;kfnr djuk t:jh g vkj lekt dk viu fof/k&fu;ek dk Hkh ifjofrr djuk t:jh gA bu nkuk e lejlrk gkuh pkfg,A fdlh ,d l vki vi{kk dj fd og cny] ; xyr gA yfdu bl 0;k[;k e vUrHkr vlyh leL;k ij vk tk;A bld fojkf/k;k u ;g dgk fd ; tkfr doy lxBu ugh g] Åp&uhp g vkj ; Åp&uhp cMk Hk;dj :lk y yrh g vkj og nljk d ncku d dke vkrh gA mnkgj.k n fn; fd ,lk gvk fd Bkdjk d xko e fdlh NkVh tkfr d vkneh u 'kknh dh vkj ?kkMh ij cB x;k] mUgku ugh cBu fn;k] mldk ekjk&ckjkA ; ,d rjg dk mRihMu g Åph tkfr;k dk NkVh tkfr d ifrA bl Åp&uhp dk dl jkdk tk;A xk/kh th d lkeu ; leL;k cgr ckj vk;h gA xk/kh th u dgk fd Åp&uhp 0;ogkj l vk;h g] ; tkfr dk LoHkko ugh gA tkfr dk mí'; dN vkj gA ; tk Åp&uhp vk;h g] ml ge gVkuk gA gekj nfud 0;ogkj e cgr lkj nk"k ink gkr g] vki mudk l/kkjr g] yfdu mldk l/kkju d fy, vki mUg NkM ugh nr gA vxj tkfr e dkb nk"k vk x;k rk vki mldk Bhd djxA

;jki e tk fofHké i'kk e ol gh ioxg g] tl gekj ;gk gA ogk pekj dk NkVk gh

le>k tkrk g] yfdu fQj Hkh tc o 'kgj e vkr g] tc o cM lekt dk fgLlk cur g] o ,l ioxg tYnh foyhu gk tkr gA o gekjh rjg l nj e foyhu ugh gkrA gekj ;gk Hkh foyhu gkr g] ,lk ugh g fd gekj ;gk foyhu ugh gkrA yfdu gekj ;gk mudk le; yxrk g foyhu gku e vkj nljh ckr ;g g fd gekj ;gk o mru dkVr Hkh ugh gA mldk dkj.k ;g g] gekj ;gk xko e vki n[kx] lHkh tkfr;k d ,d o; d ykx nlj o; d ykxk dk pkpk&ekek dh rjg n[kr gA mul dkb u dkb lEcU/k cuk yr gA ; lEcU/k lkekftd o"kE; dk iHkkoh gku l jkdr gA tc ge lkik l lEcU/k cuk jg g] nljh tkfr d ykxk l lEcU/k ugh cuk;x D;k\ gekjh fof/k dk vxj vki Hky tk;x] lkekftd o"kE; cgr nckodkjh yxxkA bldk ;kn j[kx] ugh yxxkA ;gk jktk cgr e;kfnr g] yfdu fQj Hkh dl ink gvkA cj ykx ink ugh gkx ;k dkb tkfr;k mRihMd ugh gk tk;x] bldh dkb xkj.Vh ugh y ldrkA ; tkuuk vko';d g fd og lkekU; fLFkfr ugh gA og dHkh ugh Fkh vkj vHkh Hkh ugh gA ge vioknk e n[kdj mle lkekU; gku dk vkjki.k dj nr gA e lk'kfyLV ikVh e x;k vkj lk'kfyLV ikVh e ;gh lc luk fd tkfr cMh lkekftd fo"kerk ink djrh g] ; [kRe gkuh pkfg,A ^tkfr rkMk vkUnkyu* ykfg;k th dk cMk vkUnkyu FkkA eu viuh ek l ,d ckj iNk fd& ^ek] lpep gekj xko e tkfr bruh mRihMd Fkh* e mldh lLrfr pkgrk Fkk] tk eu viuh jktufrd f'k{kk e lh[kk FkkA ek cgr g lh] mUgku dgk& ^cV] re xko dk fcYdy ugh tkurA ;gk xko e pkj rjg dh 'kfä;k gA ,d 'kfä ;g g fd vki ckã.k g vkj gekj ;gk ekU;rk g fd ckã.k iT;uh; g] Kku e vkx gA ge n[kr g fd mld ?kj e ^ryh pkjk* gA og jkt Luku djrk g] ifo=rk l jgrk g rk mld ifr J)k tkxr gkrh gA og ckã.k g] blfy, oj.; g] mldh bTtr gkrh gA nljk og g ftld ikl nljh nkyr g] [kc lkjh tehu g] Bkdj g ;k tkV g ;k tk Hkh ogk dh e[; fdlku tkfr g] mld ikl lEifÙk g rk mldh bTtr gkrh gA ykx mll FkkM ncdj jgr g fd bldk bTtr nuh iMxhA ncdj bl vFk e jgr g fd gedk mldh Hkh bTtr djuh gA fQj xko e o'; g] ndku pykrk g] mld ikl ilk gA oä t:jr mld ikl tkr g] mll m/kkj y yr g] mldh bTtr djuh iMrh gA mld ckn ,lh dN tkfr;k g ftud ikl l[;k cy gA gekj xko e /kkch Fkh ftudh lcl T;knk l[;k Fkh] mudh mRiknu&nj T;knk FkhA ,d ckj gvk ;g fd ckã.kk d ,d yMd u mud ,d ctx dk xkyh n nhA /kkfc;k dh ipk;r cBh vkj mUgku dgk fd bldk ekQh ekxuh pkfg,A ckã.kk u dgk fd ge ckã.k g] ge ekQh ugh ekxxA /kkfc;k u dgk fd gekj ctx dk vieku gvk g] ; cnk'r ugh fd;k

tk ldrkA re ml jkLr l ugh fudy ldrA tk jkLrk dLc dh rjQ tkrk Fkk] o ogk ykBh ydj cB x;A vc ckã.kk d ?kj de Fk] /kkfc;k d T;knk FkA mue l[;k cy FkkA ykBh ydj cB x;] o dN fnu ugh fudyA nl&iUng fnu mUgku cnk'r fd;k] ml d ckn vkdj ekQh ekx yhA ek u dgk fd ; pkFkh 'kfä gA bld vykok ,d vkj 'kfä g] xko e ,l db ykx gkr g tk cgr lnkpkjh g] lk/k LoHkko d g] ge'kk U;k; dh ckr djr g] pkg fdlh tkfr d gk] mudh bTtr gkrh gA;g ekuk tkrk g fd ; cMk lk/k g& pkg og pekj gk] ukb gk ;k dkb Hkh tkfr dk D;k u gkA og lk/k g] LoHkko l lk/k gA ml dh lc bTtr djxA mUgku dgk fd ; lekt cyoku vkj cyghu ykxk e foHkkftr ugh g] vud rjg d cy g vkj vud rjg d cy ,d nlj dk l;fer djr gA blfy, ;g lekt pyrk g] ojuk lekt py gh ughA

geu ; eku fy;k g] tl ;jki e nk gh ox g] ,d og tk mRiknu d lk/kuk dk Lokeh g vkj ,d og tk LokfeRo l ofpr g rk gekj ;gk Hkh ; nk ox gkxA ; tkfr mlh rjg d oxhdj.k dk ,d Lo:lk gA geu ; eku fy;k] tk fd dgh g ugh vkj blhfy, geu mle lkjk mRihMu n[kuk 'k: dj fn;k] Åp&uhp n[kuk 'k: dj fn;kA ; Åp&uhp 0;kogkfjd gA vki ,d n¶rj e dke djr g] vkid ;gk pijklh gA vki pijklh dk dl n[kx\ vki mldk ,d yDpjj d cjkcj cBk nx D;k\vki pkg fdru gh cM lektoknh g] tc Hkh dkb yDpjjl dh ehfVx gkxh rk pijklh dk ckgj gh [kMk djxA bldk D;k dgx\ ; dgx fd vki mRihMd gA

vxj vki ble ge'kk T;knk o"kE; gh n[kx] vki bldk le> ugh ik;xA vxj bl lekt e tlh fo"kerk okeiUFkh n[krk g] olh fo"kerk gkrh rk irk ugh fdru fonkg g, gkrA pfd ; dHkh xyke ugh g] rk fonkg dj ldr FkA yfdu fonkg ;jki e ge'kk gh gkr jgA ;gk dHkh ugh g,A ge ij if'peh v/;rkvk dk vkjki g fd cM dk;j ykx g] dHkh fonkg gh ugh djrA vj fonkg blfy, ugh djr] D;kfd t:jr gh ugh gA

mn;u % fcYdy Bhd ckr gA tc t:jr Fkh rk 1857 e fd;k FkkA

cuokjh % tc Hkh ekd vk; g] fd; gA egkHkkjr e dgk g fd jktk vkidk xMcM g] ml ekjdj Hkxk nkA ,lk ugh g fd gee ; food ugh g fd vxj dkb mRihMd g rk ml [kRe djuk g ;k ughA

mn;u % 1811 e Hkkxyij e ;g gvk gh g vkj og ?kVuk db fnuk rd pyhA

cuokjh % ijh ij elyekuk dk geyk gvkA ijh dk jktk mldh j{kk ugh dj ik;k rk ,d nljk

jkto'k [kMk gk x;k] [knk e] mlu dgk fd e ijh d efUnj dh j{kk d: xkA tk {kfr gb Fkh ijh dh] mlu Bhd djok;hA og lekt dk xkjo gk x;k vkj [knk jkT; rc l cyoku gk x;kA }kjdk/kh'k Ñ".k tUeHkfe ij geyk gvk rk xkdy [kMk gk x;k] tkV [kM gk x;A xkdy u dgk fd gekjh voKk gb g] bl cnk'r ugh dj ldrA ; ipk;r d fjdkMl e e> feykA ; rc dk ilx g tc leFk jkenkl ?ke jg g] ij bykd e dkb lkyHkj jg g] lcdk txk jg gA xkdy dh lHkk e o Hkh FkA tkVk dh viuh dkb lÙkk ugh Fkh] yfdu og jktlÙkk bld dkj.k gh ink gb gA lekt d lkeF; dk geu n[kuk NkM fn;k gA ge n[kuk ugh pkgrA ge tkur g yfdu dguk ugh pkgrA ftl vki lkehokn dg jg gk ;k ; tk y¶V g] gekjh dk;jrk l fudyk ox g vkj dN ugh gA mld fopkjk e dkb rkdr ugh gA ml dk;jrk e l lc vk/kfud ekul fudyk gA xk/kh th e ^gkj x;* dh dkb Hkkouk ugh gA jktU; g] thrr Hkh jgr g] gkjr Hkh gA ge thr Hkh] gkj HkhA ckr [kRe gk x;hA mle ij lekt dh ncyrk dgk l vk x;hA blh rjg l o.kkJe gA o.kkJe dh e[; ckr ; ugh g fd pkj o.k gA ; pkj o.k fdlh u cuk; ugh] fpfàr fd; g fd ; pkj fn'kk, g] ftu fn'kkvk e ykx tkr gA dkb Kku dh [kkt ij tkr g] dkb 'kk; dh lk/kuk e tkr g] dkb /ku dh lk/kuk e tkr g ;k dkb fdlh d vk/khu gk tkr gA bu lc ykxk d dN dÙk0; gA budk tk iHkrk feyh g] viu bl dk'ky d dkj.k feyh gA bl iHkrk dk miHkkx djr g, o bu dÙk0;k dk /;ku j[kA doy o.kkJe ugh g] o.kkJe /ke gA xk/kh th cgr gh lkp&fopkj dj pyu oky vkneh Fk vkj mUgku yxkrkj o.kkJe dk vkx j[kA mUgku dgk fd o.kkJe Hkkjrh; lekt dh igpku gA mUgku ble dN rk n[kk gkxk! D;k g\ vxj o.kkJe xyr g rk xk/kh th u mldk ftØ D;k fd;k\tc tkuu dh eu dkf'k'k dh] e> ;uku dky vkj if'pe dk le>dj ; le> e vk;k fd ftl lekt e o.kkJe ugh g] ogk lkjh iHkrk ,d o.k d gkFk e g] tk nljk dk viu ifr dÙk0; ekurk g] viuk fdlh d ifr dÙk0; ugh ekurkA ;gk ;g g fd vkidh iHkrk Hkxoku dh nh gb g] ble vkidk dkb ;kxnku ugh gA blfy, bldk lo&dY;k.k e yxkvkA vkid dN dÙk0; gA vkidk ; iHkrk lekt l feyh g rk lekt dk vki ij _.k g] ml _.k dk mrkju d fy, lekt d ifr dN dÙk0; gA blhfy, dgk x;k fd o.kkJe /ke dk ge ge'kk /;ku e j[kuk pkfg,A vkidh ;kX;rk d vk/kkj ij dku&l dÙk0; vkid Åij vkr g] vxj vki bldk ugh le> vkj ble cjkb n[ku yx rk bldk dkb bykt ugh gA

xk/kh th ckj&ckj dgr g fd gekj lekt l T;knk U;k;i.k lekt 0;ogkj e ugh gk

ldrk vkj geu tk ble lLFkku fd;k g og oj.; g] frjLdkj d ;kX; ugh gA mle vk x; nk"k] dkb Åp&uhp dk Bhd djuk pkfg,A ij mldh ,d leL;k gA og ;g g fd Åp&uhp vki fcYdy NkM nx rk fof/k&fu"k/k ugh pyxkA og Åp&uhp FkkMh&cgr bl ij vk/kkfjr g fd ; vPNk g] ; cjk gA ; peM dk dke cjk g] rk tk peM dk dke djrk g og FkkMk ghu ekuk tk;xkA ;k rk vki ; NkM nhft; fd peM dk dke cjk g] tk er 'kjhj d 0;ogkj e yx g] o v'kkp e iM gA mud v'kkp l cpuk g] ; Hkkouk gA dN vk/kfud v/;rk dgr Hkh g] vLi';rk Åp&uhp d dkj.k ugh gA mUgku le> fy;k g fd og 'kkp&v'kkp d dkj.k gA mldk l/kkju dk rjhdk ;gh g fd v'kkp d dk;k dk vki mldk ;kfU=fddj.k dj mle l eu"; dk fudky nhft;] ckr [kRe gk tk;xhA nljh ckr ;g g fd vkiu ; ekuk fd dN uhph tkfr;k jgh g gekj ;gk] ge Xykfu gkuh pkfg,A ij o fdruh Fkh] ; vkiu fglkc yxk;k\ vulfpr tkfr;k g] rk fdruh g\dy feykdj vki mudk fdruk Hkh foLrkj dj y] 14 ifr'kr l T;knk ugh gkxhA vkidk ; 14 ifr'kr cgr v[kjr g vkj o 85 ifr'kr] ftudk ;jki e Hknkl vkj xyke cuk;k gvk Fkk] o ugh v[kjrA cM l cMh 0;oLFkk bUgku cuk yh] vefjdk e nfu;k Hkj dh lEifÙk vk x;h] yfdu ogk 15 ifr'kr ykx ,l g ftudk HkjiV [kkuk ugh feyrkA ,lk Hkh ugh g fd vefjdk e lk/ku ugh g] mudk nu d] lk/ku dh dkb deh ugh g] yfdu ; 15 ifr'kr dh etcjh o nj ugh dj ik;A vxj vki bru lk/kuk d ckn Hkh 15 ifr'kr dh etcjh nj ugh dj ldr] rk gekj tk 13&14 ifr'kr g] mudk ydj vki ge'kk D;k jkr jgr gk\ o gekjh leL;k g] ge ml nj djx] o ge ij ykNu gA ykNu blfy, fd gekjk lekt rk ge'kk LorU= vkj lerk ij vk/kkfjr lekt jgk gA ; geu dl cnk'r dj fy;kA yfdu ,lk ugh g] vkid ;gk rk o Hk[k jg gA gekj ;gk rk Hk[k ugh jgA geu flQ bruk gh fd;k fd o FkkMk nj jgA mudk Li'k dju l gekjk tk 'kkp nj gk tk;xkA gekjk ;gh vijk/k g fd geu mUg v'kkp ekukA vkiu rk mudk Hk[kk j[kk\ dgu dk cy ftl fnu gee vk tk;k] ckr [kRe gk tk;xhA

mn;u % fQj ge Bhd dj yxA D;kfd fQj ge jkLr [kktx 'kfeUnk gku dh txgA

cuokjh % mldh fof/k fudkyxA ckã.kk u dkb de fof/k;k ugh fudkyhA tc fo"Vk dk dke vk;k] dgk x;k fd ml dju oky ^egÙkj* ykx gA vkidk ;g yxk fd mudk uhpk ekuk gh tk;xk] rk vkiu mudk ^egÙkj* uke n fn;k fd o ,lk dke djr g] gekjk bruk dY;k.k djr gA og ,d rjhdk FkkA og ge'kk iHkkoh ugh jgxkA vkidk dkb vkj nljk rjhdk fudkyuk iMxkA

,lk ugh g fd ml fof/k l o viu vkidk vyx j[k g, gA o fof/k dg jg gA og iHkkoh ugh gkrh] dkb nljh fof/k djA og lekt fu'p"V ugh p"Vkjr gA

mn;u % vkid eu e pkj i'u Fk] ,lk vkiu dgk FkkA ge dN nj rd vk x; g] vkx D;k\

cuokjh % pkj i'u ej eu e FkA ,d i'u rk ;g Fkk fd ge ijk/khu D;k g,] nljk fd ;jki cgr fiNMh lH;rk] fiNMh tkfr Fkh vkj blu nfu;k dk dl viu iHkko e y fy;kA rhljk ;g Fkk fd vc vkx D;k gkxk vkj pkFkk ; fd Hkkjr viuk jkLrk dl [kkt ik;xk\ geu igyh nk ftKklkvk ij ckr dj yh g] nk ftKklk, ckdh gA

bl ifjoru dk Lo:lk D;k g] tk fiNyh dN 'krkfCn;k e gvk fd 'kfä dk dUn mBdj ogk pyk x;k\ ml ij lcl Åph fVli.kh e> xk/kh th dh yxrh gA xk/kh th ;gk l nf{k.k vÝhdk tk jg g tgkt lA tgkt ij dkb mul iNrk g fd io vkj if'pe dh tc ckr gkrh g rk vkidk D;k yxrk g] mue vUrj D;k g\ pfd o ckr vxth e gk jgh g] nlj ftu ykxk l ckr gk jgh g o vxth e gh ckr djr g] xk/kh th u ml le; fon'k dh ipfyr 'kCnkoyh dk mi;kx djr g, dgk fd& ^^Hkkjr ^l.VhihVy* g vkj ;jki ^l.Vh&¶;xy* g] og dUn l ckgj fudyu dh dkf'k'k djrk] u"V djrk gvk pyk tkrk g vkj Hkkjr dUnkfHke[k jgrk g vkj og lR; dh j{kk djrk g vkj viu vkidk cpk yrk gA**

lf"V&Øe e ; iofÙk;k vko';d gA pfd l.VhihVy f'kfFky gk tkrk g] tM gk tkrk gA ml db ckj f>>kMuk iMrk gA mld fy, l.Vh&¶;xy ofÙk dh t:jr gkrh gA l.Vh&ihVy lH;rk, tc eUn iM tkrh g rk l.Vh&¶;xy lH;rk, lfØ; gk tkrh g vkj o mudk f>>kM nrh g rk o fQj [kMh gk tkrh gA e> le> e vk;k fd lkbl&VDukyk th dk viu vkie mruk eY; ugh g] ftruk mldk viu vt; gku e bLreky dju d dkj.k mUgku n fn;k g rk mudh vt;rk dl [kRe dj\ fiNy fnuk eu ;g vuHko fd;k fd dN rk eu"; dk i#"kFk g] dN iÑfr d viu rjhd gA iÑfr d viu rjhd gekjh vk[kk l db ckj vk>y gk tkr gA tl 1350 e lyx gvk vkj mlu ,d u;h fn'kk ;jki dk n nhA ol gh e ; n[k jgk Fkk fd ;jki dk nfu;k e foLrkj gvk rk mudh 'kfä c<hA 'kfä dk ,d ifrQyu ; gvk fd mudh tul[;k nfu;k e nxuh gk x;h] mudk nfu;k e vuikr nxuk gk x;k] o 12 ifr'kr l 25 ifr'kr gk x; vkj foLrkj gk x;kA nfu;k d 36 ifr'kr Hkxky ij mudk foLrkj gk x;k] o mud vf/kdkj e vk x;kA vHkh ; ugh yxrk fd mud Hkkxkfyd foLrkj dk ge de dj ik;x ;k ugh ;k dl lhfer dj ik;xA vHkh ; lc pht

le> e Hkh ugh vkrh gA 1900 bLoh rd mudh vkcknh c<h] mld ckn c<uk #d x;k vkj 1950 e tc jktufrd lkekT;okn [kRe gvk] eä g, n'k] rk vpkud ; gvk fd 'k"k nfu;k dh vkcknh cgr rth l c<u yxhA Hkkjr dk fo'o dh vkcknh e vuikr cgr jgk gkxk ij og fldM dj 30 djkM ij vk x;k vkj nfu;k dgk igp x;hA vpkud 1950 e] ;jki d vykok ckdh nfu;k dh vkcknh cgr rth l c<u yxhA bldh vki 0;k[;k ugh dj ldr fdlh Hkh rjg lA bldh tk 0;k[;k, g] if'pe }kjk dh x;h] fd vé igy l T;knk feyu yxk vkj fpfdRlk lfo/kk, T;knk gk x;h] ; e[krki.k 0;k[;k, gA vkcknh ogk vkj rth l c<h g] tgk budh cgr deh g vkj ;jki e tgk cgrk;r g] ogk og pje ij igpdj ykVu yxh gA ; iÑfr dk viuk rjhdk gA ;jkih; tkfr dk nfu;k Hkj e iHkko Fkk] mld dkj.k mldh vkcknh 1 vjc 50 djkM Fkh ;k 1 vjc 60 djkM rd igp x;h FkhA og nfu;k dh lcl cMh tkfr FkhA mldk foLrkj lc txg gk x;k FkkA 1950 d ckn ;g gvk fd lcl igy Hkkjr vkj phu u viuh fLFkfr e l/kkj fd;kA bl le; phu 1 vjc 40 djkM g vkj ge 1 vjc 30 djkM gA l;Dr jk"V l?k vkj ckdh ykxk d vkdyu e Hkkjr dN o"kk e phu vkj ;jki l vkx fudy tk;xkA mld ckn mUgku tk vxy nl lky d ckn dh x.kuk dh g] mle n[kk fd gel Hkh T;knk rth l vÝhdk dh tul[;k c< jgh g vkj ,d tkfr d rkj ij vÝhdh ykx lcl vkx fudy tk;xA vÝhdk d vkx fudyu e ,d cgr cMk ip g] gekj ;k phu d vkx fudyu e Hkh mruk cMk ip ugh gA tul[;k cy gkrh gA vHkh vÝhdk e ?kuRo cgr T;knk ugh gA vÝhdh egk}hi e vkj T;knk tul[;k d leku dh {kerk gA bl le; o 1 vjc 20 djkM g vkj tYnh gh o lcl vkx igp tk;xA Hkkjr dk] phu dk] lcdk iNkM nxA yfdu ;jki d iHkko d dkj.k mudh Ñf"k dh cgr {kfr gb gA nfu;k dh Ñf"k&;kX; Hkfe dk ,d pkFkkb vÝhdk e Fkk] yfdu mldk 80 ifr'kr ;jkih;k u vérj phtk e yxk fn;k] jcM vkfn ink dju e] rk o vé ink dju yk;d ugh jghA tk lcl T;knk vé ink dj ldr Fk] o Hk[k ejr jgA vHkh Hkh mudk vé dh deh gA viuh Ñf"k Hkfe dk okil vé mRiknu ij y Hkh vk; rk Hkh mudh tul[;k ckgj cgxhA pfd o ykx ogk l fudyx vkj mue ;jki u tk mu ij vf/kdkj djd mudk u"V fd;k mldh ifrfØ;k lcl T;knk gA mudh vkØedrk mudh rho lonuk d dkj.k gA ftldk vki vxth e ^flfoykbTM* dgr g] mUgku viu vkidk og gku l cpk; j[kk gA ml foÑfr l cpk; j[kk gA tc o ckgj tku yxx] mUg Hke/; lkxj dk ikj djd ;jki igpu e T;knk le; ugh yxrk vkj yfVu vefjdk igpu e Hkh vf/kd le; ugh yxxkA

dy dk ;jki dk ykxk dh t:jr gkxh] pfd bud ikl viu mRiknu rU= dk pyku d fy, ykx gh ugh cpx vkj budh 'kfä nfu;k e ?kV jgh gkxh rk ; bl tul[;k dk ckgj tkuk D;k ifj.kke yk;xk] bldh vki flQ dYiuk gh dj ldr gA yfdu ; ,d n'; gA nljk n'; ;g g fd ;jki u viu fiNy vuHko l ; eku fy;k fd tk cy g] tk vt;rk g og 'kL=k d dkj.k gk ldrh gA nfu;k ij mudk iHkko cUnd vkj rki d dkj.k gvk] mUgku ; eku fy;k fd 'kk; dh vko';drk ugh g] vL=k dh vko';drk gA vHkh mudh vt;rk vL=k ij fuHkj gA yfdu gekjk vuHko ;g g fd vUrr% t;&fot; 'kk; ij fuHkj djrh g] vL=k ij fuHkj ugh djrhA ; vko';d ugh g fd dkb yMkb gk] yfdu 'kk; rk dN vkj pht gA og flQ yMkb e idV ugh gkrk] vud :Ikk e idV gkrk gA dy dk mud 'kL= fujFkd fl) gk tk;& ; lkpu e vlEHko ugh yxrkA vkt rd 'kL=k l ikIr mudh vt;rk dk mYy?ku gk tk;] phu ;k Hkkjr dkb Hkh vL=k e mul vkx fudy tk; ;k vL= fujFkd gk tk;A ;kfu yMkb vlEHko gk tk;] vxj lHkh d ikl Åp vL= g] ,d nlj d lgkj d rk o yMkb ugh djxA rhljk n'; ;g g fd lkbl&VDukykth u mudk cg&mRiknu dh {kerk n nh gA ; mRiknu dckM tlk mRiknu gA mldk eu"; dh ikÑfrd vko';drkvk l lEcU/k ugh gA og iHkrk d fy, cuk g] miHkkx d fy, ughA pfd miHkkx mudk vkrk gh ugh gA ge cgr dg jg g fd bUgku miHkkäk lekt cuk fn;k] yfdu miHkkx dk rk mudk 'kÅj gh ugh gA vki mud [kku dk n[k] iguu dk n[k] ?kjk dk n[k rk mue dkb ofo/; ugh gA ofo/; Hkkjr e gA vxj lkbl&VDukykth dk Hkh dkb lefpr mi;kx lEHko gkxk rk Hkkjr e gkxk] og ogk ugh gk ik;xkA yfdu tk dckM ink dj jg g] og dckM jl ink ugh djrk] Åc ink djrk gA ;jki e mlu Åc gh ink dh gA og mudh ml fØ;k'khyrk dk cuk; j[k ik;xk] ; vko';d ugh gA lkbl&VDukykth d dkj.k mudk feyh igy ;k vxrk fdru fnu pyxh] ge ugh tkur\ bll Hkh cMh ckr ;g g fd mUgku eu"; dh ,d Nfo cuk j[kh g] ;uku d le; l cuk j[kh g fd eu"; rkfdd ik.kh g] jktufrd ik.kh g vkj ; ;kX;rk FkkM gh ykxk e gkrh g vkj ; Nfo eu"; dh ulfxd Nfo l vyx g] vkjkfir Nfo gA gekjh ekU;rk ;g g fd eu"; eyr% ,d ufrd ik.kh gA mldk e[; i#"kkFk mfpr&vufpr dk fu.k; dju e gA blhfy, ge Hkkjr dk deHkfe ekur gA mldh lkjh ;kX;rk ; fuf'pr dju e g fd D;k djk] D;k u djk vkj bld fu.k; l gh og ek{k dk ikIr gkrk g] fu%J;l dk ikIr gkrk gA pfd ; eu"; d LoHkko dh ey ckr g] blfy, ; okil vk;xhA ; pfd ey g blfy, ble 0;o/kku gk ldrk g yfdu bldk fouk'k ugh gk

ldrk] og pfd vkjkfir g blfy, og dN le; d fy, jg ldrh g] lnk d fy, ughA blfy, fiNyh ,d 'krkCnh e gekj ckf)d ykxk dh ; Hkkouk fd tk Hkh ;jkih; tkfr e fuek.k fd;k g] vc lnk jgu okyk g] xyrQgeh gA lnk dN ugh jgrkA ;kxh Hkh 'k"k gk tkrk gA gekj i#"kkFk dk vc rd doy bl ckr u jkd j[kk g fd mUgku ,d ,lh nfu;k cuk yh] tk gekj fy, nxe g] ftll ge ofpr jg x;A bl Hkkouk dk tl gh ge NkM nx] gekj rel dh fuf"Ø;rk [kRe gk tk;xhA tlk bfrgkl mUgku fy[kk g] ml rjg tkux rk dgh d ugh jgxA yfdu gekj fy, ;k phu d fy, bfrgkl ;k dkyck/k ;g le>uk g fd bfrgkl e mrkj&p<ko D;k gkr gA mldh xfr&fu;fr dk le>uk gA bfrgkl e mrkj&p<ko g] dkyØe ugh gA bl mrkj&p<ko dk] bl xfr'khy ifØ;k dk vxj ge n[k yx] ge ml rel l eä gk tk;x ftle ge fiNyh 'krkCnh e iM x;A bll igy ugh FkA e bu lc phtk dk le>dj bl /kkj.kk ij igpk g fd ;g tk chloh lnh dk ; ykx dgr g fd idk'k dh lnh g] Kku dh lnh g] xyr g] mll T;knk vKku dh lnh vkt rd dN gb ugh g] ftlu gekjh Lefr dk fcYdy /k/kyk fn;k gA ,lh lnh Kku dh lnh ugh gk ldrhA

mn;u % Lo; if'pe e Hkh mudh viuh vijkt;rk dk ydj vkj viu ge'kk cu jgu dh Hkkouk dk ydj i'u g----

cuokjh % cgr l'k; gA l'k; gekj ckf)d ykxk e ugh gA

mn;u % ij ogk gA

cuokjh % ge mldk n[kdj Hkh vun[kk dju dh dkf'k'k djr g] pfd gekjh viuh tM VVh gb gA

mn;u % D;kfd ge viuh ijEijk e lEHkor% dkb pht viu vKku d dkj.k gh] utj ugh vkrh vkj nljk ge ;g ekur g fd ijEijk fLFkj jgrh g] mle mrkj&p<ko ugh gkr gA ; fopkj cMk Hk;kud fopkj gA mlh l ge ;jki dk n[k ugh ik jg gA

cuokjh % viu ;gk rk bl ij cgr lkpk x;k gA lr;x l ge dfy;x d djhc tkr g vkj fQj lr;x ij igp tkr gA phu dk dkyck/k ;gh g fd mrkj&p<ko vkr gA eryc vxj uhp py x; rk ;g ekudj er pfy; fd ge'kk gh uhp jgx] fQj Åij vk;xA tc Åij vk;x rk ; lkpdj jf[k; fd uhp Hkh tk ldr gA bu mrkj&p<kok dk le>uk gh bfrgkl le>uk gA tc bud ckj e e i< jgk Fkk] e> Kkr gvk fd ge rk mul T;knk 'kkL=h; <x l ; ckr tkur gA

mn;u % ,djf[kd le; dk fopkj fd yxkrkj fodkl gk jgk g] ; blkb;r d lkFk vk;k gA lV

vkxLVhu dh ^flVh vkQ xkM* e o dgr g fd blk elhy d Lyhc dh ,d pkV l xky&xky ?ke jgk le; lh/kk cgu yxk gA ; ,d :id gA

cuokjh % ; :id Hky gh lV vkXkLVhu dk gk] yfdu ; lkpu dk rjhdk ogk igy dk gh rjhdk g vkj ml vyx&vyx ykxk u vyx&vyx <x l idV fd;k gA lkbl vkj VDukykth e Hkh bUgku ; [kkt fy;k fd cãk.M vuUr g] yfdu mudh iofÙk ;g g fd fdlh rjg mldk fMCc e cUn djd n[kk] D;kfd og le> e rHkh vk;xkA ge vxj fdlh pht dh ifjf/k ck/kr g rk ; ;kn j[kr g, ck/kr g fd mld ckgj Hkh nfu;k gA ml le>u d fy, ifjf/k cuk jg g] yfdu ; tc ifjf/k cukr g rk ;g lkpdj cukr g fd bld ckn dN ugh gA vkiu ,Ve dk n[kk vUnj l] rk vkiu ,Ve dk u flQ ckdh d ckgj d lc llkj l vyx dj fy;k] cfYd ;g eku fy;k fd mle tk g ogh lR; gA mld vykok dN g gh ughA tl dky ekDl ;g dgrk g fd ;Vkfi;k vk tk;xk] rk vkiu dky dk ,d fMCc e cUn dj fn;k vkj mle vkiu dgk fd bl fMCc e gedk fn[k jgk g fd ox&l?k"k g vkj ox&l?k"k y tk;xk ,d ;Vkfi;k dh vkjA

ÛÛÛ

dfork & 2016

vkLrhd okti;h

Mk.Mh ;k=k

og gl jgk FkkA

D;kfd og l'k;jfgr gk x;k FkkA
D;kfd ;) dh lkFkdrk dh vo/kkj.kkvk dk
og R;kx pdk FkkA

D;kfd fgl k e fNi foLe; l og vUrr% eDr gk x;k FkkA
D;kfd og le> x;k Fkk fd bUlku tkuojk dk vkuUn d fy, ekjr g

D;kfd mlu xk;k dh vk[kk e
vutku ykxk d fy, Hk; n[kk FkkA
D;kfd og tkurk Fkk fd fgl k cgr ckj lgh gkrh g
vU;k; dk ncku d fy,]
yfdu og bl rd dk Lohdkj ugh dj ik;k FkkA

D;kfd xjhck d ifr fgdkjr dk
thru dh fof/k ml vc rd irk ugh FkhA
D;kfd mlu ncy&iry cPpk dh vk[kk e ogh liu n[k Fk

tk ckdh ykxk dh vk[kk eA
D;kfd og tkurk Fkk fd ;) ,d fuji{k de FkkA

D;kfd ml nodhuUnu d opuk l le> e vk;k Fkk
fd ;) Hkfe d e/; e vtu]
ik.Mok dh luk dk urRo dj]
dkjok dk o/k dju d fy, dfVc) FkkA
D;kfd ;) d vUr e og lUr"V ugh gk ik;k FkkA

vkj ml u egkjk.kk d lkFk LokfHkeku
e idh ?kkl dh jkfV;k [kk;h Fkh
vkj v'kkd dh fot; e ijkftr gvk Fkk
vkj f'kokth d lkFk ohjrk dh ifjHkk"kk e
txy dh /kU/k dh rjg ?ky x;k FkkA

vFk Hkkx jg Fk ml d lkeu] cl FkkMk vkx]
yfdu mUg og idM ugh ik jgk FkkA
tl dRr fxygfj;k dk ugh idM ikrA

og viuh Lefr d j.k e yxkrkj lri= l yM jgk Fkk
vkj ml dh gkj e 'kkfUr [kkt jgk FkkA

og nk.k d irki e fot; << jgk Fkk
vkj cnyrh gb lH;rk d vkox e /keA

dHkh ml xk.Mho dh ;kn vkrh Fkh tk og NkM vk;k Fkk
vkj og n[k jgk Fkk fd dl
lH;rk, rduhd dh dlkVh ij gkjrh ;k thrrh gA

ml fn[k jgk Fkk fd dk;jrk dk i;k; cu pdh Fkh f'k"Vrk

vkj ohjrk dk i;k; cu pdk Fkk vkjrk ij vR;kpkjA
og f[kUu gk mBkA
D;k d#{k= d /keeUFku l ,l i#"k fudy Fk \
D;k dkjok dk o/k dju okyk u n%'kklu dk tuk Fkk \

og Økf/kr Fkk vkj xk.Mho << jgk Fkk
vfUre ;) d fy,
vkj og le> x;k Fkk fd ;) j.k e ugh gkxkA
og gkju l Mjrk ugh Fkk
vkj thru ij vfr'k; l[k ikIr ugh djrk FkkA
og igyk ugh Fkk tk ;g lkp jgk Fkk
ij tc lkp jgk Fkk rc vdyk FkkA
d#{k= l ehyk nj xk.Mho] tk bru lkyk e
igy jr vkj fQj ued cu pdk Fkk
Myk iMk FkkA

m l fu/ku ykxk dk n[k ;g vuHkfr gk jgh Fkh
fd ekuoh; gkuk lgh gku l T;knk t : jh Fkk]
vkj fot; vL=k d ij [kMh gkrh g]
ij og ;k)k Fkk]
mlu ued cu pd xk.Mho dk mBk;kA

Mk.Mh d rV ij vtu u 'k[k ctk;k]
vkj vtu u vtu l yMu d fy,
vtu d fpRr d d#{k= e
fglkjfgr jDrjkl jpk;kA

सच्चा आदमी

मैं जूते पहनते समय याद नहीं रखता
कि कई लोग इस ठण्ड में
नंगे पैर चल रहे हैं।

कपड़े पहनते समय
कि ढेरों लोग बिना कपड़ों के
रेल के स्टेशन पर लेटे हैं
इसी वक़्त।

मैं उन लड़कियों की तरफ नहीं देखता
जो मुझे बदसूरत लगती हैं,
भले ही वे कितनी भी प्रतिभाशाली क्यों न हों।

मैं दूसरों का दुःख महसूस करने की
कोशिश किये बिना उन्हें कायर
या नाकाम या मूर्ख घोषित कर देता हूँ।

मैं अपनी शादी के दिन अपनी पत्नी से
प्रेम करने का स्वाँग करता हूँ,
जिससे सामाजिक कहलाया जा सकूँ।

मैं प्रेम में विफल दोस्तों की तकलीफ़ें सुनकर
सड़क पर चलने वाली सुन्दर लड़की को
उसके कपड़ों के ऊपर अपनी हवस पहना देता हूँ।

मैं अपने बच्चों के परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर
खुश होता हूँ, और दफ़्तर के सभी लोगों को
मिठाई खिलाता हूँ।

e Mj d ekj n l jk dh enn ugh djrkA
dkb fpYykrk g rk eg ekM yrk g
vkj me gk tku ij
viu l de me d ykxk ij fpYykrk gA
?kj e iRuh dk vieku dju d ckn
e nfu;k e gk jg vU;k; d f[kykQ
vkokt mBkrk gA ¼tkfgj g viu ?kj d vUnj½

viu dej e cBdj e fgUn cudj
nhikoyh d le; elyekuk dk]
vkj egje d le; elyeku cudj fgUnvk dk
viuh utj e FkkMh& lh fgdkjr Hkjdj n[krk g
vkj lkprk g fd bl fnu mu nljk dk Hkh [k'k gkuk pkfg,A
tcfd fnu 'kk;n fdlh ;gnh oKkfud dk g
ftll dkb egku vkfo"dkj gk x;k gA

e [k'k gkrk g D;kfd lc [k'k gkr g
vkj tk vyx gkr g mUg n[kdj e Hk;Hkhr gkrk gA

e ,drjQk ie e foQy gk tku d ckn
nfu;k dk nk"k nrk g]
vkj n¶rj e vf/kdkjh dh MkV [kku d ckn
fdlh dk nk"k ugh nrkA

e lPpk vkneh g]
e /kU; gA

fitjk
i{kh lcg mBrk g vkj
fudy tkrk g ml jkg ij

ftl ij mld iot tk pdg
vufxur ckjA

e mBrk g Hkkxu] Hkkxrk g]
tYnh ugku] ugkrk g]
uk'rk dju] uk'rk djrk g]
i<u] i<rk g]
¼ml l[k d fy,] tk fcuk crk;
'kjhj dh xUnxh d lkFk
cg x;k gA½
og ejh egur d jkT;kjkg.k d ekd ij
ogk pyk x;k g
tgk fpfM;k mMdj pyh x;h gA

,d fnu tc mBuk ugh gkxk]
Hkkxuk ugh] ugkuk ugh]
rc lUrk"k vk;xk] nljk d fo'okl e feydj]
vkj ykx dgx ^l[kh vkneh FkkA*
fpfM;k mMu d igy mruh gh [k'k Fkh
ftruk mMu ijA

lR;
re dgk jgr gk vkj dgk ughA
;gk l ehyk nj ,d efUnj l
n'ku ydj ykVrh gb
o) efgyk dh
Fkdku rkMdj tc vkr gk]
fo'okl dh Mkj VV pdh gkrh gA

egkHkkjr d rkykc d lkeu

;f/kf"Bj vkj ;{k lEokn ijk ugh dj ikrA
eu"; dk ifjHkkf"kr ugh dj ikr ;k rEg]
irk ughA

^/ke D;k g*
vc ;g i'u gh dgh ylr gk x;k gA
ml rkykc e ft ld lehi ik.Mo ej iM g
,d e<d Nykx yxkrk g]
ml ij ljt dh jk'kuh pedrh gA

;g jktejk dk thou g ft l ekjuk g]
;g vkneh dk ekju l vyx gA

iRr
og >M jg g] t l e
bl rx fu;e e Qldj
ckgj fudyu dh mEehn dk xyk ?kkVr g,
nljk dk dgr lurk g]
^lc Bhd gkrk g*A
ij gkrk ugh dN Hkh BhdA
'k: l gh VV tkrk g
vkj Bhd gkrk g flQ fonkg]
tk gj bUlku djrk g flQ viuh fdLer lA
og Hkkx tkrk g vdkj.kA
og fopkjk dh dlkVh ij
dlrk g bl vFkghu thou dk
ft ld lkFk og ogk igp x;k gA

[k'kh dk igkMk Hkyrk g]
i<rk ugh] vkj i<rk g

rk ukdjh ugh yxrh]
vkj yx tkrh g rk ie ugh]
vkj ie vkrk g rk mldh vkM e
ogh Åc l Hkjh gb ftUnxh vk tkrh gA
ftl ftUnxh dk thuk pkgrk g
og ge'kk nj Hkkxrh jgrh g]
#ddj eu"; dgrk g
cnyk tk ldrk g lcdNA

dgh vkj foink vku ij]
ftUnxh d ml dku e]
ftldh vkj mlu cgr le; l
ugh n[kk Fkk]
ml vLr&0;Lrrk d chp
igkM dk Lej.k fd; fcuk
og egll djrk g ftUnxh dkA
fnykIk nrk g lcdk] ij fdldk]
'kk;n ml tk mle ugh g]
ij og dku g
gj bUlku dk ikxy cukdj
tc Hkxoku u Hktk Fkk]
rc le>u d fy, ugh]
cjru d fy, ,d NkV&l cPp dh
dYiuk d dku e 0;kl dk cBk fn;k Fkk
ftll Kku mRiUu gk ik;A
eu"; l;kj djrk g vkj iku d ckn
viuh bPNk dk Hkkj fdlh vkj ij
Mky nrk g]
vkj fQj fdlh vkj ij]
vkj fQj fdlh vkj ijA

;g Hkh fu;e g n l jk ij bPNk, e<u dk]
n l jk dh dYiuk d ckxhp e
m l dh bPNkvk dh ?kk l m[kkMdj
viuh bPNkvk dk iM yxku dkA
v’oRFkkek ekjk tkrk g] ij gkFkhA
dgk tk,xk og b l l nj Hkkxu]
tk m l d vUnj fNih g
ykylk] og iNrh g e n l jk l T;knk
rjh d l gk x;hA

vokd og iyVrk g]
,d me chr tku d ckn
cVkjrk g m l lcdk
tk m l yxk Fkk [kk x;k g
vkj <<rk g fu;fr dk]
ftl l bl ckj m l l nj Hkkx ik;A
viu cPpk dh vk[kk e ogh vdykiu n[krk g]
vkj mudh vk[kk e
viu c<ki d bl iMko d vku
ij lUr"V gku dh bPNk dk n[krk gA
dgrk g cMk g] Fkdk g]
cky lQn gk x; g] ij ogh [kkt jgk g
tk 'kk;n rEg fey x;k gA
dN le; ckn] og mu cPpk e
ogh lc n[k tk og [kn e n[krk g vkj fNVd tkrk gA
mEehn djrk g fd me d gkf’k; ij]
tgk er iot mu bPNkvk dk ykyVu l
jk’ku fd; [kM g&
ftudk fjokt chr x;k g &
[kkt ik; m l tk m l d Hkhrj

ge'kk l Fkk] ge'kk gkxkA

;k=k
gjh dehtigu ,d yMdk lMd d fdukj e> n[kr g, py jgk g tc e xkMh pykdj ml d vkx l fudy jgk g ;g lkpr g, fd %

vdykiu rc Hkh yxrk Fkk
tc ykxk d lkFk Fkk]
iM e ml d Qy dh rjg vdyk]
lMd ij dÙk dh rjg
vdyk ughA
e> yxrk Fkk vdykiu
nljk dk glr g, n[kdjA
vc 'kd gkrk g]
'kk;n o e> n[kdj eg l l ogh djr gkx
tk e mUg n[kdj eg l l djrk g]
mUg Hkh yxrk gkxk fd tk rRo [k'kh nrk g
vkj vdyiu dk nj djrk g]
og rRo b ld ikl gA

og dgk g \
og norkvk dh g lh l dHkh
HkDrk e lekfo"V ugh gk ikrk]
og gj u;h foQyrk dk
lkeuk dju dk cy ugh nrk]
og pyrk g vkneh d lkFk
tc rd vkneh pyrk g]
vkj tc vkneh #d tkrk g
og vkx c< tkrk gA
og vk[kk l fudyrk g mEehn dh rjg

vkj utj feyu d ckn
dk; j cudj eg ekM yrk gA
tl vr%dj.k e le; chrrk g
vkj mldk ekle ugh cnyrk] ol gh
og fcuk chr] chrrk gA
og D;k g tk lkjh rdyhQk d ckotn
e> ej cpiu l tkMrk g]
gkju ij gj bUlku dk nljk l
D;kfd ge gkjdj gh
nljk l tMr g]
tcfd gkju d ckn ge tMuk ugh pkgr
D;kfd tMuk gh ge ;kn fnykrk g fd
fdl dnj fHkUu gkrh g ykxk dh nfu;k,]
dkb fdruh Hkh ekgCcr dju d ckotn
nljk dh ihMk dk ckV ugh ldrkA

cl d ikl l xkMh nckdj fudkyr le; e> vglkl gvk fd ftl lMd ij e xkMh pyk jgk Fkk og fldM x;h FkhA nk dÙk lMd d fdukj ,d&nlj d ihN Hkkx jg g vkj e> yx jgk g fd

ejh vrfM;k e ejh ifedk dh egRokdk{kk,
xMxMk jgh gA
e mUg ipk ugh ik jgk gA
ml nj rd ludj vkj le>dj
e og dju dh mEehn e [kMk gkrk g
ftl dju d nkjku
gj eu"; cny tkrk gA
yfdu egRokdk{kkvk dk ck>
gj fdlh dh dej rkM nrk gA
l'k; Nhu yrk g
vkj ml dMnku e Qd nrk g

ftldk uke g ^vkRe'yk?kkA*

mM tkuk vkj vkleku Nuk
fpfM;k dk dke gA
blku dkf'k'k djd Hkh
doy >d ikrk g
viu norkvk d lkeu]
ftUg mlu gh cuk;k g
tl cãk.M Hkh mlu gh viuh dYiuk lA
nljk ij gokfu;r vkj fQj
blkfu;r dh Øjrk dju d ckotn
doy [kn dk N ikrk gA
og ?kj yrk g [kn dk
mu ykxk l tk ml vkn'k eku]
ftud lkeu ml Lohdkj u djuk iM
fd og ugh tkurk fd og fdld lkeu
>drk g tl tkuoj ugh tkur
vkj Qfj'r tkur g ¼;k 'kk;n o Hkh ugh---½

dkj pykr le; e> ;kn vk;h ,d yMdh] ftldh 'kj dh rjg nk cMh vk[k g] gkB iry g vkj ftldh
pky 'krjex dh pky dh rjg v/khj gA ;g lkpr g, e nlj okgu l fHkMr&fHkMr cpkA
mEehn g fd vdykiu e> dHkh ugh NkMxkA
mEehn g fd ml yMdh dk
¼[kj NkfM; dku ,lk gk gh tk;xkA½

v[kckjk dh lf[k;k&lk e [kp gk jgk g
dgh vkj gkrk rk e [kp u gkrkA
mEehn dHkh f?klrh ugh g
vkneh dk f?klr g,A
efty ij vkdj e> le> e vk;k

fd ;k=k l doy Qkly c<rk g
vkj dN ughA

rhu NkVh dfork,

¼1½
og tYnh pyrh g
rkfd fxj ldA

m l [kM gkr g, n[ku d fy,
l j t fudy vk;k gA

¼2½
og g lh e
lc leV yrh g
tk e> e cukrk gA

og g l nrh g]
e [kkyh ihi dh rjg
Mkyrk jgrk gA

¼3½
m ld gkFk fgyr g
vkj e mUg idM yrk gA
igy mue m l]
fQj [kn dk]
vkj ;g nkuk iku d ckn
vdyiu dkA

txg
'kke dk ijNkb;k ihN dh vkj tk jgh g

cYc dh jk'kuh l njA
e pyrk gvk igp jgk g ogk
tgk gj fnu ,d ckj
,d yMdh dk n[k ikrk gA

'kke] jkr gk x;h gA
og ugh fn[kh gA
vdykiu vkj og] nkuk
ej Hkhrj [kyr gA

ejh ektnxh l T;knk
mldh ukekt nxh ej Hkhrj g]
tl ;g 'kke]
tl dy fQj vku dh bPNk]
tl mld fn[ku u fn[ku dh vfuf'prrkA

'kjkc
'kjkc d u'k e Mkyrk gvk
vkneh viuh vk[kk e
u'k d vU/kiu l
Fkd x;k gA

ejh vk[kk l vc ugh gkrk]
bl u'k dk <kukA
yfdu bld fcuk ejk dkb dke ugh gkrkA

ejh mRlkfgr gku dh me xtj pdh g]
ykxk dk [k'kQgeh g fd e toku gA
yMdh
D;k mle ej cpiu dh ;kn Nih g]

;k ejk Hkfo";]
;k mle fl Unckn dh og ;k=k fNih g]
ftl lukuk 'kgjk tkn Hky x;hA

chr le; e dfYir bPNkvk dk rkcr cukdj
norkvk u mle Hktk g] 'kk;nA
og lcl lUnj ugh g]
lcl l;kuh Hkh ugh g]
tc og g doy rc e HkhA

bPNk,
ydMh dh vyekjh ij /ky]
mll fpidh nhokj ij Vxh bPNk,A
tl e vyekjh dk]
ol ijh u gb bPNk, e>]
>kMu vkrh gA

ifjHkk"kk
e>e D;k g \

nk ij tk ml txg ugh y tk ikr
tgk bPNk, ijh gkrh gA

nk gkFk tk og Je ugh dj ikr g
ftl e lUr"V gk ikÅA

nk vk[k tk [kyh g n[kuk Hkydj]
tk vkneh dh rjg ugh jkrh]
ml rkcr dh rjg jkrh g
tk f[kUu gkrk g viu u lMu lA

vrfM;k g tk foQyrkvk dk lkyk l ipk jgh g
fcuk vknr MkyA
QQM g tk vdkj.k Hkkxu d ckn Hkh gkQr ugh g
vkj Mj d ekj iyHkj e gkQu yxr gA
cky g tk dku l >Muk 'k: gk x; gA
fnekx g tk e'khu vkj fQj
tx yxh ykg dh iRrh cuu dk cdjkj gA
;gh lQyrk g vkj ?kj e fNik cpiu g
,d nhokj d ihN tgk eu dHkh ugh >kdk
og bUr tkj djrh jgh
t l e mldk vkj gj dkb fdlh vkj dkA
ftUnxh bPNk d jfxLrku e
ejhfpdk dh rjg gA
dÙkk crgk'kk fpYykdj pi gk x;k]
njcku uhn d ckotn dke djrk jgk
vkj ykx lMd ij pyr jgA
cPpk Fkddj pj viu ek&cki d dej e
tkdj lk x;kA
iVk[k ml ugh
mld firk d cpiu
dk rjkrk tk dj jg gA
HkhM c< jgh g] ykx vPN diM igudj
ckt kj e fudy jg g
dN u;k u dju d fy,A

e> ,lh yMdh l ie gk x;k g]
tk e> ugh pkgrh]
eryc e vkneh gA

gj fnu e ;gk vkrk g]

ml n[ku]
mldh vk[kk e viu fy, fgdkjr n[ku]
tk dy lcg rd ejh mEehn d dkj[kku e
ie cu tk;xhA

irx dh rjg e Hky pdk g
fd e> ykyVu dh jk'kuh il Un g ;k mll tyukA

ykx ,d&nlj dh 'kDy ugh]
mue lUnjrk dh viuh ifjHkk"kk
dk n[kr g, tk jg gA
mUg vglkl ugh g fd lUnjrk
nljk dh 'kDyk l igy
mudh gh vk[kk e FkhA

dN yMfd;k py jgh g]
?kj [kp vkj n¶rj dh fnDdrk d ckj e fpUrk djrh gbA
dN yMd ;g lkpr g, fd
;g yMdh e> dc n[kxhA
,d dÙkk Hkkdrk g crgk'kkA

e¶r[kkjh
og e>e fey pdh g
ml le; l tc og pyh x;h FkhA
lkpdj]
le; [kjkc dju d ckn]
mÙkj l Hkkxr vkj fQj ie e foQyrk l lkeUtL; cukr]
tc liu e mldh >yd vkrh g] lc VV tkrk gA

ml cVkjr] mldh ;kn dk viuh funklh vk[kk l nj djr]

uhn dh ckgk e ;g ikr
fd og fQj vk x;h
uhyk lyokj&deht igu]
uhn VV tkrh gA

e fQj ml xyh e tkrk g]
og fQj ugh nh[krhA

liu e gj fnu
og lUnj gkrh tkrh g]
bl dnj fd tc og /kk[k l
ml xyh e okdb fn[krh g]
e vk[k Qj yrk gA

ej efLr"d d enku dk]
tgk fopkjk d cht yx g]
og liuk d ?kkM l jknrh gA
fopkj mx ugh ikr]
liu Fkd tkr gA

tokgj xk;y dh dfork,¡

पहले केवल उदासी थी

गहराती घनी और बेचैन
पूर्व नियोजित कुछ नहीं था। ईश्वर भी नहीं
आत्मा ने अकुलाकर इसी में आँख खोली
स्मृतियाँ अंकुरों-सी सिमटते बढ़ने लगीं
जो था वह सत्य था पर अनुभूति की आँखें नहीं थीं
इसी के मध्य थोड़ा कसमसाता शब्द आया
झिझकता अपने अक्षरों को जोड़ता
उसकी धमनियों में रक्त था बहता
मिट्टी-सा फैलता संसार जन्मता
धीरे से वही दीये-सा जल उठा
उसी के आलोक में ईश्वर बसता गया
छूकर प्राणों को स्पन्दित करता गया

कास लहराती

हवा में कास लहराती
खिलकर सफ़ेद उजली
कास की छाया पानी में बहती चली जाती
सन्ध्या का सूर्य आता लिए मन में मौन
घास पर लेट जाता समीप
आँखें बन्द कर अपनी
igkM+h p|pki uhps unh ds iRFkjksa ds chp
dydykrh cgrh ty dh lqurh&lqukrh
tSls fd mues iR;sd ds dUns es
ek= mu LiUnuksa dk lkjka'k Fkk
le; ftudk ogh ij
Lor% ,d djrk Fkk

vfHkO;fDr

ugha dfork ugha fy[kuk pkgrk
cl FkksMh nsj mruk tkuk pkgrk gw¡
tgk¡ ls viuk eku lqu ik¡Å¡
tgk¡ eu viuk Hkh; fcuk ns ik¡Å¡
tgk¡ ije Lor% vkns'k gkdj fjlrs vk;sa
tgk¡ 'kCnksa ds cxSj Hkh dg ik¡Å¡
tgk¡ dqN djus es dksbZ 'kdk u gks
tgk¡ lcds chp gksdj Hkh ,dkUr ik tkÅ¡
tgk¡ tks gS og cnyus ds ckn Hkh fQj ogh gks tk;s
ugha vc dqN Hkh ugha fy[kuk gS
dqN nsj dsoy ogk¡ rd pyuk gS
tgk¡ viuh vkRek dh fjDrrk lkQ nh[k tk,
idk'k gks ;k u gks ge mls Nw ysa ik,¡

ताऊ जी से बात करवा दो

आवाज़ भर्राई हुई थी भारी
मैं उसके गुस्से का अभ्यस्त था रोने का नहीं
फ़ोन पर बिलखते कहा उसने
पापा ताऊ से बात करवा दो
दस हज़ार मील और सात समुन्दर पार से
सुनता चीत्कार का सन्नाटा मौन था झन्नाता
क्या-क्या हुआ तुझको ठीक है न तू
क्या बात है बोल
पापा ताऊजी से बात करनी है
कल से सोचती थी तुमसे कहूँगी
ताऊजी से मेरी बात करवा दो
अच्छा नहीं लगता कोई नहीं है जो
बराबरी देता मुझसे बात करता
मुझे केवल उनसे बात करनी है।

कुछ नहीं कहने का भार बढ़ता गया क्षण भर में
फ़ोन दूरियों को दूनी दूर कर देता
छोड़ना चाहकर भी छूटी नहीं मेरी चतुरता
तुम उन पर मेरा लेख पढ़ लो
नहीं, मुझे उनसे बात करवा दो
तुम लेपटॉप पर उनकी तस्वीर देख लो
देख मन में उनसे बात कर लो
नहीं तुम बात करवा दो
यही हम सभी चाहते हैं
ताऊजी से बात कर लें
बात कर उनसे अपने मन की कह दें
कहता नहीं पर जानता हूँ कभी-कभी कहने से बढ़कर
कुछ नहीं होता
हममें हर कोई उनसे बात करने को

vkil eqa gh ckr dj yrk
vkj ok tgk¡ Hkh gks ogh lq mlh rjg
viuk dk Hky
ihMk eas gekjh ygd Ndj
gea nkxqu dj
gdykrh mRlkg ls Hkj dg mBrs
vjs okg rqe
D;k [kc
ij ,slh D;k
vkj viuk gkFk /kjrs
xky Ndj dU/kk ij
tc dqN Hkyk dj ikrs yxrk
geus mu ls ckr dh gS
rqe Hkh dqN Hkyk dj tkuk fd
cVh rqeus mu ls ckr dj yh gS

lkj fnu

lkjs fnu ckfj'k jgh
lkjs fnu gok pyh
lkjs fnu iMs >qds jgs
lkjs fnu 'kke Fkh
fpfM;k lkjs fnu lkFk jgh

ikuh

ckyuk cUn fd;k ij
rc Hkh dguk tkjh jgk
lquus eas ck/kk Fkk Hkhrjh dkykgy
blhfy, ckgj vk vq/kjs ea
iRrk ij >erh ckfj'k dk lqurk jgk
ogk¡ ikuh fHkxkrk ?kkyrk /kkdj lHkh dqN

viu lkFk e>dk Hkh /kjrh e cgkrk x;k

vuqeku

i{kh ugh doy if{k;k dh /ofu;k
v/kjs e if{k;k dk gksuk dk vuqeku
ikr% dk iol idk'k dk vkuk dk vuqeku
unh dh dkjk ij Lolukk dk gksuk dk vuqeku
tkx dj lk;s jgu gksuk dk vuqeku
vuqekuk e vly Fkk viu [kksu tkuk dk Kku

dN ugh djrs g,

dN ugh dju dk lehi tkdj
dN ugh dju ls Mjrk jgk
lHkh dk lHkh dN djrs n[krk Fkk
lHkh dk lHkh dN dk cshrr Hkh n[kk
fQj n[kk iM n[kk vkdk'k n[kk idk'k
lkgl cVkjrk dN ugh dju dk dUn e x;k
vkj ckgj vk cpuh ls viu dk n[kk
dN ugh djrs g, lcdk viu cgr ikl&ikl n[kk

Lefr;k¡

Lefr;k /ki dh
Lefr;k idk'k dh
Lefr;k lMd dh
Lefr;k vkdk'k dh
Lefr;k vuUr dh
Lefr;k vokd dh
cph jgrh cpkrh
Lefr;k v[kf.Mr
vers vkj ik.koku
'kU;rk lhprh
,dkUr dk vkykirh
lthouh lkirh
Lefr;k fo'okl dh

le; tc iRFkj gk tk;

le; tc iRFkj gk tk;
ge unh gkuk pkfg,
#d fcuk cgr g,
mUg lkFk yr tkuk pkfg,
vkM n jkd ;fn
mu ij NyNykr cguk pkfg,
le; dh jr lk[krh gk rk
mu ij ygj cukuk pkfg,
v/kjk ?kjrk gk rk
ogh ty dh /ofu cu cgr tkuk pkfg,

i'u

tc ;g tku ld
D;k tku ugh ik jg
rc ;g Hkh rk tkuk
gy ikr gh gj ckj
i'u gkr tkr g cdkjA

vuqefr

ftue vkLFkk ugh g
mUg fcydy Hkh vuefr ugh fd
n ljk d fo'okl dk rkM
fdlh dk Hkyk dj ld ;k u dj ld
yfdu mue fjDrrk u Hkj n

क्षमा

जब तक अपने से चिपटा रहा मन भी रुका रहा
जब धरती को छू सका लगा कि अब मुझको भी क्षमा मिली
धरती ने भी ऐसा कुछ कहा जिसको मैं न समझ सका
लेकिन जब अपने को क्षमा किया
धरती ने मेरी धड़कन को छू लिया
उससे ही जान सका तब धरती की सिहरन
उस दिन ही साहस कर कहा मुझे क्षमा कर दो

कभी हम अपने को सुन पाते हैं

कभी हम पानी को छू पाते हैं पानी की तरह
कभी हम जान पाते हैं वह हमारी प्यास नहीं पानी है
कभी हम दीवार के झड़ते पलस्तर और उधड़न में
देखते हैं दीवार की खुरदुरी दरारों को
न समय को न ही अपनी सहूलियतों को
न ही अपनी दबी उधड़ी अधूरी इक्षाओं को
कभी हम प्रातः की ध्वनियों में कुछ भी नहीं खोजते हैं
लेकिन जो जैसा है उसे महज वैसा ही सुनते हैं
उस दिन हम चिड़िया को सुन पाते सहज चिड़िया की तरह
कभी हम कहीं जाते नहीं पर हर जगह केवल आते हैं
कभी काम पर कभी बाज़ार कभी घर और कभी बाहर
कभी हम कुछ भी नहीं कहते पर चुप भी नहीं रहते
केवल तभी हम सुन पाते हैं सबसे अधिक अपने को

पहाड़ पर चढ़ते हुए

पहाड़ पर चढ़ते हुए
आप ज़मीन, पेड़, पक्षी और आकाश होते हैं
पहाड़ पर चढ़ते हुए
आप धूल, पत्थर, हवा और प्रकाश होते हैं

igkM+ ij p<rs gq,
vki /ki Nk;k vkj 'okl gkrs g
igkM+ ij p<rs gq,
tc rd vki viuk p<uk ugha ns[krs g
igkM+ ij p< ikrs g
#drs ugha c<rs g
le; dk nj uhps NkM+
ftruk Hkh p< ik, ij
vki igkM+ gkrs tkrs g

vU/kdkj

vU/kdkj
>B ugha gkrk
ftruk Hkh dgrk g
vfuok;l cuk jgrk

eu dh ckr

ge ns[krs g igkM+
ge ns[krs g iBkj
ge ns[krs g iM+
lc vkrs c<dj gekjs ikl
nj fy, tkrh jy
/kjk lc ogh jg tkrk
eu ej jg tkrh eu dh ckr

,dk

dHkh ge lq[k iRrk ij dne j[krs g
dHkh ge iRrk dk pjejkrs lqurs g
dHkh ge tkurs g fd D;k pkgrs g ge
gok dh B.Md vkj lqcg eu fLFkj fpRr

rgk rd ekuri fd Hkyk djuk pkgrs ge
fQj Hkh ou o`{kksa dk e/; fLFkj
mlh rjg ogk¡ jguk pkgrs gS ge
tehu dh ueh vkSj lk/kh xU/k dk
uFkqukssa esa lek yuk pkgrs gS ge
gok esa >jrs lMrs iRrksa dh tehu esa
Bhd mudh rjg gkuk pkgrs gS ge

ifjoh dh rjg

;gk¡ ls nq[kk
mruk ftl ls lkQ&lkQ ns[k ldrs gksa
pV~Vk djuk tks fn[kk og ckgj gks
rqeeas ugha rqe ls ckgj
rEgkjk u gks ij lslkj gks
lEHko gks rks mls ns[krs lehi tkvks
bruk lehi fd ifrfcEc viuk mlh esa ns[k ikvks
vc mlh ifrfcEc esa ns[kks Lo;a dks
mlh esa rqe vc lHkh dks ns[kks
vkvks ns[kks ;gk¡ ls
ou dk chp ijrh Å¡lj tehu
tek lMs iRrks dh uhps
dkbZ gVkdj mo|jd feV~Vh dks [kjpks
f'kyk ls fpidh Lef`r;k¡ [kqcksa lks
?kkl dh fruds esa cpk gjk ns[kks
iFkjhyh jsrhyh lrg ij [kM jg tkvks
fdlh ,d iM dh fudV rd tkvks
dqrjh ifRr;ksa esa cpk gjkiu ns[kks
ns[kks mudk iM gkuk
vc ou esa iM dks ns[kks
iM esa ou [kkstrs tkvks
vkvks ;gk¡ ls ou esa iM dks ns[kks
ogh mlh /kjrh ij [kMs jgdj
iFoh dh rjg Lo;a dks ns[kks

b'oj

eu mls ugha ns[kk
ij f'k'kq dh vk¡[kksa dks ns[kk gS
mldh [kqyh vk¡[kksa esa vkdk'k Qsyrk ns[kk gS
eu mls ugha ns[kk
ij xqe lqe Fkdrs pgjk dks ns[kk gS
mnklhu mues gh ln fpr dk vuUr ns[kk gS
eu mls ugha ns[kk
ij ek¡ dks lkrs ns[kk gS
mudh lk;h vk¡[kksa esa lcdk lq[k dk lius dks ns[kk gS
eu mls ugha ns[kk
ij ,slk dHkh ugha dg ldk
D;kfd vDlj mldk ge lcesa fNirs ns[kk gS

iju

jkLrs ij [kMs
lcls iNrs ge
jkLrk dgk¡ ls gS \
cgrs&lh ef'dyks dk ckn
ykSVrs ge viu Lo;a esa
blh ls lUrks"k djrs
HkVdrs fQj i;klks esa
Fkdk ekjs Fkdk gkjs
ykV vkrs vkt rd vkdj
ogh Lo;a dks ikrs
dgrs ugha ij eku jgrs
iM dk iju viuk lkeus ikrs

dekj 'kgkuh dh dfork,

Hkkjr d vf}rh; fQYedkj vkj fpUrd dekj 'kgkuh dHkh&dHkh dkb dfork fy[k Hktr g] ge pfdr djr g,A ge ml gj ckj vku oky lekl d vd e idkf'kr dj nr g fd bll mRlkfgr gkdj o 'kk;n dN vkj fy[kA ;gk idkf'kr dforkvk e ^ne;Urh* mUgku viu f'k"; djy d fQYedkj ,e-vkj- jktu d uy≠Urh ij fQYe cuku d volj d l;kx l fy[kh gA tkfgj g tc Hkh dkb fQYe cu jgh gkrh g] cgrj fQYedkj ml fQYe ij viu fe=k vkj x#vk l] vxj lEHko gk rk ppk vo'; djrk gA 'kk;n blh ifØ;k e bl dfork dk tUe gvk gkxkA

दमयन्ती

tk lp vkj >B l ij
viu gh uj e rjr
,d tlh ifrHkk /kkj.k fd;
rEgkj Lo;oj ij
rEg /kk[kk nu
fxj
ftudh xky vk[k rdrh jgh] g uk \
bl ,'o; dk] gj o"kk d ckn]
gj cjl] gj lnh&;xk;x]
ftUgku ej oL= Nhu

rEgkjh vkRek dk rqe ls vyx
djuk pkgk
o vc Hkh ukjkt gks gesa lc
rqeu rEgkjh pkg lh]
ge nkuks dk
rEgkjs leqn vkpy ls lEHkkyk
eqDr fd;k
[kqnk dk]
eq[krkjh lA

ek: fcgkx

nk;k dkjs ,DVs ikjs dky dkjcu
jfxLrku dh ygjs dgh nqj f{kfrt ls Vdjk jgh gS
vkj mlds ikj] ,sls [kkQuk d
vk/kh
ftlus yiV fy;k lc dN
ejk leæ] ejk fcNkuk
ejh [okfg'k dk [okc]
yiV fy;k ejk 'kcn
vc bl 'kU; dk dkls 'kkUr djs dkbl
'kk;n bl 'kU; dk tykuk gkxk
fd og dUnu cus
vk efgt th ykMyh
vk efgt th l;kjh ijkbl
vk efgt th cs[kcj dU¸;k
iFoh
ek rk[k Nk c/kk;k

dN lkeku

fjtokuy gd

ml fnu Hkh rkfyc dh ;gh gkyr Fkh] 'kke dk tc og vkfQl l ?kj igpk rk vpkud ml egll gvk fd dN lkeku [kk x;k g] ml viuh ykijokgh ij cgr xLlk vk;k] yfdu tc mlu ;kn djuk pkgk fd dku&lk lkeku [kk;k g rk dN ;kn u vk;k] bl ij ml vkj Hkh xLlk vk;kA mlu viuh tc n[kh(il] :eky vkj il ektn Fk] il e dku&dku&lh pht Fkh \ ijh fyLV rk ;kn u vk;h] yfdu ftruh Hkh pht ;kn vk;h lc ektn FkhA

og my>u e iM x;k fd dku&lk lkeku [kk;k g \ dc [kk;k \ D;k [kk;k \ ;g lkpr&lkpr ml 'kd gvk 'kk;n viuk cx Hky x;k g] yfdu ml fQj ;kn vk;k fd cx rk vkfQl y gh ugh x;k Fkk] fQj Hkh 'kd nj dju d fy; mlu vyekjh [kkyh] cx mle ektn FkkA

FkkMh nj ckn ogh loky fQj tgu e xtu yx] D;k [kk;k Fkk \ dc [kk;k Fkk \ D;k [kk;k Fkk \ mldh ij'kkuh c<rh x;h] yfdu ml dN ;kn u vk ldkA rkfyc u tc viu tgu ij cgr tkj Mkyk rk ml fnu d nk okd;kr ;kn vk,A

rkfyc vkfQl e cBk gvk Fkk fd rHkh ,d lB th vk;A mUgku vkr gh iNk]

^ckc th! ej ieUV dk D;k gvk *

^eu dy Qkby n[kh FkhA*

^rk Qkby vkx c< xb *

^lB th! vHkh rk ml dN fnu vkj n[kuk gA*

^rkfyc lkgc mle vkj D;k n[kuk g \ ml ij fpfM;k fcBkb; vkj Qkby vkx c<kb;A*

^,l dl c< tk,xh \ dgh ry&ikuh d cxj Hkh xkMh vkx c<rh g *

^vki xkMh rk vkx c<kb;] ry&ikuh dk bUrtke gk gh tk,xkA*

^okg Hkb okg! xkMh dgh ry Mkyu d okn l vkx c<rh g \ lB th! tc rd xkMh e ry ugh iM tkrk] xkMh ,d dne Hkh vkx ugh c<rhA*

^Bhd g* dgdj lB th u dN #i; fudky dj fn;A
^;g D;k \ e> pijklh le> j[kk g D;k \ lB th vxj dt lh dh rk Qkby <<r jg tkvkxA*
^fQj vki gh crk nhft,A*
^n l Qhlnh A*
^n l Qhlnh! n l Qhlnh rk cgr g,] vHkh Åij Hkh rk nuk gkxkA*
^'kek th gkr rk iUng Qhlnh l de u yr] e gh g tk bru lLr e dke dj nrk gA* lB th etcj gkdj n l Qhlnh d fglkc l #i; nr g, cky&
^vc rk ejk dke gk tk;xk *
^fcydy] lB th! vc vki cfQØ gkdj vkx dk dke djkb;] ;gk l le> yhft, Qkby vkx c< xbA*
lB th d tku d ckn rkfyc u vpkud egll fd;k fd lB ejk dN lkeku pjk y x;k gA rkfyc u vkfQl dh ,d&,d pht dk xkj l n[kk] yfdu dgh dkb pht de u fn[kh] lkjh pht ektn Fkh] og nj rd lkprk jgk lB ejk dku&lk lkeku pjk y x;k g \ dN le> e u vk;kA
nljk okd;k ; gvk fd rkfyc tc vkfQl l ?kj vku d fy, cl e lokj gvk rk cl e bruh HkhM Fkh fd ij j[ku dh txg u Fkh] mlu HkhM dk Qk;nk mBkr g, ftru dk fVdV yuk pkfg, Fkk mll de dk fVdV fy;k vkj HkhM e xe gk x;kA FkkMh nj ckn ml lhV Hkh fey x;h vkj og vkjke l lQj dju yxkA dN nj ckn ,d LVki ij igy l gh Hkjh cl e db yMfd;k vkj p<hA txg igy Hkh de Fkh] yfdu mu yMfd;k dk n[kdj ykx vkj Hkh Qydj [kM gk x;A o yMfd;k vUnj c<rh jgh vkj mud lkj vx ykxk l f?klr jgA rkfyc dk /;ku mu ij ejdt gk x;kA mue l ,d xkjh vkj [kcljr ukd&uD'k okyh yMdh lcl igy mldh fuxkgk dk ejdt cuh] yfdu vxy gh yEg mldh utj cxy e [kMh ,d lkoyh&lh yMdh ij x;h rk ml ij teh jg x;hA ; rk og cgr ekeyh ukd&uD'k dh yMdh Fkh] yfdu mld lhu d mHkkj cgr uek;k vkj deku dh rjg ru g, Fk] og mUg e[rfyQ tkfo;k l n[krk jgk vkj mle ,lk [kk;k fd ml yxu yxk fd og vHkh diM l ckgj gkdj uenkj gk tk,xA og yMfd;k ykxk l c[kcj vkil e rt&rt ckr dj jgh Fkh vkj ckj&ckj dgdgk yxkdj gl jgh FkhA
vHkh rkfyc dk LVki dN nj Fkk yfdu og viuh lhV l mB x;k vkj HkhM e yMfd;k d ikl tkdj [kMk gk x;kA vc lkoyh yMdh dk ck;k dU/kk vkj gkFk rkfyc d ftLe l Nu yxk] tc Mkboj cd yxkrk ;k cl dk rth l ekMrk rk nkuk d ftLe ijh rjg djhc vk tkr yfdu nkuk dN bl rjg [kM g, Fk fd og yMdh d ml fgLl dk ugh N ik jgk Fkk ftl og Nuk pkg jgk FkkA bld ckn og FkkMk vkx f[kld x;k vkj mldh nkfguh dguh ml fgLl d fcydy djhc igp tkrh FkhA yfdu cl dh j¶rkj ekeyh ij vkr gh nkuk d chp dk Qklyk fQj c< tkrk FkkA og frjNh utj l ckj&ckj ml fgLl dk n[kdj fQj lkeu n[ku yxrk FkkA vxyh ckj tc Mkboj u cd yxk; rk rkfyc u viuh dguh dk tkuc> dj FkkMk ihN dj fn;k

tcfd yMdh cd yxu l viu vki vkx >d x;h FkhA bl ckj nkuk d chp dh njh rdjhcu [kRe gk x;hA yfdu ml yEl dk ,glkl u gk ldkA cl fQj viuh vke j¶rkj l pyu yxhA bld ckn rkfyc u ckgj dh rjQ n[kk rk mldk LVki vku okyk FkkA yMdh d vkx tk FkkMh&lh txg FkhA rkfyc ml txg l njokt dh rjQ c<k rk rkfyc d nk, gkFk u ml yMdh d lhu d mHkkj dh xgjkb dh ijh tkp dj yhA yMdh d eg l vkokt fudyhA

^b 'k---'k---'kh---lh---*

yMdh u bld vykok dkb vkj jnn vey tkfgj ugh fd;k] rkfyc cl d njokt dh rjQ c<rk jgk vkj cl d #dr gh mrj x;kA

rkfyc tc bu nkuk okd;kr dh ;knnk'r l ckgj vk;k rk mld fnekx e ml [kk; g, lkeku d ckj e fQj l loky xtu yx] vpkud ml [;ky vk;k fd fnu d og nkuk okd;kr e> bl oDr D;k ;kn vk; \ dgh bu nkuk okd;kr dk dkb rvkYyd ml [kk, g, lkeku l rk ugh g \ og mud vkilh fj'rk d ckj e lkpu yxk vkj cgr nj rd mud flj tkMrk jgk] yfdu mud njE;ku D;k fj'rk g \ dN le> u ldkA nj rd lkpr jgu dh otg l mldk flj Hkkjh yxu yxk vkj FkkMk&FkkMk nn Hkh gku yxkA viuh bl tguh gkyr l fdlh rjg futkr iku d fy; mlu eg&gkFk /kk;k vkj ckgj gkVy ij [kkuk [kku pyk x;kA okil vkdj mlu mu lkjh ckrk dk viu tgu l fudkyk vkj lku d fy, yV x;kA FkkMh nj e uhn vk x;h rk mlu [okc n[kk fd jkr dk nljk igj g] og viu ?kj e cBk gvk g fd bru e og lB ftlu vkt lcg vkfQl e dke dju d ,ot e #i; fn; Fk mld ?kj vk;k g vkj lkFk e cl okyh yMdh yk;k g] lB yMdh dk mld goky djd pyk x;k fQj yMdh mld fcLrj ij vk x;hA

rkfyc u vk[k [kyu ij [okc d ckj e lkpk] ;g Hkh lkpk fd ;g [okc eu D;k n[kk \ ml lB l vkj D;k&D;k iku dh [okfg'k ej vUnj nch gb g \ vkj og Hkh ,d ,l dke d ,ot e] ftldh e> rU[okg Hkh feyrh gA ;k vYykg ejh [okfg'kk dk de dj n] e> bu [kkQukd [okck l futkr n] lkjh&lkjh jkr lrku oky mu lokyk l ihN NMk n vkj ej vYykg! ejk og dN lkeku tk [kk x;k g e> okil fey tk;A

yfdu FkkMh nj ckn fQj mUgh lokyk u vk ?kjkA og dku&lk lkeku Fkk \ mld flj dk nn c<rk tk jgk FkkA ckgj tkdj og FkkMh nj rd rktk gok e ?kerk jgkA dkb Qk;nk egll u gvk rk mlu ry dh 'kh'kh fudkydj flj e ry ekfy'k dju dh dkf'k'k dh] yfdu [kn l flj dh ekfy'k djr u cuhA ,l e ml viuh choh dh cgr ;kn vkb] ftl og 'kknh d rhu lky xtj tku d ckotn eukflc edku u gku vkj 'kgj dh egxh ftUnxh dh otg l u cyk ldk FkkA fQj mlu lkpk choh u lgh] n¶rj ;k egYy dk gh dkb ,lk 'k[l gkrk tk bl ef'dy oDr e dke vkrkA fQj og n¶rj vkj egYy d cgr l ykxk d ckj e lkpr&lkpr lk x;k vkj ,d nQk fQj ml [okck u tdM fy;kA

,d vkneh viu ?kj tk jgk g] jkLr e ,d tyrk gvk ?kj fn[kk fn;kA og ml utjvUnkt djd vkx c<

x;kA FkkMh nj vkx c<u ij ml vkneh dk ,d c<k fj'rnkj feykA mlu gkFk c<kdj dN ekxk] yfdu vkneh eg Qjdj vkx c< x;kA dN nj vkx c<u ij mldk ,d iMkIh fn[kk ftlu ml cpiu e viuh xkn e f[kyk;k Fkk tc mlu viuk nkeu Qykdj mll dN ekxuk pkgk rk og drjk d vkx fudy x;kA tc og viu ?kj d ckgjh xV d ikl igpk rk mlu n[kk ogk mldh ek cBh gb gA mlu dN ekxk ugh yfdu mldh vk[kk l yxkrkj vkl cg jg FkA og ml Hkh utjvUnkt djr g, xV d vUnj nkf[ky gk x;kA ?kj d ckgjh njokt d ikl gh mldh choh iMh nn l djkg jgh FkhA og vkneh mld Åij l dndj njokt k [kkyr g, vUnj pyk x;kA rkfyc u lkpk ;g vkneh dlk g \ bld fny e fdlh d fy, viukiu gh ugh gA bldk fny t:j iRFkj dk gk x;k gkxkA FkkMk vkjke dju d ckn ml vkneh u ok'kcflu d ikl tkdj gkFk&eg /kk;kA fQj tc vkneh u vkbu e viuk pgjk n[kk rk og vkneh rkfyc FkkA ;g n[kr gh rkfyc tkj&tkj l ph[ku yxkA

^ugh----- ;g e ugh g] ejk fny iRFkj dk ugh gvk g] e>----- cpkvkA*

rkfyc uhn l tkx mBkA ml ;g lkpdj cgr gjkuh gb fd tcfd e dN lkeku [kk tku dh otg l cgr ij'kkfu;k l xtj jgk g ,l e ; cekuh [okc D;k fn[k jg g] dgh ,lk rk ugh fd bu [okck dk dkb rvkYyd ml [kk; g, lkeku l gk \ mlu mu [okck vkj [kk; g, lkeku e rvkYyd ryk'k dju dh ,d ckj fQj dkf'k'k dh] yfdu dkb Qk;nk ugh gvk cfYd flj dk nn vkj c< x;kA

gkykfd og flj nn dh nok yu l ge'kk ijgt djrk Fkk D;kfd flj dk nn rk vc jkt&jkt dk elyk g vkj bu nokvk d lkbM bQDV cgr T;knk gkr gA bld ckotn nn bruk T;knk Fkk fd og viu vki dk nok [kku l jkd u ldkA nok [kku d ckn mlu lj e etcrh l ,d iVVh ck/kh vkj lku dh dkf'k'k dju yxkA yfdu fnekx e fQj ogh loky xtu yx] D;k [kk;k Fkk \ dc [kk;k Fkk \ D;k [kk;k Fkk \ vkf[kjh loky ij og >>yk x;k] tcfd ;gh ugh ekye fd D;k vkj dc [kk;k g rk D;k dk loky gh D;k ink gvk\ yfdu og D;k ij gh lkpr&lkpr lk x;k vkj ,d ckj fQj [okc dh fxfj¶r e vk x;k \

exfjc dh rjQ l cgr rt rQku pyk vk jgk FkkA rQku d vkx&vkx dkb cgr ijdf'k'k pht pyh tk jgh FkhA mldh ped&ned n[kdj ykx ml gkfly dju d fy, rQku d lkFk&lkFk crgk'kk nkM py tk jg Fk] mud ftLe ij diM cjk, uke Fk vkj og Hkh mudh 'kexkgk dk Niku dh ctk; mUg mHkkju dk dke dj jg FkA lHkh ml pednkj pht dk iku dh gol e ukpr] >er] nkMr py tk jg FkA rQku tgk&tgk l xtjrk ml bykd d ykx mle 'kkfey gkr py tkr Fk] tc og rQku rkfyc d ikl igpk rk og Hkh mle 'kkfey gk x;k vkj fcLrj l mBdj uhn dh gkyr e mUgh ykxk dh rjg ukprk&nkMrk gvk ?kj d ckgj fudy x;kA FkkMh nj pyu d ckn ml ,glkl gvk fd e rk ,d [okc n[k jgk FkkA ;gk dl vk x;k \ tc mld gk'k n#Lr g, rk fQj mUgh lokyk u ,d ckj fQj vk ?kjk vkj mu lokyk ij xkj djrk gvk og vkx c<u yxkA ejk dN lkeku [kk x;k g \ og D;k Fkk \ D;k [kk;k Fkk \ vkf[kj e> ;kn D;k ugh vk jgk g \

jkr <yrh tk jgh FkhA rkfyc fdlh vtkuh efty dh rjQ c<rk tk jgk FkkA dgk tkuk g \ vkj D;k tkuk g\ d ckj e cxj lkp] c[kkQ cl pyk tk jgk FkkA tc 'kgj l cgr nj igp x;k rk mld fny dk dN ldu feyk vkj flj dk nn Hkh de gk x;kA og yxkrkj 'kgj l ijc dh rjQ tku okyh lMd ij c<rk pyk tk jgk Fkk ;gk rd fd lcg gku yxhA tc mlu viuh utj mBkdj lkeu n[kk rk lcg dh ykfyek ml cgr Hkyh yxhA ljt cl pUn yEgk e fudyu okyk FkkA

tc og ijh rjg l viu vkidk Bhd egll dju yxk rc ml [;ky vk;k fd e rk 'kgj l cgr nj fudy vk;k gA vc e> okil pyuk pkfg, vkj ;g lkpdj og okil py iMkA yfdu vHkh FkkMh gh nj pyk Fkk fd fQj ogh loky ij'kku dju yxA vc ml egll gvk fd ejk dN lkeku fQj l [kku yxk gA vc D;k [kk;k g \ igy D;k [kk;k Fkk \ dgk [kk;k Fkk \ D;k [kk;k Fkk \ tl&tl og 'kgj dh rjQ c<rk tk jgk Fkk ; loky vkj T;knk ij'kku djr tk jg FkA mld fny dh cpuh c<rh x;hA vpkud ml ,d 'kd gvk] vxj e fQj okil 'kgj x;k rk ejk cgr udlku gk tk,xkA ;g lkpdj og 'kgj l nj ijc dh rjQ tku d fy, okil eM x;kA FkkMh nj ckn mldh cpuh de gku yxh vkj ml ldu feyu yxkA ml egll gvk fd de&l&de vc ejh ckdh pht egQt gA yfdu [kk pdh phtk d loky viuh txg dk;e jgA mlu lkpk e> ml [kk, g, lkeku dh ryk'k tkjh j[kuh pkfg,A ;g lkpdj og vkx c<rk jgk] cgr nj fudy tku ij ,d vkneh utj vk;k rk mlu iNk&

^ejk dN lkeku tk [kk x;k g tkur gk *

ml vkneh u rkfyc dk xkj l n[kk fQj tokc fn;k&

^ugh] e> rk ugh ekyeA* fQj mlu rkfyc l iNk&

^vki bl oDr dgk l vk jg g *

^'kgj l* rkfyc u cgr Hkkyiu l tokc fn;kA

^yfdu bruh lcg 'kgj l dkb cl ;k xkMh rk vkrh ugh] vki dl vk x; *

^iny vk x;kA*

;g ludj og vkneh gjr e iM x;k vkj mlu iNk&

^bruh lcg 'kgj l vku dh D;k t:jr Fkh *

^ejk dN lkeku [kk x;k g blhfy, vk x;kA vki crk nhft, og lkeku dgk gkxk *

^^tc 'kgj e [kk;k Fkk rk ogh gkxkA ;gk&dgk <<u vk x; *

^gk] gkuk rk ogh pkfg,] yfdu e> yxrk g vc og ogk ugh gA vkiu rk dgh ugh n[kk *

^e dl n[k ldrk g \ e rk dHkh 'kgj x;k Hkh ugh] yfdu ,d ckr vkiu ugh crkb] og lkeku D;k Fkk *

^gk---- og lkeku D;k Fkk *

og lkpu yxk vkj fQj bl rjg eg pyku yxk fd tcku rk py jgh Fkh] yfdu vkokt ugh fudy jgh FkhA

dN nj ckn mlu l[rh l eg cUn fd;k vkj fQj gky l ckyk&
^D;k lkeku Fkk---- ;g rk e> ;kn gh ughA vki crk nhft, og dku&lk lkeku Fkk *
ml vkneh u ,d ckj fQj rkfyc dk Åij l uhp rd gjr Hkjh utjk l ?kjdj n[kk vkj ml ikxy le>dj dkb tokc fn; cxj vkx c< x;kA rkfyc u fQj ihN l ph[k dj dgk&
^Hkkb lkgc! crk nhft,] cMh egjckuh gkxhA ugh crk,x \---- py x,---- pyk dkb ckr ugh--- yfdu vki dgk tk jg g] 'kgj er tkuk ugh rk vkidk Hkh og lkeku [kk tk,xkA*
rkfyc fQj vkx c<u yxkA FkkMh nj ckn ml cMh rt my>u gb vkj mu lokyk dk nkjk&lk iMkA D;k [kk;k Fkk \ dgk [kk;k Fkk \ D;k [kk;k Fkk \ n¶rj e [kk;k Fkk \ cl e [kk;k Fkk \ [okck e [kk;k Fkk \ lkj loky mld fnekx e ,l xtu yx tl flj ij gFkkM py jg gkA og ftruk gh lkprk mldh gkyr fcxMrh tk jgh FkhA /khj&/khj mld gkFk&ij <hy iMu yx vkj og cgk'k gk x;kA
tc ml gk'k vk;k rk fnu dkQh chr pdk FkkA rfc;r dN lHkyh rk ml Hk[k dk ,glkl gvk] yfdu ogk ml ohjku e [kku dk D;k feyrk \ og vkx c<rk jgk vkj vkf[kjdkj ,d dLc e tk igpkA ogk mlu ,d vkneh l [kku dk loky fd;k&
^Hkkb lkgc! e cgr Hk[kk g] dN [kku dk feyxk *
^;gk dkb gkVy ugh gA*
^?kj rk g *
^dgk l vk; gk *
^'kgj lA*
^;gk fdl fy, vk; gk *
^ejk dN lkeku [kk x;k gA*
^dku&lk lkeku *
^;kn ugh---- e> [kkuk n nk] cgr Hk[k yxh gA*
^vPNk ;g crkvk fdl tkfr d gk *
^tkfr *---- og rk e> ekye ugh---- vkj [kku l tkfr dk D;k rvkYyd *
dN vkj ykx djhc vk x;A mue l ,d u dgk&
^dl vkneh gk \ rEg viuh tkfr Hkh ugh ekye \ vPNk ;g crkvk rEgkjk uke D;k g *
^uke \ ejk uke----- rkfyc gA*
^elyeku gk *
mue l ,d vkneh ckyk vkj og lc vkil e ljxk'kh dju yx fQj ,d vkneh lcdk [kkek'k djr g, ckyk&
^tekuk Bhd ugh gA ;g t:j dkb cg:fi;k gA bldk Bgjkuk ;k [kkuk nuk Bhd u gkxkA*

nlj u dgk& ^bldk tYn l tYn dLc l ckgj fudky nuk pkfg,A*
fQj ,d u dgk&
^lh/k py tkvk] vkx lYrkukckn iMxk] ogk elyeku jgr gA og ykx rEg t:j [kkuk f[kyk nxA*
^ugh Hkkb] [kkuk rk ge f[kyk gh nuk pkfg,A* ,d 'k[l cky iMkA
rkfyc u ,d ckj fQj viuh ckr nkgjkb&
^cgr Hk[k yxh g] tYnh l [kkuk f[kyk nk *
^ugh ;g vkneh cgr jgL;e; yx jgk g] ge Qkju ifyl dk [kcj djuh pkfg,A*
,d 'k[l ckyk&
^dgh ;g vkb-,l-vkb- ,t.V u gk *
^vj ugh Hkkb ,lk dN ugh g] cpkj dh fnekxh gkyr Bhd ugh g vkj re ykx ml u tku D;k&D;k cuk, n jg gkA* ,d ctx u enkf[kyr dhA
vkf[kjdkj mu ykxk u Qlyk fd;k fd bl lYrkukckn tku fn;k tk;A ogk elyeku bl [kkuk f[kyk nxA
rkfyc ukmEehn gkdj lYrkukckn py iMkA vc mu lkj lokyk dh vkokt /kheh iM x;h Fkh vkj Hk[k dk loky mu ij xkfyc vk x;k FkkA Hk[k vkj l;kl l fu<ky rkfyc tl gh lYrkukckn d djhc igpk] ,d njkxk u ftld lkFk dN flikgh Hkh Fk] rkfyc dk jkdr g, iNk&
^,] rEgkjk D;k uke g *
^rkfycA*
^dgk tk jg gk *
^lYrkukckn A*
^D;k *
^Hk[k yxh gA*
^'kgj l vk;; gk *
^gkA*
^rk lYrkukckn D;k tk jg gk \ n[kk >B er ckyuk] e> lc ekye gk x;k gA*
^ejk dN lkeku [kk x;k g] e> Hk[k yxh gA*
^vPNk!---- rk re lYrkukckn blfy, tk jg gk fd rEg Hk[k yxh g vkj blfy, Hkh fd 'kgj e rEgkjk dN lkeku [kk x;k Fkk og ogk feyxkA gk----gk--- ,lh ckr cukdj e> mYy cukuk pkgr gk \ e> rk igy gh 'kd gvk Fkk fd ;g vkneh vkb-,l-vkb- ,t.V gA viu vkidk cgr 'kkfrj le>r gk] Fkku pyk] tgk nk M.M iM lkjh gkf'k;kjh gok gk tk,xhA*
njkxk rkfyc dk Fkku dh rjQ y pykA jkLr Hkj rkfyc [kku dh jV yxk, jgkA yfdu njkxk u ml dh ,d u

luhA rkfyc u nk ,d ckj [kk; g, lkeku d ckj e Hkh iNk yfdu ogk tokc dku nrk \ njkxk u Fkku igpr gh Fkkunkj l dgk&
^lkgc e[kfcj u cgr iDdh [kcj nh Fkh] cgr cMh dke;kch feyh gA ;g vkneh vkb-,l-vkb- ,t.V g] lkyk ikxy cuu dh ukVdh dj jgk FkkA*
Fkkunkj u iNk] ^D;k uke g bldk *
^rkfycA* njkxk u tokc fn;kA
Fkkunkj u dN lkpdj dgk] ^vj ugh njkxk th] ;g vkb-,l-vkb- ,t.V ugh cfYd xyke dkfnj xi dk vkneh g] blh u rk fnu'k 'kDyk dk dRy fd;k FkkA*
vpkud rkfyc cky iMk] ^Fkkunkj th! e> lYrkukckn tku nk] e> Hk[k yxh g] e> [kkuk pkfg,A*
njkxk u dgk] ^lkgc! ;g cgr nj l [kkuk ekx jgk gA*
^Bhd g] ;g vkneh rk cM dke dk g] tkvk bld [kku dk bUrtke dj nk] fQj bld ckj e ckr d:xkA*
njkxk ckgj pyk x;kA mld tkr gh Fkkunkj u lkpk fd fnu'k 'kDyk dk dRy g, nk eghu gk pd g] yfdu vHkh rd mld dkfryk dk dkb ljkx ugh fey ldk g] og ,e-,y-,- jke tl 'kDy dk vkneh FkkA mUgku dRy dk bYtke lkfcd ,e-,y-,- ij yxk;k FkkA fiNyh ckj tc og Fkku vk; Fk rk /kedh n x; Fk vxj ,d eghu d vUnj dkfry fxj¶rkj ugh gvk rk e rEgkjk VkUlQj ugh djkÅxk] cfYd onh mrjok nxk vkj mldh igp gke fefuLVj rd gA ;g lkpdj Fkkunkj u Qlyk dj fy;k fd njkxk pkg dN Hkh dg] vc rkfyc dk fnu'k 'kDyk d dRy e gh ty Hktuk gA
rkfyc tc [kkuk [kk pdk rk ifyl dh ckrk l cijokg gkdj fQj mUgh lokyk d ckj e lkpu yxkA njkxk d vku d ckn Fkkunkj u nhoku dk cykr g, dgk&
^nhoku lkgc] rkfyc d f[kykQ nQk rhu lk nk yxkdj bldk pkyku dj nkA*
^ugh lkgc] ;g vkb-,l-vkb- dk ,t.V g] bl ikVk e vUnj djuk gA*
^ugh nhoku lkgc] Fkkunkj e g] e tk dgrk g ogh djkA*
^lkgc] bl idMk rk eu gh gA*
^re le>r ugh gk] vkj gk! ,d ckr ;kn j[kuk] fnu'k 'kDyk dl e re Hkh Ql ldr gkA*
^ugh lkgc] og dl gy gk tk;xk] yfdu lkgc e fiNy iUng cjlk l njkxkfxjh ij f?kl jgk g---- lkgc e> bl dl e iek'ku fey tku nhft,A*
^ejh ukdjh [krj e g vkj rEg iek'ku dh yxh gA*
^lkgc ;g dl e> n nhft,] fQj e vkidk dl Hkh gy dju dh dkf'k'k d:xkA*
mu nkuk e cgl pyrh jgh] rkfyc dk i'kkc dh gktr egll gb vkj og mBdj py fn;kA fdlh u mldh rjQ/;ku ugh fn;k] tc og i'kkc?kj l fudyk rk ml [kk, g, lkeku dh fQj ;kn vk;h] mlu lkpk yxrk

g og lkeku cgr dherh Fkk] yfdu og Fkk D;k \ [kk;k dc Fkk \ vkj D;k [kk;k Fkk \ dN Hkh gk e> og lkeku ftruh tYnh gk ld ryk'k dj yuk pkfg,] bUgh lkpk e xe og Fkku l ckgj fudy x;kA ;gk rd fd 'kke gk x;hA fQj mlu lkpk ljt Mcu l igy e> og lkeku t:j ryk'k dj yuk pkfg,A ;g lkpdj mlu viuh j¶rkj c<k nh] fQj rdjhcu nkMu yxkA mld fny dh /kMdu c<rh tk jgh FkhA vkf[kjdkj og ijh rkdr l nkMu yxk] ml vpkud Bkdj yxh vkj og fxj iMk] flj e pkV yxh vkj og cgk'k gk x;kA

og cgr nj rd ogh cgk'k iMk jgkA chp&chp e ,d vk/k ckj FkkMk&FkkMk gk'k vk;k Hkh rk mlh rjg ml vU/kjh lulku txg ij iMk jgkA tc ml ijh rjg l gk'k vk;k rk pkn fNiu okyk Fkk vkj lcg gku d Hkh dN&dN vklkj utj vku yx FkA ml fQj l ml [kk; g, lkeku dh ;kn vk;hA mlu lkpk ml [kk; g, lkeku dk vc dgk ryk'k d: \ lkpr&lkpr vpkud ml cpiu dh ;kn vkbA cpiu e tc Hkh dkb pht [kkrh Fkh rk ml pht dk mlh txg l ryk'k djrk FkkA tgk l pyuk 'k: djrk FkkA jkLr e og pht dgh u dgh t:j fey tkrh FkhA

bruk ;kn vkr gh og lkpu yxk fd eu pyuk dgk l 'k: fd;k Fkk \ 'kgj l \---- dLc l \---- xko l \ ----- txy l \----- gk---gk---- txy gh l rk 'k: fd;k FkkA ;g [;ky vkr gh rkfyc viuk lkeku ryk'k dju txy dh rjQ py fn;kA cgr nj rd pyu d ckn lkeu txy utj vk;kA ljt fudy pdk Fkk] yfdu mldh ,d Hkh fdj.k ml rd ugh igp jgh Fkh D;kfd txy u mu fdjuk dk jkd j[kk FkkA og txy d vU/kj vkj [kkQtnk dju oky jkLr dk n[kdj ?kcjk x;kA mlu lkpk D;k ml lkeku d fy, e> bruk yEck lQj fQj l r; djuk iMxk \ ugh e ,lk ugh dj ldrkA og lkeku pkg ftruk dherh gk] yfdu ,lk Hkh D;k Fkk fd mld fy, txy l 'kgj rd dk lQj fQj nkgjk;k tk; \ u tku fdruk oDr yxA ml lkeku d fy, 'kgj dh jkud] ped&ned vkj vkjke dk NkMdj txy&txy HkVduk codQh gkxh vkj fQj og dkb lkeku gh rk Fkk] dN Hkh gkA tc t:jr iMxh cktkj l [kjhn ykÅxkA FkkMk egxk gh lghA ;g lkpdj rkfyc okil viu 'kgj dk ykV x;kA

tUei=h

'kfeyk ckgjk tkyku

vkg! ;g D;k!
jk?ko d i<u d dej e ijk vkdk'k mrj vk;k gA et ij] ogk dku e tk fdrkck dk [kkuk g ogk ij lc txg ckny i l j iM gA
jk?ko fopfyr! viuh fdrkck] dye] ifUlyk dk <<rk gvkA
mldh c'k mldk duokl\
mldh og dfork dh fdrkcA dN Hkh ugh fn[k jgkA ;g D;k gvk\
ek! ek!
ufUnuh u tku dgk g\
;g f[kMdh dl [kyh\
jk?ko d bl dej dh f[kMdh fdlu [kkyh\
ek d vykok dkb ;gk ugh vkrkA
jk?ko vkj ufUnuhA
ek cVA
nk çk.kh clA bl ?kj eA gk ?kj g ;gA
jk?ko pkng dk fiNy eghu gk pdkA Bhd g mldh pht crjrhc&lh jgrh gA dgk feyrk g <<u ij Hkh dkb lkekuA
ij
feyrk rk g
dHkhA
vkj bu cknyk d dkj.k vc ugh feyxk dHkh HkhA
vkg! yhy fy;k bu cknyk uA

dgk jgh ufUnuh dN eghuk l olh tlh gvk djrh FkhA
igy jk?ko fnuk ugh ugkrkA ufUnuh Vkdrh jgrh ihN iMh jgrhA ugk yk cVkA ugkuk pkfg,A vj] B.M g rk D;k\ xje ikuh Hkh rk gA
jk?ko ek dh ckr lu dgrk ckj&ckj er ckykA ej db nkLr tkM e g¶rk ugh ugkrA bl ckj ufUnuh u lpep ugh dgkA
jk?ko vueuk&lk ?ke jgkA ek u dgk ugh\ ^bl ckj* dN eghuk l py jgk gA
jk?ko d Ldy l vkr gh ufUnuh dh vk[k ped tk;k djrh FkhA
vk x;!
jk?ko dgrk vkg eEeh vc rEgkj ç'uk dh >Mh yx tk,xhA Ldy e D;k gvk---A
ij ufUnuh u vkt ugh iNkA
;g ^vkt* db fnuk&eghuk l xFkk vkt gA
iNuk vPNk dgk yxrk Fkk jk?ko dkA vkj ugh iNuk\
^vkg*!
;g vkg igy og iNk djrh Fkh mld fy, g\
;k vktdy dN eghuk l tk ugh iN jgh mld fy,A
vktdy jk?ko pipki ugk yrkA
ufUnuh n[k yrh pipkiA
jk?ko vkj ufUnuh
ufUnuh vkj jk?ko
D;k ; g vkdk'k vkj i{kh\
;k ehu vkj leUnj!
ek vkj cVkA
cVk vkj ekA
vPNk u yxuk] vPNk yxuk gh FkkA
jk?ko pi gk x;kA
ij og ckyrk dc FkkA
ikp o"k dk Fkk rc og tc ufUnuh gjh'k l vyx gkdj jgu yxh FkhA
jk?ko u ckyuk cUn dj fn;k FkkA
ufUnuh ckyrhA
ml cyoku dh dkf'k'k djrhA

gk] og ckyrk& ^vkg*! ^vPNk*A ^D;k*A ^D;k*A ^ugh*A ^gk*A
bruk gh ftruk t:jh gkrkA
ij mruk ugh ftruk mld vUnj dk ckgj fn[kk nA ckgj lc dN ckgj FkkA jk?ko vUnj thrk FkkA
jk?ko d jx ckyr Fk dkxt ijA
ml v{kj cukr 'kCn Mk;jh eA
jk?ko pkng o"k dk FkkA
ij Mk;jh duokl vkj dkxt ij ufUnuh dk leo;LdA vMrhl dh Fkh ufUnuhA rk og Hkh mru dk ghA
ufUnuh u ml ckgj dh ckr le>k;h FkhA
og le> x;k FkkA
og le> x;k Fkk fd gjh'k dh lxfr vPNh ughA cgr ihu yx gA
ogk thou ughA
gk firk d ?kj e thou ughA
vkj ;gk\
bl ?kj e! ukuk d---A
fdrkc] c'k] jx] plihA
fdlh d nk Hkkb&cgu gkr rk jk?ko ml cPp dk cgr pko l n[krkA fdrkc [kky i<u cB tkrk ij eu e
db Hkkb&cguk l Hkjk f[kyf[kykrk ?kj rju yxrkA
[kyuk :BukA
gB] fpjkjhA
vkg! ek u dgk firk d ?kj e thou ugh] vkj ;gk\
vkg!
ufUnuh gh lc dNA
og ckyrhA jk?ko pi
pi gkuk] pi gkuk dgk Fkk\
ek Fkh ml plih eA
eN vku yxh Fkh jk?ko dA
foKku dh fdrkcA thou foKku dhA jgL; vukor djrhA L=h&i#"k ngA
LQj.k] dEiu]
tUe---A
jk?ko ?k.Vk nhokj dk n[krk jgrkA dHkh dN lkprk vkj dHkh dNA

nhokj ij db jxA vk–fr curh&feVrhA mu jxk l g l h curhA curh f[kyf[kykgVA
jk?ko dk ?kj cPpk dh g l h l Hkj tkrkA nhokj l fudy cPp m l d vkl&ikl nkMu yxrA og mud lkFk
[kyrk Nok /k0okyA ijk ?kj xedu yxrkA dkuk&dkuk gjk gk tkrkA
g l h l ygjkrk] ?kjA
ij /khj&/khj cPp nhokjk e leku yxr vkj u tku dgk xe gk tkrA
jk?ko [kMk gk tkrkA dej e pDdj yxku yxrkA ugh vHkh rk m l vkj [kyuk FkkA
NkVk g ogA cPpk! cpiu l eu ugh HkjkA
ij nhokj e jx&:i cnyu yxrA
vkj m l dh ng HkhA
m l dh ng u Hkh :i cnyuk 'k: dj fn;k FkkA eghuk&eghuk igyA
jk?ko ni.k d lkeu [kM gk viuh Vh 'kV mrkjrkA fQj cfu;kuA
cxyk e gYd jk,A
ykvj gVkrk] ukfHk d uhp gYd jk,---A
tho foKku dh fdrkcA
ng e LQj.kA
jk?ko cpiu l ufUnuh d ikl lkrkA
ufUnuh d lkFkA
ufUnuh m l fpidk dj lykrhA
Hkhp yrh FkhA
nkuk ,d&nlj ij iM] yn] ek cVA
,d&nlj dh xU/k eA
Lufgy Li'k eA
okRlY; dh Nko eA
ij vc og db eghuk l] 'kk;n lky Hkj l nlj dej e lku yxk FkkA dHkh&dHkh nkuk ,d gh dej e lk
tkrA vyx&vyx dkuk ijA
Ldy l vku d ckn jk?ko nkigj dk ufUnuh dk <<rkA
tk m l viu gkFkk l eugkj dj [kkuk f[kyk;A g l rh] NMrh lUnj&lh ufUnuhA
vktdy dgk g l rh\
gj nkigj jk?ko d i<u oky dej dh f[kMdh [kky vkdk'k n[krh jgrhA
jk?ko ufUnuh dk n[krk jgrkA

Mk;jh vkj dye ydj cB tkrkA fy[krk&
^ek re D;k n[krh gk\
ek ; ddgjk n[kkA
tk reu i<k;kA
ej jke&jke e 0;kdj.k] rel vk;kA
ek ; jg jx
bul cukvk fp=A
ek rEg bdrkjk il Un
ctkvk fç; /kuA
ek rkj fxjr g rEgkjh vk[kk l
eg l >jr v{kjA
ek fdl eu d eku"k dk
<<rh gk re\
ek ejk&rEgkj nk[k ,d
ek dfork e re
dfork fn[krh gkA
jxk e u;k jxA
lxhr e vfpUgh /ku]
ek re D;k n[krh gk*
jk?ko eu gh eu dfork cukrkA
jk?ko dh vk[k ek dh vk[k cu tkrhA
ufUnuh dh vk[k jk?ko dh
nk vkj nk vk[k feydj pkj vk[k
t l pkj i[kfM;kA
mue l;kl
mue vk'k
mue lkUn;
mue j l
mue leUnj
leUnj e curh vk–fr

ckny yr dkb : i
pkMk lhukA yykV efLr"d
i#"k dh ngA
ek cknyk dk n[k jghA
dku g\
jk?ko ek dk n[krkA
ek ml iMkl e jgu okyh tkfeuh nhnh yxrhA
tkfeuh nhnh!
lUnj! lMky] ygjkrh] thou l HkjhA
vk[kk e gjflxkjA
xky ij 'khr dh vkl dh cnA
ckyk e ekxjk dh lxU/kA
ufUnuh tkfeuh nhnh gk tkrhA
tkfeuh nhnh ufUnuhA
tkfeuh nhnh dHkh Hkh vdy ?kj ugh vkrh FkhA vk'krk"k nk d lkFk vkrhA
'kk;n C;kg dj yA
ij ufUnuh ge'kk vdyA
gjh'k d ;gk l tc l vkb dkb
ml ckyk dk lgykrk ughA dkb ml dU/k ij gkFk j[krk ughA
mldh g lh dk dkb v tfy e Hkjrk ughA
jk?ko ufUnuh dk n[krk
ufUnuh jk?ko dkA
ek pi gA
jk?ko pi gA
jk?ko pi gh gkrk FkkA
ij ek! ek ugh!
ek dk gkuk ek dh plih e lek x;kA yhy fy;k ml ckny uA
jk?ko dh et] 'kYQ ij ckny ilj x, g] ; vkr&tkr cknyA ; : i cnyr cknyA u; : i&jx vkdkj e
<yr cknyA u; jx vkj Lokn e ckny A
ufUnuh tYnh&tYnh crjrhc l iMh iLrdk] c'kk] jxk dk lEHkkyrh] mBkrh] l tkrhA

jk?ko vko'k e lkj lkeku mBk&mBk dj Qdu yxrkA ufUnuh d#.kk Hkjh vk[kk l dgrh ugh er djk ,lkA
lc fNu tk,xkA bu cknyk dk jgu nk ;gkA ufUnuh mf}Xu gk tkrh] ij mld vUnj d gkgkdkj dk dku
lu ikrk\ og nlj dej e pyh tkrhA
jk?ko n[krk cknyk l tk :i] vk–fr cuh Fkh] tk mldh et ij iljh Fkh og feV xb] jk?ko dki tkrkA
vkg!
ufUnuh dh vk[kk l >jrk >jukA
jk?ko dh vk[kk l cgrk >jukA
nkuk dh vk[kk l >jrk lc dNA
lc dN e foyhuA Quk gk x;kA
ufUnuh lEHkkyrh Lo;a dk] dgrh] ugk yk cVkA B.M g rk D;k xje ikuh l ugk ykA
[kk yk cVkA Hk[k ugh g rk D;k FkkMk&lk [kk ykA
ufUnuh dk dguk iNuk eugkj djukA
jk?ko dk mldk iNuk vPNk ugh yxuk] mle g mldk ^gkuk*
ufUnuh ykV vkbA
ufUnuh e jk?ko
jk?ko e ufUnuhA
nkuk lk tkr gA
,d xíkA nk fdukjk ij o nkA
ufUnuh dk gkFk jk?ko d yykV ijA
jk?ko dh vk[k ckny ijA
ckny e tkfeuh vkj vk'krk"k nkA
jk?ko dh ng e LQj.k
jk?ko ufUnuh dk gkFk yykV l gVk djA
mB dj cB tkrkA
ufUnuh lk jghA yx jgk lk jghA
irk ugh lk jgh ;k tkx jghA
ufUnuh d vkl&ikl fc[kjk g VV fc[kj cknyk dk B.MkiuA mle Hkhxrh&Mcrh&VVrh mldh ngA leUnj l
ckgj j[kh ehu tUe d.Myh e D;k g\
jk?ko iNrk g ek dgk g rEgkjh tUei=hA

कमलेश : एक भिन्न तरह के कवि

भगवान सिंह

भिन्न तरह के कवि से हमारा आशय छोटा या बड़ा से नहीं है, पर एकरसता को भंग करने वाली कविता से अवश्य है। सच कहें तो कमलेश मेरे प्रिय कवि रहे ही नहीं हैं। उनकी कविताओं को समझने में मुझे कठिनाई होती रही है। मेरी समझ में ही कुछ खोट है, क्योंकि कठिनाई कमलेश के मामले में ही नहीं रही है। एक समय में मुक्तिबोध, शमशेर, त्रिलोचन और नागार्जुन जैसे कवियों की कविताओं के सौन्दर्य को पहचानने लिए भी मुझे संघर्ष करना पड़ा । सभी के साथ कठिनाई का रूप अलग रहा है। कमलेश को निकट से जानने के बाद भी यही समस्या आड़े आती रही है। बात १९६८ की होगी, जब उन्होंने मुदित भाव से, उसी दिन लिखी एक कविता सुनाई जिसकी पहली पंक्ति थी, 'रानी के सिर पर मोमबत्तियों का ताज।'

कमलेश तब लोहियावादी समाजवादी थे और उन दिनों इन्दिरा गाँधी का अपना संक्रान्ति काल चल रहा था। १९६७ में लोहिया-सूत्र के परिणामस्वरूप कई राज्यों में पहली बार गैरकांग्रेसी सरकारें आ चुकी थीं। कामराज को मोहरा बना कर सत्ता में आई गूँगी गुड़िया उनके इशारों पर चलने को तैयार नहीं थी और दूसरे धाकड़ों की तरह वह भी निस्तेज हो गए थे। भीतरी खींचतान चरम पर था। अतः यह कविता उन पर ही लगी। जो भाव समझ में आया वह यह कि ताज तो सिर पर है, पर है यह पिघलती मोमबत्तियों का। ये स्वयं जलकर तुम्हें भी जला देंगी। मैंने अपना मन्तव्य प्रकट किया तो वह मुस्कराने लगे। वह नकार में भी मुस्करा सकते हैं और सहमति में भी, पर आशय का संचार हो जाता है। मैंने पूछा, फिर इसका अर्थ क्या है? उन्होंने अपने उत्तर से चौंका दिया, 'कविता का अर्थ नहीं होता।'

कुछ अजीब लगा, क्योंकि मैं उस समय तक यह समझता था कि जिसका अर्थ नहीं है वह व्याकरण के नियम से भी व्यर्थ है। स्याह या सफेद । द्वयं वा इदं न तृतीयमस्ति - सत् या असत्, तीसरी कोई स्थिति नहीं; या यदि है तो निःसत्व है 'नपुंसके तृतीयेति भणिते पाणिनेरपि।' मेरा ध्यान इस ओर गया ही नहीं कि यह किसी प्रिया के जन्मदिन पर लिखी गई कविता भी हो सकती है। उसका नाम या प्रसंग प्रकट न होने पाये इसलिए भी कवि झूठ का सहारा ले सकता है।

होना तो यह चाहिए था कि मैं कमलेश का मजाक उड़ाता, परन्तु उस समय तो कमलेश के अपने से अधिक ज्ञान का ऐसा आतंक था कि मान लेता था कमलेश कहते हैं तो ठीक ही होगा। कविता का अर्थ नहीं होता होगा। संभव है जिस

कविता को अर्थ से शून्य कथन मान रहे हैं, वह अनुभव या बोध के किसी भिन्न क्षण में एक गहन कविता बन जाये। हो सकता है मुझमें कविता की समझ ही न हो। इसका विस्तार हुआ तो बात पूरे साहित्य की नासमझी तक जाकर रुकी। फिर सोचा कि जिसकी समझ नहीं उस पर सिर क्या मारना! फिर भी सम्पादकों के तकादों के बाद अपने अज्ञान को छिपाकर जो समझ में आया उसे लिखता भी रहा और मानता भी रहा कि मेरी नासमझी का बुरा असर रचनाकार पर न पड़े। कमलेश को तो मैंने उसके बाद पढ़ना ही छोड़ दिया था। 'बसाव' की कविताओं को उलटते-पलटते मुझे लगा इन कविताओं को मैं समझता भी हूँ और उस सौन्दर्यशास्त्र का व्याख्याता मुझसे अच्छा कोई हो ही नहीं सकता क्योंकि वह मानसिक पर्यावरण का जिससे ये कविताएँ निकली हैं, उससे मैं अपेक्षाकृत अधिक परिचित हूँ। इस समय तक मैं रैखिक बोध से भी मुक्त हो चुका था जिसमें कथ्य का अर्थ केवल वही होता है जिसे व्यक्त करने का किसी व्यक्ति द्वारा उस पद का प्रयोग किया गया हो। वक्ता के सिरे से विचार करें तो यह सही भी है, परन्तु यदि उसका आशय प्रयुक्त वाक्य में उतर नहीं पाया, उसका इतर अर्थ निकलता हो या इतर अर्थ भी निकाला जा सकता हो तो ? रचना व्यक्त हो जाने के बाद रचनाकार से मुक्त एक स्वतन्त्र अस्तित्व ग्रहण कर लेती है। उसमें प्रयुक्त शब्द-बन्ध के जितने भी आशय हो सकते हैं, वे सभी समान रूप से सही हैं और कुछ आशय ऐसे भी हो सकते हैं जिन तक किसी की पहुँच हो ही न पाई हो, वे आगे किन्हीं दूसरे पाठकों को या हमें ही किसी दूसरी मनोदशा में सूझ सकते हैं। इसी से पाठक की अपने समय, परिस्थिति और मनोदशा के अनुसार किसी रचना के अर्थ बदलते रहते हैं या उनकी प्रखरता में अन्तर आता रहता है। इन भिन्न आशयों के कारण जिनका रचनाकार को गुमान तक न था, वह रचना पाठक की अपनी भावना का उद्‌गार या कहें उसकी अपनी कविता बन जाती है। पद-विन्यास कवि का भले हो कविता उसकी भी है। उर्दू में दूसरों की पंक्तियों को सीधे या मामूली भेद से अपनी कविता में प्रयोग करने की एक परम्परा-सी रही है। अन्यथा भी हमारी व्याख्या में कुछ ऐसी बातें भी हो सकती हैं जो रचनाकार के मन में रही ही न हों, पर शब्द-बन्ध से वह आशय निकलता है तो इसके लिए रचनाकार की सहमति आवश्यक नहीं। सच कहें तो किसी आशय या किसी अनुभूति की प्रखरता का अनिवार्य सम्बन्ध भी रचना से सदा नहीं होता। कई बार शब्दक्रीड़ा से एक ऐसा वेधक पद कवि को बाँध लेता है या अनायास उभर आई एक पंक्ति रचनाकार पर हावी हो जाती है और अपने अनुरूप मनोवेग पैदा करके एक पूरी कविता बन जाती है। इस बोध ने मुझे उस ग्रन्थि से मुक्ति देने में सहायता की थी और यह भी एक कारण था कि मैं इन कविताओं पर कुछ कहने का मन बना सका।

कमलेश की कविताओं की दुर्बोधता का प्रधान कारण यह है कि वह साधारणता में भी भिन्न लगती है। अनुभूति के स्तर पर भी, काव्यबबोध के स्तर पर भी और अभिव्यक्ति के स्तर पर भी। यह कुछ दूर तक उनके 'स्व-भाव' से जुड़ा प्रश्न है। उनका एक आत्मचित्र :

मैं तो बचपन से ही ऐसा था। मेरी प्रतिक्रियाएँ भी धीमी थीं/ उत्तर देने में समय लगता था/ गिनती गिनते हुए बीच में भूल जाता था।/ मैं इतना-सा था/ तब भी भोंदू था/ जैसे इस फोटू में/ जो e.Mu के समय खींचा गया था, विन्ध्याचल के मेले में।/ सिर पर न टोपी फबती/ न पाँव में पैताबा/साटन का कोट भी उधारी का लगता था।... राह पर पड़े पत्थर से टकराता/ मैं तो इसी तरह / लड़खड़ाता, गिरता, उठता/ बड़ा हुआ था। जैसा आज भी हूँ/

बिल्कुल भोंदू/ मैं तो भदेस था।

इस कविता में जिसे 'भदेस' का शीर्षक दिया गया है, सब कुछ मात्र इस बोध तक सीमित हो सकता है कि पूरी उम्र गुजर गई, इतना पढ़ा-लिखा, घूमा, भटका और फिर भी वही, पूर्वांचल के एक भदेस का भोंदू राम ही बना रह गया, जैसा बचपन में था - यही जाना कि कुछ न जाना हाय सो भी इक उम्र में हुआ मालूम। यदि यह मात्र इतना ही हो तो भी यह बहुत अच्छी रचना मानी जाएगी। भाषा, शिल्प और अन्तर्वस्तु तीनों दृष्टियों से, परन्तु यदि आप हिन्दी साहित्य के पिछले साठ वर्षों के इतिहास पर दृष्टि डालें जिसमें नई कविता, अकविता, श्मशानी कविता, नवगीत आदि जाने कितने बहानों से और जानें किन-किन संगठनों से जुड़कर जल्दी से जल्दी ख्याति पाने की आपाधापी थी और अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए व्यग्र कवियों की भीड़ को देखें, जिसका अन्त 'कुछ न पाना था कुछ न पाया हाय' के व्यर्थताबोध में होता रहा तो यह सीधी-सादी कविता एक व्यंग्य रचना में बदल जाएगी, दर्पोक्ति में भी। तब आपको पूरे हिन्दी लेखन को अपनी मुट्ठी में करने के विश्वास वाले आलोचकों की यह विडंबनापूर्ण स्वीकारोक्ति भी याद आ जाएगी कि साहित्यकार को कोई नहीं पूछता। जो साहित्यकार साहित्य को ही नहीं पूछता हो, खेमा पूछता हो, उसे कौन पूछेगा?

अब सिर की टोपी, पैताबा और साटन के कोट के उधारी का लगना और पर से ओढ़ी-पहनी किसी का न फबना, भोंदू से दीखने वाले, विन्ध्याचल में e.Mu कराने वाले चित्र, टकराने, गिरने में नई सांकेतिकता झलकने लगेगी। अब वही कविता जो पहली नज़र में बहुत इकहरी और कलात्मकता से रहित दिखाई देती थी, एक नया और गहन अर्थ पा लेती है जिसे ग़ालिब ने 'सादगी ओ' पुरकारी, बेखुदी ओ' हुशियारी' कहा था।

अधिकांश दुर्बोध प्रतीत होने वाले कवियों की दुर्बोधता भाषा के सिरे से आरम्भ होती है और उनकी अपने ढंग की यह भाषा उनके 'स्व-भाव' का अंग होती है। सहजलभ्य नहीं, इसे अपने अन्तस् के अनुरूप गढ़ने का आयास कलात्मक युक्तियाँ आजमाने की कवायद से भी अधिक कठिन होता है और यह भी एक कारण है कि ऐसे कवि परिमाण में बहुत अधिक नहीं लिख पाते। कहें, प्रतीयमान रूप में जो भाषा की दुर्बोधता दिखाई देती है वह मनोरचना की भिन्नता और अभिव्यक्ति को उसके अनुरूप ढालने या अधिकाधिक निकट बनाने के प्रयत्न से जुड़ी होती है। कमलेश की 'कोना' शीर्षक की एक कविता का एक अंश हैः

बाज़ार से लुककर/ भीड़ से छिपकर/ कारखानों से बचकर/ मशीनों को भुलाकर।
इस छोटे से कोने में/ सबसे अलग, सबसे छिपकर/ शब्द जागते हैं प्रेम में बँधे हुए।
यह मेरी बोली है।

इसमें प्रयुक्त प्रत्येक बीज शब्द 'बाजार', 'भीड़', 'कारखाना', 'मशीन', 'कोना' उसी तरह की सांकेतिकता से जुड़े हैं जिनका हवाला हम ऊपर दे आए हैं। पुरानी टीका और भाष्य की शैली अपना कर कहूँ तोः

बाज़ार = आज की भाषा, आज का मुहावरा, वह जिसका चलन है, जिससे भिन्न मुहावरे को भाव मिल ही नहीं सकता।

भीड़ = जैसा सभी लिखते हैं वैसा, आन्दोलन का हिस्सा।

कारखाना = विचारधाराओं और संगठनों के विचार और मुहावरे।

मशीन = टकसाली, गढ़े हुए, खोखले और एकरस प्रयोग।

कोना = सामान्य जनों की उपेक्षित परन्तु जीवन्त, मनोज्ञ और संवेद्य भाषा।

पर ये अर्थ तो मेरे हैं, हो सकता है कवि ने कुछ और सोचा हो या आप इससे भिन्न कुछ और सोचें, परन्तु यह तो मानना ही होगा कि विभिन्न रूपों में जिस तरह हमारी साहित्यिक भाषा को भी नष्ट किया और जन सामान्य से दूर किया गया है उसके प्रति प्रखर विद्रोह - नहीं, विद्रोह इस मिजाज के अनुरूप नहीं है, असहमति, इस कविता में दर्ज है। ध्यान देने की बात यह कि अर्थ पर यह बल संवेद्यता की कीमत पर ही हो सकता है। कविता और इस दृष्टि से कोई रचना बौद्धिक संचार न होकर रागात्मक संचार होता है। कविता का अनुवाद करते समय हमारा ध्यान उसी अर्थ वाले इष्ट भाषा के शब्दों पर होता है और इसके कारण ही कुछ लोगों का विचार है, अनुवाद मूल रचना का सत्यानाश है। व्याख्या और भाष्य के विषय में भी यही कहा जा सकता है।

इन दो तथ्यों को समझ लेने के बाद कमलेश की कविता जो पहली नज़र में बेअसर और कुछ सपाट-सी लगती है एक नई प्राणवत्ता पा लेती है। एक नये तरह के प्रयोग में बदल जाती है जिसमें प्रयोग तो है पर ध्यानाकर्षण की चेष्टा नहीं।

संग्रह का शीर्षक 'बसाव' है, पर इसकी अधिकांश कविताएँ उस नष्ट हो रही और नष्ट की जा रही रक्षणीय थाती की पीड़ा से भरी हैं जिसके हम मूक और विवश साक्षी रहे हैं। इसका प्रधान स्वर 'बिछोह' या नोस्टैल्जिया का है। एक लम्बी दूरी से अपने को और अपने अतीत को देखना और कुछ क्षणों के लिए उसमें खो जाना। जो न रहा, बचाया न जा सका, जो करना था, किसी कारण किया न जा सका उसके अवसाद में खो जाना और फिर जो बचा रह गया है उसे बचाने या जो खाली रह गया है उसे भरने की व्यग्रता का रूप ले लेता है।

अतः छूट उन स्वजनों के मोह की आकुलता से जिनका उचित प्रतिदान वह उचित समय पर और अभीष्ट रूप में न दे सके उनके लिए भी इसमें स्थान है। अधिक से अधिक सामाजिक होने या बनने की चिन्ता में हम अपनी निजता तक को भूल चुके थे। कमलेश की निजता भी उस सामाजिकता का ही हिस्सा है। अपने को ही नहीं अपनों को भी विषय बनाकर अनायासता से रची इतनी सघन अनुभूति की कविताएँ कम लोगों ने लिखी हैं। अध्ययन कम है इसलिए दूसरे भक्त कवियों के बाद निराला का ही ध्यान आ पाता है। त्रिलोचन में यह निजता 'मैं' में बदल जाती है और शमशेर तो इतने पर्दे अपनी अनुभूतियों पर डाल लेते थे कि वह प्रेमिका का स्पर्श करने की जगह प्रेमिका ने जिसे स्पर्श किया है उसे ही स्पर्श करके स्पर्शानुभूति पा लेते थे। इसकी ओर एक बार शरारतन ध्यान केदार ने दिलाया था और देखा तो यह सच था। इस अन्तरण को प्रतीक प्रेम 'फीटिश' कहते हैं। कमलेश की कविताओं में पिता, पितर, भाई, माँ अपने-अपने सहज स्नेहिल व्यवहार के साथ उपस्थित मिलते हैं। जीवित न रहते हुए भी जीवंत।

और इसी के साथ जुड़ी है उजड़ते को बचाने, रिक्त को भरने, बचे की पवित्रता और महिमा को स्वीकार करते हुए उसे पुनः स्थापित करने की उत्कंठा । अन्तर्वस्तु, शिल्प, काव्यविषय और भाषा आदि के पेचीदे सवाल इनसे इस हद

तक जुड़े हैं कि मैंने इस संग्रह को उलट-पलट कर देख रहे अपने एक मित्र से जो अच्छी शायरी भी करते हैं, पूछा कैसी लगी? उत्तर मिला, 'कुछ लगी होती तो बिना तुम्हारे पूछे ही बताता।' फिर मैंने कहा, इसे इस तरह पढ़ो, लिहाज़ा मैंने दुबारा पढ़ा और इस बार मैंने यह पूछना ज़रूरी नहीं समझा कि कैसी लगी। सहमत होते तो स्वयं बताते। ऐसा क्या है और क्यों है कि कविता पढ़ने और लिखने वाले एक व्यक्ति को किसी कविता में कुछ नहीं मिलता, या कहें कविता उसके पल्ले नहीं पड़ती और दूसरे व्यक्ति को वह एक विलक्षण प्रयोग प्रतीत होती है। मेरे मित्र के हर एक शेर में सवासेर होता है, क्रान्ति का जज़्बा, आगे बढ़ने और दुनिया को आगे बढ़ाने की बेचैनी। इरादे उचित क्षणों में उचित मुहावरा पा लेने के बाद कविता बन जाते हैं। हम लम्बे अरसे से इसी लफ्फाजी के अभ्यस्त रहे हैं । कविता में क्रान्ति जीवन में समझौतों का सिलसिला। बहुत पवित्र और महान इरादों से हमने बिना कुछ सिरजे कितना कुछ नष्ट किया है इसका बोध तक नहीं। फिर भी यह बोध होने लगा है कि कविता कवि-दरबार तक सीमित होकर रह गई है और रचनाकार की सामाजिक हैसियत टुकड़खोरो की जमात की बनती चली गई है। पुरस्कारों में वृद्धि के अनुपात में ही रचनाकार का जादू भी बिखरता चला गया है।

अतः जब हम कविता के सन्दर्भ में काम चलाकर रूप में अर्थ की बात करते हैं तो आशय संवेदनात्मक संचार से होता है। कुछ कविताएँ ऐसी भी हो सकती हैं जिनका संचार या रागात्मक प्रभाव किसी संगीत या चित्र या नृत्य की तरह उनकी समग्रता में निहित हो। टुकड़ों में उन पर बात करना उनके साथ अन्याय लगे। कमलेश की अनेक कविताएँ ऐसी ही हैं। धरती की जैव, वानस्पतिक और भौतिक सम्पदा का जिसमें जल और वायु तक आते हैं जितनी निर्ममता से दोहन किया गया है और जिस गति से दोहन किया जाने लगा है, सर्वनाशी हथियारों का जमाव तो जमाव करने वालों को भी आतंकित रखता है। इस अतर्क्यता पर चिन्ता किसी न किसी रूप में अनेक संवेदनशील लोगों ने प्रकट की है। इस विक्षिप्तता को मूर्खता कहकर इसकी भर्त्सना की जा सकती है। हथियारों को कमलेश विज्ञान के नाम पर चल रहे बचकानापन और इसके पीछे बदहवासों की भीड़ को शिशुवत अबोध बताते हैं और बच्चों को नादानी करते देखकर उनको नसीहत देने वाली सादगी 'भंगुर' में देखी जा सकती हैः

> मुट्ठी में लें इसे/ मीड़ें/ गूँथें/ मरोड़ें/ लोई बनायें। ...सब कुछ करें/ सँभालें इसे/ यह टूटे नहीं/ यह भंगुर है/ यह जीवन है।

कमलेश की ऐसी ही एक अन्य कविता है 'पर्यावरण' :

> इस वन में कितने मनुष्य रहेंगे/कितने हिरण/ कितने बाघ ...मनुष्य रहेंगे उच्छिन्न हो कर वन के बाहर/ हिरण अटकेंगे वन के बाहर/ बाघ वन के बाहर बस्ती में/ भटकेंगे ।
>
> पक्षी उड़ते ही रहेंगे / एक पेड़ पर बसेरे की खोज़ में।
>
> बाघ और हिरण/ एक घाट प्यास बुझाएँगे/ वन के बाहर!
>
> इस वन में / इतने ही/ मनुष्य रहेंगे/ इस आकाश में इतने ही पक्षी उड़ेंगे।

इस त्रासदी की इससे अधिक मार्मिक अभिव्यक्ति इस सहजता को त्याग कर, विदग्ध, आविष्ट या वाचाल मुहावरों में हो सकती है क्या? कभी पन्त ने कामना की थी 'तू वहन कर सके जन-मन में मेरे विचार/ वाणी तुझको चाहिए और

क्या अलंकार।' यह अकेले उनकी बात नहीं है, 'जिस तरह मैं बोलता हूँ उस तरह तू लिख/ और उसके बाद भी मुझसे बड़ा तू दिख।' और 'मौन मधु हो जाय' ये भवानी भाई के हों या निराला के, परन्तु कविता का उत्कर्ष शब्दाडम्बर, वाचालता, अलंकृति और वक्रता की ललक के उलट और मुखरता से वाचिक संयम और मौन के निकटतर पहुँचने वाली अभिव्यक्ति की उनकी कामना में व्यक्त होता है। भाषा की वह लम्बी साधना जिसमें प्रदर्शनप्रियता तिरोहित हो जाती है, कवि और भावक के बीच का अन्तराल मिट-सा जाता है या कहें दोनों में एक सख्य कायम हो जाता है, इसे उन दौरों में समझ और समझा पाना कठिन होता है जहाँ अधिक से अधिक, कम से कम आयास से, कम से कम समय में पाने की आतुरता संचार को शोर में बदल देती है।

कमलेश की राजनीतिक कविताओं का तेवर भी हमारे परिचित कवियों से भिन्न है। 'कहता है' किसी अवश विवश व्यक्ति के किसी अभिन्न से संलाप की शैली में लिखी गई इस पर ध्यान दें तो व्यंग्य का पैनापन और दावों का खोखलापन और उसका एक बड़े छद्म से जुड़ाव सामने आ जाएगा, परन्तु हम लम्बे अरसे से पके हुए सौन्दर्यबोध के आदी हो चुके हैं जो पकी हुई लकड़ी की तरह मजबूत बहुत है, पर उस रस के प्रवाह से वंचित जो वृक्ष की छाल के भीतर के कोमल तन्तुजाल से होकर केशिका से पत्ती और फूल तक प्रवाहित होता है। इसकी ओर कितने पाठकों का ध्यान जा पाएगा इसका भरोसा नहीं :

> कहता है-/ दुर्ग यह विजित कर लेना है/ सिर सबके धड़ से अलग कर देना है/ वृद्ध-बालक, नारी-नर कोई नहीं अपवाद ।
>
> कहता है-/ नगर ध्वस्त होगा, जानेगा, देखेगा, हमारा दण्ड,/ पूरा विश्व, ईंटों से होगा नया निर्माण भविष्य में, अभी होगा सँहार।
>
> कहता है - / सत्ता-दुनाली बन्दूक से/ दुनाली देख कर घर-घर कर देने को तैयार/ दुनाली देख भारी थैले देते घराने, व्यापारी ।
>
> कहता है - / अपने पक्षधर हर जगह उपस्थित हैं/ संसद में, सभाओं में, थानों में, न्यायालयों में / पत्र-पत्रिकाओं में, टी.वी. चैनलों में।....

कमलेश आधुनिक कवि नहीं हैं - उस अर्थ में आधुनिक नहीं हैं जिसमें यह बोध काम करता है कि जो नष्ट कर दिया गया वह प्रगति में बाधक था, उसे नष्ट होना ही था, उसका बना रहना प्रगति विरोधी था। - वह उस आधुनिकता के कवि हैं जो इस बदहवासी में नष्ट की जा चुकी सार्वभौम सम्पदाओं के उस अंश को बचा न पाने की असावधानी पर ग्लानि में व्यक्त होती हैं, किसी भी युक्ति से सर्वदा के लिए नष्ट हो या किए जा चुके को पुनर्जीवित करना चाहती है, विलुप्त होने के कगार पर आ चुके प्राणियों, समुदायों, संस्कृतियों, व्यवहारों, भाषाओं को बचाने की छटपटाहट अनुभव करती है। इस बोध के बिना पिण्डदान के तर्पण के जादुई प्रभाव को सौन्दर्य विधान का अंग बनाकर देवों-पितरों के अनुस्मरण पर उनकी कविता को समझा नहीं जा सकता :

कुल देव तृप्त हों/ गो गणेश तृप्त हों/ वसुरूप तृप्त हों/ पंचशिख तृप्त हों/ वासुकी तृप्त हों/ मित्रवरुण तृप्त हों/ देवगण तृप्त हों... अन्न से तृप्त हों/ दुग्ध से तृप्त हों/ दधि से तृप्त हों/ मधु से तृप्त हों/ अर्घ्य से तृप्त हों...

^firjk*] ^vkdk'kokfl;k* blh rjg dh dfork, gA bl dfork e dN =fV;k gA ftl dfork dh ; ifDr;k g] mldk 'kh"kd g ^mRrj dh gok,*A mRrj dh gok, nf{k.k dh fn'kk e tkrh g vkj nf{k.k dh gok, mRrj dh vkjA ey;x/k ydj Hkh vkj ij Hkkjr dk Li'k djrh gb HkhA nf{k.k firjk dh fn'kk Hkh g] firjk d vkºoku d vu:iA ijUr ;kn vkrk g ,d ckj bl rjg dh pd ijokb d lUnHk e vK; th l Hkh gb FkhA

dey'k d eu dh ,d dld viu firk d vkj lHkor% ekrk d Hkh vfUre {k.kk e mud ikl u jg iku dh jgh g vkj ;g mudh vud dforkvk e 0;Dr gb gA ^firk 'kkUr cB Fk* e lUnHk fQj Hkh idM e ugh vkrkA dey'k fd'kkjkoLFkk e gh dHkh ?kj NkMdj fnYyh igp x, Fk] lHkor% #"V gkdj] ;k L;kr dkb vU; /k"Vrk gb gkA ij ;g g ejk vueku gh--- mudh nf"V Fkh f{kfrt ijA e fdruh lhek, yk?k x;k Fkk@ vckyk e D;k&D;k cky x;k Fkk@ vkRek e Hkj vk;k Fkk ,lk vKkuA@ e Mj x;k Fkk fcu mud vkxr Hkfo"; lA@ firk fdu&fdu vk[kk l n[k jg Fk@ e Mjk&lgek [kMk FkkA cgr de dfo;k l l/k ikrh g ,lh Hkk"kkA firk vkj ekrk ij ,dkf/kd dfork, gA ,d ,lh gh dfork ek d Lej.k e ^ekfyJh* g%

<;k<h d lkeu ekfyJh dk iM FkkA@ frfFk;k ij lk> g,] Fkky fy,@ ek vkrh@ eu gh eu dN cncnkrh] nh; tykrhA@ ,d eukrh cV d fy,&@ ,d eukrh cVh d fy,&@ ek d eu e ikFkuk, gh ikFkuk, FkhA@ nh; tyr jgr nj jkr e---@ lcg Fkky Hkjk gkrk ekfyJh d Qyk lA --- geu lkfgR;kykpu e dN ,l 'kCnk dk Hkj fy;k g tk gFkkM dk dke djr gA dfg, ixfr'khy] vkx dgu dk dN cprk ughA lgh gku d fy, bruk gh dkQh gA dfg, ifrxkeh] ;gk Hkh vkx lkpu dk dN cprk ughA ;fn dkb dey'k dh dforkvk dk ifrxkeh dguk pkg rk ml dkQh dN fey tk;xk bu dforkvk eA ml deY;kdu e fdlh dk dN u feyxkA ixfr ogk gkrh g tgk dkb xUr0; gkrk g] chp d iMko Hkh gkr gA lkUn; dk dkb xUr0; ugh gkrk] og cl gkrk g rk ifjHkk"kk d fcuk Hkh igpku e vk tkrk gA dfork e xfr gk ldrh g] ixfr gk rk ifj;kr d fy, mi;kxh gkxhA dfork ykL; g bld xfr dh fn'kk ugh Hkxh gkrh gA dey'k dh dforkvk d lUnHk e ;g rF; lo= mtkxj gkrk g f'kYi l tgk f'kdk;r gk ogk HkhA db ckj yxrk g dey'k u eDr NUn l gh vkjEHk fd;k NUnc) jpuk dHkh dh gh ugh] ;|fi ;g [kVdk ,d&nk LFkyk ij gh yxrk gA

किसी भी दिन अपना झोला उठा हम यहाँ से चल देंगे...

ध्रुव शुक्ल

कवि कमलेश से मेरी पहचान उनकी पहली कविता पुस्तक -- जरत्कारु -- पढ़कर हुई । उनसे यह पहचान बीसवीं सदी के आठवें दशक की शुरुआत में अशोक वाजपेयी ने करवायी । उनके सम्पादन में प्रकाशित पहचान सीरीज़ ने हमारा परिचय हिन्दी के अनेक उदीयमान कवियों से भी करवाया जिनमें कुछ खेत रहे और कुछ हमारे काम भी आये। इसी दशक की शुरुआत में हम सागर विश्वविद्यालय में दाखिल हुए । सातवें दशक के अन्तिम वर्षों में शुरू हुए छात्र आन्दोलन भी उन दिनों चल ही रहे थे । सामाजिक और राजनीतिक समता के लिए जागरूक मित्र रघु ठाकर के पड़ौस में ही मेरा घर था । उन दिनों वे छात्रों के प्रिय नेता भी रहे । सागर में समाजवादी विचार और आन्दोलन के प्रति इतनी जागरूकता थी कि वह इस शहर में सत्ता का एकमात्र स्थायी प्रतिपक्ष था । उस समय मेरी मित्र मण्डली में रमेशदत्त दुबे , गोविन्द द्विवेदी , मुकेश वर्मा , नवीन सागर , मदन सोनी , अनिल वाजपेयी और ब्रजेश कठिल आदि थे ।

हम जब भी किसी मित्र से पूछते कि इन दिनों कमलेश कहाँ हैं तो उत्तर मिलता कि वे प्रतिपक्ष में हैं । प्रतिपक्ष जॉर्ज फर्नांडीज़ द्वारा स्थापित समाचार पत्र था जो दिल्ली से प्रकाशित हुआ और कवि कमलेश उसके सम्पादन से जुड़े । इस समाचार पत्र का प्रसार सागर जैसे छोटे शहरों तक था । प्रतिपक्ष की आवाज़ इतनी प्रामाणिक थी कि सबको सुनाई देती थी । हैदराबाद से प्रकाशित साहित्य की पत्रिका कल्पना से भी कमलेश का नाता जुड़ गया ।

कवि कमलेश आधुनिक हिन्दी साहित्यकारों के बीच एक प्रामाणिक आवाज़ के रूप में ही जाने जाते रहे हैं । 1983 में उनसे पहली मुलाकात भोपाल में हुई जब हम चार कवि मित्रों -- ध्रुव शुक्ल , उदयन वाजपेयी , राजेन्द्र धोड़पकर और संजीव क्षितिज की कविताओं का संचयन -- होना शुरू होना -- मदन सोनी के सम्पादन में प्रकाशित हुआ । इस किताब के लोकार्पण समारोह में कमलेश की उपस्थिति हम मित्रों का गौरव बढ़ा रही थी । वह एक शानदार आयोजन था । भारत भवन में किताब का विमोचन करने कवि कुँवर नारायण आये ।

प्रसन्नचित्त कमलेश से पहली मुलाकात में ही लगा कि वे कम बोलते हैं और अज्ञात कारणों से मन ही मन मुस्कुराया

करते हैं । पर जब दूसरे दिन इधर की दुनिया-इधर की कविता पर भारत भवन में ही दो दिन परिसम्वाद हुआ जिसमें नेमिचन्द्र जैन , नामवर सिंह , कुँवरनारायण , रघुवीर सहाय , अशोक वाजपेयी और कमलेश शामिल हुए , उस परिसम्वाद में पहले ही दिन हमने कमलेश को सुना ।मुझे लगा कि हम चार नये कवियों का ख़याल रखते हुए ही उन्होंने अपनी बात इस प्रश्न से शुरू की -- आगन्तुक पीढ़ियों के प्रति उन लोगों का क्या रुख हो सकता है जो इन पीढ़ियों से कहीं जुड़े हुए हैं । उन्होंने अज्ञेय की कविता -- आ तू आ -- और भावी पीढ़ी के बारे में नागार्जुन की कविता का उल्लेख करते हुए ब्रेख़्त की कविता को भी याद किया। ब्रेख़्त के देश के ही एक कवि बुर्ड वार्गमान उन्हें याद आये जिन्होंने ब्रेख़्त से पूछा था कि ब्रेख़्त जिसकी तुम्हें आशा नहीं थी उन्हीं मूल्यों को भौतिक जीवन के उपादानों की ओर त्यागकर भागने का कार्य , इतिहास के उपादानों के साथ जुड़कर मानसिक दासता , सामाजिक दासता , बौध्दिक दासता -- हर तरह की दासता को स्वीकार करने का कार्य , वही नयी पीढ़ियाँ कर रही हैं, ऐसा क्यों ?

उसी दिन की बातचीत के आखिर में कमलेश ने ही हमें यह याद दिलाया कि आत्मज्ञान और विश्वज्ञान के संघर्ष के बिना कभी भी कोई महत्वपूर्ण सृजन नहीं हो सकता ।उन्होंने चेताया कि हम एक साम्राज्यवादी और सांस्कृतिक दबाव में इस रूप में रह रहे हैं कि वह हमें हमारे आत्मज्ञान से विचलित करते हुए विपथगामी बना रहा है और हमारे विश्वज्ञान को दिग्भ्रमित कर रहा है । ये सारे शब्द , उनकी जो भी आंटोलॅाजिकल वेल्यूज़ हों , एक खास एपेस्टिमॉलॉजिकल मिल्यू से जन्में हैं और उनके ट्रेसेज लिए हुए हैं । जब तक हम इन्हें अस्वीकार नहीं कर पाते , हम खुद, जो हमारी विशिष्ट स्थितियाँ हैं उनके सन्दर्भ में इन विशिष्ट पदों को परिभाषित नहीं करते, तब तक हम अकाल मृत्यु की ओर बढ़ते रहेंगे । एक आधुनिक व्यास की तरह कमलेश ने कहा कि ये शब्द मैं बार-बार दुहरा रहा हूँ , क्योंकि हम लोग पिछली और पता नहीं कितनी शताब्दियों से लगातार एक मृतप्राय स्थिति की ओर जा रहे हैं , जहाँ सोचने की भी शक्ति हममें नहीं बची रह गयी है ।

उन्होंने फिर प्रश्न उठाते हुए कहा कि यथार्थ को हम क्यों नहीं समझ पाते हैं क्योंकि हम जिन दो बिन्दुओं से उसको हमेशा पकड़ने की कोशिश करते हैं -- रोमेंटिसिज़्म और रियेलिज़्म या क्लेसिसिज़्म और मॉर्डनिज़्म -- जब इन्हीं पदों या दो वर्गों के रूप में हम उसे देखते हैं तो वह हमारी पकड़ में नहीं आ सकता । प्रकृति में ही वो सातत्य है जो कि हमारे विच्छिन्न जगत को कुछ अर्थ प्रदान कर सकता है ।उसमें उस शून्य की गरिमा को ला सकता है, जिसके माध्यम से हम अपने को समझ सकते हैं कि क्या है यह जीवन , क्या है यह विश्व !

अन्त में नामवर सिंह ने अपने स्वभाव के अनुरूप यह बातचीत समाप्त करवाने में यह कहकर सफलता पा ली कि हर अच्छी चीज़ का अन्त होता ही है और होना चाहिए । पर हमारे लिए तो यह अच्छी शुरुआत थी और फिर हमने कमलेश से कभी मुँह नहीं मोड़ा ।

आधुनिक हिन्दी साहित्य के परिसर में कमलेश की कविता की तलाश एक अच्छी शुरुआत की तरह ही पहचानी गयी और सबसे पहले जिसकी आहट अशोक वाजपेयी ने सुनी और उस कविता में बसे स्वायत्त काव्य संसार को पहचानकर उसका परिचय हमसे करवाया । दुर्भाग्य से हिन्दी की साहित्यिक बिरादरी में कुछ लोग ऐसे भी हैं जो हर

अच्छी शुरुआत के प्रति ईर्ष्या से भरकर शीघ्र ही उसका अन्त करने की और सफल न होने पर उस देने के लिए परदा डाले रहने की कुटिल रणनीतियाँ बनाया करते हैं । उन्हें ज्ञान और संवेदन से भरपूर जीवन अपनी वैचारिक प्रतिबध्दताओं के कारण दुश्मन का इलाका नज़र आता है । कमलेश बार-बार अपने निर्मम एकान्त से बाहर आकर इन विचार विमूढ़ लोगों का सामना करते रहे।वे साहित्य बिरादरी में स्थायी प्रतिपक्ष थे ।

यायावर और ज्ञान-पिपासु कमलेश का जीवन पौराणिक ऋषि जरत्कारु के स्वभाव से कुछ तो मिलता-जुलता था । जहाँ किसी एक बची रह गयी जड़ के सहारे पितर नीचे मुँह करके गड्ढे में लटक रहे हैं। यह अधकटी जड़ ही जरत्कारु है और एक दिन काल उसे भी कुतर डालेगा । कमलेश की कविता 'जरत्कारु' याद आती है --

एक कुएँ में लटक रहे थे सब पितर
बरगद की जड़ें पकड़े
पाँवों में बँधा हुआ शिलाओं का भार था
सहारे-सूत्र चूहे काटते जा रहे थे हर पल
अथाह गर्त में गिरने की नियति थी सिर पर

कौन-से पुरखे लटक रहे थे जड़ों से ?
-- यह प्रश्न इसी कविता में पूछा गया है । कमलेश की कविता में रास्ता पुरखों को खोजते हुए ही बनता है । उनकी कविता में बसाव ही बसाव है -- पृथ्वी पर , देवलोक में कहीं पितरों का बसाव है -- जब किया जाता है उनका आह्वान ,वे सोचने लगते हैं कि किस घर चलें ,किस नदी तट गाँव चलें , किस वंशज की पुकार सुनें और कमलेश मृतकों को पुकारते हैं ,उनकी पुकार सुनते हैं , उनके अधिकार खोजते हैं जो हमारी स्मृति में ओझल हैं । वे उनका ऋण चुकाना चाहते हैं ।
कमलेश उन बिरले कवियों में रहे हैं जो देवों , ऋषियों और पितरों के प्रति ऋणी हैं । वे कविता रचते हुए यह कभी नहीं भूलते कि उनकी कविता का शील और सौन्दर्य इनके ऋणों को चुकाये बिना बचाया नहीं जा सकता । उनके तीनों कविता संग्रह-- जरत्कारु , खुले में आवास और बसाव में संकलित कविताएँ देवों , ऋषियों और पितरों के आवाहन की भूमि पर ही रची गयी हैं ।कवि कमलेश को गोपीनाथ कविराज याद दिलाते हैं कि ऋषि ऋणशोधन से ज्ञानधारा की और पितृ ऋणशोधन से सत्ताधारा की रक्षा होती है लेकिन कहीं भी मातृ ऋणशोधन का उल्लेख नहीं मिलता -- तब व्याकुल कमलेश को घेरने लगती है घर-आँगन में बिखरती लोबान की गंध -- आँगन पर उठ रहे लोबान के धूम वलय लुप्त हो रहे हैं आकाश में -- अपने जन्म की याद आ रही है --

धुएँ की लकीर-सा दुःख यह@ फैल रहा है आकाश में कहाँ से निकलता है यह /kVk
कौन-सा स्थान है वह हृदय में जहाँ आग धधक कर बन रही राख।

गोर किस दिलजले की है ये फलक
शोला इक सुब्ह याँ से उठता है ।
कमलेश की यह कविता पढ़ते हुए मीर की याद आती है --
-- देख तो दिल कि जाँ से उठता है
ये धुआँ-सा कहाँ से उठता है

पोटली भरम की

खुले में आवास खोजते कवि कमलेश अपनी कविताओं में जब अपने ही भरम की पोटली खोलते हैं तो पाते हैं कि -- संकट इतना सरल नहीं जितना शब्दों में लगता है , संसार तो कहीं कोसों दूर जटिल विकलता है । वे अपनी एक कविता में आत्मालोचन करते हैं -- तुमने शुरू से ही कुछ धारणाएँ पालीं आत्मा के सतत परिशोधन की , सत्ता की गन्ध से बिदकने की , शायद वे गलत थीं , शायद वे सही थीं और तुमने उन धारणाओं का आचरण किया तो तुम्हारा स्व सिमटा , तुम्हारे अधिकार सिमटे तुम्हारे कर्म का क्षेत्र सीमित हुआ , तुमने इंकार किया दूसरों पर धौंस जमाने से तो दूसरों ने तुम पर धौंस जमायी , तुमने अविश्वास किया शक्ति के मानकों का तो शक्ति के मानकों ने तुमसे बदला लिया ,कोई भी स्वर्ग नहीं उतरा भू पर , इनसानी रिश्तों से मासूमियत गयी... कमलेश से जब भी मिलने का अवसर आया तो हर बार लगा कि जैसे वे किसी की प्रतीक्षा कर रहे हैं । वे राममनोहर लोहिया का सान्निध्य पाकर किसी बड़े सामाजिक परिवर्तन की प्रतीक्षा तो कर ही रहे थे और यह देख पा रहे थे कि -- अगला कदम किस ओर रखें यह किसी के लिए भी साफ नहीं । वे लोग जो सत्ता के बाग-बागीचों में अपने-अपने मन के वृक्ष चुनकर उनकी छाया में अपने आसन जमा चुके थे मैंने अक्सर उनके बीच किसी अकेली-सी कुर्सी पर एक चुप अजनबी की तरह कमलेश को देखा है । वे सबको बहुत उम्मीद के साथ सुनते थे पर जब ना-उम्मीदी हाथ लगती तो गहरे मौन से बाहर आकर अपने होने को प्रमाणित करते । जो लोग उनकी ज्ञान सामर्थ्य से परिचित थे फिर उन्हें ही कुछ देर चुप रहना पड़ता । कमलेश के होते हुए भी ओट में छिपे रहने के कई कारण रहे होंगे पर मेरी दृष्टि में उनका ज्ञानवान होना मुख्य कारण था ।

परम्परा से विच्छिन्न वामपंथी आधुनिकों के बीच कमलेश को जनसंघी कहकर उनका अनादर किया जाता रहा । कमलेश का यह अनादर होते हुए हमने उसी परिसम्वाद में देखा जिसमें हम पहली बार उन्हें सुन रहे थे । उन्होंने नामवर सिंह को टोकते हुए यह याद दिलाया कि एक जमाने में जर्मनी में एक खास पार्टी , जर्मनी की हर समस्या को, एक नाम दे दिया करती थी । जब पश्चिम और भारतीय इस तरह के द्वन्द्वों की चर्चा हो या उल्लेख हो तो उसे जनसंघी कह देना भी उसी तरह की मनोवृत्ति का परिचायक है।

साहित्यिक और राजनीतिक बिरादरी के बीच अपने में खोये कमलेश अक्सर कहीं गुम हो जाया करते । कभी महीनों और एकाध बार तो कुछ बरस उनसे मिलना ही नहीं हुआ । उनके लापता होते ही उनके बारे में कई तरह के किस्से

गढ़े जाने लगते । वे पढ़ने के प्रति जितने जागरूक थे , अपने लिखे हुए के प्रति उनमें उतना लगाव नहीं था । वे उसे सहेजकर भी नहीं रख पाते थे । कभी ज़रूरत पड़ने पर अपने लिखे हुए को पुरानी पत्रिकाओं और मित्रों के संग्रह में खोजते फिरते थे ।

जब कभी ज़्यादा अकेले हो जाते तो अपने आपको अपने भाग्य में खोजने लगते । उन्हें अनेक विषयों की तरह ज्योतिष में भी रुचि थी । जब उन्हें पता चला कि मैं भी ज्योतिषी का पौत्र हूँ और फलित ज्योतिष में कुछ दखल रखता हूँ तो उन्होंने निर्मल वर्मा के घर में अपनी जन्मकुण्डली मुझे दिखाई । यह 1983 की बात है जब निर्मल वर्मा और गगन गिल कुछ समय के लिए किसी फैलोशिप के सिलसिले में हार्वर्ड विश्वविद्यालय गये और अपना करोलबाग का घर कमलेश के भरोसे छोड़ गये। मैंने खुश होकर उनसे कहा कि आप पचहत्तर पार कर जायेंगे। पर यह सुनकर उन्हें कोई प्रसन्नता नहीं हुई । कहने लगे बहुत सारी आयु मिलने से क्या होता है, यह देखिए कि सर्जना, राजनीति और व्यवसाय में क्या सम्भावना है। पर मैं उनसे क्या कहता -- उनकी जन्मकुण्डली में कोई ग्रह अपनी धूमिल आभा के कारण, कोई आपसी प्रीति के अभाव में और कोई एक-दूसरे के प्रति अनुकूल दृष्टि न होने से कमलेश को अकेला छोड़ देने के लिए अभिशप्त थे। बस, आयु साथ थी ओर बीत रही थी --

किसी भी दिन अपना झोला उठा हम यहाँ से चल देंगे
रोकेंगी शायद अंधेरे में पुराने शहर की टेढ़ी-मेढ़ी गलियाँ
... एक दिन परमात्मा के यहाँ चलने वाला यह विशाल पंखा चलते-चलते रुक जायेगा
हवा के झौंके से खिड़की के पल्ले खटाक्-खटाक् खुलकर हमें चौंकाएंगे नहीं
फिर कभी खिड़की के बाहर शहतूत पर बैठी हुई पीली चोंचों वाली पुरानी पहचान की किलहट
वैसे ही डाल पर जम जायेगी और हम अपना चोगा उठा वहाँ से भी चल देंगे
कोई भी हमें द्वार तक विदा करने आयेगा नहीं ...

कमलेश अक्सर बोलने के पहले एक गहरी साँस लेते जैसे बोलने का स्रोत खोल रहे हों । कभी वाक्य को आधा ही छोड़ देते और कभी तो एकाध शब्द से काम चलाने की कोशिश करते । जो लोग उनकी इन कथन भंगिमाओं से अपरिचित होते उन्हें कमलेश की उपस्थिति कुछ आश्चर्य से भरती रहती । पर जो मित्र उनके निकट और उनके ज्ञानपथों के साक्षी रहे हैं उन्हें कमलेश की इन कूट अभिव्यक्तियों को ग्रहण करने में कोई कठिनाई नहीं हुई । विचार प्रवाह में अपनी नौका डालने का उनका यही तरीका था और फिर वे बह निकलते ।वे दुनिया में फैली दुष्टताओं के इतिहास को अच्छी तरह से जानते थे ।विचारधाराओं का क्रूर-कुटिल रूप उनसे छिपा नहीं था । वे धर्म-अधर्म विवेक को धारण करते थे । वे विचार और विधर्म के पाखण्ड को तार-तार कर सकते थे ।

जहाँ उन्हें सदाशयता दिखाई पड़ती थी वहाँ उन्होंने अपने आत्मीय मित्रों को भी टोकने में संकोच नहीं किया क्योंकि वे चाहते थे कि मित्रों के श्रेष्ठ कर्म दीर्घजीवी स्थायित्व प्राप्त करें । तभी तो वे अपने कवि- संस्कृतिकर्मी मित्र अशोक वाजपेयी से कह सके कि -- ऐसी संकल्प शक्ति , इतना मनोयोग , इतने संसाधनों का संयोजन और इतनी प्रबन्ध

क्षमता का परिणाम अपेक्षाकृत अधिक स्थायी होना चाहिए । इतने विशाल संयोजन के जरिये कुछ ऐसा विरचित होना चाहिए जो अनुपस्थितों के लाभ के लिए अवशिष्ट रह सके । वह ऐसा वस्तुवत् और मूर्त हो जिसे लोग दृष्ट और स्पर्श कर सकें । जिसका तेज कई पीढ़ियों तक लोगों की चेतना को प्रकाशित करता रहे । कमलेश हमें अपनी कविता में याद दिला गये हैं--

तुम शताब्दियों पीछे छोड़ आये हो अपनी भूमि
भाषा में अजनबी शब्दों की बहुतायत है इस समय शब्द भी तुम्हें मजबूर करते हैं अनावृत्त करने को अपना नंगा हाल
भूलने को सम्पदाएँ प्रकृति की

श्रीकान्त वर्मा और कमलेश की मित्रता जगजाहिर रही है । दोनों कवि होने के नाते ही नहीं अपनी राजनैतिक भूमिकाओं के कारण भी एक-दूसरे के निकट रहे हैं। दोनों यह भलीभाँति अनुभव करते रहे कि मनुष्य नियतिवश परतन्त्र ही है । दोनों की कविताएँ इसका गहरा प्रमाण देती हैं । पर राजनीतिक सरोकारों के रहते वे मुक्ति और स्वतंत्रता के प्रश्नों पर भी पूर्व और पश्चिम के सन्दर्भ में निरन्तर विचार करते रहे । श्रीकान्त वर्मा ने तो कमलेश की ही एक कविता का उदाहरण देते हुए यह कहना चाहा है कि -- एक भारतीय कवि अपनी नियति को इन दोनों ही स्तरों पर परखने की और परिभाषित करने की दोहरी ज़िम्मेदारी लेता है। वह दोनों में से किसी एक से पलायन नहीं कर सकता । उसका संशय पश्चिमी लेखक के संशय से कहीं ज्यादा गहरा है ।कमलेश अपनी कविता में इसे यों कहते हैं --

धिक्कारता खुद को निहारता चारों ओर पाता हूँ
सारे सुख मेरे शरीर के कीड़ा बनकर चूसने लगे हैं इस देह को
चीरकर कोई आना चाहता है बाहर
पर खबरदार , चिल्लाता गला फाड़ -- रुक जाओ
विकराल पर उठे ही रहते हैं भरकम पाँव गुमशकल देवों के
तुम्हें दाबने को और तुम सोते ही रहते हो गहरी नींद में
मैं क्या करूँ जो मेरी आवाज़ दब गयी गले में
आखिर ऐसे वक्त पड़े ही क्यों रहते हो गहरी नींद में
थोड़ी भी जान हो तो खोलो पलकें
मैं क्या करूँ कि मैं भी बोझ डाल रहा हूँ तुम पर इस आहत आवाज़ का
मैं क्या करूँ यह बोझ सहता चीखते रहने के सिवा

कमलेश की कविताएँ पढ़ते हुए आक्टेवियो पॉज याद आते हैं जिन्होंने हमसे कहा था कि -- हम एक अजनबी जीवन का स्मारक हैं , ऐसा जीवन जो जिया ही नहीं गया ।

dey'k th % ,d fpUrd dh vuifLFkfr e

dey'k dk iuikB

jke'kdj f}onh

^lekl dk ;g vd tc ge r;kj dj jg FkA gekj lcl fu;fer vkj fof'k"V y[kd dey'k dk ngko lku gk x;kA bl rjg geu ;g vd mud vHkko d vol kn e fudkyu dk i;kl fd;k gA lekl d ikBdk dk ;g irk gkxk fd dey'k lekl th d fiNy yxHkx gj vd e dN&u&dN ;kxnku nr jg gA vxj bl if=dk e fdlh rjg dh dkb lef) g] mle dey'k th d ;kxnku dk cMk gkFk gA dey'k th n'k d mu fojy dfo&fpUrdk e Fk ftUgku viuh dfo&ifrHkk dk fuo'k Hkkjrh; lH;rk d furkUr dfBu Hkn'; dk le>u e fd;kA mUgku yxHkx viuh lkjh me Hkkjrh; lH;rk d vrhr dh foMEcukvk vkj mldh ledkyhu lEHkkoukvk dk xgure Lrj rd le>u e yxk nhA blh ifØ;k e mUgku Lo; dfork dh viuh lEHkkoukvk dk fu:fir dju dh dkf'k'k dhA ,l y[kd fiNy dN lk lkyk e de gh g, g ftUgku gekjh lH;rk dk fuee nf"V l n[ku dh dkf'k'k dh gkA HkDr dfo;k d ckn dN jhfrdkyhu dfo] fetk cfny] xkfyc] ehj] johUnukFk Vxkj vkj i lkn] fujkyk d ckn 'kk;n fuey oek gh ,l y[kd ,o fpUrd Fk ftUgku dFkk l tu d lkFk&lkFk Hkkjrh; lH;rk d ey rRok dk fdlh gn rd idk'k e ykdj Hkkjrh; fpÙk dk LFkk;h Hkko cuku e viuh rjg l Hkfedk, fuHkk;h gA dey'k th blh ijEijk d dfo&fpUrd jg gA*

lekl&13 d lEikndh; dk i<dj th /kDd l jg x;kA ^lekl* dh 0;fDrxr :i l ejh miyfC/k ;gh g fd e ,l leku /kek] fpUrdk dk tkurk gh ugh Fkk tk ejh rjg lkpr g vkj e>l Hkh vf/kd lVhd Hkk"kk e viu lkp g, dk Hkk"kkc) djr gA dey'k th dk lcl igy eu ^lekl* e gh i<k vkj og Hkh mld vd&5 eA lEiknd l mudh ckrphr] ^le; vkj lkfgR;*] fQj mudh vUr%ifØ;k d ifji{; e mudk egRoi.k vkRekn?kkVd ^dk0;ykd l vuojr lEokn e dfork dk tUe*] rnuUrj mudh dN dfork, vkj Åij l mudh dforkvk l tkx jl dk vkj ixk< djr g, mn;u okti;h dk y[k ^Hkkoykd dh lef) dh dfork*A ;g lc i<dj e foHkkj rk gvk gh] vUr'pruk d Lrj ij le) Hkh gvkA fopkj mBk ,l fpUrd l igpku dh tk, vkj ^lekl* d lEiknd l mudk Qku uEcj ekx dj mul ckrphr dhA mUgku dgk dHkh

fnYyh vkb, rk ej dVhj ij t:j i/kkfj;A ij tkuk ugh gk ldkA

ml fnu egRoi.k ckr Hkh gb Hkfxuh fuofnrk vkj ;kxh vfuok.k dk ydjA vc rk mudh Lefr dh mtkl Hkj jg x;h gA

lekl d vd&5 l vd&9 rd ifjof'kr lkexh ij viuh i=&ifØ;k d nkjku eu fy[kk Fkk fd dey'k th dh ^:lh lLdfr dk mnHko vkj fouk'k* ij tk y[k ekyk g] bl ij fQj dHkh fy[kxk D;kfd bld fo'y"k.k vkj eY;kdu d fy, ,d yEc y[k dh t:jr gkxhA ij] ;g ugh lkpk Fkk fd ;g y[k e> dey'k th dh Hkkfrd vuifLFkfr e fy[kuk iMxkA

fo'o e rhu ,l fpUrd g, g ftUgku fo'o ij cMk xgjk iHkko NkMk gA ,d Mkfou] nlj Ýk;M vkj rhlj ekDlA chloh 'krkCnh e ekDlokn dk jkejkT; dk i;k; ekuk tku yxk vkj bl fopkj/kkjk dk iHkko Hkkjr dh vkfFkd uhfr] dyk] lkfgR; d ltu] fo'y"k.k vkj jktuhfr ij cMk xgjk gvkA okeiFk d fojk/k e cgr de ckyu dk lkgl gkrk FkkA mldk MkbyDVhdy ,ukyfll dk fl)kUr ,d rjg l egkHkkjr d vfHkeU; o/k dh rjg jp x; pØ&0;g dh rjg FkkA lkfgR; vkj dykvk d fy, dgk tku yxk fd ;lc lkekftd cnyko d fy, gA ekDlokn tc y[kdk e cnyko ugh yk ldk rc og lekt e cnyko D;k yk,xk\ vkt :l e ekDloknh fopkj/kkjk dh tk n'kk g] og lHkh tkur gA Lo; phu gh ithokn l VDdj yu d fy, ithokn dh vkj >d jgk gA :lh lLdfr d mnHko d l=D;k Fk vkj mld iru d fy, dku&l dkjd mÙkjnk;h jg g] dey'k th u viuh bl yEch y[k Ük[kyk e blh dk fo'y"k.k fd;k gA mudk fo'y"k.k rkfdd] lxfri.k vkj :lh lkfgR;] thou] lekt vkj bfrgkl l fy; x; m)j.kk }kjk lUnfHkr gA etnkj ckr ;g g fd bl Ük[kyk e 'kk/k dh tk vkHkk g] og vuHko ij vk/kkfjr g] ;g dkb 'kk/kofÙk d fy, tl&rl fd;k x;k ^fVVkbt* ugh g] blfy, ckf>y] mckÅ u gkdj ikBd dk jl&le) dju okyk gA

fiNy ipkl o"kk l e fgUnh] ckXyk] vxth] lLdr] mn d Dykfldy vkj mll brj vk/kfud lkfgR; dk i<rk vk jgk gA ejh iBu lkexh e Hkk"kk] 'kCn i;fDr] n'ku] lekt foKku] eukfoKku] fo'k) foKku vkj lkfgR; dh fofo/k fo/kkvk d xUFk 'kkfey gA ejk vuHko g tk jpuk ikBd d lkFk rknkRE; LFkkfir ugh dj ldrh og cgr fnuk rd thfor ugh jg ldrhA thou l tMko gh jpuk dk thou&nku nrk gA e vkt Hkh lk/kkj.kh dj.k d fl)kUr dk dk;y gA

dey'k th d y[ku dh ;g fo'k"krk g fd o thou dk ydj pyr gA mudh jpuk dk ikjEHk cM lgt <x l thou d fdlh&u&fdlh ilx l gkrk gA mud xEHkh j y[kk d ihN 0;fDrxr vklx dh ;g vkHkk ikBd dk rjUr viu lkFk tkM yrh gA

dey'k th cgr vPN ikBd FkA mUg db fpUru ljf.k;k d ifr xgjh ftKkl k FkhA ,d ilx dh ppk djr

g, mUgku fy[kk g ¼ dkb 55 o"k igy :l d vk/kfuddky d dN egku dfo;k d vxth vuokn ,d vxth if=dk e i<u dk fey FkA o dfork, bruh eeLi'kh Fkh fd e budh dforkvk d vuokn i=&if=dkvk e <<rk jgu yxkA--- e dforkvk dh ifrfyfi gkFk l mrkj yrkA mu fnuk rd QkVk ifrfyfi dh e'khu ipfyr ugh gb FkhA dforkvk l eeRo LFkkfir dju d fy, dHkh&dHkh mud vuokn Hkh djrkA dN vuokn ^fnueku* vkj ^vkykpuk* e mu fnuk ¼1967&1988½ Ni FkA ckn e vxth e bu dfo;k d vuokn d iLrdkdkj lxg Niu yxA ¼lekl&8] i"B&132½A

bl m)j.k l nk ckr lkQ gA ,d :l d dN egku dfo;k d vxth vuokn dey'k th dk cgr eeLi'kh yxA mll iHkkfor gkdj o fofHkUu i=&if=dkvk e mUg [kktdj i<u yxA nljh ckr] mu dforkvk l eeRo LFkkfir dju d fy, dHkh&dHkh mudk vuokn Hkh dju yxA vFkkr vuokn dk mnn'; mul vkj viukiu LFkkfir djuk FkkA

bru yEc m)j.k nu dk ejk ,dek= mnn'; ;g g fd vkf[kj :lh lLdfr dk mnHko vkj fouk'k Ük[kyk fy[ku dk ij.kk fcUn dgk g\ :l d egku dfo;k dh dfork i<dj pfdr gkuk vkj ;g tkudj foLe; l Hkj tkuk fd 'kklu }kjk vekuoh; vR;kpkjk d ckn Hkh :l d bu dfo;k e ltu 'kfDr cuh jgh vkj mud ek/;e l ekuork Hkh cph jghA ;g dl ?kfVr gvk bldh ,frgkfld Nkuchu e ;g Ük[kyk :i xg.k djrh x;hA

mUgku fy[kk g chloh 'krh d ikjEHk e :lh Hkk"kk e bru egku dfo;k dk ,d lkFk idV gkuk lf"V d vnHkr peRdkjk e l FkkA fo'o dh vU; Hkk"kk, bruh lkHkkX;'kkyh ugh FkhA o 100&150 o"k igy gh fo'oiVy ij idV gbA :lh Hkk"kk&lkfgR; l b";k gh dj ldrh FkhA ckY'kfod ØkfUr d ckn lkfo;r l?k d fopkj&vk/kkfjr 'kklu u bu ij Øjre vR;kpkj fd; fQj Hkh ; dfo dHkh Hkh viu dfo&de l fojr ugh g,A bu egku vkRekvk dk ikdj :lh tkfr ekuoh;rk dk cpk, j[k ldhA dey'k th u fy[kk g budh dfork, i<r g, dfo;k d thou pfjr e #fp tkxhA thou pfjr tkur g, :l d bfrgkl e #fp c<hA bu dfo;k dk tUe nu okyh Hkk"kk vkj lLdfr e #fp yxkrkj c<rh gh jgh vkj vkt Hkh cuh gb gA ¼ogh] i"B 133½A

vuokn d ckj e ,d rF; tku yuk pkfg,A ,d vPNk vuokn L=kr Hkk"kk d lkfgR; dh vkj #fp txkrk g vkj Hknnk vuokn ml lkfgR; dk i<u l ,d ikBd dk fojr djrk gA

:l e tc Hkkjr dh vkj #fp tkxh rk :l ljdkj u fgUnh e :lh lkfgR; dk vuokn djk;kA dey'k th u fy[kk g fd ;g vuokn cgr gh Hknnk FkkA tokgjyky ug: fo'ofo|ky; d :lh dUn d ik- oj;ke flg u tc :lh l lh/k bu dfo;k dk vuokn fd;k vkj ml Nik;k rc dey'k th mUgh dfo;k dk ,d vPN vuokn e i<u yxA mUgku ik- oj;ke flg d vuoknk d ckj e fy[kk gA mUgku lkfgR; vdkneh d fy,

^ruh gb iR;pk* 'kh"kd l chloh 'krkCnh d ie[k : lh dfo;k d fgUnh vuokn dk lxg xUFk Hkh idkf'kr fd;kA ; vuokn ykdfi; Hkh g,A

e : l d bu egku dfo;k dk igy l gh _.kh Fkk] vc mudk fgUnh vuokn lyHk djk nu d fy, oj;ke flg th dk Hkh _.kh gk x;kA vHkh tc ekjhuk RL;rk;ok d mud vuokn dk u;k ifjofrr lLdj.k ¼2013½ idkf'kr gvk rk e> yxk fd bl iLrd dk ân; l Lokxr djuk pkfg,A oj;ke flg th d vuokn dk; ij fgUnh dk0;&txr dk ijk /;ku ugh x;k gA ; vuokn fgUnh d ;ok dfo;k d vkRe if'k{k.k dk vx cu ldr gA oj;ke flg th yxHkx 40 o"kk l : lh dfork d vuoknk l fgUnh lkfgR; dk le) dj jg gA blh lUnHk e dey'k th u vkx fy[kk& ejh lhek FkhA e mud vuoknk ij fy[k dj gh oj;ke flg th dk vfHkuUnu dj ldrk FkkA fgUnh e gj ih<h e c< jg vf/kl[; ikBdk dk mud dk; dk irk gkuk pkfg,A

bl Ük[kyk e dey'k th u oj;ke flg th }kjk fd, x, : lh dfo;k d vufnr dk0; dk gh fo'y"k.k ugh fd;k g] cfYd : lh lLdfr] mld bfrgkl vkj rRdkyhu dfo;k d le; lRrk ij dkfct jktufrd 'kfDr;k dk Hkh foopu fd;k gA bll lekt dh fpÙkofÙk;k dk Hkh irk pyrk g tk mu dfo;k d ltukRed i;Ruk d ihN dkjxj jgh gA ;gk vkpk; jkepUn 'kDy dk ;g dFku ;kn vkrk g % tcfd iR;d n'k dk lkfgR; ogk dh turk dh fpÙkofÙk dk lfpr ifrfcEc gkrk g rc ;g fuf'pr g fd turk dh fp=ofRr d ifjoru d lkFk&lkFk lkfgR; d Lo:i e Hkh ifjoru gkrk pyk tkrk gA vkfn l vUr rd bUgh fpÙkofÙk;k dh ijEijk dk ij[kr g, lkfgR; ijEijk d lkFk mudk lketL; fn[kuk gh ^lkfgR; dk bfrgkl* dgykrk gA fQj mUgku vkx fy[kk g] turk dh fpÙkofÙk cgr dN jktuhfrd] lkekftd] lkEinkf;d rFkk /kkfed ifjfLFkfr d vulkj gkrh gA vr% dkj.kLo:i bu ifjfLFkfr;k dk fdfpr fnXn'ku Hkh lkFk gh lkFk vko';d gkrk gA ¼fgUnh lkfgR; dk bfrgkl] vkpk; jkepUn 'kDy] dk'kh ukxjh ipkfj.kh lHkk] lLdj.k lor 2019 foØeh½A

bl lUnHk e dey'k th dk ;g dFku /;kr0; g % budh ¼: lh dfo;k dh½ dforkvk e ,d le) lLdfr dk n'ku gkrk gA bu dfo;k dk ijh rjg le>u d fy, ml lLdfr dk ifjp; vko';d FkkA blfy, vif{kr ;kX;rk d vHkko e Hkh : lh lLdfr d mnHko vkj fodkl ij fy[ku dh p"Vk djuh iMhA blh ckr dk [kykIk djr g, mUgku fy[kk] : lh Hkfe d Hkn] : lh jkT; dk fodkl] : lh lekt] : lh Hkk"kk] : lh lkfgR; vkj : l e py opkfjd vkUnkyuk ij Hkh nf"V Mkyuk vko';d tku iMkA

bl y[k&Ük[kyk e : lh dforkvk d yEc&yEc m)j.k gA mud dkj.kk dh ppk djr g, dey'k th u fy[kk g igy mYyf[kr Lykfod 'kk/k y[kk e dfork d v'kk d vuokn i<dj vrflr gkrh FkhA blfy, dfo;k ij fy[kr g, mudh ijh dforkvk d vuokn nuk t : jh yxkA

bl vky[k d ckj e fy[kr g, dey'k th u nk ckrk dh vkj gekjk /;ku vkd"V fd;k gA ,d] njvly o fy[kuk rk pkgr Fk : lh dfo;k ij] yfdu mu ij fy[ku dk ;g i;Ru Øe'kh : lh lLdfr d voykdu e

cny x;kA bu dfo;k d inki.k d dN le; ckn LFkkfir g, ckY'kfod 'kklu u 70 o"kZ e gh : lh lLdfr dk , lk fouk'k dj fn;k fd mld [kRe gk tku d ckn Hkh ml lLdfr dk iu#Tthou gkuk vlEHko gk x;k gA : lh dfo;k dk ;g fooj.k : lh lLdfr d fouk'k dh 'kkd xkFkk cu x;kA

fQj mUgku viu bl lkgfld dk; d ij.kk ókr ik- oj;ke flg d bl vuokn dk; dh egÙkk dk j[kkfdr djr g, dgk g fd ;g vky[k Ük[kyk mud 40 o"kZ d vuokn dk; d ifr drKrk idV dju d fy, mud vfHkuUnu d : i e fy[kh x;h gA mud vuoknk l ,d ikBd d : i e dey'k th dk tk vkuUn feyk mldh ijh xgjk;h vkj gkfndrk bl vfHkuUnu vky[k e vfHk0;Dr dju dh p"Vk gA ¼ogh] i"B 134] lekl&8½A

Åij tk dN fy[kk x;k g og ,d idkj l bl vky[k dh iLrkouk gA vkx mUgku ,d : id ck/kk g] ,d dkYifud firykd tgk : l d egku dfo ,d lHkk e ;g fpUrk dj jg g fd bl fodV vkj fo"ke le; e : lh turk d fy, D;k fd;k tk, ftll ml vk'kk] vk'oklu vkj lkRouk dh ok.kh luk;h nA dfBukb;k dk >yu dk /kjt vkj lkgl mldk ikFk; cuA pfd dey'k th Hkkjr e tUe Fk vkj o lukrurk d bl vkoru&fooru pØ e fo'okl djr Fk fd dgh firykd Hkh g vkj mUg bl /kjrh l tku d ckn Hkh eR;ykd e jg jg viu o'ktk d Hky dh fpUrk jgrh g vkj ;gh ugh viuh lkjLor lk/kuk dh ijEijk thfor cuk, j[ku d fy, o u;&u; 'kCn lk/kdk dk /kjrh ij Hktr jgr gA

;gk ,d : id d ek/;e l dey'k th firykd e leor : l d fnoxr dfo;k dh vkj l ;g ;kn djr g fd viu fi; y[kdk] dfo;k dh jpukvk dk : lhtu vkRelkr djd d.Bkx dj yr FkA cPp&cM] ;ok vkj c< volj vku ij dfo;k dh jpukvk dk ikB fd;k djrA dfork, mUg lkURouk nrh FkhA ?kkj ihMk] neu vkj fu%lgk;rk d {k.kk e Hkh : lh Hkk"kk vkj dfork mudk voyEc gkrhA : lh lkfgR;dkjk dh iLrd i<u vkj mu ij euu dju l mue vlguh; dk Hkh >yu dh {kerk vk tkrh FkhA ¼ogh] i"B 135½A

njvly ;g m)j.k ;gk blfy, fn;k x;k fd bll dey'k th d 0;fDrRo dk ,d egRoi.k i{k mtkxj gkrk gA o pkgr Fk fd fgUnh lekt e viu iot lkfgR;dkjk dh jpukvk dk i<u dh ijEijk cuh jgA mudh ok.kh gh xk< le; e ge yMu dk lkgl n ldrh g blhfy, dgk x;k g ^Lok/;k;ku ek iefnr0;eA*

,d nljk rRo ;gk vkj mtkxj gkrk gA ^firykd dh fpUrk,* 'kh"kd e dey'k th u tk : id [kMk fd;k g] ;g ge viuh ikjkf.kd vk[;ku ijEijk l tkMrk g ftle dgh&dgh ;g vk[;ku vkrk g fd eR;ykd e ikf.k;k dk n%[k n[kdj ukjn th dk ân; d#.kk l nfor gk x;k vkj mUgku fo".k Hkxoku d ikl tkdj ikf.k;k d m)kj dk dkb ljy mik; iNk vkj blh Øe e fdlh&u&fdlh ijk.k dh jpuk gbA

vki nf[k, dey'k th D;k fy[kr g] firykd e : lh dfox.k ;g lkp jg Fk fd : l e fudV Hkfo"; e vku

oky le; d fy, D;k fd;k tk,A vku oky le; l fuiVu e mudh jpuk, fdruh lgk;d gk ik,xh] o rk vHkh Hkh : lhtu dh lEifÙk gA

vkx pydj dey'k th i;k; l jpuk&ifØ;k d bl rF; dh vkj bfxr djr g fd ;fn dfo u Lo; ;kruk ugh Hkkxh g rk mldh jpuk e Hkh ihMk dk xgjk vk[;ku ugh gk ldxkA jpuk rHkh nljk e ik.k lpkj dj ldrh g tc mle dfo d ik.kk dk Linu gkA ;g ckr mUgku : lh Hkk"kk d fir dfo;k d goky l bl idkj dgh g&: lh lLdfr dk fouk'kdky vku okyk g] ,lk le; igy : l d bfrgkl e] rkrkjk] exkyk d fun; le; e Hkh dHkh ugh vk;k FkkA dfo ykxk dk bl u;h foHkkf"kdk dh le> rHkh vk,xh tc o Lo; bldk vuHko dj jg gkxA mUgku vkx firx.kk dh fpUrk bl : i e 0;Dr dh g % dfo;k dk lk/kkj.k : lhtuk }kjk Hkkxh tk jgh ihMk dk Lo; ijr&nj&ijr Hkkxuk iMxk] rHkh mudh dfr;k e ikBd viu n%[k&nn dk ijh rjg igpku ik;xA

vxj vki Hkkjrh; ijk[;ku dh ijEijk dh i"BHkfe e : lh fir dfo;k dh bl fpUrk dk n[kx rk vkidk dey'k th dh bl dYiuk io.krk vkj : id&jpuk d jgL; dk le>u e tjk Hkh foyEc ugh gkxkA ;gk ;g ckr /;kr0; g fd dey'k th dk tUe] iBu&ikBu] f'k{kk&nh{kk ftl lLdr ijEijk e gvk Fkk mudh dforkvk] mud fpUru&llkj ij ijh&ijh mldh Nki gA ;g dke mUgku bruh ckjhdh l fd;k g fd vxj ;gk Hkkjrh; ijk[;ku ijEijk dh ,d dFkk dk xFku dh ,d ifof/k dk mtkxj u fd;k tkrk rc ikBdk dk bl Hkfxek dh vkj /;ku gh u tkrk vkj og ykijokgh l bu iUuk dk myVdj e[; fo"k; ij vk tkrkA

: lh turk dk dY;k.k dl gk] bl leL;k d fy, firykd e cyk;h x;h lHkk dh v/;{krk egkdfo if'du dj jg FkA bl lHkk e lolEefr l ;g fu.k; gvk fd firykd d dfo;k dk : l e iu% tUe yuk iMxkA mld ckn mu dfo;k e dku&lh fo'k"krk, gkuh pkfg, mUg j[kkfdr dju d fy, dey'k th dk0; idk'k] lkfgR; ni.k] oØkfDr thfore ;k dk0;ehek lk dk lgkjk u ydj lh/kh&lknh Hkk"kk e : l d ^firj* dfo d ek/;e l ;g dgykr g& bu dfo;k e vud fo'k"krk, gkuh pkfg,A mu dfo;k dh Hkk"kk 'kfDr vifjfer gkuh pkfg,] mUg fo'kky ân; gkuk pkfg,] tfVy vuHkok dk vfHk0;fDr nr g, Hkh mudh Hkk"kk] 'kyh vkj vfHk0;fDr ljy vkj lck/k gkuh pkfg,] mudh jpukvk e ân;gkjh y;kredrk vkj eukgj vUR;kuikl gku pkfg,] rHkh mudh dfork, : lh eu"; dh Lefr e cl ldxhA bld vykok bu dfo;k dk Hkh lkekU; : lh tu dh rjg ;kruk >yuh iMxh rkfd bl ;kruk dk ok.kh nu okyh dfork, : lh eu"; dk lEcy cu ldA

njvly ;gk ij dey'k th u ,d : id&dFkk gh x< Mkyh gA ;g mudh viuh ,d 'kyh g ftll ckr tfVy u gk tk, vkj ljyrk l ikBd d eu e mrj tk,A

bl : id&dFkk d cgku dey'k th u ;g crk;k g fd ,d dfo d fodkl d fy, dlk ifjo'k] dlk ifjokj pkfg,A ml dlh f'k{kk nh tk, ftll mldh ifrHkk f[ky ldA gekj vydkj xUFkk e ftl ^dfo f'k{kk* dk

fo/kku fd;k x;k g] ;gk dN&dN mlh dk ldr gA

viuh :id dFkk vkx c<kr g, dey'k th dk dguk g % /kjrh ij dfo;k d tUe d fy, :l d ,l ifjokj pu x; ftue mRd"V lkLdfrd pruk Fkh tk viuh lUrfr dk tUe l gh vxk/k ie n ldr Fk] viu ckydk d fy, J"BkfrJ"B f'k{kk dh 0;oLFkk dj ldr Fk] viu cPpk dk 'k'kokoLFkk l gh fdUgh ;jkih; Hkk"kkvk e vkj lxhr e if'kf{kr djok ldr Fk] o bru le) Fk fd viuh lUrku dk fo'ofo|ky;k e mPpre f'k{kk fnyok ldr Fk] lkFk gh mue dfork d ifr bruk vknj Hkko Fkk fd o viuh lUrfr dk dfork l brj ekx ij y tku dk 0;Fk i;Ru ugh dju oky FkA ¼ogh] i"B 137½A

vxj bl :id dk rkMk tk, rk bll o l= feyx ftud dkj.k fdlh Hkh lekt e vPN dfo;k dk fodkl lEHko gk ikrk gA vxj lekt e olh vudy fLFkfr ugh g] rc ogk mPpk'k dykdkjk d fodkl dh dkb lEHkkouk ugh gkrh gA

:l e J"B dfo;k dk tUe ,d lkFk ugh gvk] u ,d LFkku ij gvk] u ,d&lh ifjfLFkfr;k e gvk] dkb nl o"k igy tUek] dkb nl o"k ckn] dkb ;gk] dkb ogkA lce fofo/krk Fkh] lc fHkUu idfr d FkA mue ,d gh lekurk Fkh fd o :l dh J"B lLdfr dh mit Fk vkj mudk tUe bfrgkl d ,l {k.k e gvk Fkk tc :lh lekt dk mudh t:jr FkhA

bl :idFkk dk x<u d ckn dfo dey'k u viuh y[k&Ük[kyk dh e[;iLRkkouk iLrr dhA dey'k th ftl lkLdfrd ijEijk e iy Fk] mld dkj.k mudk Hkk"kk&'kyh ;k fo"k; fuogu ij vlk/kkj.k vf/kdkj FkkA vHkh rd ;g yEck lQj lLdr ukVdk d ukUnh 'ykd dh rjg Fkk ftld ckn dgk tkrk g ^uk|Ur rr% ifo'kfr l=/kkjk* fQj ml dku&lk ukV;kfHku; djuk g mldh iLrkouk fof}r e.Myh d lkeu iLrr djrk gA

o viuh iLrkouk ;gk l vkjEHk djr g fd :l e tUe bu dfo;k dk lekt ij D;k iHkko iMk\ ml tkuu d igy :lh bfrgkl d fofHkUu pj.kk dk ihN eMdj n[kuk gkxkA ;gk dfo dey'k ,d bfrgklfon dh rjg :l d bfrgkl dh ÅcM&[kkcM xfy;k e mrj tkr gA

iLrkouk dk mikn?kkr dfo dey'k u ftl idkj fd;k g mle mUgku :lh lLdfr d mnHko] fodkl vkj mld fouk'k d fy, mÙkjnk;h 'kfDr;k dk fooj.k cMh xEHkhjrk l fn;k gA ;g bfrgkl dh bl foMEcuk dh vkj Hkh ldr djrk g fd fdlh Hkh n'k dh lH;rk vkj lLdfr dk cpku d fy, ml fujUrj lhpu] ih<h&nj&ih<h mld gLrkUrj.k vkj mldh vkHkk ij le;≤ ij Mkyh x;h /ky dk gVku dh fdruh vko';drk gkrh gA vud fodr vkj Hkked 0;k[;kvk }kjk ml xyr ifji{; e iLrr dju oky i;klk dk Hkh fujkdr dju dh fdruh ,frgkfld t:jr cuh jgrh gA dey'k th u :lh lLdfr d mRd"V i{kk dk mtkxj dju vkj mld fouk'k d fy, ftEenkj rRok dk 0;k[;kf;r dju e tk ,frgkfld dke fd;k g]

mldh ljkguk dh tkuh pkfg,A

viuh iLrkouk e mUgku fy[kk g] ^firykd e gb bl ppk d ifj.kke vHkh vkx n[ku dk feyx] yfdu bu ifj.kkek dk bud lUnHk e le>u d fy, ge cgr ihN ykVuk iMxkA ge n[kuk iMxk fd :lh lLdfr dk tUe fdu dfBu ifjfLFkfr;k e gvk] fdu n%[kn ifjfLFkfr;k e mldk fodkl gvkA fdl rjg :lh Hkk"kk dk0; jpuk d fy, leFk cuhA fdl rjg ;g lLdfr ijkdk"Bk ij igph vkj fdl rjg blu egku dfo;k vkj egku miU;kldkjk dk tUe fn;kA fQj fdu dkj.kk l vkj fdu fof/k;k l bl lLdfr dk lgkj gvk] ,d egku Hkk"kk dk le)rj cuku oky x.k fou"V gku yxA fdl idkj vkt ;g lLdfr vkj Hkk"kk ,lh fouk'k dh voLFkk e igp x;h g fd vkt ;g viu iu#Tthou d fy, fdlh peRdkj dh irh{kk dj jgh gA* ¼ogh] i"B 137½A

dey'k th d bl okD; ij fopkj djuk vko';d g % :lh dfork] :lh Hkk"kk] bfrgkl] lLdfr l bl rjg vfofPNUu g fd bl le>u d fy, vud lUnHkk dk Kku vko';d gA

dey'k th u lekl d rhu vdk ¼8] 9 ,o 10½ e viuh bl 0;kid y[kekyk e Lyko&Hkk"kk] :l d bfrgkl] mld foLrr Hk&Hkkx] ogk dh tyok;] mld fuokfl;k dh idfr] LoHkko] jhfr&fjokt] ml Hk&Hkkx ij viu&viu lkekT; LFkkfir dju d fy, g, ;)] ogk dh ykdxkFkk,] feFkd] ijkdFkk,] ykdxhr] ifjokj] lekt dh /kkjk,] bUgh l iui lkfgR;] le;≤ ij ogk ink g, dfo;k] miU;kldkjk dh egku dfr;k dk fooj.k cM foLrkj l fn;k g] mu lcd lUnHk] mudk fo'y"k.k bl y[k d NkV ifjlj e nuk lEHko ugh g ikBdk l bruk fuonu g fd mUg bl y[kekyk dk lekl d bu vdk e ckj&ckj i<uk pkfg,A mUg ;g irk pyxk fd :l u ftl ekDlokn] ox l?k"k vkj lrr pyu oky MkbyfDVdy eVhfj;fyTe dk f<<kjk ihVk g] mldk vlyh :i fdruk Hk;kog gA ØkfUr d uke ij ogk fdl rjg ;kruk vkj ekuoh; neu d f[kykQ mBk;h x;h ok.kh dk nck;k x;k] ij og ok.kh ogk dh dfork e cjkcj e[kfjr gkrh jghA

fgUnh d ikBdk dk ;g Hkh irk pyxk fd egku dfork fdl dgr gA dfork doy ukjckth ugh g] lPph dfork fdlh fopkj/kkjk fo'k"k e lhfer ugh gA :lh bfrgkl vkfn d lUnHkk dk l{ki e C;kjk bl idkj g&

Lyko&:lh ykx dkd'kl l ydj mÙkjh /ko lkxj rd vkj l.V ihVlcx l ydj lkbcfj;k d vfUre Nkj CyknhokLrkd rd cM Hk&Hkkx ij Qy g, gA blh fo'kky {k= e :lh lLdfr dk fodkl gvk vkj mle egku dfo;k vkj y[kdk u tUe fy;kA

Lyko vkj mldh ckfy;k l gh ekud :lh Hkk"kk dk fuek.k gvk gA bld nk :i g 0;ogkj dh Hkk"kk&'kyh vyx g vkj lkfgR; dh vyx gA

:lh bfrgkl d fofHkUu dky[k.Mk ij fogxe nf"V Mkyu d ckn dey'k th :lh lkfgR; d foopu Øe e

dgr g] vBkjgoh 'krkCnh d igy : lh Hkk"kk e ikjkf.kd uk;dk d dÙk0; dk c[kku dju oky dN ykddk0; jp x; FkA dN le; e ; : lh Hkk"kk dh foHkfr cu x;] gj : lh 'k'kokoLFkk e gh bul ifjfpr gku yxkA vBkjgoh 'krkCnh e : l e dfork gh i/kku lkfgfR;d fo/kk FkhA x| dk i;kx nufUnu 0;ogkj e ;k 0;k[;kuk e gkrk FkkA ^Lyko&: lh* ckyh gh dk0;Hkk"kk Fkh tk ckrphr dh Hkk"kk l fcydy vyx vkj tfVy FkhA dfo dey'k u ^Lyko&: lh* Hkk"kk dh fuek.k&ifØ;k vkj bldh 'kCn&lEink d ckj e ,d ,frgkfld rF; dk mYy[k djr g, egku dfo if'du d bl dFku dk mn/kr fd;k g fd Lyko&: lh Hkk"kk ;jki dh vU; lHkh Hkk"kkvk l mRd"V gA bldk HkkX; cgr vPNk jgk gA 'krkfCn;k ijkuh xhd Hkk"kk u vBkjgoh 'krkCnh e viuh 'kCn lEifRr : lh Hkk"kk dk inku djd ble lxhre;rk] 0;kdj.k d rdi.k fu;e] mfDr ofp«; vkj iokg dk leko'k dj fn;kA xhd Hkk"kk : lh Hkk"kk dh fir0; cu x;hA vkx if'du u fy[kk g % ^: lh Hkk"kk e igy l gh 0;tuk vkj ek/k; Fkk] vc ble dÙk0;d'kyrk vkj ;FkkrF;rk Hkh vk x;hA iLrdh; Hkk"kk vkj ckypky dh Hkk"kk e vyxko gkuk gh FkkA ; nkuk idkj fQj ckn e ge ykxk dh dfork e ,d lkFk vk x;A blh dk0;Hkk"kk e ge viu fopkj vfHk0;Dr djr gA

;gk ij dey'k th u ,d rF; dh vkj gekjk /;ku vkdf"kr fd;k g fd lkekU; Hkk"kk dHkh Hkh dk0; Hkk"kk ugh cu ldrh g] yfdu tc&tc dk0; Hkk"kk e lkekU; Hkk"kk d dN rRok dk leko'k gkrk g] rc ,d u;h dk0; Hkk"kk dk tUe gkrk g vkj dfork ,d u;h voLFkk e igp tkrh gA : lh dfork e Øe'kh ckypky dh Hkk"kk dk i;kx gku yxk vkj dN gh fnuk e mle xhfrdk0; fy[k tku yxA ¼ogh] i"B 150½A

bld ckn Lyko&: lh Hkk"kk e x| dk vkfoHkko gvkA ;gk ;g j[kkfdr dju ;kX; rF; g fd dey'k th u dfo if'du dh db i"Bk e ppk djr g, ml : lh dfo;k vkj lekykpdk d goky l vf}rh; dfo fl) fd;k gA : lh lekt vkj dk0; ijEijk ij egkdfo if'du dk LFkk;h iHkko iMkA og vkt Hkh ogk d tu&eu e clk gvk gA dey'k th d 'kCnk e fo'o dh fofHkUu Hkk"kkvk d lkfgR; e egku dfo;k dh deh ugh gA yfdu fdlh vU; Hkk"kk d egku dfo;k dh ryuk e : lh Hkk"kk e if'du dk LFkku vuBk gA if'du dh eR; frfFk ij tuojh 1921 e gb ,d lHkk e egku dfo vyDlkUn Cykd u dgk Fkk& ^mudk uke gh gekj fnuk dk ifji.k dj nu d fy, i;kIr gkrk gA lekVk] egku lukifr;k] ?kkrd vL=k d vkfo"dkjdŸkkvk vkj 'kghnk d uke dkfyeke; gkr gA bud foijhr ,d gh uke ,lk g tk lno idk'ke; gA og g if'du dk ukeA* ¼ogh] i"B 151½A

if'du d ckn egku x| y[kd : lh Hkk"kk e mRiUu g,A bue ie[k g&nkLrk,0Ldh] rkYlrk;] rxuo vkj xkxkyA lu 1845 d ckn : lh lkfgR; e ;FkkFkokrh 'kyh dk ioru gvkA 1880&90 d chp p[kko d fy[k j[kkfp= vkj mld ckn mudh dgkfu;k Hkh pfpr gbA bld ckn : l e ,l fopkjd lkfgR;dkjk dk vkfoHkko gvk ftUgku thou dh eyHkr leL;kvk ij nk'kfud vkj vk/;kfRed nf"V l fopkj fd;k] ij ,d

ckr ;gk /;kr0; g : l e ^l l jf'ki ;k ifrcfU/kr ^vfHk0;fDr dh ijEijk tkj'kkgh d le; l gh jgh gA ,d Ýk lh lh i;Vd u fy[kk g% : l d jktuhfrd jkT; dh ifjHkk"kk ,d okD; e dh tk ldrh gA ;gk 'kklu tk Hkh pkg dgrk g] D;kfd mld vykok vkj fdlh dk dN dgu dk vf/kdkj ugh g---A ;gk lHkh ykx ^l l j* l lge jgr gA ;gk fdlh d futh fopkj ugh gkr] vU/kh jktHkfDr gh ;gk dk vkpkj gA lkekU; ykxk dh ckr NkfM,] mudh Hkh ;gh n'kk g] tk ykx ;gk dk 'kklu pykr gA : l e fopkj dk LFkku Hk; u y j[kk g] Hk; u fopkj dk ydokxLr cuk fn;k gA ,d Ýk lh lh lkeUr ekfDol n dLrhu fudkyl iFke d jkT;dky ¼1839½ e : l dh ;k=k ij vk;k Fkk& ; mld fopkj gA /khj&/khj : l e LorU= vfHk0;fDr ij f'kdtk dlrk gh x;k vkj 1917 dh ØkfUr d ckn ogk LorU= vfHk0;fDr ;k fopkj oky dfo;k] y[kdk] lkfgR;dkjk ij Hk;dj vR;kpkj g,] ij mudh vkokt dk nck;k ugh tk ldkA bu dfo;k dh yEch ijEijk g] ftudh dforkvk d yEc&yEc v'k ik- oj;ke d vuokn e dfo dey'k u ndj fgUnh ikBdk dk : lh dfo;k d nn] ihMk vkj Lok/khurk&ie l voxr djk;kA ;g dey'k th dh ,d ,frgkfld nu gA

: lh lkfgR; e if'du d dky dk dfork dk ^Lo.k ;x* dgk tkrk g vkj ^vyDl kUn Cykd* d le; dk ^jtr dky* dgk tkrk gA Cykd dh dfork, fdl ifjfLFkfr e fy[kh x;h] mue mud nn vkj ;kruk u fdl rjg dh fof/k idMh] dey'k th u bldk foLrkj l C;kjk fn;k gA

: lh lkfgR; vkj : l dh lkLdfrd xfrfof/k;k] mud fodkl vkj âkl d ,frgkfld ekMk vkj dkj.kk dk tkuu dh nf"V l dfo dey'k dh ;g y[kekyk vR;Ur egRoi.k gA vyDl kUn Cykd ij fopkj dju d igy mudk ;g okD; /;kr0; g fd ;fn mUuhloh 'krkCnh d ikjEHk e if'du d gkFkk : lh dfork dk pje mRd"k ugh gvk gkrk rk : lh lkfgR; d bfrgkl e egku miU;kldkjk dk inki.k v lEHko gkrkA

bld ckn vyDl kUn Cykd d tUe ¼1880½] f'k{kk&nh{kk] LoHkko] 0;fDrRo d fodkl vkfn ij foLrkj l idk'k Mkyr g, ml : lh dfork e irhdokn dk iord crk;k gA Cykd d ckn dey'k th u egku dfo;k dk vkfoHkko 'kh"kd l tk idj.k vkjEHk fd;k g] mle lcl yEck ilx Cykd d ckn : l dh egku dof;=h vUuk vk[ekrkok dk gA vUuk vk[ekrkok dh ;kruk Hkj thou dh dgkuh bruh ekfed Fkh fd ckXyk dh [;kr dof;=h vujk/kk egkik= u Hkh mu ij dfork, fy[kh gA vUuk vk[ekrkok d ckj e e> lcl igy vujk/kk egkik= dh dfork, i<dj gh irk pyk Fkk] rc l e ml foLrkj l i<u dk mRld FkkA dey'k th d lktU; l gh ml i<u dk l;kx ?kfVr gvkA

vUuk vk[ekrkok dk tUe 1895 e gvk Fkk vkj mudh f'k{kk&nh{kk lV ihVlcx e gbA o lkr o"k dh voLFkk l gh dfork fy[ku yxh Fkh tk fujUrj ik< l ik<rj gkrh x;hA mudh dforkvk u ijEijkxr ikphu dk0; :f<;k dk rkMk vkj mue fujUrj uohurk dk vkgoku djrh jghA dfo dey'k u mudk ftl xgjk;h l foopu fd;k g bl ;g Hkku gkrk g fd o vUuk vk[ekrkok l cgr iHkkfor FkA vUuk vk[ekrkok

vyDlkUn Cykd l cgr iHkkfor FkhA mul nk ckj feyh Hkh FkhA mu ij mUgku db dfork, Hkh fy[kh gA vUuk vk[ekrkok u dHkh miU;kl ugh fy[kk] fdUr mudk thou ,d miU;kl l de jkpd ugh FkkA vUuk vk[ekrkok d ifr dk xkyh ekj nh x;h vkj mud ,dek= i= dk lkbcfj;k Hkt fn;k x;kA mudk ijk thou ;kruk] vdyiu vkj n%[k dh dgkuh gA mudk vfUre le; cgr d"V e chrk FkkA dey'k th u fy[kk g % vUuk vk[ekrkok dk viuh o)koLFkk e jgu d fy, ,d VVh&QVh txg feyh gb FkhA bld pkjk vkj [k.Mgj tlk ifjo'k FkkA mudk HkO; xfjeke; 0;fDrRo ,l fujhg vkokl e Hkh bl rjg mHkjrk Fkk fd og ifjo'k Hkh egRoi.k gk tkrk FkkA mud diM QV g, gkrA mud ikl th.k&'kh.k ik'kkd gh cph gb FkhA mud cky fc[kj gkr] mue og d/kh yxh gkrh tk ;okdky l gh mud ikl Fkh] dej e ge'kk xUnxh iMh gkrh] ogk ,d vkjke dlh iMh gb Fkh] ftldk ,d iko VV pdk Fkk] f[kMfd;k d 'kh'k VV x; Fk] mu ij v[kckj d iUu fpidk dj dke pyk;k tk jgk Fkk] o ge'kk flxjV ihrh jgrh] dej e viuk lkeku] viuh dfork,] vU; lkeku <<u e mUg dfBukb gkrh FkhA o ,d l;ky e okndk Mkyrh vkj pfLd;k fy;k djrhA mud eu e Qklh ij yVdk fn; x; xfeY;ko d fp= ?ker jgrA ,l ifjo'k e jgdj dkb bl rjg dh dfork fy[k ldrk g] ;g lkpk Hkh ugh tk ldrk FkkA vUuk vk[ekrkok dh vud J"B dfork, blh dky dh gA ¼ogh] i"B 204½A

dey'k th vUuk vk[ekrkok ;k vU; dfo;k dh ftu dforkvk d v'kk dk :lh dfork] :lh thou vkj :lh lLdfr dh mRd"Vrk dh ckuxh nu d fy, mn/kr djr x; g] budh mUgku dyk&f'kYi ;k vydj.k vkfn dh nf"V l dgh 0;k[;k ugh dh g] o mud vdknfed ;k ikf.MR; i.k fuopu d pDdj e ugh iM g] u mUgku mudk fo'y"k.k fdlh fopkj/kkjk fo'k"k dh nf"V l fd;k gA mudk y{; Fkk bu dforkvk d ihN fNih ml ihMk dk mtkxj djuk tk lkfo;r 0;oLFkk }kjk fd; tk jg vR;kpkj l mith Fkh] ftldk mnn'; flQ lUng] b";k&}"k ;k xyr lpuk d vk/kkj ij funk"kk dk ltk nuk FkkA vUuk vk[ekrkok tl dfo;k }kjk fy[kh x;h dfork, gh :lh 'kklu d Hk;dj pgj dk mtkxj djrh gA

fgUnh e vK; dk :ioknh ;k dykoknh dgdj okeifFk;k }kjk [kkfjt fd;k tkrk jgk g] ;gh 0;ogkj mUgku fuey oek vkj v'kkd okti;h d lkFk fd;k] ij bl :iokn dk vkf[kj ókr D;k g\ dey'k th u bldk ókr ^ikonk* e fy[kk gvk LVkfyu dk og lEikndh; crk;k g ftle mUgku :iokn dh ifjHkk"kk ndj ek;dkOLdh dh dforkvk d eY;kdu dk vk/kkj jktufrd nf"Vdk.k dj fn;k FkkA mudh nf"V e ikVh dh ykbu l tjk Hkh fopyu :iokn d vUrxr vk tkrk Fkk vkj blh vk/kkj ij y[kd dk nh tku okyh ;kruk dh ek=k fu/kkfjr dj nh tkrh FkhA LVkfyu dk ;g lEikndh; ^ikonk* e 1936 e fudyk FkkA

dey'k th d y[ku dh ;g fo'k"krk g fd o ,d <kpk cukdj mle phtk dk Hkjr tku d vH;Lr ugh gA o tkur g] bll foopu e tMrk vk tkrh g vkj ikBd ,l y[ku l cgr tYnh Åc tkrk gA blfy, mudh

bl y[kekyk e fofo/krk vkj [kykiu gA vc nf[k, lekl&8 vkj lekl&9 e nh x;h fd'rk dh jpuk&ifØ;k dh ryuk dh tk, rk nkuk d iLFkku fcUnvk vkj bfr e tehu&vkleku dk vUrj gA bldk vFk g dey'k th d ikl dgu dk cgr dN g vkj mue fopkjk dk lykc meMrk jgrk gA lkFk gh ;gk ;g Hkh /;kr0; g fd thou e tl pht fofo/k] ,d&nlj l fHkUu vkj x< gkrh g mlh rjg l fdlh ifjo'k vkj dky e tUeh ifrHkk, Hkh fHkUu vkj vf}rh; gkrh gA tc ikBd ;k leh{kd fdlh ,d dfo dh ifrHkk l iHkkfor gkr g vkj mldh jpukvk dk xg.k dju d vH;Lr gk tkr g] rc nlj dfo dk Hkh o mUgh irhdk] fcEck] :idk ;k Hkk"kk&fo/kku d ek/;e l xg.k djuk pkgr g vkj ,d vk/k ,lk ^in* btkn dj yr g fd ^;* ^mld* leku g tcfd nkuk e cgr cMk vUrj gkrk gA vki fgUnh d pkjk Nk;koknh dfo;k dk nf[k,& pkjk Nk;koknh gkr g, Hkh ,d&nlj l ,dne fHkUu g vkj fujkyk rk ,dne fHkUu g] mue Nk;kokn l brj ,l :ic/kk vkj fo"k;oLr dk mUe"k g] tk Nk;kokn e vkr gh ugh gA ;gh gky Q.kh'oj ukFk j.k rFkk vU; dFkkdkjk e g vkj efDrck/k Hkh ekDlokn dfo;k vkj y[kdk e lcl vyx iMr gA

^:lh lLdfr dk mnHko vkj fodkl* dh nljh dMh 'k: gkrh g dfo ^ofyeh j [yfCudko* lA ; chloh 'krkCnh d ikjEHk e mfnr g, egku dfo;k e gA bUgku :lh dfork e Hkfo";okn dk ioru fd;kA bUg blh otg l egku dfo ek;dk0Ldh l tkMk tku yxk ij dey'k d 'kCnk e ; fujUrj i;kx /keh jg vkj ek;dk0Ldh l furkUr fHkUu gA budk tUe 1885 e vkj eR; 1922 e gbA blfy, ; ØkfUr d ckn dh foHkkf"kdk n[ku l ofpr jg x;A

[yfCudko d ckj e dey'k th u nk egRoi.k rF;k dk mYy[k fd;k gA ,d o [kkukcnk'k dh rjg fujUrj ,d txg l nljh txg ?ker jgr FkA nlj mudh lkjh dfork, mudh eR; d ckn idkf'kr gbA dey'k th u mudh ftu dforkvk d m)j.k fn; g mudh NkVh&NkVh dfork, cMh ekfed vkj pkV dju okyh gA mudh mfDr;k ofp«;i.k gkrh Fkh&

l; tc l;kj djr g

<d nr g jkrk dk iFoh l cu oL= l

vkj tkr g fe=k d ikl uR; djr g,A

^dN ugh pkfg,* ,d dfork nf[k,&

dN ugh pkfg,!

cl VdMk&Hkj jkVh

cn Hkj n/k

;g vkdk'k

vkj ; ckny!

¼vuokn&oj;ke flg½

bld ckn dey'k th u :l d ,d ,l Hkk"kk'kkL=h dk mYy[k fd;k g ft lu :l dh vk/kfud dfork dk fo'y"k.k dj vkykpuk dh u;h /kkjk dk ioru fd;k FkkA Hkk"kk foKkuh gku d dkj.k ;g viu y[k ,d lkFk :lh] Ýkl hlh] teu] pd vkj vxth d vykok dN vU; Hkk"kkvk e Hkh fy[kr FkA bUgku ^ek;dk0Ldh* rFkk ^if'du* ij yEc&yEc y[k fy[kA o Cykd d Hkh i'k ld FkA

dey'k th u ^ej.k'k¸;k ij yfuu d vkn'k* 'kh"kd ij viuh NkVh&lh fVli.kh e ;g ldr fd;k g fd :lh lLdfr d iru vkj mld fouk'k d fy, fdl idkj mudh mxrk vkj oxk e ijLij ?k.kk Qyku d i;kl mÙkjnk;h jg gA bld ckn dey'k th u foLrkj l ;g crk;k g fd :lh cf) thfo;k dh fnypLih Hkkjr d ifr dl c<rh x;hA ij etnkj ckr ;g g fd ble jkepfjrekul d vuoknd okjkfUudko ;k jkgy lkdR;k;u dk dkb mYy[k ugh gA

dey'k th d Hkkjr fo"k;d :lh vfHk#fp y[k dk 'kh"kd g ^:lh ckf) dk dk Hkkjr&vkd"k.k*A bl yEc fooj.k d mnn'; d fo"k; e mUgku fy[kk g % :l d ckf) dk dk Hkkjrh; fo"k;k l ifjp; vkj mud ifr yxko l lEcfU/kr ;g fooj.k chloh 'krh d egku :lh y[kdk&dfo;k dk le>u e lgk;d gk ldrk gA fgUnh ikBdk dk ble fnypLih gkuh pkfg,A ¼lekl&9] i"B 121½A

^egku lLdfr dk fu"Øe.k* 'kh"kd l dey'k u tk NkVh&lh fVli.kh fy[kh g] ;|fi g rk og nk ijkxkQ dh] fdUr g cgr egRoi.kA ;g fVli.kh yfuu d ml dky i{k dk 0;Dr djrh g ft ldh otg l :lh lLdfr d ifrfuf/k dfo;k] lkfgR;dkjk] y[kdk dk :l NkMdj tkuk iMkA dey'k th u fy[kk g yfuu :lh b.Vyhtfu'k;k dk il Un ugh djrk FkkA budh :lh lekt e bruh ifr"Bk Fkh fd budh u rk gR;k dh tk ldrh Fkh] u bUg fxj¶rkj fd;k tk ldrk FkkA yfuu u 1920 bLoh e ;g r; fd;k fd b.Vyhtfu'k;k d ykxk dk ,dlkFk n'k l fudky fn;k tk,A mUgku 1602 y[kdk] dfo;k] dykdkjk] lxhrKk] nk'kfudk] oKkfudk] bthfu;k vkfn dh lph cukdj mudk ,dlkFk ;ki fHktok fn;kA bue :l d J"Bre dykdkj] lxhrdkj] nk'kfud] lekt'kkL=h] fo}ku] bthfu;j] MkDVj] dfo vkj y[kd FkA dey'k th u cMh onuk d lkFk fy[kk g fd dN gh le; e doy Ýkl e :lh viokfl;k dh l[;k nk yk[k rd igp x;hA bruh cMh l[;k e bru egRoi.k ykxk d :l NkMu dk :lh lLdfr ij D;k vlj iMk gkxk bldh dYiuk dh tk ldrh gA mUgku fy[kk g :l d egku lkfgR;dkj] egku dFkk&y[kd vkj vkykpd] lxhrK vkj cy uR;k d iLrkrk] fp=dkj vkj efrdkj] bthfu;j vkj oKkfud vc :l e ugh jg ldr FkA mUg n'k fudkyk n

fn;k x;k FkkA ¼ogh] i"B 125½A

:l d egku dfo ek;dk0Ldh d ckj e bl vky[k e foLrkj l ppk dh x;h g] yfdu o ikVh dh uhfr;k d ipkjd FkA bl ncko dk u lgu dju d dkj.k mUgku vkRegR;k dj yh FkhA dey'k th u mudh yEch&yEch dforkvk d db m) j.k fn;] mud ckj e vU; vkykpdk d erk dk Hkh mYy[k fd;k g] mud db nkok dk Hkh iLrr fd;k gA mUgku ,d nko e dgk g] e> bl ckr dh ijokg ugh g fd e dfo g ;k ughA e dfo ugh] e lcl igy vkj lcl vf/kd og vkneh g ftlu viuh y[kuh dk oDr dh lok e yxk fn;k gA ^lok* 'kCn ij /;ku nhft,A ;g tk lgh ;FkkFk g] ftldk ekx lkfo;r ljdkj vkj ikVh fn[kykrh gA ¼ogh] i"B 138½A

dey'k th u bl nko d ihN ek;dk0Ldh dh fNih gb xgjh onuk dh vkj ldr djr g, fy[kk g ckj&ckj bl rjg d nko dju d ihN ,d rjg dh nnukd 0;Fkk fNih gb FkhA og e[kkVk vk<u dh 0;Fkk tk mlu dE;fuLV okgokgh iku d fy, ,dckj vk< fy;k FkkA ml vk< jguk vlEHko gk x;k FkkA ek;dk0Ldh u 30 o"k dh vk; e 14 viy] 1930 dk xkyh ekjdj viuh gR;k dj yhA ek;dk0Ldh dh vkRegR;k l :l dk lkLdfrd lekt LrC/k gk x;kA ¼ogh] i"B 139½A

viuh bl y[kekyk e dey'k th u :lh y[kdk d m) j.kk d vk/kkj ij ekuork fojk/kh :lh 'kklu] ml dh uhfr;k vkfn dk [kykl fd;k gA viuh vkj l NkVh&NkVh fVlif.k;k d vykok ;g ikBdk ij NkM fn;k x;k g fd :l dh ykg nhokj d ihN fdruk Hk;kog pgjk fNik gvk Fkk vkj :lh lLdfr d iru d fy, dE;fuLV ikVh dh uhfr;k gh ftEenkj gA mUgh d dkj.k :l dh egku lLdfr dk fouk'k gk x;kA lekl&9 e mUgku :l d mRd"V dFkk y[kd oflyh xkleu d nk miU;kl dk mYy[k dj ;g crk;k g fd lkbcfj;k d ;kruk f'kfojk dh D;k gkyr FkhA nfHk{k ¼ftl tkuc>dj ink fd;k x;k Fkk½ e ykx fdl rjg dhM&edkMk dh rjg gk x; FkA ; fp= i<u e cgr gh Hk;dkjh vkj jkxV [kM dju oky gA bud bu nk miU;kl dk uke g ^ykbQ ,.M QV* rFkk ^,ojhfFkx ¶lykt*A ,d fp= nf[k,¼ ;g vdky ijh rjg eu"; dr FkkA fdlkuk l mudh ijh dh ijh inkokj Nhu yh x;h FkhA ;Øu d lekpkj&i= ^foLrh* e 11 tu] 1933 dk Nih ,d [kcj e [kfQ;k ifyl d ,d flikgh dh ljkguk dh x;h FkhA ;g flikgh ,d QkflLV lokV;kj dk idMu e dke;kc jgk Fkk ftlu ,d jkVh ?kkl d ,d <je fNik nu dk vijk/k fd;k FkkA

iFke fo'o;) e lHkh n'kk d feykdj 78 yk[k ykx ej Fk] fdUr :l d xg;) e 2 djkM 30 yk[k ykx ej FkA i'u ;g g D;k ;g xg;) vfuok; Fkk \ :fl;k e ijLij bruk }"k dHkh ugh jgkA vly e ;g xg;) yfuu d nHkko dk urh tk FkkA yfuu u lkfo;r l?k dk ifyl jkT; cuk fn;k FkkA ;gk logkjk d uke ij ukdj'kkgh dh rkuk'kkgh FkhA yfuu vkj LVkfyu d le; :l e tk dN gvk og ekuo LoHkko d ,dne foijhr FkkA fo'k"kKk d vulkj 1917 l 24 d nkjku [kfQ;k ifyl }kjk xkyhekj dj ftru ykxk dh gR;k

dh x;h] ij xg;) e dN de ykx gh ej gkxA ,yu ckIk u fy[kk g fd yfuu d 'kkIu d nkjku] eu";k d thou dk dkb eY; ugh jg x;kA , Ik yxHkx 35 o"kk rd gkrk jgkA ofIyh xkIeu d 'kCnk e % tk dN Hkh vekuoh; g mIdh dkb IkFkdrk ugh g] mIdk dkb eY; ugh gA---- vekuoh;rk dh i.k fot; d nkjku ;g Lor% fI) gk pdk g fd fgIk ftI oLr dk Hkh Li'k dj yrh g] og eY;ghu vkj vFkghu gk tkrh g] mIdk dkb Hkfo"; ugh jg tkrk] og i.kr% ylr gk tkrh g] mIdk dkb fpgu 'k"k ugh jgrk& yfuu ¼ofIyh xkIeuA ¼ogh] i"B 143½A

Ikfo;r I?k d jkT; dk idr pfj= D;k g] bI efDIdk d ukcy ijLdkj fotrk dfo vkj fopkjd vkDVkfo;k ikt d 1980 e fn; x; Hkk"k.k d bI v'k I le>k tk Idrk g fd vkt 1980 e dkb Hkh xEHkhj y[kd ;g ugh dg Idrk fd Ikfo;r I?k lektoknh jkT; gA bI yfuu vkj ekOLdh d vuIkj ukdj'kkgh }kjk fo:fir dj fn;k x;kA Jfed jkT; Hkh ugh dgk tk IdrkA ¼ogh] i"B 146 ij mn/kr½A

dey'k th u :Ih dkO;kykpu vkj dkO; d ekun.Mk ij Hkh viu bI vky[k e txg&txg ij fopkj fd;k gA dfork dk vFk&fuopu dI gk] fcEc vkj irhd fdI rjg vkiI e xFk jgr g] ;FkkFkoknh nf"V D;k gkrh g] mIe ufrdrk dh txg dgk gA mRd"V dfr fdI dgk tk Idrk g] ikVh dh uhfr;k ;k yfuu vkj LVkfyu dh #fp;k bI dgk rd fu/kkfjr djrh Fkh& ; Ikjh leL;k, :Ih dkO;kykpu d Øe e fofHkUu IkfgR;dkjk d ek/;e I dey'k u mBk;h gA ^IkfgfR;d vkykpuk vkj dfork dk fodkI] foDVj 'ykdkOLdh* 'kh"kd viuh yEch fVIi.kh e foDVj 'ykdkOLdh d ,d dFku d vk/kkj ij mUgku :Ih dkO;kykpu dk fu"d"kr% bu 'kCnk e iLrr fd;k gA ge ;gk Ikjh dykvk dh ckr dj jg gA u;h dyk] u; 'kCnk vkj u;h vfHkO;fDr;k dh ryk'k djrh gA dfo 'kCn vkj ;FkkFk d chp [kMh nhokj dk rkMu dh dkf'k'k djrk gA og u; 'kCn dk viu v/kjk ij egIl djrk gA yfdu ijEijk ijkuh le> dk ckj&ckj vkxy vkrh gA vxj ijEijk ij iu% fopkj ugh fd;k tkrk g rk ijkuh dyk dh ukVdh;rk vkj y;kRedrk u; e vk tk;xh vkj bI dyk }kjk vIR; dk ifrikfnu gkxkA ¼ogh] i"B 148½A

dey'k th u lekI&9 d viu bI vky[k d vUr e :Ih IkfgR; d egku y[kd] dfo] fp=dkj vkj fpUrd ckjhI ikLrjukd] boku cfuu] dkIVf.Vu ikVkOLdh] vkfIi ekUnyLrke d ckj e vUuk vk[ekrkok dh Mk;jh d dN v'k rFkk ekjhuk RLork;ok dh dfork,] Mk;jh vkfn dk gokyk ndj ;g crk;k g fd :Ih 'kkIu u fdI rjg bUg iokI ij tku] budh dfr;k dh fuUnk dj bUg u i<u d Qjeku tkjh fd,A :Ih 'kkIu d u pkgr g, Hkh boku cfuu vkj ckjhI ikLrjukd dk ukcy ijLdkj fn;k x;k vkj :I dk NkMdj ij fo'o e budh dfr;k dk Ijkgk x;kA bI vky[k d ; v'k cgn fnypLi vkj ;g crku dk i;kIr g fd 'krkfCn;k I pyh vk;h :I dh egku lLdfr fdI idkj ckY'kfod ØkfUr d ckn yfuu vkj LVkfyu dh uhfr;k d dkj.k lekIr gk x;hA dey'k u vk[ekrkok vkj ekjhuk RLork;ok dh Mk;fj;k d v'kk d p;u

vkj vuokn e egur d lkFk viu food dk Hkh ifjp; fn;k gA

boku fxxkfj;fop dk ;g dFku /;kr0; g % xxupEch vVVkfydk, fdruh Hkh nh?k jgh gk] rki d xky fdru Hkh 'kfDr'kkyh jg gk] jkT; dh 'kfDr fdruh Hkh fu%lhe jgh gk] lkekT; fdruk Hkh lo'kfDreku D;k u jgk gk ;g lc doy dgjk vkj /kU/k g vkj mUgh dh rjg mM tk;xk] [kRe gk tk;xkA doy ,d gh 'kfDr jg tkrh g] ,d gh lPph 'kfDr fodflr gkrh thfor jgrh g vkj og 'kfDr gh LorU=rk gA eu"; d fy, thfor jgu dk vFk LorU= jguk gA ugh] gj okLrfod oLr ;fDr lEer ugh gA gj vekuoh; oLr fujFkd vkj fu#i;kxh gA ¼ogh] i"B 208½A

lektoknh ;FkkFkokn dh gekj ;gk cMh ppk dh tkrh gA vkf[kj ;g ^in* dgk l vk;kA bld : lh L=kr D;k g % dey'k th u lekl&9 e fn; x; viu vky[k d vUr e bl ij Hkh fopkj fd;k gA

lektoknh ;FkkFkokn dh D;k ifjHkk"kk g \ ;g i'u iN tku ij dkb ,d mÙkj feyuk dfBu g] yfdu lkfo;r l?k vkj ^lkfo;r y[kd l?k* u 1930 l gh bldk ipkj 'k: fd;kA Hkkjro"k e ixfr'khy y[kd l?k u bldk lkfgR; dh ,dek= ekU; 'kyh eku fy;kA f}rh; egk;) d ckn rk bl lkj lkfo;r n'kk dh lkekU; lkfgfR;d 'kyh eku fy;k x;kA lektoknh ;FkkFkokn : lh lkfgR; dk vfHkUu vx jgk gA dku&lh jpuk lektoknh ;FkkFk d vrxr vk,xh bldh fu.kk;d ,dek= : l dh dE;fuLV ikVh dh bPNk gA Hkkjrh; ixfr'khy y[kd l?k }kjk ipkfjr lektoknh ;FkkFk ij fVli.kh djr g, dey'k th u fy[kk g % Hkkjrh; ixfr'khy vkUnkyu vkj Hkkjrh; dE;fuLV ikfV;k }kjk vkt Hkh pyk, tk jg ;FkkFkokn l : lh ;FkkFkokn dh ryuk dfj;A Hkkjrh; ;FkkFkokn vR;Ur nhughu dE;fuLV fopkj/kkjk dk ipkjd yxxk ¼ogh i"B] 212½A

bl Ük[kyk dh lekiu fd'r lekl&10 e Nih gA eu bu rhu fd'rk dk cgr /;ku l i<k gA bl i<dj ej eu e : lh lLdfr vkj ogk d y[kdk] dfo;k dk vf/kd tkuu dh mRldrk tkxr gb gA bl y[kekyk l e> dey'k th d : l fo"k;d v/;;u dh xgjk;h vkj mldh fo'kkyrk dk Hkh irk pykA bl y[kekyk dk nh?k y[kekyk dgk tk ldrk gA ij e> bld db ilx i<dj ,lk yxrk g fd dey'k th blh ^Fkhe* dk ydj : lh lLdfr dk mnHko vkj mld iru ij dkb cMk xUFk fy[kuk pkgr FkA : l dh dE;fuLV ikVh }kjk ipkfjr lkfgR; ;k mlu : l d ftu y[kdk dk ekLdk d idk'ku&xg l Nkik g] o lkjh iLrd xlrpj foHkkx }kjk tkph x;h g vkj mudh ekfydrk dk {kfr igpk;h x;h g blfy, : l dh lgh Nfo tkuu d fy, : l d vykok ftu vU; n'kk d idk'ku&xgk l ey : lh e tk dfr;k Nih g mUg vFkok mud vxth vuokn i<u pkfg,A yfdu pfd ekDlokn dk iHkko ij fo'o ij iMk g vkj Hkkjr e mldk f<<kjk dN T;knk gh ihVk tkrk g blfy, : lh lektokn ;k lektoknh ;FkkFkokn dh gdhdr tkuuk cgr t : jh gA tc : l d dÙkk/kÙkk vk u : l dh egku lLdfr dk gh u"V dj fn;k] ogk dh turk] ogk d ykxk ij] egku y[kdk] dfo;k ij vekuoh; vR;kpkj fd, x;] yk[kk ykxk dh gR;k dh x;hA ,l ykxk d dkjuke mtkxj

gku pkfg,A dkb Hkh fopkj/kkjk gk] tc og rkuk'kkgh dk :i /kkj.k dj yrh g] rc ekuork mld uhp djkgu yxrh gA

lekl&10 e dey'k th u bl Ük[kyk dk ikjEHk ^:lh dfork dk idk'ku* mi'kh"kd l fd;k gA e bl idj.k ij dN fy[k bld igy e> ;g ;kn vk x;k fd dey'k th ;k fdlh Hkh xEHkhj y[kd&dfo dk dl i<k tk,A D;k fy[k g, l fdlh dh vkRek dk] mldh cpuh dk] mldh #fp;k dk] fy[ku d fy, tVk, x;'kCnk dk] nk Vd ckr dgu d mld lkgl dk [kktk tk ldrk g \ jpuk i<dj mfDr;k dh ygjk dk Hkndj D;k mld ry e cg jg ml vdFk dk Åij yk;k tk ldrk g] tk ml jpuk dh cfu;kn gkrk g \ njvly dey'k th dk myV&iyV dj ljljh fuxkg l] ¶yi ij Vdh fVli.kh Hkj l ugh i<k tk ldrk blfy, eu tc Hkh dey'k th dh dfork,] mul yEch okrk ;k mudk dkb y[k i<u dk miØe fd;k rk mle /khj&/khj Mcrk pyk x;k blfy, lekl&10 e ifjof'kr mudh :l fo"k;d bl y[kekyk d milgkj dk FkkMk euk;kx l i<u e oDr yxk vkj tc i<dj ml Hk;kog lkUn; d tkn l mcjk rk lkprk jg x;k fd fdl rjg tMrk] fglk vkj rkuk'kkgh d gkFkk :lh lLdfr d ml egku m|ku dk mtkM fn;k x;kA

dey'k th u fy[kk g lkfo;r l?k e ØkfUr d ckn lkjh idk'ku&lLFkkvk dk jk"Vh;dj.k djd mudk iuxBu fd;k x;kA fQj iLrdk dk idk'ku llj fd, tku d ckn gh fd;k tk ldrk FkkA mUgku ;g Hkh fy[kk g fd bldk iHkko ;g gvk fd chloh 'krkCnh d egku :lh dfo;k& vUuk vk[ekrkok] vkfli ekUnyLrke] ekjkuh RLork;ok] fudkykb tokyk0Ldh dh dfork, vkj x| jpuk, rFkk :lh dFkkdkjk& fe[kkby cYxkdko] ;jh vkyxk] vkbtd ckoy vkfn dh dFkkdfr;k :l e rhl&pkyhl lky rd ugh Nirh FkhA o ey :lh e ifjl vkj U;;kd e vioklh :lh idk'ku&xgk l vefjdh Qkm.M'kuk l ikIr vunkuk l Nirh FkhA :l d dfo;k vkj y[kdk dh ey :lh e llEikfnr xUFkkofy;k Hkh vefjdk e gh NihA ¼ogh] i"B 185½A

bl y[kekyk l e> ,d fofp= rF; dh tkudkjh gb fd xkdh ftl VkYLVk; d ckn :l dk egku y[kd ekuk tkrk g] ;g dE;fuLV ikVh d fl)kUrk dk ipkj djr Fk vkj LVkfyu viuh rFkk :lh 'kklu dh vPNh Nfo iLrr dju d fy, xkdh dk mi;kx djr Fk vkj xkdh LVkfyu d fy, dke Hkh djr FkA ,d mnkgj.k uhp fn;k tk jgk g% xkdh LVkfyu l feyu d fy, xV fcVu l tkt cukM 'kk ¼29 tu] 1931½] teuh l ,fey yMfox ¼13 fnlEcj] 1931½] Ýkl l gujh ckjcl ¼4 vxLr] 1933½] bXy.M l ,p-th- oYl ¼23 tykb] 1934½ vkj Ýkl l jkE;k jkyk ¼28 tu] 1935½ dk cykr jgA ; lHkh ykx LVkfyu dh fouerk l vfHkHkr gk tkr FkA jkyk u fy[kk& ^i.k lknxh] lh/k mRrj] lPpkbA o viuk nf"Vdk.k fdlh ij Fkkir ughA* fcVu l tkt cukM 'kk vkj Qfo;u lklk;Vh d lLFkkid flMeh oc vkj fo,fVl Vkc Hkh lkfo;r l?k dh ;k=k ij vk; vkj mudk n'kHkj e ?kek;k x;kA o lHkh ykx doy ogh n[k ik, tk mUg LVkfyu fn[kykuk

pkgr FkA oc nEifr u bXy.M okil ykVdj gtkj i"Bk l Hkh cMh ,d ekVh iLrd fy[kh& ^lkfo;r ;fu;u , U; flfoykbt'ku*A ;g iLrd m|kx] df"k] f'k{kk vkfn {k=k d foylr vkdMk l Hkjh iMh FkhA o lkj vkdM lkfo;r vf/kdkfj;k }kjk inÙk FkA budh dkb fo'oluh;rk ugh FkhA ¼ogh] i"B 186½A

bruk yEck m)j.k blfy, fn;k x;k fd LVkfyu fonf'k;k dh utj e viuh dku&lh Nfo iLrr djuk pkgrk Fkk] lkFk gh :lh ixfr d dl >B vkdM mud lkeu iLrr dj mUg Hke e Mky jgrk FkkA bu vkdMk dh vkM e :l dh okLrfod gkyr] ogk dk ?kVrk mRiknu] Qyrh Hk[kejh] itkx.kk ij gku oky vR;kpkjk dk fNik j[kuk pkgrk FkkA

dey'k th u ;gh ,d yEch dfork mn/kr dj ,d dfo d :l ie] fcNMu dk nn vkj irhdk d ek/;e l ;kruk d ekfed fp= iLrr fd; gA ;gh ij mUgku ^dkUlVf.Vu ikLVk0Ldh* dh iLrd ^Lof.ke xykc* l ,d v/;k; iLrr fd;k gA ble mlu ,d Hke.k oÙkkUr d nkjku cfuu dh dN dgkfu;k i<h vkj mld dN v'kk dk mn/kr dj ;g crk;k fd cfuu dk i<uk iMrk gA tk ckr mUgku Dyfldy lLi"Vrk vkj lfu'p; l dgh g mUg jktejk d xj&cfuu 'kCnk e dgu dk dk#f.kd i;Ru djuk lnk d fy, NkM nuk pkfg,A ¼ogh] i"B 191½A

cfuu dh dyk dk jgL; fuHkj Fkk mud x| dh orykdkj xfr ijA cfuu dgr g fd o tc Hkh fdlh fo"k; ij fy[kuk 'k: djr g] mUg lcl igy ,d /ofu [kktuh iMrh gA tl gh e> ;g /ofu fey tkrh g] ckdh ckr viu vki tV tkrh gA

/ofu iku dk D;k vfHkik; g \

/ofu iku l rkRi; g x| dh y; ikuk] mldh eyHkr Loj ygjh dk ikuk D;kfd x| e Hkh dfork vkj lxhr dh rjg dh vuxt ePNuk ¼LojkuØe½ gkrh gA x| dh y; vkj bld lxhrkRed LojkuØe d ifr lonu'khyrk viuh ekrHkk"kk dk mPpdkfV dk Kku vkj mldh vuHkfr gku ij gh vkrh gA :lh Hkk"kk ij cfuu tl vf/kdkj vkj dgh ugh nh[k iMkA ¼ogh] i"B 192½A

dey'k th u cfuu d ckj e dg x; mUgh v'kk dk puk g ftll fgUnh x| dk Hkh le) dju dh ij.kk fey ldrh gA

dey'k th d bl yEc foopu dh [kch ;g g fd mUgku ^:lh lLdfr d mnHko vkj fouk'k* ij viuk tk VhVkbt icU/k iLrr fd;k og ,dne fdlh io /kkj.kk ;k ioxg l eDr gA mUgku yfuu ;k Lrkfyu ;k =k0Ldh }kjk fn, x, fdlh Hkh rd l viu dk cpk;k ugh gA mudk ijk foopu :l e ?kVh ?kVukvk] ;kruk f'kfojk d C;kjk] fopkjk dh vfHk0;fDr ij yxk;h x;h ikcfUn;k] lektokn d fn[kk, x, >B liuk vkj rkuk'kkgh d nkjku cf) thfo;k] dfo;k] y[kdk d fuoklu rFkk bu lkjh ?kVukvk ij :l l ckgj Ni

ikekf.kd C;kjk ij vk/kkfjr gA dey'k th e dgh Hkh cMckykiu ugh gA ,d Kkuh vkj lR; dh [kkt e yx ,d 0;fDr e tk fu"Bk] bekunkjh vkj fou; gkrh g mlh d lkFk mudk ;g foopu vk[k [kky nu okyk gA dE;fuLV fopkj/kkjk tgk Hkh x;h ogk mlu rÙkn n'kk d ekuorkoknh eY;k dk {kfr igpk;h] ogk d lkfgR; dk ,d fopkj/kkjk l vkØkUr dj ldh.k ekun.Mk dk ipkj fd;k vkj tk Hkh bl fopkj/kkjk dk ugh ekur Fk] mUg ;k rk udkjk ;k mudh mi{kk dh ;k mudh xyr 0;k[;k dhA

dey'k th u ^logkjk vkj dE;fuLV* vFkkr dE;fuLV ikVh dk ?kk"k.kk&i= ¼1848½ v/;k; nk dk vfody vuokn ndj mld gokb vk'okluk] fufgr mnn';k vkj Ny Hkj oknk ij idk'k Mkyk gA bld ckn ^tku x* }kjk fyf[kr ^lkfo;r jkT; dk iru* y[k dk mn/kr dj mu dkj.kk dh vkj bfxr fd;k g tk :lh lLdfr d iru d fy, mÙkjnk;h FkA mud y[k dk ,d v'k bl idkj g--- ;g iekf.kr dju e dkb dfBukb ugh g fd ekDl u dHkh Hkh ,lk dN ugh fy[kk fd LorU=rki.k lektoknh jkT; fdlh ,d ikVh dk vf/kuk;doknh 'kklu gkxkA ekDl u ykdrkfU=d lkekftd thou dk dHkh Hkh fu"k/k ugh fd;k FkkA mUgku vk'kk dh Fkh fd lektokn l vkfFkd fujd'krk dh lekflr gkxhA bldk ;g rkRi; ugh Fkk fd jktuhfrd fujd'krk dk;e gk tk,xhA fQj Hkh ;g Li"V g fd ekDl d fl)kUrk e gh o fu"d"k vUrfufgr g tk ekDl }kjk ifrikfnr ufrd eY;k d fo#) Bgjr gA ¼ogh] i"B 204½A

njvly bl foopu d bu v'kk dk vu'khyu blfy, t:jh g fd fgUnh e ixfrokfn;k }kjk lkfgR;dkjk d eY;kdu e tk i{kikr fd;k x;k g ;k ekvkoknh 'kklu d }kjk if'pe cxky e tk dN fd;k x;k g ml Bhd&Bhd ifji{;e le>k tk,A

:l e dykokn ;k :iokn dk vkjki yxkdj egku dfo;k] y[kdk vkj ukVddkjk dk vekuoh; ;kruk, nh x;h Fkh vkj gekj ;gk :iokn dk vkjki yxkdj vK; tl y[kd ij fujUrj vkØe.k fd, x, Fk& ,lk ;gk d ixfr'khyk u D;k fd;k] bl :lh lkrk d fcuk ugh le>k tk ldrk gA

:l e ,d ukV; fun'kd g, g LrkfuLyk0LdhA ; Hkkjr Hkh vk, Fk vkj bUgku ckXyk fFk;Vj dh uho Mkyh FkhA bud f'k"; Fk e;j gkYMA bUgku ukV;fun'ku vkj epu dyk e Hkh dkQh ifjoru fd; FkA 'kh?k gh budh [;kfr bud x# l Hkh vkx c< x;hA e;j gkYM dk viu fun'kudky d ikjfEHkd o"kk e gh :lh Hkk"kk d J"Bre ukVddkj ,.Vku p[kko d ukVdk dk fun'ku dju dk mÙkjnkf;Ro feyk FkkA ;g volj mud fy, cgr egRoi.k fl) gvkA o l.V ihVlcx dh lHkh ukV;'kkykvk d fy, fun'kd cuk fn, x, FkA

e;j gkYM u :lh xg;) d fo"k; e ,d ukVd iLrr fd;k FkkA vxy fnu ^ikonk* e mldh dBkj leh{kk NihA vxy fnu gh mud ukV;xg dk cUn dj fn;k x;kA vkB&nl eghu ckn ^deVh vku vkV vQ;l* dh cBd gb ftle e;j gkYM dk iNrkN d fy, cyk;k x;k vkj viu fd; ij i'pkrki dju d fy, dgk x;kA e;j gkYM u viuk i{k j[kkA ekLdk d ukV;xgk e gku oky ukVdk dk tkdj nf[k,] fdru jxghu]

mckÅ] lcd lc ,d rjg d gA mue Hkn fIQ bl ckr dk g fd dku fdruk egRoghu g& :iokn dk feVku dh ifØ;k e geu dyk dk gh u"V dj fn;k gA ryuh; Hkkjr e lkfo;r l?k dh ij.kk l ixfr'khyk }kjk :iokn dk fojk/k vkj :iokn d uke ij vK; ij vkØe.kA ¼ogh] i"B 217&218½A

nk fnu ckn e;j gkYM fxj¶rkj dj fy; x;A d-th-ch- d vfHky[kkxkj e mudh Qkby g ftle e;j gkYM }kjk ty l ekykVko dk fy[kk x;k ,d i= g] ftle mUg nh x;h ;krukvk dk fooj.k g vkj mUg ekjihVdj ,d nLrkot ij mul viuk vijk/k dcy djr g, og lc fy[kok fy;k x;k ftl d-th-ch- pkgrh FkhA ,lk gh yk[kk ykxk d lkFk fd;k tkrk FkkA

dey'k th u fy[kk g lkfo;r l?k d fo?kVu d lkFk&lkFk lnh?k dE;fuLV 'kklu dk ,d ifj.kke ;g gvk fd :lh Hkk"kk lekt e dfork dh dUnh; fLFkfr [kRe gk x;hA dN vkj vkx c<dj lkpk tk, rk dguk gkxkA fiNyh nk 'krkfCn;k e :l e tk lLdfr fodflr gbZ FkhmPp lkfgR; dh ftl ijEijk dh 'k#vkr vkj i"V gbZ Fkh mldh lekfIr gk x;hA

dey'k th dh ;g fVIi.kh euu dju ;kX; g fd ckY'kfod 'kkldk u viuh ekDlokn fopkj/kkjk d Irghiu dk] mldh Hk;dj =fV;k dk] mldh eu"; fojk/kh HkkfUr;k dk le> fcuk mldk ije lR; ekudj ml ij fo'okl fd;kA mld iHkko e viu /ke vkj viuh ijEijkvk dk u"V dju dk gj i;Ru fd;kA ekDlokn e mudh ,lh vU/kh vkLFkk Fkh fd viu 'kklu e mUgku :lh turk d chp g tkjk o"k e fodflr gbZ ijEijkvk dk fou"V dju dk vfHk;ku ge'kk tkjh j[kkA

dey'k th dh ;g fVIi.kh ,d prkouh dh rjg g fd ekDlokn dE;fuLV gj n'k e ogh djr g] tk mUgku :l e fd;kA ijEijkvk dk uk'k mudk igyk dk; gkrk gA o dN eghuk e ik fy; x; viu fdrkch Kku dk gh lEi.k lR; ekudj bru xohy gk mBr g fd oLrfodrk dk le>u dk i;Ru fd; fcuk gh mld fouk'k e yx tkr gA :l e tk gvk] ogh phu e Hkh gkrk jgk g] ekDlokfn;k dk ftruk cl py ldrk g] Hkkjro"k e Hkh vjl l o ogh dj jg gA ¼ogh] i"B 224½A

^:lh lLdfr d mnHko vkj fouk'k* dk ydj dey'k th d bl v/;;u dh QyJfr ;gh g fd ekDlokn fopkj/kkjk dkb vfUre lR; ugh gA bld ey e gh ufrdrk fojk/kh rRo gA :lh 'kkldk u jl e gh tk dN fd;k x;k g og rkuk'kkgh] LorU=rk dk xyk ?kkVu okyk gA dey'k th u viuh LFkkiuk, ftu xUFkk d vk/kkj ij [kMh dh g mu xUFkk dh foLrkj l lph nh gA mUgku viu v/;;u e mu bfrgkldkjk dh vkj Hkh ldr fd;k g tk vkt Hkh ekDlokn fopkj/kkjk l iHkkfor gkdj Hkkjr d bfrgkl vkj lLdfr dh fodr 0;k[;k dj jg g] mue jkfeyk Fkkij vkfn gA ¼ogh] i"B 224½A

dey'k th dh ;g y[kekyk doy m)j.kk dk ldyu ugh gA ble rF;k d idk'k e :lh dfork dh HkO;rk

vkj ogk dh lLdfr dh mPprk dk mYy[k fd;k x;k gA fQj dfork dk dl dUn l gVk fn;k x;k vkj lLdfr dk fouk'k fd;k x;k mldk Øfed v/;;u iLrr fd;k x;k gA ,lk dju e dey'k th u ftu iR;;k dh ppk dh g o iR;;] eu"; dh idfr] mldh vkLFkk] mldh vPNkb] mle ekuoh; lEonuk] ijLij ie] lkUn; vkj viuh ijEijkvk l tM g, gA ekDlokn u n.M vkj Hk; d vk/kkj ij :lh eu"; dk mu lkj iR;;k l nj gVk fn;kA ekDlokn ,d FkkFkk] Hkked fopkj/kkjk g] ;g ,d Lolu jkT; g] ftldk /kjrh l dkb lEcU/k ugh gA bl y[kekyk dk fy[ku d fy, dey'k th u de&l&de 300 iLrdk dk myVk&iyVkA eu viu bl vky[k e dey'k th dh gh miifÙk;k dk ,d idkj l iuikB fd;k gA vkt dey'k th ugh gA ;g y[k mudh Lefr e ejh gkfnd J)ktfy gA

dfork Hkh ,d clko g

feFkys'k 'kj.k pkc

dfo deys'k clko dh lEHkkouk] jpuk vkSj i|ujpuk djrs gq, vc mUgha lcdk ,d fujkdkj clko cu pqdh gSA dfork Hkh ,d clko g] bl vk'k; dk mUgha dh dfork,¡ i|"V vkSj l?ku :i ls pfjrkFkZ djrh gSA dfork dh nqfu;k oLrq Hkh ,d rjg dk ifrlslkj rks gksrh gh g] ij deys'k th ds ;gk¡ ipfyr vFkksZ ls fHkUu bl ifrlslkj dh fufeZfr gSA reke J"B dfork,¡ fHkUu rjg ls vuqHko dk 0;Dr djrh gS vkSj blhfy, og mYys[kuh; cu ikrh g] ,slh fHkUurk ugha] ;g ,d T;knk vfHkUurk&lh fHkUurk gSA thou dk] Lef`r;ksa dk] Hkk"kk dk] idf`r ds vR;Ur l?ku lLi'kZ ls curh vfHkUurk] bl fHkUurk dk i;kZ; gSA ;gk¡ ifrlslkj dh tks ifrPNfo;k¡ curh] LFkkfxr gksrh vkSj cuus dh iq.k dkf'k'k djrs gq, vUrr% dfork esa i;kZofLr gksrh g] os Lef`r;ksa dh le`) nqfu;k ls <j lkjh phtsa dks cVksjdj] ,d lqUnj y;] ,d lkIlfjd o ohrjkx thou dk dykRed lePp;] ,d fufyIr i|ujkoykdu] Hkk"kk dh vnE; vkdk{kk ls drK vuqHkfr dk gh :ikdkj gSA

,slh cgqr de dfork,¡ gksrh gS tks i<us ds lkFk gh n[kus dh Hkh ,d l?kj&lh fØ;k dh ekx djrh g] mUgs fIQ i<dj vki ugh #d ldr] ,d ckj fcuk i<s gq, ;k i<s tkus ds ckn mUgs n[kuk Hkh t:jh gSA vU;Fkk vki mu vFkksZ ls ofpr jg tk,xs tks i<us ls foyx] n[kus esa fBBds gq, gSA ;g n[kuk fIQ thou dk gh ugha g] u"V gksrs dk Hkh n[kuk gSA

,g VªV ugha] ;g Hkkxq j gS%

deys'k th dh dforkvksa esa ,d xgjk u'ojrkcks/k g] ftlesa VwV&QwV gksuk g] ftlls u"V gks tkuk g mlh thou dk dldj idMuk gksrk g] bl idMus dk Hkh vkSj Hkh rhoork ls tdMuk gksrk g] blls l?kj cukus dh dkf'k'k djuk gksrh g] bldh d|:irk dk dkV&NkVdj lqokjuk gksrk g] blls eqdEey x<uk gksrk g] blls Bksl o ifjiDo cukuk gksrk g] blesa vkdk{kkvksa dks jpx Hkjus gksrs g fQj blls ie djrs gq, fyiV tkuk gksrk gSA ysfdu bldk lqHkkyus dk lkjs ;Ru gh u'oj g] ;g rks u'oj gS gh&

lc dqN djs]

lEHkkys bls]

;g VV ugh

;g Hkxj g]

;g thou gA

thou dh u'ojrk njvly ng dh u'ojrk dk gh foLrkj g D;kfd ng d u"V gku ij tk nljk dh Lefr e cpk jgrk thou g og Hkh cg/kk u'oj gA mldk le; dN T;knk gk ldrk g] dN 0;fDrRok dk 'krkfCn;k T;knk ij og ,d rjg dk fQj l u"V gkr tkuk vkj ml okLrfod :i dk P;r gkr py tkuk gh gA ;fn dykvk e iujpuk vkj iu'kjhj tlh ifØ;k l foyx dN fuiV nfu;koh rjg l n[k rk(gkykfd dfork viuh nfu;k d nk;j e lkprh g tk fd lhekghu g vkj nfu;koh fopkj d lhfer vklkj vR;Ur ldh.k gh gkr gA

ng gh lhek, yk?krh g ij [kn ij mldk dkb fu;U=.k ughA futhok rd l T;knk vieku vkj u"V gku dh ifØ;k l xtjrh g ogA bPNkvk d vUrxr gh ugh] vfuPNk l ml ij vfrØe.k fd;k tkrk g] cykr vk[kV gkrk g mldkA /kj&/kj u"V gku dh vfUre fLFkfr rd igp og mUgh rRok e fey tkrh g] ftul curh g ogA og tk u'oj g] vu'oj iR;;k l [kyrh g&

Hkkok&bPNkvk l] egÙokdk{kkvk l]

jkx&r".kkvk l]

ekg l] {kkHk l]

Øk/k l] }"k l]

'kfDr l] 'kk; l] Åtk l]

jkx l] 'kkd l] b";k l]

Hko ck/kkvk dh ykpkjh lA

thou dh] ng dh bl u'ojrk dk bruh ixYHkrk l egll dj ikuk eu"; gku d ck/k dh gh okLrfod igpku g vkj ;g cgn ef'dy fLFkfr gA dkb vkneh dl ng vkj thou dk fNrjk&fNrjkdj n[k ldrk g] mldh fuLlkjrk] vdkjFk py tku dh 'kk'or yxrh ihMk dk Lohdkj dj ldrk gA bl fufylr voLFkk dk ikuk] nfu;k e ifo"V gkdj gh nfu;k l foyx nfu;k d ckj e lkp ikuk fdlh Kku] 'kfDr] vfLrRo vkfn vgdkjk d jgr rk lEHko gkxk gh ughA vg d foyhu gku ij gh ;g fLFkfr ik;h tk ldrh gA rc dkb 0;fDr u'ojrk ck/k dk vkuUn Hkh egll dj ldrk g] u"V gku dh irh{kk dk lkUn; ml fey ldrk g vkj rHkh vki vkjk l] tk vkid viu g mul] bl vg d ifjR;kx dk vkºoku dj ldx] tgk l mud u'ojrkck/k dk jkLrk 'k: gk ldxkA ;g viu tkuu dk foLrkj gh g&

og tk viu Hkhrj tuek g tUe d lkFk]

og tk c<k] cMk gvk g viu ;ok gku d lkFk]

og tk viu Hkh rj ru dj [kMk g
;) dk vkrj]
vi.k djk viukA
;g vkºoku vkj Hkh xgjkrk tkrk g&
viuk guu djk
cU/kvk
cU/kvkA
;g viu ck/k dk nljk dk nu dh dfo pkguk cyorh gkrh tkrh gA u'ojrk d ldrk dk vyf{kr dj thou&fyllk Ny&iip&ekg&ek;k d nk;j l fudyrh gh ugh gA vU; le;k dh rk [kj ckr gh D;k] thou d vfUre n';k e Hkh ;g fyllk ckdh jgrh g&
yM[kM pyrh ng]
fdru VV rkj
Hkje d]
fQj Hkh tl dk rl
0;kikj fpÙk dkA
u'ojrkck/k d flj l vg dh efDr vkj tkuu d Hkko d fy; viu le; d eu";k l vkºoku djr g, dey'k th vrhr rd igp tkr gA o gekj le; dh thou dk vkØkU dj pdh 0;Fk vkdk{kkvk dk vkj Hkh T;knk l?kurk l egll djr g, bl ihMk e Vgyr bfrgkl rd vkokt kgh dj vkr gA xkre ilx ij dfUnr yEch dfork e dey'k th rhuk ifjokt dk ili Hkfnn;] vLlft egkuke] v..kkr dk.M d }U} o v'kkUr fpÙk dk n[kr gA rhuk e jkx Fkk] thou dk idk'k ugh Fkk] bl gh o i'ukfdr djr gA xkre u tc u'ojrk dk tku fy;k] mUg bl ij T;knk ,dkx jgu dh fujFkdrk dk xgjk vgl kl gvk vkj blhfy, o bu rhuk ifjokt dk dk ,l gh ck/k dh ikflr d fy, idkjr g&
bl xg e dN Hkh ugh g
;g xg gh xg g]
bl ij er /;ku n]
bl T;knk l[k u n]
bl T;knk d"V u n]
bl xg d Hkhrj dN ugh
tku y]
LorU= gk tk;A

yfdu rhuka ifjoktd vkj mUgh dh rjg dh cgqr l[;d euq"; ckgj ds vL=ks ds lgkjs] xq# o xUFk] ykd vkfn ds ekxZ ls] r; o crk;s g], ckákpkjka ij gh dfUnr jgdj v lyh xkre ls nj fNVdrs jgrs gSA os vUnj dh nfu;k] vuHkfr dh nfu;k] Kku dh v lfy;r ls dkQh nj jg tkrs gSA

deyš'k th dh dforkvks ea tks u'ojrkcks/k gS og fujk'kk ;k iyk;u tl h ifrxkeh fLFkfr;ka dk tud ugh g] D;kfd mlea u'oj ds gkus dk vFk Hkh 'kkfey gSA mlea ,d uljUr;s dh vfeVrk Hkh g vkj blhfy, mldk ejdEey ugh gks iku dk vglkl Hkh gSA blhfy, bruh Li"V u'ojrkcks/k dh fLFkfr ea Hkh os tc rd thou g] ;g ng g blls viuh le> vkj lkeF;l ls x<us dh vkdk{kk Hkh 0;Dr djrs gSA Hkys gh ;g gekjs lkeF;l ls ckgj dh phts yx] yfdu gekjs vUnj bls u"V gkus rd x<us dh pkguk gkuh gh pkfg, vU;Fkk thou ls] ng ls vkuUn ugh cpxk] lkFkdrk dk rRo mHkj gh ugh ik,xk&

rkehj thou dh]
cl dh ckr ugh]
dN xu gkFk yxs
ckdh vkdkr ugh]
tx fcu Bkj ugh
cluk] fclkr ugh]
tlh Hkh ng cuh
vHkh lekIr ughA

u'oj dk ;g ck/k thou rd gh lhfer ugh] jpukRedrk ds yks i dk Hkh vuHko gSA thou vk;q ds c<us ls u"V gkus dh vkj tkrk g vkj dforkk n[k u iku dh v{kerk vkj lEonughurk ds lkFk yks i dh vkj pyh tkrh gSA tls thou vkj jpuk nkuks dh u'ojrk ,d gh tlh gkA

bl vkdk'k esa bruk gh i{kh mM+x %

deyš'k th dh dforkvks ea iadfr vfHkUurk ds lkFk ekStn gSA mldh vlhfer 0;kfIr vkj mlls euq";ks dh xgjh lyXurk o ,d rjg dh euq"; gks iku dh lkFkdrk dh rjg iadfr dh mifLFkfr mudh dforkvks ea gSA mudk ;g iadfr ls fj'rk vud dforkvks ea bl dnj l?kurk ls feyrk g fd mUgs iadfr dk l[kk Hkh ge dg ldrs gSA l[kk bl vFk ea fd og ukVdh; rks fcydy Hkh ugh gSA og lgtrk dh mlh voLFkk dk fj'rk g ftlea ,d dh vuqifLFkfr nljs dh 0;Fkrk dh rjg gSA dN ,slk gh fj'rk mudk Hkk"kk ls Hkh gSA

mudh dN dfork,¡ iadfr&fpUr dfork,¡&lh cu iM+h g] yfdu ogk iadfr viuh vkReh; mifLFkfr ls ekuoh; Å"ek gh nrh g] dkbl vfrØe.k ugh djrhA gk] euq"; ts:j vDlj vkj vc rks cgq/kk iadfr ds vfrØe.k dk i;kl; cu pqdk gS ftldh Hk;kogrk dk fIQj lp gh dfo ugh dgrk mlls vkxs ds [kkQuokd lalkj dh dYiuk

Hkh og 0;Dr djrk g& ^bl ou esa fdrus eu"; jgx@fdrus fgj.k@fdrus ck?k*A txy] ikuh] ?kkl] o{k vkfn dh yxkrkj de gksrh miyC/krk vkSj budsa fcuk i'kq&if{k;ksa lfgr eu"; dsa thou dh nq'okfj;kWa dfo dh fpUrk dk fo"k; g&

bl ou esa
brus gh
eu"; jgx
bl vkdk'k esa
brus gh
i{kh mMxA

iznw"k.k ij vfrpkj ls Hkfo"; dk ,d vLokHkkfod&lk fcEc curk gSA og iznw"k.k ftlds lkoj.k 'kfDr ls eu"; dh 0;Fkk dh okpkfjd mFky&iqFky ls ydj 'kkjhfjd Å tkZ vkSj rd dk 'keu gksrk g] mlds lkFk vfrpkj] D;k&

vdLekr dqN fp= dkS/k tkrs g&
tSls vHkh&vHkh ;s
/kku dsa ygygkrs [ksr
Dokj dh c;kj esa
cgrs g,A

^mÙkj dh gok,¡* dfork iznw"k.k ds mls vFkZ dk LifUnr djrh g tgk¡ gekjk iznw"k.k ls unoV; vUrr% mlls gekjs rSlr gksus ds ck/k dk gh foU;Lr djrk gSA iRFkj&f'kyk&pV~Vku&iosZr] fgef'k[kj] ifo= LFky] gou dq.M] xqgLFk ?kj] efnku] o{k&yrk,¡&ouLifr;k&Qy] dhV&irxs ls ydj oU; ik'k.k;k&xk;ksa vkfn rd gok Qyrh tk,] lcdk viuk lLi'k ls midr djs] lcdks mudk vHkh"V nsa] mlh ls lc rSlr gks&gok ;g cgrh tk,A ;g dfork vKs; dh ^ckojk vgsjh* dh ;kn fnykrh g tgk¡ ls;l ds vkxk'k esa lc dqN g] mlds fdj.kksa ls dqN Hkh ugh NwVrk] ;gk¡ mÙkj dh gok lcdks vklykfor dj jgh gSA

tks 'e'kku esa gksrs g] thfork dk vkJ; nrs gSA

dfork,¡ ,d rjg ls Le`fr;ks dk iquokZl gh g] o cgqr de le; ;k fdlh feFkd dky dh gks ldrh gSA bl vFkZ esa deys'k th Le`fr;ksa ds iquokZl ds gh dfo gSA mudh Le`fr viuh futh fj'rks ls Kkr&vKkr ij[kks] reke vuqifLFkfr;ksa rd Qyh gbZ gSA mu lcdk ;kn djuk viuk gksus dk dqN T;knk l?ku vuqHko djuk gh gSA gekjs fojy vkSj l?ku gksus dk ck/k Le`fr;ksa gh pfjrkFkZ djrh gSA ugh jgs firk dks n[kuk vkSj ge n[kus esa mudk ugh jg tkus dh vk'kdk dk vuqHko] vrhr esa lge tkus dh ,lh orZeku iqujkofRr g tks dfork esa vkdj Hkfo"; esa Hkh Qyh jgh g& ^esa Mj x;k Fkk fcu mudk vkxr Hkfo"; lA* ek¡ dk ugh gksuk Le`fr esa dqN bl

rjg gS fd ^ouikUrj ls dLrjh dh lqxfU/k ylr gks x;h g*] tSls ^fl U/kq dh vkj tkrh ufn;ka dh ygjka dk dyjo Jqr ugha jgkA* vFkkr thou dk gkus dh lqxU/k] lquus dh fiz; /ofu;k¡ gh tSls vc gekjh lkeF;Z ea ugha jg x;h gSA
Le'fr ea cls vuqifLFkr geea mifLFkr jgdj gekjs lkFk pyrs gSA mudh Le'fr gea rc Hkh lkFk nsrh gS tc ge Hkkfrd :i ls Fkd tkrs g]] ;kuh o gekjs vUnj ,d ujUr;Z dk cpkdj j[krs g&
tks pyrs x, gkrs gS
fQj Hkh gkrs gS
tks pyrs jgrs gS gekjs lkFk&lkFk
tks pyrs jgrs gS rc Hkh
tc ge Fkd x, gkrs gSA
dfo viu Kkr&vKkr firjka dk Hkh <w<rk gS] viu vkdk'k ea mUga ryk'krk gS] mudh Hkk[kk&l;kl dh fpUrk djrk gSA viu vfLrRo dk fy, mUga dRrKrkiwod ;kn dj Lo;a dks mudk o'kt ekuuk ,d ujUr;Z dk gh Lohdkj gSA ;s tks lkdkj ls vc fujkdkj ea rCnhy gks pdk gS] bu ls lEokn njvly vfLrRo dk ujUr;Z dk gh lk{khHkko gSA viu vkj viu vuqt dk tUe dh Le'fr ea cls ykcku dh xU/k vkj lkjh ls mBrs /kea oy; tSls lkjh u'ojrk] eR;q cks/k dk ckotn thou dh mls mRdVrk dk gh lk{kh gS fd vkf[kj lc dqN Bydj thou vk gh tkrk gSA

ekko gj dgh g%
tks txg gea vuqdy yxrh g] ge ogh cl tkuk pkgrs gSA fQl ge gh ugh gekjh bPNk,¡] Lolu lc viu vuqdfyr clko cuk yrs gSA blds fy, ge nljks ls lkS/ku yrs g] mUga vfuok;r% 'kkfey djrs g] rc mls leg dk vk/kkj ij gekjk clko fufeIr gkrk gSA fQl 0;fDrxr gh ugh] fQl vkUrfjd vkj cká gh ugh] lkoltfud clko dh fufefr;k¡ Hkh ,lh gh gSA fHkUu&fHkUu x|.k] dek] ekU;rkvk] fo'okl ks dk leg ,d= gkdj ,d clko cukrk gSA clko dh lEHkkouk gj txg eksktn g vkj vyx&vyx :ik&;kfu;ka dk vyx&vyx clko gSA viu gkus dh lqxU/k ea ylu euq";ka dk clko gh D;k nok dk clko dk i;k; ugh&
clko gh clko g&
iFoh ij] noykd ea
dgh firjka dk clko g
dgh vUrfj{kokfl;ka dkA
yfdu bl clko dh 0;kflr vkj gkus dh lqxU/k ls c[kcj ;U=ka ls fu;fU=r euq";&foozd] clko dk

Øjrkiod u"V Hkh dj jgk gS ;s clko fl) eu";] no] firjksa dh ghugh] dhM&edkSMks] tkuojks] ouLifr;ksa dh Hkh gS ,d xHkZLFk f'k'kq dk eq[k dh dk[k esa clko gks ;k ,d jk"Vª dk viuh lhekvksa] Hkk"kkvksa] laLd`fr;ksa] ofo/;&fof'k"Vrkvksa dk cpko gks] lkjs clkoksa esa u"V djus dh Øjrk Hkh iuirh gS njvly nljksa dks clko dk pkgs og dYiukvksa dk gks] bPNkvksa dk] vkdka{kkvksa dk] Lolyuksa dk gks ;k fQj ,d esrh Bkl Hkkfrd fdLe dk clko gks ftlls ge vkoklss dh ldh.krk esa ugh] gkus dh lokxh.k T;kferh rd foLr`r Qyks gqvk ikrs gS rFkk ftles vU;ks dh vkoktkgh lEHko gks(bls Lohdkj dj ikuk dkbl ljy ckr ugh gSA ge ge'kk viuk clko dk gh lepk nfu;k esa yus ds Hkke es iyrs gSA vU; ykdks] : ikS] ;kfu;ks ds cgfo/k lsls clko dks utjnkt dj viuk ykd ds v/kjiu dk ,d lEi.krk dh rjg eku cBrs g&
vk/k ykx ;gk¡ bl ykd esa g]
foiUu] fdUrq nf"V esa ped g]
lkprs gs iljk fo'o ;gh gSA
deyl'k th dh dforkvksa esa ,d clko dk ikus dh vkdka{kk ekStn gSA os fufn"V jkLrks dh fujFkdrk vkj ifrdy 'kfDr;ksa ls fHkUu gs vkj ;g Hkh Li"V gs fd ;g clko fdlh nljs ykd dh ldYiuk ugh g] ;g gekjh gh nfu;k es gekjs T;knk l?ku gkus dh ,lh vHkhIlk gs ftles vU; nfu;kvksa es vU;ks dk T;knk l?ku gkuk vfuok;Ir% 'kkfey gSA ,lk ugh eku ikuk viuk v/kjiu vkj clkofoghu gkus dk gh lk{; gSA os ;g Hkh ekurs gs fd ;g clko cukuk viuk gh cl es ugh g] cl FkkMh&lh ;fDr;ks gh rks gekjh gks ldrh g(tlls pkguk] tlls dYiuk] tlls rMiA
ij[kk] norkvks] ouLifr;k] tkuojks vkfn dh nfu;kvksa es vkoktkgh djrs g, deyl'k th eu";ks dk leVdj bu lcds lkFk tlls ,d l;Dr clko dh lEHkkouk ij eX/k gs vkj lcdk ,d&nljs ds clko dh lxU/k dk vglkl jg] bl vfuok;Irk dk yf{kr djuk vkin/keZ le>rs g] de&l&de eu";ks dh fy, rks ;g t:jh gh gSA
;g clko dkbl oldfYid ykd ugh] cfYd blh ykd es jgdj bldh lexrk dk phj&QkMdj n[kuk g] ftles fdlh dk [kjkp ugh vk,xh] bls tkudj eu";ks dk viuk gkus dh lxU/k 'kk;n igyh ckj] Hkjiijiu ds vglkl ds lkFk vkReeX/k&lk dj ldrh gSA

fHkUu] fHkUu] fHkUu tkfr %

,d l?ku ,fUn;ck/k deyl'k th dh dforkvksa dk ey Loj gSA Lefr;ks dk iuokl ,d rjg ls cgq/kk l[kn {k.kks dk gh ;kn djuk gSA eq dks gkus dh vkHkk] iirh{kk dh 'kkUr v/khjrk] ?kj tkus dh vkrjrk dh i;kl; :i ek] mudk u gkus dh ihMk] u gkus ds ckn dk fueke] cslkjk] mTToyrkfoghu lslkj] firk dk O;fDrRo] mudh mnkjrk] vk?kMiu] oHko fQj u jgus dk Hk;kud 'kkd] Hkkbl o Lo;s ds tUe dh Lefr] ?kj] 'e'kku] lkjh] fQj

ij[kk dh Lefr] mudh vrfIr dh 0;kidrk] viu dk o'kt :i e Lohdkj dju dh ilUufpRr tokcngh] mud ykd l viu ykd dh vfuok; lEc)rkA thou o ng dh u'ojrk dh iMrky djr g, mudh vkdk{kkvk dk ujUr; vkj ckotn bld bUg lEgkyu] l?kj cuku ij bljkjkA

vkj ;g flQ ;gh ughA io dh dfo enk Hkh ,fUndrk o Lefr;k d iuokl dh jgh gA bl dey'k th dh fof'k"V igpku dh rjg yf{kr Hkh fd;k x;kA bl dey'k th dk vU;k l fHkUu vkj /;kukd"kh x.k Hkh ekuk x;kA yfdu ^clko* rd vkdj dey'k th viuh vfrØe.k ugh dju okyh lfnPNk l gh bl mYy[kuh; x.k dk vfrØe.k djr gA bu fHkUu fetkt okyh dforkvk dk vki utjnkt Hkh dj n rk Hkh vU; reke dforkvk dh Hkhrjh ljpuk mud vfrØe.k dk iek.k n ldu e leFk gA o T;knk [ky vkj vkoktkgh dh enk e utj vkr gA Hkhrj vkj ckgj] jkefVd vkj ,.Vhjkefvd d ipfyr Qdk dk mUgku tl viuh ckf)d] ufrd] i'ukdy vkoktkgh l /kfey&lk dj fn;k gA blhfy, mudh bu dforkvk dk tYnckth e i<uk ml vkoktkgh dk vyf{kr dj nuk gA

uDlyh] fgUlk d jkLr viu clko dh fufefr dh ftl vf/kdk'k eu";rkfojk/kh ifØ;k e lyXu g] og vkf[kjdkj mUg D;k mud fdlh clko dk lEHko dj ik,xhA fo/ol dh uho ij fd;k x;k fuek.k bV&xkj&bekjrk dh nfu;k e rk lEHko g ij D;k fdlh clko dh iLrkouk cu ldrk gA nlj dh lgHkkfxrk dk [kkfjt djuk] thou dh foiyrkvk dk ,d nk;j e fleVk nuk D;k fdlh clko dk pfjrkFk dj ldrk g& dgrk g&

i'u gekj g] mÙkj gekj g

fdle lkgl g] i'u dj

e[kk dh HkhM e yxr ukj gekj gA

^dVEc uk'k*] ^dy e fHkUurk*] ^mtkM* tlh dfork, fHkUu dfo enk dk gh ,d :i gA ,d clko dh vkdk{kk&;k=k e l?kjrk dk] lgHkkfxrk dk vR;Ur foLrr vFkk e jprk&iklrk dfo vyxko d ruko dk ,d LFkfxr fujk'kk dh rjg egll djrk g&

xkB iMrh gh x;h Hkkb&Hkrhtk d chp

ck i&cVk d chp]

iMkfl ;k] dedjk d chp

xkB [kyrh] fQj c/k tkrh

lEcU/k cur jguk] fiNyk Hkyuk&

fuckguk gkrk FkkA

vyxko dh cgn ekeyh otg dl ,d clko dk MkokMky dju yxrh g fd vc ml lEgkyuk lEHko ugh cprk] D;kfd clko d foLrkj e gh fHkUurk d rd 'kkfey jgr gA o phtr tk ,d le; ikjLifjdrk dh

i;k; Fkh] dHkh fHkUurk d iky pyh tkrh g&
^dN le; cgvk e ey&tky jgkA fQj dgkfju u dN crk;kA dN dgk uk;u uA
mue Hkn c<rk x;kA ftl cg dh ikjh pYgk tyku dh Fkh mld cV dk Toj gk x;kA og D;k djrh] lJ"kk e
yxh jghA le; yx x;kA ifjokj dh turkfU=d 0;oLFkk fcxMu yxhA*
clko blh rjg VVr gA
/kh&/kh clko dk jpu oky] iklu oky fdlh vU; ykd e] viu ,d vkj ljf{kr clko e igp tkr g
vkj mud NkM g, clko [k.Mgj e rCnhy gk tku vfHk'kIr&l jgr g&
vc lc ijn'k py x,
tk ykx ty p<k ldr Fk o ugh jg
f'koky; [k.Mgj gk x;kA
;FkkFk d n';k dh ;g cpuh gh dey'k th dh dfork dk fHkUu roj gA

dey'k th dh dk0;&;k=k njvly Hkk"kk dh ,d l?ku jpukRed ;k=k gh g] o bl vFk e mÙkjkÙkj le) g,
gA Hkk"kk dk bruk y;kRed Lo: i nyHk gA ge flQ blh ,d vFk e dey'k th dk fgUnh dk vuBk dfo dg
ldr gA ,d&,d 'kCn dk jpko dk0; dk'ky dk idV djrk gA 'kCnk dh viR;kf'kr ;ktuk l tk fcEc
fufer gkr g o dfork dk iBuh;rk d vkx n[ku dh lEHkkouk l Hkjr gA vud dforkvk dk i<dj yxrk
g fd Hkk"kk gh ;gk ,d yhyk dj jgh gA vki vFkk dh nljh nfu;k e u Hkh tk ld rk i<u dh vi{kkdr
ljy&lh ifØ;k ;gk vkidk viuh vkxk'k e y yrh gA dN bl dnj fd vki ml ngjku dk foo'k gk mBr
g tl vFkk rd tku dh T;knk t:jr ugh] de&l&de tYnckth rk fcydy Hkh ughA ;gk Hkk"kk dk clko gh
fpÙkkd"kd g] mldh ikjLifjdrk l ?kfVr dfork dk clko ,d l[kn ;k=k cu iMrh gA
^clko* bl vFk e Hkh vuBk vkj mYy[kuh; g fd ;g dkb dforkvk dk ,d=dj lxg dh 'kDy e i'k dj
nu dh v#fpdj ifØ;k ugh cu ldkA iR;d dfork dk ;gk viuk LFkkiR; g] lUnj vkj vkd"kdA ihN l
vFk Hkh vk,x ij o fBBd jgx] tc vki LFkkiR; ij eX/k gkdj jg tk,x rc /kh&/kh dfork dh vFkkHkk
vkidk vxy ykd e y tk,xh vkj rc ,d clko ijk gkxkA ,l db vkReh;] foLrr] ikjLifjd vkj ,d
u; lokxh.k clko dk vkrj clkok dk feyu g dey'k th dh dfork,A

o Rkc Hkh ;gh gkr g---

fo'kky

dey'k th dk ;kn vkuk cgr lkjh fdrkck dk] ;k=kvk dk vkj lEcU/kk dk ;kn vkuk Hkh gA bruh lkjh ckr vkj ;kn ,d lkFk VV iMrh g fd dey'k th dk ;kn djr g, dN Hkh vyx&vyx le>uk vkj fy[kuk lEHko ugh yxrkA e> dey'k th d lkFk dN fnu jgu dk nyHk volj feyk gA eu mud uktejk d thou e mud eku dk] ppk dk] i<u dk] ykxk l feyu dk] Hkktu dju dk] lc e ,d ,lh ijEijk dk lftr gkr g, n[kk g tk de l de ejh Hkkjrh; gku dh Lefr dk rk ijk dk ijk jprh gA Hky gh ;g vfr'k;kfDr yx ij ejk vuHko ;g jgk g fd mudk gkuk ejh lH;rk e clko vkj mldh ekufld cukoV nkuk dk lk{kkRdkj djkrk FkkA ,lh fojkVrk D;k [ky e vkokl ;k clko d fcuk lEHko Fkh\ D;k dHkh ,lk Hkh lEHko g fd dHkh d l[k pd lkrk ¼lkrk½ dk ikuh mlh fo'kky f'kyk d Hkhrj l fjlu yx ftl ij l og ikuh dHkh cgdj fudyrk Fkk\ lH;rk dh ,lh gh f'kyk Fk dey'k th vkj ,l gh Fk dey'k th dk jpuk vkj gkuk nkukA mudh Lefr;k gekj HkkFkj oreku l lh/k eBHkM Hkh Fkh u fd oreku l iyk;uA mud fy, idfr vkj mldk lkUn;Z Hkh lH;rk dk gh vkfne LoHkkoxr lkUn;Z Fkk u fd oreku l fNiu dh [kkgA mudh pruk ,d ,lk dk'ky Fkh tk lH;rk d i=ghu fu"ik.k r# dh Nk;k Hkh n[k ldrh FkhA

lh[kk geu n[kuk fu%lx dk]
n[kuk dk'ky g]
dl fn[k Nk;k
i=ghu fu"ik.k r# dh!
dl fn[k xkN tk ugh jgk!
dl fn[k ge ftl lh[kk ugh n[kuk!
n[kuk dk'ky g! ---^[ky e vkokl*

dey'k th d v/;;u dk n[kdj ;g Hke gk ldrk g fd mudh thou ;k=k 'kk;n ckf)d jgh gk ij mud

thou dh lgt vknrk ml xgjkb e lnk nhlr ml d#.kk dk lk{kkRdkj djkrh jgh ft ld fy, lk/kuk, dh tkrh gA dey'k th dk uhn cgr de vkrh Fkh ij 'kk;n gh mUgku dHkh bldh f'kdk;r dh gkA ,d fLFkfr Fkh tk lrr tkxj.k dh FkhA cgrk ikuh gk ;k [kyk vkdk'k] tkxj.k fuR; gA eljh e ,d ckj vk/khjkr d ckn mud dej d FkkM l [ky njokt d ikj tk nf"V xb ok ej fy, n[ku l vf/kd fn[kuk FkkA [kyh vk[k tkx jgh Fkh vkleku e mBrh yk lh vkj ok fn[kuk vkj Hkh Li"V gvk tc dey'k th ugh jgA dgk fdruk ge thr th fdlh 0;fDr dk mldh lkekU; fnup;k l vyx ikr gA ij---

nj l lgh vc ;gk igp x;k gA
iork dh vkV e]
ou d xgu xºoj e
clk gvk rEgkjk ykd
n[k pdk gA
{k.k Hkj d fy, gh lgh
Tkku pdk g rEgA ---^clko*

dey'k th dk [kku dk Hkh cgr 'kkd FkkA mUg [kkuk [kkr n[kdj e> vDlj yxrk Fkk tl mud Hkkjh&Hkjde 'kjhj d ek/;e l u tku fdru noh&nork l{e :lk e ^the* jg gk ¼egkckã.k dh egkdk;k½A e> ldkp gkrk g ;g dgr g, fd eu dey'k th dh fy[kh vk/kh l Hkh de dfork, i<h g] dHkh ,d&nk l vf/kd ugh i< ik;k ,d lkFkA ledkyhurk dh udyh Nfo;k l eDr ; dfork, e> ,lh xgu fuLrC/krk e rRdky y tkrh jgh g tgk lkpu&le>u vkj i<u dk lkjk fØ;k&0;kikj lh/k ^gku* e ?kV tkrk gA vkt fy[kr g,] mud ckn igyh ckj bruk nh[k gk jgk g---

volj vl[; g
ylrik; nok d]
vorfjr gku d]
mudk gk ifjKku
gedk] vlEHko g------ ---^clko*

[kn d v/k d, e dN {k.k dk >kdrk g dHkh rk ejh LorU=rk e> fdruh ldh.k vkj LokFkh tku iMrh g tk viu ^Lo* d vykok nj rd ugh n[k ikrhA ij dey'k th dh thoUr&dforkvk d vkykd e FkkMk n[k ik;k fd ej fy, vlhe LoPNUnrk] LorU=rk vkj vkuUne;h xfjek ejh viuh gh ijEijk e g vkj dgh ughA ij ;g ok ijEijk Hkh ugh tk efUnjk d Åij j[k ykÅM Lihdjk d 'kkj e /k/kdrh gA dey'k th d jpuk&ykd e FkkMk io'k feyu ij ;g Hkh vuHko gvk fd nork] tUe] mRlo] efUnj] eU=kPpkj.k] norkvk

dk vkºoku vkj Lox ; [kkyh 'kCn ugh gA bu lcdk ge mudh jpukvk e lftr gkr g, n[kr g u fd igy l gh tku&le> vFk e bUg n[kr gA fdruk dN g tk vHkh tkuk tkuk g vkj ok g gh fdruk tk ge tkur g & ok Hkh & vuHko lA

vkdk'kh vk;kek dh lfU/k ij
[kyrk g ,d okrk;u
fn[krk g miou ¼Lox dk½A
,d okrk;u
fn[krk g fgeor ,d vkj---

;kn djd e> g lh vk jgh g--- fiNy lky e vkj dey'k th ngjknu e fdrkck dh ndkuk e tk jg Fk rHkh jkLr e mUg iRFkj dh ue lyV cuku okyk fn[kkb iMk] dgu yx pyk cuok yr g fnYyh e dHkh cuoku dk le; gh ugh feykA eu ;g dgr g, euk dj fn;k ;gk iRFkj dVu dk cgr 'kkj g vkj bl fnYyh <kdj y tkuk viu e ,d >>V gA fdrkck dh ndkuk ij dey'k th u ?k.Vk yxdj ,lh ijkuh fdrkc fudkyh fd lHkh ldr e FkA iLrd foØrkvk dh Qyh gb vk[k t l iN jgh gk vj! ; fdrkc gekjh ndku e dgk l vk x;hA D;k ;g dgk tk ldrk g fd dey'k th ugh jg---

ge tc Hky tkr g mUg n[kuk]
o pi gk tkr g]
eMjkr jgr g gekj Åij rc HkhA
ge Hky tkr g
tc mudk vfLrRo]
ge Hky tkr g
tc mud vf/kdkj]
er rc Hkh ;gh gkr g
;gh] gekj Åij]
gekj vkl&ikl lA ---^[ky e vkokl*

e> fo'okl ugh Fkk ej x# dfo dh ;g ckr ej thou e e> bruh lkQ&lkQ vuHko gk ldxh fd ^fojg ie dk vuUr g*A--- fd gekjk txr vkj mldk n';&fo/kku [kRe gkrk jgrk g] jhrrk jgrk g vkj vf/kd l{e Lrjk ij jp tku dh vkgfr cudjA

ok % dey'k ,d dgkuh

foØe Hkkj}kt

mUgkus iLrd dk gkFk e fy;k vkj mldk lgyk&nykj dj] lkQ ikN djd flj gkus d ikl j[kdj cB x;] viu fcLrj ijA mud fcLrj ij vudkud iLrd igy gh fo|eku Fkh] bl rjg ekuk vc vkj rc gok e mM tk;xh vkj o mudk gok e yid yx] [khp yx viuh vkj] vkj 'kk;n ,d ckj fQj mudk i< MkyxA

D;k iLrd i<uk t:jh gkrk g\ fdlh u i'u fd;kA mUgku #d&#d dj mÙkj nu l igy dh fØ;k tk fd mudh eLdku Fkh] ok dh] vkj cky ugh fcYdy ugh] fdlu dgk ,lk\ cfYd fdlh u ugh ;k 'kk;n fdlh Ýklhlh fopkjd u lkygoh 'krkCnh e ,lk dgk Fkk] fd vko';d ugh fd vki fdrkc i<A rHkh fdlh u mUg og uke ;kn fnyk;k fd fdlu ,lk dgk Fkk vkj bruk lur gh ok fQj eLdjk fn; vkj cky fd lkeu cMh Åph yEch&lh vyekjh tk n[k jg gk] mle rhlj eky ij nljh ifDr e vfUre ikp iLrd mUgh Ýklhlh fopkjd dh fy[kh g tk lu 1961 e e> mud ,d o'kt l iklr gb FkhA rk D;k vki mud o'kt dk tkur Fk\ ok cky] ^th gk vkt Hkh ejk mul lEid g] ;|fi opkfjd erHkn pekRd"k ij gA* mlh oDr lkeu fujFkd] pruk 'kU; vkj vuxy ckr mxyr g, Vh-oh- dk puy fdlh u fjekV l cny fn;k vkj Vh-oh- ij Hkkjro"k dk jk"Vxku 'k: gk x;kA mlh oDr fdlh u fVli.kh dh fd nf[k;] lfu; fdruk e/kj xku g] fdlh vkj u iNk D;k vki tkur g fd fdlu bl /ku dk cuk;k g\ lHkh ;g i'u ludj eku gk x; vkj b/kj&m/kj n[ku yx] lglk bl i'u dk mÙkj dkb ugh n ik jgk FkkA lHkh u ,d ckj fQj mudh vkj rkdk vkj mUgku rjUr fQj ,d Hkkjh eLdku d lkFk tokc fn;k] ^,yk nkfu,y* tk fd ,d Ýklhlh Fk vkj ,d yEc vjl rd Hkkjro"k e jgdj Hkkjr dh lLdfr] lH;rk vkj lxhr dk vè;;u mUgku fd;k FkkA ;g ludj lc pkd fd ^Hkkjrh; jk"Vxku* dh /ku] mldk lxhr ,d Ýklhlh fo}ku] lxhr iseh dh nu g vkj ml cBdh e FkkMh [kht blfy, Hkh Fkh fd ogk cB ,d l c<dj ,d i<&fy[k uktoku ftUg vc rd ^xxy lp* ij cMk fo'okl Fkk] tk mudk ge'kk ekxn'ku djrh Fkh] vc FkkMk vfo'okl d ?kj e vk jgh FkhA fdlh Hkh fo"k; ij] dkb Hkh tkudkjh ;k fo"k; d fo"k; e tkudkjh (Meta Information) ^xxy* dh fo'k"krk g] rk

fQj D;kdj ^xxy* u bl i'u dk mÙkj ugh fn;k ;k fn;k Hkh rk lUrf"Vi.k ugh] vk/kk v/kjk v/kidk&lkA db cB fo}kuk u viu&viu egx ekckby Qkuk ij vyx&vyx lp fLVx ndj bl i'u d mÙkj dk [kk tuk pkgk] ijUr doy fujk'kk gkFk yxh] D;kfd gj ckj yxk t l ^xxy* d ikl dN u;h tkudkjh g gh ugh nu d fy,A dN fo}ku tkur Fk fd bl ^xxy lp* dh rduhdh Hkk"kk e DIDECT¼MkbMDV½ dh lKk nh tkrh g] ij mUg vk'p; vkj [kht ; ugh Fkh fd ;g dlk i'u g ftldk mÙkj fdlh dk ugh ekye] cfYd T;knk ij'kkuh dk lcc ;g Fkk fd ^xxy* vc l'k; d ?kj e vk x;k Fkk] ftld pyr mudh lkjh rduhdh] dEl;Vjdr f'k{kk&nh{kk viu dk Bxk&lk egll dj jgh FkhA

ij o eLdjk jg FkA o dkQh o) gk py Fk vkj 'kk;n Kku o) FkA ok tk Hkh dN gk ;k u gk] o ^ikBd* cgr vPN FkA dkb fdrkc D;k i<h tkuh pkfg,] dl i<h tkuh pkfg,] fdl fo"k; ij i<h tkuh pkfg,] dc i<h tkuh pkfg,\ fdl y[kd dh i<h tkuh pkfg,] dgk l [kjhndj i<h tkuh pkfg,] dl vkj fdll mldk exokuk pkfg,] dgk l ftYn] ejEer] n#Lr djkuh pkfg,] fdru eky] nke dh gkuh pkfg,] fdldk ml iLrd dk i<uk pkfg,] fdldk ml iLrd dk ugh i<uk pkfg,] fdldk ml iLrd dk dl le>uk&i<uk pkfg,] ml iLrd d y[kd] mudh thouh] mudk ifjokj] ifjtu] ml y[kd dk idk'kd] idk'ku rduhd ij mudh fVli.kh ;k mudk y[k] lgefr ;k vlgefr vkj mldk Niuk fdlh fgUnh dh if=dk e] ,d cgl dk tUe] ,d fopkj/kkjk dk tUe vkj ml fopkj/kkjk ij fVd jgr g,] /kh&/kh nlj ikf.k;k dk ml fopkj/kkjk l voxr djkr g,] ml fopkj/kkjk rd igpu l igy ¼mijkDr fy[k g,½ lHkh i'uk l t>uk fl[kkr g,] crykr vkj ¼lgt Hkko l vufHkKrk l gh lgh½ ;g lUrf"V fnykr g, fd ^vKkurk* dh lhek dk dkb vUr ugh gkrk] ;g mudh ,d egku] thou i;Ur vftr dh gb Fkkrh FkhA o ,l Fk ;k ,l cu x; Fk\ ;g dguk dfBu g fd oDr u mUg ,d vPNk ^ikBd* cuk;k Fkk] ;k mUgku Lo; oDr fudkydj ,d vPNk ikBd cuuk Lohdkj fd;kA ej fopkj e ;gk FkkMk #ddj bl i'u l t>uk Bhd jgxkA ,lk yxrk g fd mUgku Lo; oDr fudkydj viu dk ,d vPNk ^ikBd* cuk;kA ;gh bl i'u dk okLrfod vkj lgh mÙkj g] ej fopkj lA ;fn ,lk u gkrk] eryc ;fn oDr u mUg ,d vPNk ^ikBd* cuk;k gkrk rk de&l&de viuh okLrfod vkj Hkkfrd ftUnxh e ok dN vkj Hkh gkr tl urk] vfHkurk] fctuleu] _f"k ;k efu bR;kfnA ;g blfy, fd ^oDr* d }kjk cuk;k x;k eu"; lefir eu"; gkrk g] og ok gkrk g] tk og eku yrk g fd ok gA tcfd og eu"; tk oDr fudkydj dN curk g] og lei.k ugh djrk] og R;kx djrk g in dk] /ku dk] ifjokj dk] fi;tuk dk] ij dk] ifjokj dk] n'k dk] dky dk vkj og Lo; fy[krk g viu gku dh fLØIV (Script) viuh y[kuh l] viu vki viu nkek ij] fdlh l dN u ekxr g,] lcdk R;kxr g,] lHkh dk lHkh l] lHkh e lcd }kjk ifrfcfEcr djr g,A o cgr vjl rd ,d vPNk ^ikBd* gku d dkj.k vPN opkfjd cu x; Fk] mUg rd] f'kYi] T;kfr"k] 'kkL=] n'ku] on] ijk.k] bfrgkl] bR;kfn vU;kU; fo"k;k dk vPNk Kku gk pyk FkkA /kh&/kh mud ifjokjtu] fe=tu] cU/k ck/ko] cM&NkV lHkh mUg ,d

Information Repository dh rjg bLreky dju yx vkj 'kk;n blfy, mUgku de fy[kk Lo;] ekuk fd fy[kdj crku l cgrj g ckydj crkuk] D;kfd 'kk;n mudk yxrk Fkk fd fy[kdj crku e cgr T;knk le; 0;rhr gkxk] ijUr 'kk;n crku e] ckyu e deA blfy, o cgr de fy[kr vkj fy[kk Hkh rk doy viu fy,] nlj d fy, dHkh ughA mUgku lc dN viu fy, fd;k ^D;kfd vkj dkb rjhdk nljk d fy, dN dju dk mUg irk gh ugh FkkA* dfork mUgku fy[kh tk ij] iot vkj n'kdky dk Nrh gb ekrk&firk rd tkrh g tk futh g] ijUr lc dk ;kn fnykrh g fd bl futhiu e fdruk ee g] onuk g] ,d ;kn&lh g] ml thou dh tk dgh cgr ihN NV x;k Fkk mulA tk 'kk;n mud ,dkdhiu dk] mud gku dk lkFkd djrk Fkk D;kfd ^og* ihN NV x;k Fkk vkj doy mudh dfork e fn[krk Fkk vkj 'kk;n blfy, ok iR;d ilx dk] thou dh NkVh&cMh ?kVuk dk] ckr dk] oLr dk o cgr fudV l tkur Fk] le>r FkA Hkk tu cukuk] Lokfn"V Hkk tu cukuk vkj [kkuk rFkk nljk dk f[kykuk] lHkh l Lug vkj ihfr l feyuk] lHkh l ,d yEc vjl rd lEid cuk; j[kuk] lHkh d l[k&n%[k e 'kkfey gkuk] lHkh dk viuh ckr cckd rjhd l nk Vd crk nuk] lHkh l lHkh iLrdk dh ppk djuk] iLrd yuk vkj nuk] y[k i<uk vkj i<kuk] vU;kU; fo"k;k dk] eík dk mtkxj dj mu ij cgl djuk] cgl u thru ij :B g, fe=k l fujUrj lEid cuk, j[kuk vkj /kuk tu dk dHkh egÙo u nuk mudh fo'k"k 0;fDrxr igpku dk vx cu x;h FkhA ok iR;d {k.k ,d vlUr"V ckyd dh rjg QV iMu dk r;kj] Åij l 'kkUr ij vUnj l v/kkj tku iMr FkA

ijUr viuh ckr dgdj ok 'kkUr] lgt gk tk;k djr Fk] ekuk vc bld ckn tl dN ugh gk ldrk vkj rjUr ok iNr Fk viu Jkrk l ^D;k vki pk; fivkx\ D;k vki Hkk tu djx\ mÙke Hkk tu] mÙke ik'kkd vkj mÙke fopkj d ox l pyr g, o viuk thou fcrkr Fk vkj ekur Fk fd ;fn t:jr iMh rk viuh lkp l eR; dk Hkh e ihN /kdy yxk] tc ftruh t:jr iMxhA ;gh mUgku fd;k Hkh] tc Hkh eR; bl ,dkdh] dfo eu] fo}ku] euh"kh vkj n< ik.kh dk yu vkrh rk o vDlj ?kj dk njok tk cUn fd; Hkh rj cB ykxk dk vFkoon lEer ^#nkfHk"kd* ;K dk foLrkj l crk jg gkr ;k ,lk gh dkb x< fo"k; ftldk viu opkfjd eUFku l ok eFk pd gkr] cryk jg gkr FkA

ijUr tlk ge'kk gkrk g egkdky ykV ldr g] ykV Hkh tkr g dN le; d fy, fBBd Hkh tkr g ijUr vkr o t:j g rc ok vdy ugh ykVr vkj lkFk ydj ykVr g mldk ftldk ok yu vk; g vkj mldk ykVuk gkrk g] ykVuk iMrk g egkdky d lkFk] iLFkku djuk iMrk g mud ^ij* dh vkj viu ^ij* l vkj ;gh lkpdj dkQh FkdkoV d ckn ^ok* ,d ckj fQj eLdjk, vkj bl ckj egkdky dk Lokxr&lRdkj dj mud lkFk ykVu dk r;kj gk x; vkj o cBdh dk tkjh j[ku dk vkn'k nr g, viu LFkku l mB vkj ikl gh dh iLrdk l Hkjh vyekjh dk [kkydj viuh iLrdk dk fugkjr g, eLdjk fn; vkj tl gh iyV&egkdky u mUg vkfyxuc) fd;k vkj viu lkFk y mMA

ek;kni.k e Jhdkur oek % ,d [kkt

gjilkn nkl

Qjojh] 1986 e Jhdkur oek u fy[kh viuh vfUre dfork ^fong*A ;g dfork fy[kr le; o Lo; dk LFkkfir dj pd Fk fong e] tl fd ng l fonk yu dh cyk dk o igy l gh n[k pd gk %

D;k] dN ugh dgk fong u \
D;k gky Hkh ugh iNk fdlh dk
fong u \
D;k ;g Hkh ugh dgk
itk l[kh jg !
rk luk
fong ugh jgA
¼vldfyr½

5 eb] 1986 dk dlj l t>r g, py cl Jhdkur vefjdk e] vkj o ykV ugh ?kj tgk mUg cgr igy ykVuk FkkA ;g dg ldr g fd ?kj ykVuk mudh igyh vkj vfUre nk lhek, Fkh vkj chp dk lc dN iokl FkkA

vfUre dfork jpu d rhu eghu igy u;h fnYyh d mud ?kj ij ,d lkFk fey rhu dfo % vK;] vkDVkfo;k ikt vkj Lo; JhdkurA vK; u iLrko fn;k rhuk ,d dfork fy[kA
ikt u igyh ifDr nh &
unh e=h g]
e=h efndk gA ¼ikt½
unh efndk l cgrh g

efndk unh dk }hi g ¼vK;½
unh d igy unh gkrh gA
unh d ckn flQ unh ¼JhdkUr½
igy vkj cknA
bl h Hkn dk unh feVkrh gA ¼vK;½
dl feVxk \
efndk dky d gkFkk yrh g vkdkjA ¼ikt½
e=h dky dk feVkrh g
eDr djrh g] e=h unh g %
cgrh g % dxkj cukrh gA ¼vK;½
ge Lefr vkj foLefr d chp thr g
;g {k.k vfojke le; ij
/kkok djrk gvk }hi gA ¼ikt½
cky ij <<r viu infpUg
ph[kr g ykx % unh vk unh
unh re dgk gk \ ¼JhdkUr½

lrdrk l n[k] rhuk dh Lor% LQr irjckth l Li"V fudy vkrk g] gj dfo dk ekfyd dk0; LojA
vuk;kl vk;h ijh{kk dh ?kMh] Bhd vk;k] jkm.M A
ikt fopkjoku dfo g] miik| j[k fn;kA
vK; foy{k.k iHkkoh dfo g] mUgku e=h l dkVdj unh vkj }hi d :id dk :id e ykVk fn;kA
JhdkUr u idM fy;k unh dh iokgekurk dk tu&ck) dkvku e % tk vkjEHk ogh vUrA

nljk jkm.M vK; u 'k: fd;kA mUgku JhdkUr d ^io* vkj ^ij* nkuk gh lUnHkk dk 0;Fk djuk pkgkA unh ^io* vkj ^ij* dk feVk nrh gA vK; u ml fujUrjrk dh ckr dgh fdUr fu"d"k dh Hkk"kk eA
ikt u n[kk ^efndk* dh ckr vudgh jgh g] vr% ^efndk* d :id dh vkj ykVA D;kfd mudh ey fufefr bl chp u"V gk pdh FkhA efndk dk }hi cukdj vK; pdeV dj pd FkA
vK; u ckr idM yhA ekdk n[kdj mUgku ckr dk nk'kfud ekM n fn;kA fQj ykV ikt d igy okD; dh vkj % ^e=h unh gA*
ikt d fnekx e rc rd lyx jgk Fkk vK; dk }hi] vc ekdk feyk A Lefr vkj foLefr d chp d {k.k gh }hi g tk vfojke le; d Åij /kkok djrk jgrk gA

fdUr vfUre ckr JhdkUr u dgh & cky e infpºu <<r ykx iN jg g % unh vk unh re dgk gk \
vpkud unh vn'; gk tkrh gA gku dk u gku e rCnhy dju dk tknA ;FkkFk dk ek;k e ifj.kr dju dh
dk0; nf"VA
: lh&#y ;g fjokYoj l [kyk tku okyk [ky gA dN ykx ?kj e cB tkr g vkj ,d d gkFk e fjokYoj gkrh
g ftle doy ,d xkyh gkrh gA fdlh dk irk ugh gkrk fd xkyh fdl [kku e gA ?kj d ykx ,d&,d djd
viuh duiVh ij j[kdj fjokYoj dk ?kkMk nckr gA ij gj ckj xkyh dk fjokYoj e ?kek fn;k tkrk gA
mldh ik.k?kkrh VDdj l cp x, vdy JhdkUrA xkyh mud flj ij l lk; l fudy x;h] vK; vkj ikt
,d&nlj dk ekr nu e lQy gk x;A
bl ?kVuk dk e bruk egRo D;k n jgk g \
e dguk pkgrk g fd rRor% dfo JhdkUr d fy, rd ;k n'ku cMh ckr ugh Fkh] nlj 'kCnk e dg rk JhdkUr
dfoRo rd ;k n'ku e ugh FkkA og ;FkkFk dk ydj cu lUng e FkkA
;FkkFk dk lfnX/k djuk gh mudh dyk FkhA bl lfnX/krk dk le>u d fy, e rhu l=y jgk g &

tk Fkk og 'kk;n ugh gA
tk xeu g ogh iR;kxeu gA
tk oLr g ogh fØ;k gA

bl lfnX/krk dh ifj.kfr g fd JhdkUr dk dk0;ykd ,d ek;kni.k e fcfEcr n';jkft cu tkrk gA liDr
fQj vliDr] /kkjkiokg fQj vlyXuA blhfy, vfUre dfork rd JhdkUr dh lkjh dfork vfufn"V]
vfLFkj] mnxho vkj lfnX/k g tl fd ,d gh rtfLØ; ifØ;k viu vfUre fuek.k dh vkj rho xfr l cg
jgh g] fdUr y{; LFky ij igpu l igy VV tkrh g vkj [kn dk leV dj fQj vkx c<rh gA fQj VVrh
gA ,lk Hkh gkrk g fd y{;LFky rd igpu l igy gh y{; LFky lfnX/k gk tkrk gA
;g g LFky nf"V l JhdkUr d ek;kni.k dh tknb fØ;kA ,d NkV&l mnkgj.k l bl rjg dk fu"d"k fudkyr
le; e lrd g fd JhdkUr flQ dfo u Fk] o dFkk] miU;kl] fucU/k] vkykpuk] fjikrkt vkj jktufrd
nyhy Hkh fy[kr FkA bld vykok mUgku dkQh dN vuokn Hkh fd; vkj n'kh&fon'kh vud cf) thfo;k d
lkFk mudk fujUrj okrkyki pyrk jgrkA ;gk fQj nkgjkuk gkxk fd JhdkUr d ek;kni.k e mudk jpuk
llkj gA ble ^,d* JhdkUr dk <<u l cgrj g] mud ek;kni.k e vud JhdkUr dh [kkt dh tk;A ,d
cg/kk foHkDr dfo dh fofo/krk dl vUr e ,d ^frfyLe* cukrh g] n[ku dh ckr ;g gA ;g frfyLe bl
rjg curk g %
}U}
lek/kku

lfnX/krk
fQj l ;k=kjEHkA
;gh JhdkUr oek dk ^Mk;yfDVDl* g% FkhfIl & ,.VhFkhfIlA tkikuh dvku dh cukoV % vkjEHk&vUr&vkjEHkA

2-

JhdkUr dh iFke idkf'kr dfork ^dfork dh [kkt* ¼u;k iFk] uoEcj 1954½ e ,d ToyUr :id g ^ek;k ni.k*A ogh lckr 'k: djk %

lk> d if'pe f{kfrt l l; dk ni.k mBk;kA
exj dfork ugh] viuk ihr jx pgjk fn[kk
vxfy;k Qjh fu'kk d d'k e] dgjk fn[kkA

gvk D;k \ l; d ni.k e viuk pgjk] fu'kk d d'k e dkgjk \ nnhl;eku vkj lfnX/k nkuk ,d lkFk ?kV x;! lkeF; vkj volkn! fnu dh 'kfDr vkj jkr dk lUng! pgj dh mTToyrk vkj eu dh 'kdk! vkykd vkj vU/kdkj dh ,d&nlj d lkFk ØhMkA JhdkUr dk ek;kykd 1954 l 1959 bu ikp o"kk e JhdkUr d dk0;ykd dh uho iMhA bl uho dk e[; mikknku Fkk ifjp;&ldVA vfLrRo dk ifjp; JhdkUr d fy, 0;fDrRo dk ldV Fkk] mldh dN Li"V vfHk0;fDr dfork e n[k&

1- e gj lekf/k d fljgku
e gj efUnj dh ngjh ij
¼e fcu Vguh dk xU/kQy] 1956½
2- ef.k d fcuk vU/kk vikfgr lki g
¼ef.k li] 1956½
3- HkVd x;k g e vk"kk< dk igyk ckny
¼HkVdk e?k] 1956½
4- ekgjk e dkB dkA
¼l;knk] 1957½
5- ?kkV g e Hkh exj e>dk unh Nrh ugh gA
¼vuigpkuk ?kkV] 1957½
6- gj tM e e g & e gh viu lxBuk e ifriy ftUnk gA

¼lxBu dk vdj] 1957½

7- xyh dk l; i= ¼1957½

8- e ?kkVh dk xh/k] rhu ;xk d ddky dk igjh gA

9- e gh g f[kUu Lolu lu o'kk[k dk

¼f[kUu iM] 1959½

10- bl "kM;U= uxj dh f[kMdh d 'kh'k dk e NkVk&lk iRFkj

¼uxjghu eu] 1959½

11- vucK;k] vuikLk] vuckyk] xxk fcjok g

¼xxk fcjok½

;fn lko/kkuh l n[kk tk; rk irk pyxk vfLrRo ldV d ; ldr fdl rjg dke djr gA U;ure Lrj ij Hkfe&P;r] mPpre Lrj ij vkLFkk&P;r vkj e/;e Lrj ij vf/kdkj&P;rA

Hkfe] vkLFkk vkj vf/kdkj JhdkUr dh dfork d e[; miknku g ftudk ckn d le; dh dforkvk d lkFk feykdj i<uk gkxkA ;g t :jh g D;kfd ;g JhdkUr d ukxfjd fo'o d dUn e vkj mudh lfØ; jktuhfr d Hkh dUn e gA nlj 'kCnk e dg rk JhdkUr d 0;fDr lRrk dh dk0; nf"V vkj ckf)d&jktuhfrd vkLFkk rhuk d vfLrRo ldV Hkfe] vkLFkk vkj vf/kdkj e n[k tk ldr gA

;g vfLrRo ldV 20oh lnh dk ydj lxfBr mudh ,d fo'k"k dkynf"V dk ifj.kke gA JhdkUr dk rd ;g g fd 20oh lnh e dfo dk viuh txg << yuk t :jh g& fdl ifjo'k e og tUek] mldh [kkt djuk t :jh g vkj bUgh e l 20oh lnh d ckj e mudk nf"Vdk.k dN bl rjg g% ^eu";rk dk Hkh dfo;k dh t :jr iMrh gA ;g vyx ckr g fd vUr e dfo gh ekj tkr gA ihMk dk o <kr g vkj mUgku bl 'krkCnh dh ihMk dk <k;k g] bl 'krkCnh dh VtMh dk lkeu j[kk gA ge tgk igpuk pkgr Fk] gekjk tk xUr0; Fkk] ,d vkn'k lekt ;kuh ,d ,lk lekt ftle eu"; vkj eu"; d chp cjkcjh gk] tgk ;) dk [krjk u gk] tgk eu"; viuh r".kk, R;kx] tgk viu vg dk lgkj dj] ;kuh tk dN Hkh ixEcjk u lkpk g] tk Hkh mudk Lolun'k jgk g] mldh LFkkiuk vkj mldh exr".kk lcl vf/kd 20oh 'krkCnh u gh ink dh] yfdu bl 'krkCnh dh lcl cMh VtMh ;g g fd mle l ,d Hkh pht ijh ugh gbA*

bl nf"Vdk.k d chp l= vud ;Xek e g %

eu";rk & dfoRo

ihMk & ihMk dk okgd

xUr0; & xfr

ikFkD; & lerk

;) & ;) dh foink

r".kk & R;kx
LFkkiuk & exr".kk
Lolun'k & okLron'k
dkeuk & vi.krk

bu uk ;Xek d vkil h l?k"k l mHkjrk g JhdkUr dk ek;kni.k!

t l k eu dgk g ;g ek;kni.k JhdkUr d fdl h dk0;xUFk dk uke ugh] ;g JhdkUr d lenk; l tu l lkj dk Lo:i g ftle dfork vkj jktuhfr ,d&nlj dk vx g] ,d&nlj ij gkoh gA dfork ij jktuhfr dk gkoh gkuk ge vkx pydj n[kxA jktuhfr ij dfork dk gkoh gkuk cgr l{e :i l ?kVu okyh ,d ifØ;k gA JhdkUr jktuhfr d vUnj jgdj jktuhfr dk fojk/k djr gA rc mud vUnj dk dfo gh ;g dke djrk gA bld ckj e T;knk fopkj&foe'k dh t:jr ugh g] D;kfd bll ,l dN igy vkx vk;x ftudk lEgkyuk ef'dy gkxkA fQygky bl ilx dk NkM nr gA

3-

ek;kni.k e tk fn[krk g og g% lkeu dh oLr] :i vkj tk dN n';eku g ni.k [kn dk Hkh fn[kkrk g] tk vn';g] ijUr n';l de Bkl ugh gA

mÙkj vk/kfud foe'k e ni.k d vkRe ifrQyu dk ,d rRo d :i e xg.k fd;k x;k gA oLrr% ;g rRo ni.k dh ek;k dk le>u d fy, t:jh gA ni.k dh ek;k ;g g fd og ftl oLr dk n';fn[kkrk g] mld lkFk viuh lifDr vkj lifDrghu 'kU;rk nkuk dk fn[kkrk gA lkpu ij ni.k ek= ,d ifrQyu g] ,d ifrQyu feVku ij nljk vk tkrk gA ml gVku ij ,d vkjA tc rd l lkj e oLr, g] tc rd l lkj lEi.kr% oLr 'kU; ugh gk tkrk] ni.k dk viuk Lo:i ifrHkkr ugh gkxkA ;kuh tc rd ng g] rc rd ni.k ng gh g] tc ng pyh tkrh g vkj fong gkrk g] rc tkdj ni.k viu vkidk n[krk gA ;gh g l lkj dh ek;kA ng dk fn[kku d fy, fong dk vxkpj jguk vkj tc dN ugh jgrk] viu dk fn[kkukA dg ldr g] ;g g fong dk vkRen'kuA ;gh g ek;kni.k e ek;kA JhdkUr d ek;kni.k dh ifDr;k bl idkj g %

e gjd unh d lkFk
lk jgk g
e gjd igkM
<k jgk gA
e l[kh
gk jgk g
e n%[kh

gk jgk g
e l [kh&n% [kh gkdj
n% [kh&l [kh
gk jgk g \
e u tku fdl dUnjk e
tkdj fpYykrk g
e gk jgk g A e
gk jgk g · · ---

^gk jgk g*] vFkkr cuu dh ifØ;k tkjh gA vFkkr tc Hkh] tk dN Hkh fn[krk g dfork d ni.k e ¼ml oDr ogh g ni.k½ fp= dHkh ijk ugh gkrkA ifrfcEc viu vkidk x<rk tkrk gA fp= D;k ijk ugh gkrk \ D;kfd ni.k dh fn[kku dh lkeF; ,d ifØ;k g] ,d vlekl; fcEchdj.k dh ifØ;k gA mRikn ughA ni.k dh xfr'khy fcEce;rk] vFkkr ni.k dk vfLrRo] n'; dk ugh g] ni.k dk gA n'; vkj ni.k d chp ,d fujUrj fofue; pyrk jgrk gA ,d /ki&Nko dk [ky] vkjEHk&vUr dk [ky] i'u&mÙkj dk [ky] fo'kky&{kn dk [ky] le;&?kVuk dk [ky] ng&fong dk [kyA

bl [ky e fot;h dkb ughA nkuk gh ;gk gkjr gA dkb Hkh i.k ugh] nkuk i{k vi.k gA bl nlj 'kCnk e dg rk JhdkUr dh dfork e fu"d"k] lek/kku] fot;] y{;LFky] xUr0;] vkfpR; ,lk dN ugh gA dfork d llkj e &

fdlh d u vku dh
Nki g
ejh dfork e
lUrki g] 'kkd g
ogh ij!u tku dgk ij
tgkt Mc jgk gA ¼'kkd % ek;kni.k½

dku \ ugh ekye! dgk ij \ ugh ekye! fdlfy, \ ugh ekye!--- exj ni.k e Nk;k iM jgh g ,d eu"; dh&

og dku g \ JhdkUr
dgk ij \ JhdkUr
fdlfy, \ JhdkUr

rk fQj D;k JhdkUr d vlUrk"k] ihMk] vkØk'k] frjLdkj] iR;k[;ku] foni viu fy,] viu gh vUnj cur

g] fc[kjr g \
D;k JhdkUr lHkh fojk/kkHkk lk dk ,D; ;k ;Xek dk ,D; g ;k ,d ip.M }r gA
vfUre mÙkj ugh gA ijUr ek;kni.k e ldfyr ^vfUre oDr0;* 'kh"kd dfork e JhdkUr dgr g&
e dguk dN pkgrk g
dN vkj
dg tkrk g&
>B g leLr dfo
xk;d]
i=dkj

vkRek,
jktuhfrKk dh
fcfYy;k dh rjg
ejh iMh g
lkjh iFoh l
mBrh g
lMkU/k !

dkb Hkh txg ugh jgh
jgu d yk;d
u e vkRegR;k
dj ldrk g
u vkjk dk
[ku !

u e re dk t[eh
dj ldrk g
u re e>
fujL= !

re tkvk viu cfg'r e
e tkrk g
viu tgUue e !

^HkVdk e?k* e xkeh.k idfr e ,d yfyr] lkg lh] egRokdk{kh] ekuooknh dfo yM[kMkr ikok l ,d ckj lepk vkdk'k ?ke vk;k FkkA ij vkdk'k dk igpkuk u FkkA ^ek;kni.k* e og 'kgjh cuk] [kn dk vLoPN ni.k cuk] fcEc dh ryk'k dh] jktuhfr d pØ0;g e Qlk vkj ik;k& ,d v'kkUr y;ghurk dk lU/kkuA ,d

njkjkX; {kr tl og lU/kku vf/kd l vf/kd jfDre gvk] ihMke; gvkA dfo ^ek;kni.k* e ed gk x;kA bfxr e dgk FkkMk cgrA Hkkxk T;knk dg ldr g fd ^ek;kni.k* dk vkfo"dkj gkrk g vfLrRo l?k"k eA tc ^tylk?kj* idkf'kr gvk] dfo 0;ki x;k cãk.M eA ufrdrk] jktuhfr] Lolu] vk'kk] n'kkUrj lcdk ydj cuh vfuopuh; dk0;&ifrekA ej [;ky l ^tylk?kj* JhdkUr dh dkylfU/k dh J"B jpuk gA ble ^ex/k* dk iokueku FkkA ex/k oLrr% vfUre jkm.M gA vKkr ex/k dk y{; e j[kdj jkm.M ij jkm.M Qk;fjxA nhokj ij nkxA bfrgkl dh {kr] txg ghurk e txgA bfrgkl e LFkkfudrk dk okpu] ex/k e cgr dN vfufn"Vrk vkj vlekl;rk l gkdj xtjrk gA vUr e ex/k ,d LFkku ugh jg tkrkA ex/k ,d ^iLrko* vkj ^iLrko dk foy;* ,d lkFk gA D;k dkb x.kl= ¼,fifLVe½ bu lcdk ,d l= e xFk ik;xk \ og dku&lk x.kl= gkxk \ bl x.kl= dk Hkkjrh; vk/kfud dfork e fo'o nf"V dg ldr gA

lH;rk d lkotuhu bfrgkl e gj eu"; dk leku HkkX; gA
mÙkj vkifuof'kd iuxBu e Lohdkj vkj iR;k[;ku d chp l?k"k gA
ioh ;jki d iru d ckn vkbfM;kyk th dk vUrA
lejdUn e lkoHkkfeRo dk i'uA
Vk; d ?kkM e irkj.kk dk fcfEcr :iA
LVkfyu dh jktufrd ccjrkA
tklQ vcdok e nklRo dk :idA

bu lcd x.kl= ¼,fifLVe d Hkhrj ,fifLVe½ % lEonuk] ,d odfYid iFoh dh lEHkkouk gA bru cM duokl dk idMr le; dfo dk 'kk;n irk ugh Fkk fd ^tylk?kj* e mUgku Vd cny fy;k gA tk vfufn"V Fkk] og vkdkj y jgk gA lex fo'o ,d tylk?kj g ftldh nhokjk ij ni.k gh ni.k gA 'kk;n vk'kk dh ,d >yd cgfoHkDr gk x;h gA ^chloh 'krkCnh d vU/kj e* JhdkUr fy[kr g %

tc rd eu"; viuh fLFkfr dk iujkoykdu djrk g vkj ml ij iufopkj djrk g vkj
tc rd ;g ifØ;k tkjh jgrh g] rc rd mEehn g] 20oh 'krkCnh d vU/kj e HkhA

oLrr% ^tylk?kj* e JhdkUr rho iujkoykdu d ek/;e l ,d fopkj iLrr djr g tk ledkyhu Hkkjrh; dfork d fy, egRoi.k gA mud fy, cfu;knh i'u g % eu"; vkj ml dk Hkfo";A bldh i"BHkfe flQ Hkkjr ugh gA og g fo'o d ufrd] jktufrd vkj ,frgkfld ifjn'; eA vcdok] pdkLyokfd;k] LVkfyu vkj ckcj lHkh xFk g, g ,d Hkkjrh; dfo dh ikphure tkrh; Lefr vkj vkdk{kk vk d lkFkA fgUnh dfork e bl rjg dk fo'kky vfHke[; nyHk gA ^ex/k* e ge n[kx fdl rjg ,d Hkkjrh; dfo dh tkrh; Lefr vkj tkrh; vkdk{kk ,d&nlj d lkFk vkj ,d&nlj d foi{k e [kM gA

5-

^ex/k* fl Q ex/k dh dfork ugh gA ex/k ,d :id g ftl gfLrukij] dk'kh] ikVyhi=] vejkorh] mTtuh] dfiyoLr] eFkjk] dfyx vkj dkly d fodYi tlk 0;ogr fd;k tk ldrk gA tkrh; Lefr e ; uke fofHkUu fufn"Vrk c;ku djr g] ijUr bu lcdk ,d rtfLØ; no e feyk dj ge QV nr g] 'kk;n ,d xk<k efV;kyk jlk;u iLrr gk tkrk g] ftldk ihu l viu vki ,d xgjh fo"k fØ;k 'k: gk tkrh g vkj bfrgkl ,d LFkkughu] dkyghu] ik=ghu] fe=ghu] vU/kiokg e eu"; d Hkhrj cgu yxrk gA ogh gk jgk g JhdkUr dh dfork eA ^ex/k* ,d vU/kiokg] ,d ukeghu vrhr e] ukeghurkvk d Hkfo"; d vUo"k.k e gA ,d fo'k) Hke! ;g Hke llkj d lkj fojk/kkHkklk] fofPNUurkvk vkj vuifLFkfr;k dk vFk nrk g] e;kfnr djrk gA ogh curk g ni.k dh foHkxrk e lekfgr ,d vgLrkUrj.kh; nLrkot! fo/oUl l vFk dk vkfo"dkjA bu lc o|frd fØ;kvk dk /kkj.kdkjh ni.k Lo; vkrk g] [kn dk n[ku d fy, fo/oUl d cknA tc dN ugh gkrk gku d fy,A

ex/k i<u e cgr lgt yxrk gA ij bldh tfVyrk ij fopkj dju yx rk ,d vyx xUFk fy[kk tk;xkA vPNk gkxk] ex/k l ink gVkdj ,d >yd n[kh tk; % ,d >yd e D;k&D;k nh[k tkrk g \

uhjork

fu#Ùkjrk

i'ukdyrk

dgk tk jg gk \

fdl << jg gk \

Lefr D;k g \

;FkkFk dku \

vuHkfr fdldh g \

vfuok;rk

vo/kkfjrrk

fujUrjrk

Hkxjrk

f}/kk

}U}

iu#fDr

iyk;u

iR;koru
HkkfUr
foHke
gkuk
xtjuk
fodYi
fofue;
eR;A

gk! eR; e gh vkrh g ,d fojfrA
e bl vkj Li"V djuk pkgxk %

1- ;g og ex/k ugh reu ft l
i<k g fdrkc e
;g og ex/k g
ft l re ejh rjg xok pd gk
¼ex/k½

bfrgkl dh fdrkc dk ex/k] jktrU= dk ex/k] ikp; vkj jkt'kfDr dk Hkkjrh; ifreku gA ;g ex/k ;fn vkt d Hkkjr e u gk rk tkfgj g oreku dk ex/k bfrgkl dk ex/k ugh gA 'kk;n vkt dk ex/k igy Fkk!

2- dkly e mruk gh n%[k
ftruk JkoLrh e
¼JkoLrh½

D;k g bldk eryc(Lefr d dkly vkj Lefr d JkoLrh d chp ikFkD; FkkA JkoLrh e vdky rk dkly e fHk[kkjh] ml h rjg dkly e vUud"V rk JkoLrh e nkuN=! vc pkjk rjQ vHkko gA dkly e tk] JkoLrh e lkA vkU/k e tk e/; in'k e 'kk;n oghA

3- rc luk ;k er luk
gfLrukij d fuokfl ;k
gkf'k;kj
gfLrukij e
rEgkjk ,d 'k= iy jgk g
^fopkjA*
vkj ;kn j[kk

vktdy
egkekjh dh rjg Qy tkrk g
fopkjA

¼gfLrukij dk fjokt½

;g gfLrukij 'kk;n vk/kfud fnYyh g] JhdkUr tgk jgr gA ;gk fopkj 'kU;rk l xLr g 'kklu vkj tuthouA tk ikphu gfLrukij e Fkk og g fnYyh eA

4- egkn;
luh mudh fVli.khA
^e[k!
,d fdonUrh d fy, yM jg g!*

¼fdonUrh½

fdonUrh dk cpku d fy, D;k yMr g ykx \ 'kk;n blfy, fd fdonUrh e gkrk g] gku dk iek.kA

5- fe=k &
nk gh
jkLr g
nuhfr ij py
uhfr ij cgl
cuk; j[k

¼rhljk jkLrk½

ledkyhu jktuhfr lekt 0;oLFkk vkj tuthou ij dVk{k nf[k;A bldk vFk D;k g] le>A bl rjg d vud mnkgj.k vkj vud 0;[;k d fy, ex/k e miknku Hkj iM gA exj e vkx c<uk ugh pkgrkA blfy, fd rd dk vkdkj nu l ex/k dh 'kfDr'kkyh vkdkjghu dYiuk u"V gk tk;xhA cgrj gkxk ex/k dh vfUre dfork e nhokj ij [kfM;k l fy[kk uke feVku oky dky dk Lej.k dj yA dky 'kk;n ogh ek;kni.k g ftle vlR;] vokUrjrk] rPNrk] vFki.k cu tkr gA

6-

^x#M fdlu n[kk* JhdkUr dk vfUre dk0; lxg gA ble ,d dfork g ^ex/k e lUukVk*A cgr egRoi.k dfork gA yxrk g tl fd bl dfork e lep ex/k dk dfo jnn dj nrk gA ;g dfork ^ex/k* lxg dh vfUre dfork gk ldrh FkhA exj ;g ,d u;k vkjEHk gA 'kk;n ^x#M fdlu n[kk* ldyu dh ;g dfork ex/k dh pkch gA dfork fcuk i< vk'k; Li"V ugh gkxkA

egkjkt c/kkb gk &
dkb ugh jgk
fdlh dk ugh c['kk dky u
JkoLrh dh dk[k mtM pdh
dklkEch fo/kok dh rjg flj eMk; [kMh g
dfiyoLr QVh&QVh vk[kk l
flQ n[k jgk g
voUrh fuoklu e g
dk'kh e 'kok dk fglkc gk jgk gA
vkj ex/k e
lUukVk gA
{kek dj egkjkt!
vki ugh le>x
;g dlk lUukVk g \

vc 'k: gkrk g thou d vfUre i;k; d lkFk JhdkUr dk vkyki ;k fQj LoxrkfDrA lu 1985 e mudk jktuhfrd thou vpkud [kRe gk x;kA o dkxl egklfpo d in l bLrhQk nu dk ck/; g,A mUgku ldYi fd;k fd vc lkfgR; dk gh le; nx ijUr vpkud jktuhfr d ep l gVu d n%[k u mudk dxkj ij ykdj [kMk dj fn;kA ^x#M fdlu n[kk g* e o dfork vkj Mk;jh d i"B NkM x; g ftue JhdkUr dk fo"k..k] #X.k] griHk pgjk nh[k tkrk gA

1- flQ vHkh #[k cnyk g]
vk[k cnyh g
vHkh n[kk
D;k gkrk g vkj
D;k ugh gkrkA ¼Mk;jh dk iUuk&1½

2- jktuhfrKk u e> ijh rjg Hkyk fn;k
vPNk fd;k
e> Hkh mUg Hkyk nuk pkfg,A ¼Mk;jh dk iUuk&2½

3- fgEer rk e db ckj gkjk
exj ^jke eu dHkh ugh fclkjk*
;gh ejh dye g--- ¼Mk;jh dk iUuk&2½

4- cky ij <<r viu infpºu
ph[kr gq ykx
unh vk unh] re dgk gkA ¼Mk;jh dk iUuk&3½
5- vHkh u tku fdruh ckj
eekUrd ihMk l xtjkx
gj ckj eR;q l cp fudykxA vkj
bl d igy fd jkgr dh lkl yk
;k dgk /kU;okn &
,d vkj ej.k
gkFk e dVhy xykc dh rjg
i'ufpºu fy, vk [kMk gkxk
vkj dgxk ^yk ;g jgk eA* ¼Mk;jh dk iUuk&4½
6- vc rk mrkj nk ;g pgjk
eug l pgjk
vc rk gk tkvk og
tk bl lcl igy re FkA ¼lUnjrk l lk{kkRdkj½

D;k Fk Jhdkur oek bl lcl igy \ lfu; %
e eg, d
ou e
,d d.M&lk
lyxuk] xxokuk
/k/kokuk
pkgrk g
e vc ?kj tkuk pkgrk gA

^x#M fdlu n[kk g* e ldfyr ^yUnu l D;k okLrk* ¼1985½ dfork dk ,d okD; %
^e
vc ?kj tkuk pkgrk g
yUnu l D;k okLrk \
,d oÙk i.k gk x;kA vc {kek ekxu dk le; gA

e thou&Hkj cotg >B ckyrk jgk
viu food d fo#) fd;k
Lo; ij Hkjkl k u dj] vkjk d vkx fxMfxMkrk jgk
e [kn dk ,d fxjk gvk vkneh
ekurk g]
...
fe=k!
e egkuk d pj.k ij fxjdj dguk pkgrk g
e v/ke g]
e> {kek djk!
¼e> {kek djk ¼ x#M fdlu n[kk½

; egku dku Fk \ dku g \ dku gkx \ e ugh tkurkA

7-

e thuk pkgrk g
¼Mk;jh dk vfUre iUuk&1986½

thfor g JhdkUr!
vydkijh d ekx l HkVd dj
xUr0; [kktrk gvk e?k vc Hkh fnXHkkUr g
vc Hkh ek;kni.k e pgj fn[kr ugh
vLr gku d ckn fnukjEHk d fy, ykVk g dkb ;k=k vkjEHk ugh gbA
tyl k?kj jkg ij [kMk gA xtjuk ef'dy gA
ex/k vc Hkh vk>y gA
x#M dk fdlh u ugh n[kk!

dfork dk ek;kni.k

t;idk'k

1-

JhdkUr oek rho vkoxk d dfo gA mud vkjfEHkd dk0;&lxg dk NkM n rk ^fnukjEHk*] ^ek;kni.k* vkj ^tylk?kj* vkfn lxgk dh dforkvk e mud Hkhrjh vkox dh rhork dk lgt gh vuHko fd;k tk ldrk gA 1960 d vklikl fy[kh xb bu dforkvk e vdLekr QV iMk ;g vkox viu rhore :i e u'rjk&lh pHkrh 'kCnkoyh e& 0;X;] {kkHk] vkØk'k ;k fonkg vkj Dy'k] grk'kk vkj cclh d fey&ty egkojk e 0;Dr gvk gA dgh&dgh rk og vR;Ur mnx] mPN[ky vkj vfu;fU=r tku iMrk g(dgh yxrk g] bu dforkvk e vijk/k&ck/k l xLr dk0;uk;d ekuk foQy vkj ijkLr gku dh ihMk vkj {kkHk dk ck> dh rjg <kr fQj jgk g vkj [kh>dj viu&vki ij igkj dj jgk gA og ckgj dh yMkb viu Hkhrj yMrk g vkj Hkhrj d xkyk&ck:n dk crgk'kk ckgj Qdrk gA ;g oLrr% VVdj fc[kjrk dk0;uk;d g] tk viuh foQyrk dk mRlo eukrk gA

;g lc vkdfLed vkj viR;kf'kr tku iMxk] ;fn bu dforkvk dk ^HkVdk e?k* dh dforkvk d lkFk i<k tk,A ^HkVdk e?k* e idfr] ykd vkj eu";&thou d ifr vkLFkk vkj vujkx dk vd.B ck/k FkkA mle xkeh.k vkj dLckb okLrfodrk d vkReh; fcEc FkA thou d ifr FkkMh :ekuh gh lgh] ,d lgt vkj fu'Ny vklfDr FkhA exj ckn d lxgk e ;g lc lglk xk;c gk x;k vkj ,d ,lk dk0;&llkj idV gvk tgk vfu"V dh Hk;kog Nk;k, Mky jgh Fkh vkj vukLFkk] fojfDr vkj Øjrk dk fgl 0;kikj ?kfVr gk jgk FkkA ;g n';&ifjoru ikBd dh pruk dk >Vdk nrk gA og dk0;&ck/k d Lrj ij bl foi;; dk Lohdkj dju d fy; r;kj ugh gk ikrkA

;g ftKklk LokHkkfod g fd bu nkuk vuHko&{k=k d chp dkb lEcU/k curk Hkh g ;k ugh \ vpkud dfo ,d nljh nfu;k e Nykx dl yxk yrk g \ ,d vdf=e] vkReh; vkj l[kn vuHko&lllkj dk NkMdj ?kVu] ph[k&idkj vkj lrki&Hkjh nfu;k e vkf[kj dku&lk vifre dk0;&lR; ik yu dh Ligk e og nkf[ky gvk g\ dgh ,lk rk ugh fd 0;fDrxr thou e cnyko d pyr dk0;kuHko dk Lo:i cny x;k gk \ dHkh ,lk Hkh gkrk g fd lUnHk cnyu l okLrfodrk cny tkrh gA

JhdkUr oek 1956 e fcyklij NkMdj fnYyh vk x,A ifjokj lEHkkyu d l?k"k e t>r dfo dk viuh LFkfxr vkdk{kkvk dk eDr dju vkj viu ckf)d&ltukRed foLrkj d fy; lefpr lEHkkouk, fnYyh u nhA mud fe= efDrck/k u bl ij [k'kh tkfgj djr g, fy[kk& ^cMk vPNk fd;k tk fcyklij l f[kldA vki t:j ;'kLoh vkj dhfreku gkxA* vkx pydj efDrck/k dh 'kHkk'klk lR; gbA fnYyh u JhdkUr oek dk lcdN fn;k& ;'k] lEeku] ltukRed rf"V] u; thoukuHko vkj mul eBHkM dk gklyk HkhA gklyk bruk fd lkr vkB o"kk dh cdkjh Hkh mUg fnYyh NkMu dk ck/; u dj ldhA fcyklij u mUg ^HkVdk e?k* fn;k] rk fnYyh u ^tylk?kj* vkj ^ek;kni.k*A fcyklij dh nfu;k fnYyh l mruh gh vyx Fkh] ftruk ^HkVdk e?k* dh ryuk e ^tylk?kj* vkj ^ek;kni.k* dk vuHko&llkjA nkuk d chp vxj dkb detkj&lk iy Fkk rk og ,d ukLVfYtd bPNk Fkh tk ^ek;kni.k* e ldfyr ^?kj&/kke* dfork e thou dh Hk;kogrk l =Lr gkdj ?kj ykVu dh vletl&Hkjh cpu idkj e idV gb FkhA ;gk ykVu dh bPNk rk g] mldh pfjrkFkrk ughA ^HkVdk e?k* dfo dk bPNk&ykd] mldk vrhr g] tgk og 'kj.k yuk pkgrk g] yfdu fnYyh dk ^ek;kni.k* ml viu pk[kV e bl dnj tdM pdk g fd og eDr ugh gk ldrkA fcyklij vrhr g vkj fnYyh orekuA exj fcyklij Hkh dHkh oreku FkkA ^HkVdk e?k* dh dforkvk e mlh oreku d fcEc gA dfork d ek;kni.k e oreku dc vkj dl vrhr e vUrfjr gk tkrk g] bldh lEHkor% Bhd&Bhd 0;k[;k ugh dh tk ldrhA dgk tk ldrk g fd ^HkVdk e?k* l ydj ^ex/k* vkj ^x#M fdlu n[kk g* rd JhdkUr oek fujUrj oreku ij ,dkx jgA ledkyhu thou dh dFkk jpr g, dky d ek;kni.k e mUgku idfr dh gfj;kyh vkj /klj xob&dLckb n';&fcEc x< vkj fQj mUg xgu vU/kdkj] /k/kdrh Tokyk] vkÙkukn] Øjrk vkj l?k"k l Hkj fp=k e rCnhy djr jgA rc Hkh cpuh 'kkUr u gb rk mUgh fp=k dk vUrr% bfrgkl d iVy ij mHkjh feFkdh; Hkfxekvk e LFkfxr dj fn;kA JhdkUr oek dh dk0;&;k=k idfr vkj ykdthou d ldu&Hkj vuHko l pydj vkrd] fo{kkHk] fo/ol vkj vekuf"kdrk d fuee llkj l xtjrh gb ,d 0;x fpUru&ykd e folftr gkrh gA mld vkjEHk e tMk dh idkj vkj xgjh LFkkuh;rk dk vkxg g] tk ckn e of'od ekuork&ck/k e vkj vUrr% ekuoh; fu;fr dh foMEcukvk e vuk;kl gh ,d lkoHkke vk;ke xg.k dj yrk gA ^HkVdk e?k* e vxj vuHko d n'kt lUnHk g rk ^tylk?kj* e n'kkUrj dh Øjrkvk d :ikdkj] tk ^ex/k* e feFkdh; ng /kkj.k dj eu"; dh fu;fr d ogÙkj i'uk e cny tkr gA mudh dk0;&;k=k e fcEck] Nfo;k] enkvk] ilxk vkj ?kVukvk dh bruh fofo/krk vkj cgykFkdrk g fd mudk lEi.k dk0;&llkj viuh fujUrjrk e ,d xfr'khy fcEc&ekyk dh rjg ekye iMrk gA ble oreku] vrhr vkj Hkfor0; ijLij vUrxfEQr gA ;g bl vFk e ek;kni.k g fd ;gk oreku lglk 0;rhr cu tkrk g vkj bfrgkl vuk;kl gh oreku dh >yd nu yxrk gA ^ek;kni.k* vkj ^tylk?kj* dh orekurk dk chloh 'krkCnh d bfrgkl dh rjg i<k tk ldrk g vkj ^ex/k* dh feFkd&Nfo;k dk mld oreku dh rjgA
yfdu ;g i'u fQj Hkh vuÙkfjr jg tkrk g fd ^HkVdk e?k* vkj mld ckn d lxgk dh dforkvk d

vuHko&llkj d chp xgjk vUrjky D;k g \ ;g flQ fcyk lij vkj fnYyh dh thou&fLFkfr;k d chp dk vUrjky ;kuh dUn vkj ifjf/k dk vUrfojks/k g ;k JhdkUr oek dh futh egRokdk{kkvk dh mMku] ftlu mUg lEonuk d fcYdy fHkUu /kjkry ij igpk fn;k \

;gk fQj efDrck/k ;kn vkr g] ftudh vkjfEHkd vkj ckn dh dforkvk d Hkkock/k d chp ,lk gh vUrjky gA viuh dk0;&;k=k d ,d iMko rd igpu d ckn] dgr g JhdkUr oek u viuh vkjfEHkd dforkvk dk ^fMlvku* fd;k Fkk ¼gkykfd viu vfUre o"kk e o mUg ^ukLVfY td* yxko d lkFk ;kn dju yx Fk½ yfdu efDrck/k u viu vuHko&llkj e mRiUu vUrjky dk le>u dk i;Ru fd;kA ^rkj llrd* d oDr0; e mUgku ^dykdkj dh LFkkukUrjxkeh iofRr* ij tkj nr g, dgk Fkk& ^vkt d ofo/;e;] my>u l Hkj jx&fcjx thou dk ;fn n[kuk g rk viu o;fDrd {k= l ,d ckj ckgj tkuk gh gkxkA fcuk mld] bl fo'kky thou&len dh ifjlhek] mld rV&in'kk d Hk[k.M] vk[kk d vkV gh jg tk,xA* bl fVli.kh d lgkj JhdkUr oek d fnYyh LFkkukUrj.k dh 0;k[;k d l=<< tk ldr gA fcyk lij mud y[k ^o;fDrd {k=* Fkk rk fnYyh mudk Lolu n'k ¼Mhe y.M½] tk fuLlUng ^ofo/;e;* Fkk] yfdu ^my>u l Hkjk jx&fcjxk thou* reke pukfr;k vkj lEHkkoukvk d lkFk mudh irh{kk dj jgk FkkA efDrck/k viuh vkjfEHkd dforkvk e Nk;koknh iHkko l eDr ugh FkA exj ^rkj llrd* rd vkr&vkr mudh dk0;&lEonuk e ;FkkFk&ck/k vkj ckf)d rRijrk fodflr gkrh fn[kkb nrh g vkj o ml nkj d ipfyr egkoj dk rkMdj vi{kkdr o;Ld thou&nf"V vftr djr gA bld lgkj ^rkj&llrd* d ckn d nkj e o ^ekuo&lEcU/kk e fxjkoV d Hkh"k.k n';* n[k ikr gA 'kk;n JhdkUr oek d lkFk Hkh ;gh gvkA viu vkjfEHkd nkj e o ub dfork d ipfyr egkoj vkj fcyk lij d vYio; ;ok fnuk d vuHko d iHkko e ¼tk fuLlUng ub dfork dh :ekfu;r dh lxfr e Fk½ tk ldkey vkj ihfrdj dk0;&llkj jp ik jg Fk] og 1958 e fnYyh tku d ckn mUg lglk vlxr tku iMk gkxk tc mUgku ogk ,d vi{k;k o;Ld thou&ck/k d lgkj ^ekuo&lEcU/kk e fxjkoV d Hkh"k.k n';* n[kA efDrck/k dh dforkvk e ; n'; 1950&52 e fn[kkb nu yx Fk] tcfd JhdkUr oek d ;gk 1960 d ckn idV g,A dgu dh vko';drk ugh fd nkuk dfo;k d ;FkkFk&ck/k e vk; cnyko d ihN fdlh gn rd mudh ogh ^LFkkukUrjxkeh iofRr* lfØ; Fkh] ftl ij efDrck/k u tkj fn;k gA ^ek;kni.k* dk tyrk gvk ;FkkFk ^HkVdk e?k* d jkxkRed llkj dk feF;k cuk nrk gA vthc ckr g fd JhdkUr oek d fu/ku d rhu n'kd ckn vkt ^HkVdk e?k* viuh vkj [khprk g] tcfd ^ek;kni.k* for".kk l Hkj nrk gA nkuk JhdkUr oek d ;FkkFk dh gh nk fHkUu Nfo;k gA exj JhdkUr oek bul lr"V ugh g,A o rhlj ;FkkFk dh vkj mUe[k g,A vUrr% ml ^ex/k* e mUgku ik;kA ^ex/k* lEHkor% JhdkUr oek dk xUr0; g tgk igpdj yxrk g] ekuk ^;g og ex/k ugh g* reu ftl i<k g fdrkck e@;g og ex/k g ftl re ejh rjg xok pd gkA* ;gk igpdj o viu vUr}U}k] vk'kdkvk vkj l?k"kk dk lekgkj <<u dk ;Ru djr g vkj xEHkhj fpUru&Hkfe ij feFkd&ljpukvk e dk0;&vuHko dk foU;Lr

djr gA yfdu ^ex/k* dk lepk ik ugh ldrA og vfu'p;&Hkjk] v/kjk lp cudj jg tkrk gA
;gk ^ex/k* igpu d fy, JhdkUr oek u igy vktek; x, nk jkLrk dk NkMdj ^rh lj jkLr* dk viuk;kA igy jkLr l o ykd d vkReh; vuHko&{k= rd igp FkA bl feF;k tkudj o chloh 'krkCnh d lU=k l l t>r&Vdjkr jgA vUr e ^ex/k* d i'kkUr lEonu&{k= e mUgku 'kj.k ikIr dh] yfdu D;k lpep o ^ex/k* e 'kj.k vkj 'kkfUr ik ld \ lp iNk tk, rk ^ex/k* Hkh mud fy, iopuk lkfcr gvk& ^ge vkj vki ftl ikVfyi= d fy, yM jg g@vkjk dh nf"V e og ,d fdonUrh gA* njvly ^ex/k* e yMu d vud n'; g yfdu ^; lR; d fy, ugh@lRrk d fy, yM jg g* dh iopuk l f?kj g, gA
^ek;kni.k* d ekgHkx l pydj JhdkUr oek ^ex/k* d iopuk ck/k rd igp FkA ^ex/k* e foHke vkj iopuk l efDr ugh gA og mldk LFkk;h Loj g& ^ft ldk jkfgrk'o ekjk x;k gk@D;k re ml fo'okl fnyk ldr gk fd re jkfgrk'o ugh gk * ;g fo'okl l ofpr gk tku dh eekUrd ihMk gA
;gh JhdkUr oek dh dfork dk ek;kni.k g& tgk dgh vkLFkk vkj fo'okl dk dUn fLFkj gkrk g] ogh fo'okl&Hkx dh onuk tkxrh g(tgk lp lglk feF;k fl) gkrk g] n'; vkj oLr dh idV vFklRrk viuk lRo xok cBrh gA ^ex/k* e 'kkfUr vkj foJkfUr ugh] mldk Hkked forku gA JhdkUr oek u ml gh j[kkfdr fd;k gA

2-

JhdkUr oek ckf)d :i l ltx dfo FkA mudh vkjfEHkd nkj dh :ekuh&lh ekye iMrh dk0;&lEonuk Hkh fuiV lEoxkRed vkj fuckf)d ugh FkhA yfdu ckn d nkj e ckf)d ltxrk u rho vkox dk :i y fy;k vkj mudh dfork ckf)d i{ki dk tfj;k curh fn[kkb nu yxhA viu le; vkj mld ldV d ifr mudh dk0;&ifrfØ;k e ,lk mrkoykiu Fkk fd ,d llxr thou&nf"V dh [kkt dk tkf[ke mBk; fcuk Hkhrj d ruko dk dfork e l;kftr dju dk m|e ,d vkØked] yxHkx vrkfdd vkj udkjkRed enk e vi?kfVr gk x;kA ;g rho ckf)d i{ki cgr pLr] rkRdkfyd vkj vfr lfØ; ¼gkbij ,fDVo½ dk0;&Hkk"kk e ?kfVr gk jgk FkkA ;g fcYdy ub rjg dh Hkk"kk Fkh tk ml nkj e ub dfork dh vi{kkdr lxfBr vkj vfHktkr fdLe dh dk0;&Hkk"kk dk pukrh n jgh FkhA
fnypLi g fd bl dk0;&Hkk"kk dk lEonukRed lkr yxHkx ogh Fkk tk ub dfork dk FkkA JhdkUr oek u nlj fo'o;) d ckn ;jkih; lEonuk d fo?kVu dh i"BHkfe e viu oreku dk le>u dh p"Vk e ^chloh 'krkCnh* dk ,d :id dh rjg puk FkkA vfr dFku u gkxk ;fn dgk tk, fd mUgku viuh dforkvk e chloh 'krkCnh dk gh vk[;ku jpu dk m|e fd;k g* gkykfd o ;g Hkh tkur Fk fd ^lEHko ugh g@dfork e og lc dg ikuk@tk ?kVk g chloh 'krkCnh d lkFkA chloh 'krkCnh ekuk mudh ltu&pruk e lek xb FkhA blfy; LorU= Hkkjr e turU= d fo?kVu d vkjfEHkd ldrk dk Hkh o vko'k vkj ujk'; d mlh egkoj e idMr

g] ftle chloh 'krkCnh dh ccjrk vkj vekuf"kdrk l Hkj n'; ;jki dh pruk e Lok;Ùk g, FkA mudh vkØkedrk nrjQk g& ,d rjQ chloh 'krkCnh dh Øjrk vkj vekuoh;rk(nljh rjQ Hkkjrh; turU= dk vdky Loluikr A ; Hkh dgk tk ldrk g fd chloh 'krkCnh d /olko'k"k ij [kMk JhdkUr oek dk dk0;&uk;d Hkkjrh; vuHko dh Hkfe ij ;jki d /oLr ykd dk vkjkfir djrk gA vxj ^ek;kni.k*] ^tylk?kj* vkj ^fnukjEHk* dh dforkvk d Hkkock/k dk LorU= Hkkjr d u; ;FkkFk l tkMdj n[k vkj mle vekuoh;dj.k d ldr <<u dh dkf'k'k dj rk ; dfork, vkj mudh lEonu&enk [kklh vfrjftr ekye iMxhA

fQj Hkh ;g dguk xyr u gkxk fd viu le; d bfrgkl l lh/k Vdjkr vkj Hkhrj dh leph vkØkedrk d lkFk mll t>r g, JhdkUr oek u ub dfork d vkReykd l [ky rkj ij ckgj vkdj ledkyhu bfroRr dk e[kj vkj mRrtd dk0;&fcEck e iR;{k fd;kA bu fcEck e ub dfork dk jkxkRed ,'o; ugh] fojfDr vkj for".kk dh yiV FkhA mUgku chloh 'krkCnh dh vkRek d mf}Xu Loj vkj lH;rk d o{k ij g, vk?kkrk dk igpkuk vkj Hkkjr e ug: ;x d vk'kkokn e lUng dh l/k yxr n[kkA ub dfork d nkj e LorU= Hkkjr d fuek.kk/khu Lolu d foQy gku dh vk'kdk efDrck/k dh dfork e vkj mld lekukUrj gfj'kdj ijlkb d x| e Hkh fn[kkb n jgh FkhA yfdu efDrck/k tgk ;FkkFk d vU;Fkkdj.k dk lgkjk ydj :id vkj Q.Vlh e mldk vk[;ku fufer dj jg Fk] ogh ijlkb u 0;X;] oØkfDr vkj foMEcuk dh pHkrh x|&Hkk"kk e ml foU;Lr fd;kA JhdkUr oek dk egkojk mul vyx FkkA LorU= Hkkjr d ;FkkFk dh vUn:uh dlelkgV dk vU;Fkkdj.k ;k 0;X; e lkdkj dju dh ctk; o ml ;FkkFk l gh fHkM x; vkj lkjh rkdr >kd dj ml ij geyk fd;kA geyk ,lk vkoxi.k Fkk fd mld /kDd l ;FkkFk dk <kpk gh fc[kj x;kA mld fc[kj g, VdMk dk tkMdj JhdkUr oek tk Nfo x< ik jg Fk] mle vuHko dh lexrk ;k lk"Bo ugh] ,d rjg dh foÜk[kyk FkhA exj vkox dk ;g cdkc mQku vkf[kjdkj dk0;kuHko dh ml njkj e lek x;k] tgk Lo; LorU= Hkkjr dh ixfr dk og feFkd] og ug:&;xhu Lolu dkyrU= e foyhu gk x;k FkkA ,d uoLorU= jk"V dh vfLerk dk ,d feFkd e vuokn vkj tu&vkdk{kkvk dk mld Hkhrj fu:i.k LokHkkfod vkj iR;kf'kr Fkk] yfdu ml f'knnr l igpku dj vko'k vkj ifrokn d egkoj e 0;Dr fd;k tkuk fugk;r vkdfLed FkkA ekgHkx d vuHko dk rkfdd vkj dykRed l;ktu e efDrck/k ;k ijlkb dh rjg jpu dh ctk; JhdkUr oek ml uxh vkj cykl Hkk"kk e 0;Dr dj jg FkA ;g ,lh Hkk"kk Fkh] ftle ;FkkFk dh igpku mld vUrfojk/kk dh rjg mxyh j[ku dh dyk l ugh] Hkk"kk d vkox l gk jgh FkhA ;g rjhdk] dguk u gkxk fd ;FkkFk vkj Hkk"kk nkuk dk fdlh gn rd jkef.Vd cuk nrk gA ble LokHkkfod rkj ij ;FkkFk dh ,d enk] ,d Hkkfxek Fkh tk fu"k/k dk ,d eY; dh rjg viuku dh dk0;&;fDr dk urhtk FkhA lp iNk tk; rk ^ek;kni.k* e JhdkUr oek n'k dh vktknh d ek;kykd dk vidfVr dju d i;Ru e ,d futh Loj&ykd jp jg Fk] ftld jx dN vf/kd pednkj] rh[k ixk< vkj df=e tku iMr gA mudh vkØked enk Hkh

fdfpr lfu;kftr] dk0;&egkojk vfrfjDr :i l mRrtd vkj {kkHk [kk lk ukVdh; irhr gkrk gA
ml nkj e JhdkUr oek d e[kj vkj okpky dk0;&fcEc mRrftr vkj peRdr rk djr g] vk'oLr ugh dj ikrA rc dh lkekftd okLrfodrk viuh idfr e vko'kkRed u Fkh] blfy, dfork e idV vko'k ik;% lfnX/k tku iMrk gA og dYi&Nfo fufer djrk gA JhdkUr oek dh dfork dYi&Nfo;k d l;ktu&ek;kni.k e :ikUrfjr gk xb irhr gkrh gA
yfdu JhdkUr oek dk vko'k lEekgd Hkh FkkA ,d Lrj ij og vkc) djrk Fkk] nlj {k.k tl eDr dj nrk FkkA ,d iy d fy, og lPpkb dh yiV cudj mBrk Fkk] fQj ,d LrC/k vkj viR;kf'kr {k.k e fcyk tkrk FkkA idV :i e ,dckjxh og ;FkkFk Fkk] yfdu fQj Hkh viuh idfr e Loj@eydA dfork e vko'k ;k ek;k vf/kd iHkkoh vkj e[kj FkhA dfork d ek;kni.k e okLrfodrk l vf/kd okLrfodrk dh enk, FkhA
efDrck/k vkj ijlkb u c'kd v/kjh vktkmh dh okLrfodrk dk mn?kkfVr dj ekgHkx dk ldr fd;k] yfdu mnx Loj e mldk ,yku JhdkUr oek u fd;kA o ug: ;x d igy fo{kC/k dfo FkA vukLFkk vkj vkØk'k dh dk0;&pfjrkFkrk dk lH;rk dh foMEcuk vkj mld ;xhu lnHkk l tkMdj n[ku d i;Ru e mUgku fgUnh dfork dk ,d vuBk egkojk fn;kA nHkkX; l vkx pydj ;g egkojk vdfork d vjktd fonkg e nfu;fr dk Hkh iklr gvk] ij ble JhdkUr oek dk D;k nk"k \ vdfo;k u JhdkUr oek l fonkgh roj rk fy;k] exj ml lHkkyu dh dyk ugh yhA JhdkUr oek dh vukLFkk [kjh vkj cpuh lPph ekye gkrh g] vdfo;k dh rjg x<h gb vFkok vk;kfrr ughA
bld ckotn JhdkUr oek dh dfork e fu"k/kRedrk dk tk Hkh v'k Fkk] [kVdrk FkkA mud opkfjd lgpj efDrck/k u Hkh 1963 e ^ygj* d fo'o&dk0; vd e mudh dfork ^c[kkj e dfork* e ^Hk;kud fujk'kk dk Loj* gku dh f'kdk;r dh vkj mudh ^futh ftUnxh dk [;ky dj* xgjh fpUrk 0;Dr dh FkhA ub dfork dh iru'khy iofRr;k vkj mldh 0;fDrfu"Brk dh dMh vkykpuk dju oky efDrck/k u JhdkUr oek dh bl dfork e mHkj 0;fDrokmh Loj dk j[kkfdr rk fd;k yfdu bldh vkykpuk dju dh ctk; flQ fpUrk idV dj jg x,A fuLlUng efDrck/k JhdkUr oek d ifr mnkj vkj lEonu'khy FkA blfy, JhdkUr dh fujk'kk dk o ^,d fo'k"k eu%fLFkfr e dgh xb ckr* dgdj utjvnkt dj x;A ub dfork dh ^fuLlgk; udkjkRedrk* mUg JhdkUr oek d ;gk egt ^fujk'kk d Loj* d :i e fn[kkb n jgh Fkh] ij o ml nk Vd ^fuLlgk; udkjkRedrk* dg ugh ik,A 1958 e JhdkUr oek dh dfork e ^fefyV.V DokfyVh* dh ljkguk dju oky efDrck/k 1963 e mudh fujk'kk l u flQ n%[kh gkdj jg x;] cfYd mle idV g, ^flufllTe* dk lH;rk&ck/k l tkMdj ;fDrlxr Hkh BgjkA
fuLlUng JhdkUr oek d ;gk ub dfork dh y?kekuooknh ;k {k.koknh opkfjdrk ugh Fkh] yfdu flfufllTe rk Fkk tk mlh opkfjd lkr l mitk Fkk] ftll y?kekuo vkj {k.kokn dh vkReoknh lEonuk vkj n'kuA Qd flQ ;g Fkk fd JhdkUr oek dh dfork e 0;fDrfu"Brk dh txg mnx vkj e[kj lkekftdrk FkhA gkykfd ;g

,lh lkekftdrk vkj cfge[krk Fkh tk lkekftd gku dk Hke ndj 0;fDr dk vUrr% vdyk dj nrh gA fQj og ,dkUr fonkg e viuh lkekftdrk jpu dk i;Ru djrk gA Jhdkur oek dk dk0;uk;d dy feykdj 0;fDroknh fonkgh vkj vkRenkg dh gn rd e[kj dk0;uk;d gA lkro n'kd dh fQYek d ,xh ;xeu dk ikVkVkbi mudh dfork e ,d n'kd io gh idV gk x;k FkkA og 0;oLFkk d f[kykQ Fkk] yfdu ml cnyu e ukdke gku ij viuh lud vkj mRrtuk e grk'k gk mBrk FkkA mldh grk'kk iyki e cny xbA lp rk ;g g fd Jhdkur oek u vkRekæd vkj iyki dk dfork e <ky fn;kA

iyki vkj vkReigkj dk lnHk dk0;uk;d dh grk'kk g ftldk oLrxr vk/kkj chrh lnh d e/; dh fo?kVu'khy fopkj&ljf.k e Fkk] yfdu Hkkjr dh rRdkyhu ifjfLFkfr;k l og fofPNUu FkkA fQj Hkh grk'kk dk og oLrxr ;FkkFk dh rjg cjr jgk FkkA grk'kk ml Hkhrj [khprh Fkh(vkØkedrk ckgj /kdyrh FkhA bl }U} e og vfu'p; dk f'kdkj FkkA blfy, vpjt ugh fd mldk ifrokn egt ukVdh; fojk/k cudj jg x;k(bl }U} vkj mldh ukVdh;rk dk le> dj gh ey;t u fVli.kh dh Fkh& ^Jhdkur oek dk fojk/k ^ckgj* d ifr mruk ugh g] ftruk og ^Hkhrj* d ifr g D;kfd fcuk #d] fcuk fdlh fu.kk;d fcUn ij igp] ckj&ckj igkj fd;k tk ldrk gA mudk Hkhrj ,d ,lk ni.k g] ftle ^ckgj* d pgj vkj vkdfr;k vk/kfud ;x lEonuk dk e[kkVk yxk, g, t:j ?kerh utj vkrh g] ij vUrr% og ek;kni.k gh lkfcr gkrk g] D;kfd mu e[kkVk dk m?kkM tku dh cckd fØ;k vkt dh uxj&lLdfr e ,d vk/kfud eu"; dh foMEcuk dk vukoRr djrh g vkj blh vFk e Jhdkur oek dk o;fDrd dk0;&llkj lelkef;d lEonuk dk llkj Hkh cu tkrk gA vkRexr lnHkk dk ;g cfgxr iR;{kdj.k Jhdkur oek d ek;kni.k e ^Hkhrj* vkj ^ckgj* d /kiNkgh jx dh f>yfey vkoktkgh lEHko djrk g ^Hkhrj* dk ifjHkkf"kr dju dh efge NMdj dk0;uk;d ^ckgj* dk vukoRr dju dk i;Ru djrk g yfdu u rkA ^Hkhrj* Bhd rjg ifjHkkf"kr gk ikrk g] u ^ckgj* llxr rjhd l vukoRr gkrk gA ek;kni.k dh ;gh foMEcuk gA 'kk;n dk0;uk;d dh bl foQyrk e dgh Jhdkur oek dh dfork dh lkFkdrk fNih FkhA

'kk;n mldh lkFkdrk bl rF; e idV g fd Jhdkur oek u fgUnh dfork dk ToyUr oreku l tkMk vkj bl i;Ru e ,d vuBk rkRdkfyd egkojk jpkA mUgku ,d tuu d lkFk dfork e bfrgkl dh Åijh ijr dk [kknu dk nLlkgl fd;kA bl [knkb l tk fudydj vk;k] og chloh 'krkCnh dk ujd FkkA Jhdkur oek u bl ujd dk e[kky mMk;kA

3-

ledkyhu ujd e rjg&rjg dh lRrk l eBHkM djr g, Jhdkur oek thouHkj mld vk[;ku jpr jg] yfdu mld lR; dk iku d fy; thou d vfUre o"kk rd mUg irh{kk djuh iMhA ToyUr oreku d vUr%lR; dh [kkfrj vUrr% mUgku chr bfrgkl e 'kj.k yhA ph[k&fpYykgV vkj 'kCnk d ?kVkVki l nj

^ex/k* mud fy, ,d ,lh Nko g tgk dkb DykUr ;k=h viu vfUre iMko e xUr0; d ckj e euu dj jgk gkA ^ex/k* mudh fiNyh dk0;&;k=k dh Lefr;k dk ikNdj xUr0; dh vkj u;k iLFkku gA ;gk mudk dk0;&ckV ,d u;k /kjkry ikIr djrk gA yfdu ;gk Hkh lRrk dh fodjky mifLFkfr mudk ihNk ugh NkMrhA lRrk d ek;koh fcEck d :i e ^ex/k* dk lR; iuxfBr gku dk i;Ru djrk g] exj viu Hkhrj d ?kkr&ifr?kkr l xtj dj ,d mtkM Hkfe ij ilj tkrk gA

^ex/k* JhdkUr oek dh vUr;k=k gA lR; dh [kkt e lRrk d n'pØ e f?kj eu"; dh Vftd fu;fr dk lk{kkRdkj dju okyk dfo ;gk ,d ckj fQj Nyuk dh fxj¶r e gA ^ex/k* dk ;FkkFk Hkh foHke dh tehu ij [kMk gA og vUrr% ek;kni.k lkfcr gkrk gA vkox ;gk B.Mk iM tkrk gA vkØkedrk fcyk tkrh gA lu lkB d n'kd dh ohj&enk vc fuon dh Bgjh gb 'kkUr Hkfe ij fpjru i'uk l f?kju yxrh gA ^ek;kni.k* ;k ^tylk?kj* dk dfo vxj ekuo&fLFkfr d vUrfojk/kk dk lk{; ,d= djrk g rk ^ex/k* e vkdj og ekuo&fu;fr dh foMEcukvk l lk{kkRdkj djrk gA igy tgk iyki dk dkykgy Fkk] ogh vc foyki dh /ofu;k gA ^ex/k* fu;fr dh vfu'p;rk d chp foyki dk vVV vkj 0;x Loj gA og eu"; d vfLrRo dh ;U=.kk dk lH;rk d {kj.k dk lUnHk ydj ifjHkkf"kr dju dk i;Ru gA ^ex/k* dk ;fn chloh 'krkCnh dh vk/kfudrk dh ctj Hkfe ¼oLVy.M½ dh rjg n[kk tk; rk vufpr u gkxkA

^ex/k* e cgr&dN ?kfVr gvk g tk JhdkUr oek dh dfork e igy ugh gvk FkkA igy tgk n'; e Qy jgh vekuoh;rk vkj Øjrk dk vkRekfHk;kx d egkoj e xg.k dju dh foo'krk Fkh] ogh vc mldh vfHk0;fDr dh Hkfxek ,d rjg l Lohdkjkfdrijd ¼dUQ'kuy½ gk pdh gA igy tgk NViVkgV] cpuh] vjktdrk vkj fc[kjko Fkk] ogh ^ex/k* e vu'kklu] fLFkjrk vkj xEHkhjrk gA igy tgk foni vkj fodfr;k Fkh] ogh vc lUryu vkj lk"Bo dh vkdk{kk gA igy le; vkj ledky d ifr fodyrk vkj mRrtuk Fkh(^ex/k* e dykrhr d ifr mUe[krk vkj vkRlD; gA pLr fQdjckth vkj vkfo"V Hkk"kk dh txg lxfBr vkj lfopkfjr 'kCn&lgfr vkj vFkxHkh lfDr;k gA fo:i d lk{kh dfo dh nfu;k vc LFkfxr gk xb g(mldh txg vrhr d l?kj fcEc gA ug: ;x d ek;kykd d LFkku ij ikphu turU= dh Lofluy nfu;k gA ^ek;kni.k* dh dforkvk d ljfj;fyLV n';k e le; dh vuxt rk Fkh] yfdu ftl rjg ljfj;fyLV dykdkj viuh dyk e ek;kykd dh jpuk djr g, Lo; gh ek;kykd d cUnh gk x,] mlh rjg lkB vkj lRrj d n'kd dh dforkvk e JhdkUr oek dk dfo viu gh x< dk0;kd e dn gk x; FkA ^ex/k* e vkdj o mll mcjr gA lRrk ij v/kk/k/k vkØe.k dju dk vfrjd R;kxdj mld pfj= vkj idfr dk le>u dk i;Ru djr gA mld ek;k&ikUrj dh iMrky djr gA

dlh foMEcuk g fd dfork e lu lkB d ckn lRrk d ifrokn d rh[k egkoj e mldk foe'k jpu oky JhdkUr oek u okLrfod thou e vkx pydj lRrk dh Hkk"kk dk vkRelkr dj fy;k] yfdu vUr e o fQj lRrk d ufrd L[kyu vkj njfHklfU/k;k dk mn?kkfVr dju okyh Hkk"kk e lRrk dk foU;kl <<u yxA chloh

'krkCnh vkj ug:&;x l ekgHkx dh ihMk l o mcj ugh ik; FkA exj ^ex/k* e lRrk l ekgHkx dh onuk u mUg fQj fonh.k dj fn;kA ^ex/k* e ekgHkx d vud n'; gA mul f?kjk gvk dfo] ft lu dHkh /k/kdr g, oreku dk c[kkQ lkeuk fd;k Fkk] ,d Fkd&gkj jkgxhj dh rjg vrhr dh Nko e& egktuin ;x d :id e& iukg yrk gA dk'kh] mTtf;uh] dk'ky] ex/k] gfLrukij] dfyx] dk'kEch] ef.kdf.kdk] dfiyoLr vkfn oLrr% lRrk d ek;kykd d vUrfojk/kk vkj Nykok dk :ikf;r djr bfrgkl dh ifrPNfo;k gA nljh vkj dPN] phu] x.M Vd jkM] Liu] dkxk] <kdk] fo;ruke vkj pdkLykokfd;k eu"; d ledkyhu ujd dh tyrh gb okLrfodrk gA

chloh 'krkCnh d ujd l dfo dk =k.k ugh gA igy turU= d ujd l og t>rk gA fQj lRrk d ujd l vfHkeU; dh rjg f?kj tkrk gA 'kkld ox d "kM;U=k vkj vfHklfU/k;k d Nne dk [kkyu d m|e e og dfo&de dh vFkoRrk <<rk gA yxkrkj og bl pruk d lkFk thrk g fd og Lo; ,d HkDrHkkxh gA viu HkkDrRo dk og lekjkg jprk gA ckotn bld] D;k og Hky ikrk g fd vc Hkh og ujd l f?kjk gvk gA dgu dh vko';drk ugh fd dfo vUrr% ujd e gh tk igprk g& lRrk d ujd eA dlh foMEcuk g fd lR; dh [kkt e og lRrk d ujd e HkVdrk gA ^ex/k* njvly lRrk d ujd e HkVdr dfo dk vkÙkukn gA

ex/k dh eR; dkeuk

vk'krk"k Hkkj}kt

tc ge fdlh pht dk n[kr g] og Hkh ge n[krh gA bl nrjQ n[k tku l gh –'; fufer gkrk g] ftld l?kVd –"Vk vkj –"V0; nkuk gkr gA blh rjg tc ge fdlh dfork dk ikB djr g] dfork Hkh gekjk ikB djrh g] ge i<rh&VVkyrh gA og bl ikB dh egt n'kd ugh] lgHkkxh gA og gekj }kjk [kn dk i< tkr g, n[krh g] gekj ck/k vkj lEonuk dh mxfy;k viuh dk;k ij mrjr g, egll djrh gA gekj Li'k l mld jx ifjofrr vkj ijkofrr gkr g] ge vkykfdr djr gA

n'ku dh Hkk"kk e dg rk tc Kkrk K; d lEid e vkrk g] rc Kkrk e Kku dk x.k mRiUu gkrk g] ;g Kku K; dk vkykfdr djrk gA yfdu ;fn K; vlE;d@vfLFkj g rk Kku Hkh fLFkj ugh gkxkA vxj ex/k K; g] ikBd Kkrk rk bud lEid l mitu oky ck/k dh ç–fr ,o çofÙk dlh gkxh \

mTtf;uh tku d bPNd ;kf=;k l fuonu g@;g jkLrk mTtf;uh dk ugh tkrk@vkj ;g fd ;gh jkLrk mTtf;uh dk tkrk g@e dy rd jkLrk fn[kk jgk Fkk@;g dgdj fd@lko/kku! ;g jkLrk mTtf;uh dk tkrk g@e vkt Hkh jkLrk fn[kk jgk g@;g dgdj fd@lko/kku! ;g jkLrk mTtf;uh dk ugh tkrkA---

ftUg mTtf;uh tkuk g] dgk tk,\@ o mTtf;uh tk,@vkj dg ;g mTtf;uh ugh@D;kfd ge mu jkLrk l ugh vk;@tk mTtf;uh tkr g@;k mTtf;uh ugh tkrA

,d gh jkLr dk mTtf;uh vkj mld foyke nkuk dk jkLrk cryku okyh ;g dfork fdl rjg gekj ck/k dk Li'k djrh g\ ;g vk[;krk dku g vkj iFoh ij bldh vofLFkfr dgk g\ vHkh geu dgk fd vxj ikBd dfork dk n[krk g] rk dfork Hkh ikBd dk –'; djrh gA ;g dfork vkj bldk vk[;krk fdl txg l ge n[k jg g \ D;k ge bl n[k ik jg g \ D;kfd ge 'kk;n ,l fdlh jkLr dk ugh tkur] tk fdlh xUr0; vkj mld foyke nkuk dk gh ,d lkFk tkrk gk vkj ugh Hkh tkrk gkA

ikBd dk ex/k dh /kjrh Hk;kud :i l vfLFkj fn[kyk nrh gA bldh cfu;kn flQ Mxexkrh gh ugh] [kn viu dk gh /oLr djrh pyrh gA Åij j[kh x;h bV uhp okyh dk pdukpj dj u;h uho cukrh gA igyh utj e ;g dfo dk [ky Hkh çrhr gk ldrk g] fd ex/k flQ 'kCn&dkrd] edM&tky gA mTtf;uh tku

okyk vkj mTtf;uh ugh tku okyk jkLrk 'kk;n mlh rjg l ,d leku g ftl rjg dkb lh<h Åij l uhp tkrh g vkj uhp l Åij Hkh vkj bl rjg mle dkb vUrfojk/k ;k vUrfojk/kkHkk l ugh gkrk] u gh og viu dk [kf.Mr djrh ;k udkjrh gA

bl –f"V l ex/k dkj dkrd e Hkh fuxfer gk ldrh g] yfdu ughA D;kfd ex/k ftl Lo:i e ftu vud ç'uk dk ikBd d lkeu y vkrh g] mue l nk n'ku d cfu;kmh ç'u gA igyk fd bu dforkvk e Kku fdl rjg ge rd lEçf"kr gkrk g ,o mldk Lo:i D;k g\ nljk ftl rRo d Kku dh vkj ;g dforky tkrh g mldk Lo:i D;k g \

ex/k n'ku d bu nkuk ç'uk dk Hkk"kk l vUo"k.k djrh g] feFkd l mUg vkykfdr djrh gA og ,lh Hkk"kk dk l/kku djrh g ftldk foyke mll vfHkUu g] lkFk gh og viuh vfLFkj dk0;&/kjrh eR;&dkeuk dh vkp e lyxr feFkd l fufer djrh gA

ex/k çpfyr vFk e vfEcxvl ;k vudkFkh ugh gA ;gk vFk ,d gh g] flQ vud :i k e [kn dk mn?kkfVr djrk g tk dUukt d fo"k; e dN ugh tkur] o Hkh dUukt tkr g] tk dUukt d fo"k; e lc dN tkur g] o Hkh dUukt tkr g] ftUg çe g dUukt l] o Hkh dUukt tkr g] ftUg }"k g dUukt l] o Hkh dUukt tkr gA

dUukt ;k mTtf;uh flQ dkrd Hkj okD;&ç;kx ugh gA ;g dforkdh dk;k e ek;k dk l/kku gA çip dk xYi gA

ek;k] tk u lr g] u vlrA ftldk vfLrRo mld vukfLrRo ftruk gh lR; gA n'ku e dgk tkrk g fd ek;k cã l vfHkUu] viFkd g] vuU;k gA ;g cã ij vkfJr g] cã gh bldk fo"k; gA mlh rjg mTtf;uh tku ;k u tku d nk jkLr ,d&nlj l viFkd] vuU; gA igyk jkLrk viu vfLrRo vkj vukfLrRo nkuk d fy, nlj ij vkfJr gA mTtf;uh tku okyk jkLrk mTtf;uh u tku oky jkLr dk vfuok; fo"k; g] ijd Hkh g vkj foyke o 'k= Hkh gA

tk dfork [kn viuk fo"k; Hkh gk] ijd] foyke vkj 'k= Hkh] og u flQ vkRe&jr g] cfYd vkRe&gUrk HkhA og dforkviu dk tUe nxh] [kn viuh gh dk;k l lEHkkx djxh] viuh gh yiV e HkLe gk tk,xh] fQj viuh gh jk[k l iuthfor gkxhA bl ek;kykd dk miyC/k dju d fy, ;g viuk fof'k"V 0;kdj.k jprh g ftle eFkjk d u jgu ij eFkjk foykirh g---- eFkjk] eFkjkA bl 0;kdj.k dk myVckIh ;k bl tl vU; ;Xek vFkok ;fä;k l ugh fpfUgr fd;k tk ldrkA

n'ku dh 'kCnkoyh e dg rk ex/k ijr% çekU; ugh] Lor% çekU; gA Hky gh ex/k viuh ijEijk l ,d xgu lEokn e jr g] mud fpUg bldh dk;k ij lyxr g] yfdu mu lHkh iyk dk tykdj jk[k dj vkb g ftu ij py ;g dfo dh ukVcd ij vorfjr gb gA

yfdu pfd ex/k n'ku dh ikFkh ugh g] viuh :g e çip dk xYi g] rk bldk xYidkj] vk[;krk dku g\

mTtf;uh d jkLr dk cryku okyk mn?kk"kd dku g \ ;g dku vk[;krk g ftll vxj iNk tk; fd D;k bll dN Qd iMxk(vxj e dg fd e ex/k dk ugh] voUrh dk g] rk og rikd l tokc nrk g---- ex/k d eku ugh tkvkx] voUrh e igpku ugh tkvkxA

Åijh rkj ij ;g Hky yx fd ;g vk[;krk ,d /oLr gb lH;rk dk vfUre i#"k g tk <gr jkt vkj jktuhfr d çrhd] voUrh] mTtf;uh vkj dk'kkEch d fouk'k dh n%[kn dFkk dg jgk gA fidklk dh x,fudk vkj r;c egrk dh f=fiVd d fcEc Hkh ex/k d 'kCnk d chp meMr gA yfdu ex/k foyki ;k gkgkdkj ugh gA vxj ;g dkjk 'kkdxhr gkrk rk ex/k bruh cMh dfork u gkrhA vk[;krk fxjrh yk'kk vkj <gr [k.Mgjk dk lk{kh g] mudh dFkk luk jgk gA yfdu mldh oØkfä vkj pi vêkgkl Hk; vkj foHkf"kdk dk dkeuk o okluk e ifjofrr vkj ijkofrr dj nrh gA

bl rjg ex/k eR; d egku l >kdr bl vk[;krk dk Nyko Hkjk cykok gA lEekgd idkj tk dgrh g fd eR; Qjc] Ny] çe vkj ijkt; tl u ekye fdru jxk e viu dk mn?kkfVr djrh gA eR; flQ ,d jkLr l ugh vkrhA vxj Qjc fouk'k dk }kj [kkyrk g] rk lkUn; Hkh fo/oUl dk mdlkrk gA c)dkyhu xf.kdk d Budr g, Lru gk ;k fopkjk dh deh egll djrk dkly] eR; lcl cMk] 'kk;n vfUre lEekgu g] lcdk viuh rjQ [khprh gA ;g tkur g, Hkh fd bl jkLr ij flQ fouk'k gkxk] eu"; mldh rjQ f[kprk pyk tkrk g] ukVl Ýke n vMjxkm.M ij fy[kr g; ftl vkjgku iked u Tok;t vkQ fMxM'ku dgk gA jkT; vkj jktuhfr dk Hky gh fo/ol l Hk; gk] mudh lkjh gjdr fouk'k l cpu d fy, dfUær gk] dyk vkj çe dk fouk'k ;k fo/ol dh ijokg ughA dyk vkj çe ml 0;ke e fuokl djr g tgk eu"; viuh dkeukvk vkj oklukvk e HkLe gk pdu d ckn viuh gh jk[k l viuh :g dk Ükxkj djrk gA

lkfgR; e db ,l HkLekdy fdjnkj feyx] tk LoPNk l ml fu;fr dk pur g tk fo/ol dh jkg ij tkrh gA D;k gfLrukij dh j{kk dk ç.k fy, egkjFkh Hkh"e dk ugh ekye jgk gkxk fd ftl jkT; d fy, mUgku thou dcku fd;k] og vkf[kj mudh mlh dckuh dh fxj¶r e Ql dj u"V gk tk;xk \ vkj [kn Hkh"e \ vu'kklu dh e'kky fy; thr bl uk;d dh çfrKk dk vUr ck.kk dh lt ij gh gkuk FkkA D;k æk.k dk ugh iokeku jgk gkxk fd ftu /ku/kkfj;k d /kudk'ky dh j{kk d fy; og fdlh funk"k dk vxBk Nhu jg g] o egkjFkh blh /ku"k dh çR;pk ij viu gh dy dk u"V dju dk ck.k rku nx\ egkHkkjr dk lxke x# æk.k dh viu f'k";k d çfr okluk dk vfuok; çfrQy gh rk gA ftl {k.k d: o'k u ,d vnE; çfrHkk'kkyh ckyd l mldk /ku"k Nhu fy;k Fkk] ml jktdy u mlh {k.k viuh fu;fr blh /ku"k d ck.kk l fy[k nh FkhA ex/k crykrh g fd fouk'k vo';EHkkoh g] eu"; vfuok;r% fouk'kxkeh gA Hky gh viu ç.k ij dcku g, Hkh"e gk ;k ex/k d lukuk;d] dN thok.k eu"; d Hkhrj pipki lk; jgr g] ftul og [kn dk c[kcj j[k vkrk g] tk /khj&/khj ml drjr] vUrr% ml /oLr djr gA

yfdu ex/k fouk'k dh 'kkd xkFkk ugh] fouk'k dh vnE; okluk gA ex/k ekuo lH;rk d fdlh lnj ;k

lugj vrhr d çfr ukLVfYt;k l xLr ugh gA bl ekye g fd eu"; dk ml fnu gh fo/ol r; gk x;k Fkk tc mlu b'oj dk ?kj R;kx fn;k Fkk] dkeuk dh jkg ij py iMk FkkA dkeuk vkj 'kU; d njfe;k ex/k dkeuk dk purh gA

blhfy, ex/k eR; dh vlEHko pkguk dh fxj¶r e gA ;g crykuk pkgrh g fd dkeuk dh vfuok; ifj.kfr eR; gh gA jkLrk Hky mTtf;uh dk gk] voUrh ;k dk'kkEch dk] gjd jkLrk fo/ol dk gh ekx gA yfdu ;g dkjh] B.Mh ekr ugh] çe vkj dkeuk l flä eR; gA xf.kdkvk vkj lHkklnk dk vUr mudh g ljr dk gh ifj.kke gA

pkgrk rk cp ldrk Fkk] exj dl cp ldrk Fkk] tk jpxk] dl cpxk\

;g u rk 'kgknr g] u mRlx] u vkRe ihMu] u ltkA ;g vftr vUr gA çe dh miyfC/k gA

dfo d thouhdkj d fy; 'kk;n ;g rF; mYy[kuh; gk ldrk g fd bl vUr dk vftr djrh ex/k dh vf/kdk'k dfork, dfo d vfUre o"kk e fy[kh x;h gA

ex/k bl fo/ol dk feFkd dh /kjrh ij gkfly djrh gA feFkd iFoh d xHk e lk;k ,d cht g tk viu iutUe d fy, çrh{kkjr gA pfd fdlh feFkd d igy tUe dk fpfºur dj ikuk fd ;g igyh erck dc vorfjr gvk yxHkx vlEHko g] feFkd dk lnk iutUe gh gkrk gA ;g gj ml {k.k u;k tUe yrk g tc dkb bl cht dh fdlh :i e çk.k&çfr"Bk djrk gA voUrh] gfLrukij] dk'kkEch vkj mTtf;uh ljh[k ex/k d feFkd gekjh lkefgd pruk vkj Lefr e vfdr g] yfdu ;g lKk, fdlh Hkh"k.k foLQkV dh rjg ex/k dh lrg ij QVrh g] viu u; vFk gkfly djrh gA ex/k d i"Bk ij mTtf;uh vkj dk'kkEch dk feFkd ogh ugh tlk ge vc rd tkur vk; FkA ex/k bu feFkdk dk eR; dh vkdk{kk l vkof'kr djrh gA ex/k dh dk'kh lukru Kku dh uxjh ugh g] ;g xxk d fdukj fleV cãk d n'kk'oe/k dh fojkV xkFkk ugh gA bl dk'kh e ftl jkLr tkrk g 'ko] mlh jkLr vkrk g 'koA bl dfork dk Mke 'kok d vEckj dk n[k grk'k ef.kdf.kdk dk fnyklk nrk g fd n%[k rEg 'kkHkk ugh nrk ef.kdf.kdk] ,l Hkh 'ke'kku g] tgk ,d Hkh 'ko ugh vkrk] vkrk Hkh g rk xxk e ugyk;k ugh tkrkA

;g fdl fdLe dh fnyklk g] tk ef.kdf.kdk dk 'kok d igkM ij xfor gku dk dg jgk gA D;k bl fnykl e Hkh dgh Nykok Nik g \ Ny] tk ex/k dk ,d çe[k x.k gA D;k Mke ef.kdf.kdk d lkFk Hkh Ny dj jgk g\ ex/k dk vk[;krk brkyk dfYouk dh bufoftcy flVht d uk;d ekdk ikyk dh rjg g tk dcykb [kku dk çrkih ckn'kkgk vkj mud jkT; dh dgkfu;k lukrk g] tk Åijh rkj ij 'kk; xkFkk, çrhr gkrh g] yfdu vUrr% mu jktkvk dh iru xkFkk, gA egkHkkjr dk lt;] /krjk"V dk çfriy ?kfVr gk jg iru dh thoUr xkFkk luk jgk gA iru tk bruk ckjhd g] bru /kme l vkrk g fd egy dh cft;k ij yxh nhed vkj 'kgrhjk ij e.Mjkr pexknMk dk Hkh vkgV ugh gkrhA

Åij geu iNk Fkk fd ex/k fdl rjg ge n[krh gA ex/k dN bl rjg ge viuh fuxkg e ck/krh g fd tk

thfor g ml viuh lkl k ij 'kcgk vkj er gku dk xeku gku yxrk g vkj tk er g og viuh vkdk{kk vk dh jk[k dk VVkyu yxrk gA ;g og dk0;&Hkfe g tgk tc thfor ç'ukdy ugh gkr rk en gLr{ki djr g] tgk çR;d thfor blku vxy gh {k.k erd eku fy; tku dh e.Mjkrh lEHkkouk d lkFk thrk g D;kfd ex/k ml vk'oLr djrh g fd ft ldk jkfgrk'o@ekjk x;k gk@'kk;n dkb ml fo'okl ugh fnyk ldrk fd re@jkfgrk'o ugh gkA

ex/k vklUu eR; dk vkyki g rk ,d ek;koh çe dh idkj Hkh gA ,d ,l k çe tk vck/k&v–'; g] flQ fdlh frfyLe d ldr&:id&lh mldh Nk;k 'kCnk d chp dk/krh gA

dyk 'kk;n çe dk vfUre Lolu gA çe 'kk;n dyk dk vkf[kjh [okc gA ftl rjg 'kk;n gjd dykdkj ,d egku iedFkk jp nu dk [okc fy; thrk g] ,d ieh Hkh viu ie dk ,d foy{k.k dfork] ,d vuBh dykdfr e dk;kUrfjr dj nu dk Lolu n[krk gA dyk d ikl eu"; eR; l mcju tkrk g rk eR; e Mc tku dk HkhA mlh rjg çe eu"; dk eR; l ij y tkrk g rk eu"; dk viuh yiV e Lokgk Hkh djrk gA ex/k blh vfUre çe dh dfork gA çe vkj eR; dk ,d lkFk viu e lekfgr djrh g] yfdu vkxkg Hkh dj nrh g fd efä 'kk;n u çe e g u eR; e] D;kfd ;g dguk dkb vFk ugh j[krk fd e ?kj vk igpkA loky ;g g fd bld ckn dgk tkuk g\

ekfu;k

lck/k ik.M

vkb fnokjh ikmuh
y; fn;k e ry j
ry tj ckrh tj vkj
ukvk fn;k d gk; jA

^dk; vkb dk*
^vk gk] vc yk dku vkb* dDdk u Åjh
^rekj d;k dj jg*
^dN ugh]*
gekj rjrb uk; ek; dh cfr;ku yx
dDdk txl l gekjk d fyxk gk dM [k l ty d nkj rjih dM x; rc tk [k gek; th [kk lkrk ijhA dÅ
dDdk tku x; gkr d gekj fnokjh dh ckB , tkg j; gr rk o dr ruk xEe [kkvk] vkb t g t g fdr
vkd iy ruk gMii l ikuh Hkj [k 'kkyk d Hkxokuk [kk lijk [k jkjh pnu yxk ;kvkA , lk dj e ge
fnokjh dh ckB dl tkg ikr gk ldr g dN vkj dj d ekj gekvk ckB tkgok i lj tkrk vkj d rk ge
Hkyb tkrA , l e fnokjh vkÅrh vkj ge dN vkj djr n[k vkj d rk gekb ckB tkgo [kk v/kjk ik [k
fjlk [k ykV tkrh] vkj ge , jk yk u ikmrA
fnu dh HkVu i] fMM l oj jb ydfj;k d vxjk i Hkj jx dh iiMh d ru&ru fp[kÙkk l ri tkr gA Hklkj
l tlb dkÅ py e vkxh djc dk rih ydfj;k dk fgykmr g olb vxjk dk jx fn[kk ijr g] Hklkj d
cnjk dk jx lkb , lk tku ijr g d dkuÅ u vxjk d jx [kk cnjk dh HkhV i ikr nvk gk;A ik HkVrb
ft th mlkj ikr djd nyku e cBh grh rcb geu tk [k ft th l db d ft th fnokjh do vk gA ft th u db

d vkÅrb gb; vkj fnokjh viu lx fn;k Hkj tkMk y[k vk gA bRr tMdkj lb tkfu;k d fnokjh vk xb vkj fQj ftth mlkj ikr e yx xbA ge fn;k Hkj tkMk fdRrk gkr gb; vkj vkl fdRrk tkMk yxr gb; ,b e fon j;A ygjb gko i ,lk gk ikr g tc yk dkuÅ dke dh lcjh Fkkg u ik y;A rc yk okb djr jr g] ,lb , ge fnokjh dh xy rd j; grA tlb tB gkr tkr g olb ck< tkgok dku gk ikÅr g dk; l d tB gko i gekvk dN ,d pht dh ck< tkgok gj txk ilj tkr g vkj gekvk th uk; ek; dh ckrk e v/kdkjk foyer gA

gjd dh fnokjh rk vkb dh gkr g vkj gj dkÅ viub ,jk fnokjh dh ck< tkÅr g] dkÅ [kk QMk[kk dh ijh jr g rk dkÅ [kk fn;k mtkjo dh] vkj dkÅ [kk dN vkj dh----- tlb fnokjh vkÅrh g vklb gj dkÅ dk ck< tkgok ijk gk tkr gA ftth fnokjh d fnuk Hklkjb l lij [kkj [k puk Hktr grh vkj fQj tkr d fyxk cB d puk ihl [k lrvk cukr grh] gj cj o tkb dj[k fnokjh dh xy rdr grh d fQj dk tku o dN vkjb , rd jr grhA ftth nyku e cBh pk; Qjd jb grh] ge ftth d fyxk tk[k/kjrh i ij j; vkj cfr;ku yxA ftth Hkkr i<h rk u grh euk Hkkr tBh gko d dkj.k ftth d fyxk gjd ckr [kk vgkuk grk] rudb e geu ftth l db d dk; ftth tk euxk dh Vyx i cBk dmvk u crk n g d fnokjh do vk gA ftth pk; Qjdr&Qjdr njtu c<h l cfr;ku yxhA

ltk gkÅrb lokjk u lx&lx y{eh [kk itk vkj fQj ?kj e lc txk fn;k ?kj n;A lukjk d ljdMk [kk vkxh e ckj [k [kc QMkdk ?kkyA gekb ek u fn;k d Åij dk l dh rkFkh [kk vknk nvk t ekj rudb e fn;k d/kvk l rkFkh i dfj;k pnnjk l fcN xb tl jkr [kk v/k;kjk/kjrh i ilj tkr gA ek u lokjk dh vk[kk e rkFkh i te dtjk [kk vkt nvkA ge ,lk yxk d ek u vekl d ij vf/k;kj [kk idj d gekb vk[kk e jki nvk gk;A rob geu db vc tk vf/k;kjk ruk ennk ij t g vkj fnokjh xy <<r&<<r gek; nkj i vk fojkt gA ,lb th e Åjr&Åjr vkj dtjk l vk[kk e gko okjh fpufeukgV d lx&lx ge tku ijk d ek u vekl dk lojk vf/k;kjk [kp yvk g vkj dN fn; dh mtj l vf/k;kjk ruk ennk ij xvk g lk rk fnokjh [kk lkb xy <<c e dkÅ 'kYy u gb; vkj myk;rb fnokjh vk t gA euk okdh lokjk [kk fnokjh dh dN ijh lh u tku ijh ge yxk d gk; u gk; bukjk [k dg ,lh txk g d t mr ck< [kk ydk ;k; gb;A dk; l d vc yk gekb fnokjh rk vkb ubvk vkj bukjk [kk dkÅ ijukb ub gk jbA ,b x.kurkj e ge dk tku dku ojk llk ijA jkr [kk ik QVo d rudb iy gek; dkuk e dN tuk d cfr;ko dk ,jk Hkvk vkj lx&lx uxfj;k dh rku xMkxM rku xMkxMkA lkr lkr ge yxk d t vkjk rk uxfj;k dh rku d lxb lxr dj j;A ge nyku l mB[k vxuk e vk x; vkj geu n[kk d ntukd tu xknu cCck [kk ?kj FkkM g] mukjk e l dN up j; gr vkj dN tu dej e uxfj;k fgyxk; gr vkj dN db ub j; grA dN tu rk cju&cju d Qnjk ij gr vkj ,l lt gr d d rk dkuÅ d C;kvk e , tk j; vkj d rk ydk [kkA rcb

geu n[kk d tk ekMk rk txr ?kkb fn[kk jvk g geu db dk; txr] euk vku dN u dbA vj tk rk Hkkj yk gek; lx pjk e xncn nÅr grk] , [kk tk d;k gk xvkA rob ge lej ;kb d txr Hkkjb l f[kjdk d cfj;k d rj dN tuk d lx fQj jvk grk vf/k;kj d ekj ge mukjk [kk thu u ik; grA gvk j t rk ob vk;A

rob ge dkuÅ u crkb d t vkjk ekfu;k dgkÅr g rk ge rjrb tku d txr lce ygjk ekfu;k gA ekfu;k d lx dN tu up j; gr vkj dN uxfj;k d fVefVeko i lxr dj xk lkb j; gr] euk ekfu;k gr ekuA

fnokjh d fnuk dN tu ldkjb l cfj;k d rj eyr g cfj;k d iM [kk n[k d , lk yxr g tk xko e dk vk jvk g] d dk tk jvk g] d dk dk dj jvk g cfj;k lcdk fgkc j[kr gA cfj;k dk iMk ujok d fyxk ,d Vyk i gA cfj;k dh dN tj tehu e gk ckgj dM vkb g vkj dN tM iMk l ye jb g] mub yer tMk i vlQj Hkj d ekMk&ekMh ye j; gA yer&yer o vkjk ujok d Åij yk ikt d ykV j; gA cfj;k dh t /kjrh l gelh tM db oj ge ft th d gkFkk i Ådjh ulk lh tku ijr g vkj gj oj ge yxr g d tk cfj;k iy dh g d ft th] nkb , lk tku ijr g dku cjk l , th j;A

txr lkb ekfu;k d lx ekfu;k gk ijkA

ekfu;k f[kjdk dh cfj;k d ?kjÅ cB&cB d j; gr d gekjk d iy gek; nnnk gj ekfu;k cur gr vkj [kj&[kj fQj [k lkr xkok dh eM nkcc tkr grA vcdh gekjk dh cjk g gekjk [kk lkb lkr xkok dh eM nkcu ij g rc tk [k , cj dk ivkl vkj d rk ldYki gk i g euk vkd iy gekjk [kk lkb bRr Lokx Hkju ij g d dk crk;A

nf[k;k dN j u tk; ubrk nnnk gjk d fyxk dku ek l tk i gA tk jhr u tku dku dky l gkr vk jb vcdh gekjk [kk ijdh cj l vkj mEnk Lokx Hkju gA Lokx d lx lx th e eku rk lkb Hkju ij g t l d , jhr dk jhrok u gk ik;A

txr uk; ek; fQj jvk grk vk[kk bu ckrk l dN Hkkr rk ub c> ijh euk bÙkk rk ok lkb tku xvk d dN cMk dke , gk jvkA txr dh eM i dk tku fdÙk iy dh jhr vku ijh grh euk vkdk th [k'k grk d ok vcdh cj viu dDdk d lx nnnk ?kkb ekfu;k cu[k vlQj Hkj e upr fQj gA vk[kk rudb ub yxk d bÙkh xjb jhr dk u jhru nc e vk[kk fdÙk tru dju ij gA

vk[kk rjrb lej ;kb d dl ijdh vkd nnnk] fucvk okj vkj lcj ekfu;k ivkl fclkjo onkou [kk x; grA , l lkprb txr [kk th xjvk gk ijk euk vku db d , lk dku dkÅ fu;e vkg dk d lc[kk ivkl fclkjo tkub ij g vkj vc rk tk iyb cj g ckjk cj [kk rk vc Ve gA vkj txr ekfu;k ?kkb l tu yxk

vkj d ltc e ,lk jek d vk[kk dN vkj dh l/kb ub jbA txr u xj, jx dh /kkrh ijh vkj dkfM;k dh dj/kkuh] dj/kkuh l /kkrh vkdh dej e fgyx xbA vku ihjk xeNk xy e Mkj [k ,d gkFk e nl ckjk ekj i[kk [kk lryh l dl d idj yvkA dk tku dk; vk[kk vo lkb yx jvk grk d dN dlj j xb g mr lcj d lcj ekfu;k Lokx Hkj j; grA txr [kk rjrb lej ;kb d vk d nnnk eNfj;k d tkj [kk d?k i Mkj [k fuxr gr] txr fojt xvk d ge lkb tkj [kk d/kk i /kj [k fux gA lokjk u db d tkjk bÙkk xjvk gkr g d y;&y; re dku fux i gkA euk txr dku ekuk] cfj;k dh gelh tjk i cB txr d dDdk u db %

^dlk dj dgk tk; j] xkjh/kuk ek;d [kk fcjth*

dDdk dk ,lk dokb grk vkj txr [kk yxh d ok dgk Hkx yo] d dk djA bÙkb e dDdk u db d dk; txr vc re bRr ygj lkb ubvk] ub re ekMh vkvkA txr [kk rk bukjk d lxb lkr xkok dh eM nkcu grh vk[kk tk fcnku rk cfj;k dh yer tjk l v/kdkjh fcnh tku ijh vkj lj>rb u fn[kk ijhA rudb e txr u db d dku ge tkj l elj , cnyokÅu ge rk ,lb rejk d lx&lx fQj gA lcj ekfu;k u vkj txr u Lokx Hkjk vkj >kyuk e puk Qyk /kj[k [kjekb dh rji dM x;A txr lce iy [kjekb dh efM;k i ikpk vkj uxfM;k d fVefVeko i upu yxkA fnokjh gku yxh %
vkb fnokjh ikouh
y; fn;k e ry j
n'kjFk dk ekMk vkvk j
dj [k ydk [kk<j jA
[kjekb [kk it [k ekfu;k xko e fQju yx] Qju dh njh l gkÅr o vkj lty dh njh i ikpA rob , uxMh;k dh rku xMk xM gek; tjk ikph] ge ruk tkMk lkb yx jvk grk & lk ge yxk d vc rk fnokjh fyxb , vk xbA

bÙk e ekfu;k gek; nkj e gk dM [k nyku e vk x; vkj xknu cCck d ?kjÅ FkkM gk ijA mukjk e l ,d upb;k jkeorkj u db MMkr egkjkt] gek; dDdk u db vkun jvk] vkj fQj dk grk] uxfM;k dh rkuxMkxM] ekfu;k d eku] xko okjk d 'kCnk l vkuUn >ju yxkA

vkb ojk ge mB[k nyku e vk; gr rob ge Hklkj l fgjkuk] gekvk x;k txr ekfu;k cuk fn[kkuk grkA bÙkk vkuUn >j jvk grk d ge dk crk;A bÙkdb e ,d ekfu;k u eNfj;k d tkj [kk xknu d Åij Mkjk] xknu ri l x;] vkj fQj nljh rjih tk [k FkkMk gk xvk vkj nljh rjQ l vku tkj [kk [kpk lk xknu Åxj x;A , d iy d ge dN d ikr txr u tkj NMk [k gek; Åij Mkj nvk ge ruk l Mjk x; vkj ge yxh d txr vob rkjh ctk [k dr g d t gYd egkjkt dkÅ nhu d ubvk] bui dku dN cur ;k g] euk

vku ,lk dN u djk] vkj ok tk[k viu dDdk d iNhr yd xvk] bÙk e fnokjh gkÅu yxh &

vkb fnokjh ikouh
y; fn;k e ry j
,lh >hjh yxkb bn u
d dMo [kk ubvk xy j
mjcfr;k dh f>j g yxh vkj
ikuh Hkjk pg vkj jA
vki vekl dk vf/k;kjk vkj
tku g ctk nj j
vkxu e xknu /kj vkj
nkj i FkkM Xoky j
Åxfj;k i lk/kk xknu vkj
dkVk gekjk d dki j
oju oju d g bÙk fonkuk
rjo dh ubvk dkÅ xy jA
txr e fcnh gekb Mkj vkj
lj>kvk tk fcnh Mkj j
vkvk dkUgk myk;rb vkvk
rkjk txl l djk u vcj jA

,l upr xkÅr vkj dN u dr ekfu;k gekb nyku l dM [k x.k'k dh njh dh rji [kk fuxu yx] txr lkb fiN;k ijkA

fViVh i md: fojkt lty vkj egjoku fcMh lyxk [k txl l cfr;k j; gr dh vcdh oj lkMkohu e xkBb d MCcy , yx x;] yXxrb ub lj> ikbA vc t tk cnjk l mjofr;k yxh g lk gkj crj x; g myk;rb ihlh oku ij gA txr d dDdk [kk lkb tb fprk 'kky jb grh vku lkb eu e Åjk d ok lkb mykr e xkok dh eM nkc g vkj vkd rjrb ihlh dk ckuh dj gA

Hkkr ojk yk ge uxfj;k dk ,jk feyr jvkA ge ij&ij [knb l cfr;kr j; gr d vc ekfu;k gj [keku dh nyku e gb; vkj fQj upr xkÅr jkeij dh rji dM t gA ge yxk d t ekfu;k gj bÙkk cTtj dk ivkl dk; [kk djr g] vkj dk tku fdRr truk l , t ,lk dj ikÅr g] vkj t vkj ,lk djrb dk; [kk gA geu tb lcjh ckr ft th l Åjh lk ft th du yxh d t vkj ldyi d tkj l lcj xko d fcnkuk viu

>kyuk e /kj y; tkÅr g vkj viu iNkj t vkj fn; dh mtj d lx&lx ivkl dk ru&ru iUu fdNr tkÅr gA uxfj;k dk ,jk lfo;kjb ennk ij xvk grkA geu tkuh d gk; u gk; txr ekV e gk jkeij dh dkuÅ nyku e ivkl dk iUu fdN jvk gb;A

t lb ekfu;k dh uxfj;k dk ,jk ennk ijk ge tku ijk d ekfu;k viu lx gekb ckB lkb /kj y; x; grA

gk ldr g d viu >kyuk e /kj [k vkj d rk ub rk eNfj;k d tkj e fonk; y; x; gk; vkj d rk gekb ckB txr d eku [kkb fiN;k ijh gk; dk tkuA gk; u gk; txr gekb ckB tkgo [kk] ivkl d ru&ru iUu d lx dkÅ dh nyku e fdN jvk gk;A ge ,lk tku ijk d gekb ckB fnokjh d fn;k Hkj tkM d] Hklkj dh mtj] vkj drk ekfu;k d eku d iUu d lx vlQj Hkj e cxj xb gk;A gekvk th ruk gjvk gk ijk vkj geu l lk yvkA

vk xb fnokjh ikmuh
cxj fn;k l mtj j
ry tj ckrh tj
vkj ukvk fn;k d gk; jA

LoHkko] lEcU/k vkj lH;rk

/ko 'kDy

ge ,d ck/ke; fuR;rk e lnk jgr vk; gA bldk vuHko ge viu LoHkko d vu:i gvk djrk gA gekjk ;g LoHkko ge feyh tUetkr idfr d U;k; l Lor% lpkfyr gA bl gBiod cnyk rk ugh tk ldrk ij ck/ke; fuR;rk d vkbu e viuh gh ifriy feVrh tkrh ng dk fugkjdj ml viu tUe vkj eR; d chp dh txg e dey&i= ij Bgjh gb cn dh rjg de d'ky t:j cuk;k tk ldrk gA bl llkj e dkb nljk ugh tk gekj dek dh jpuk djrk gkA gekjk LoHkko gh gekjk jpf;rk g vkj ge fdlh d ugh] viu gh LoHkko d iDd leFkd gA

ge vxj n[k ik; rk iFoh] ty] ok;] vfXu vkj vkdk'k tUe l gh gekj leFku e [kM g vkj bud leFku d fcuk gekjh eR; Hkh lEHko ughA ; ge thou Hkj viu :i] jl] x/k] Li'k vkj 'kCn e rk Mck; gh j[kr g] gekjh eR; Hkh bUgh e ?ky&fey tku l gkrh gA ; gekjh dkeukvk d ?kj tl g] tgk dkeukvk d ij gku e fo?u vkr gh jgr g vkj ; fo?u dkeukvk d mu nc&fNi vU/kj dkuk dh rjg g] tgk fujk'kk vkj [kht d tky cu tkr g vkj ftu ij gekjh egRokdk{kkvk dh edfM;k >yrh jgrh gA bu tkyk d ijn dh vkV e og ck/ke; vkbuk vk>y gku yxrk g tk ge viuh ifriy feVrh Nfc dh ;kn fnykrk jgrk gA

ge tk bl nfu;k e u tku dc l gkr vk; g] vHkh g vkj vkx Hkh gkx] gekjh igpku pkj rjg l dh tkrh jgh g& gee l T;knkrj ykx ,l gkr vk; g tk fdlh&u&fdlh rjg viu ldVk dk fuokj.k djr g, viuk dke pykr g] ugh py ikrk rk nljk dk idkjr g] n;k dh Hkh[k ekxr gA tc dkb n;k ugh djrk rk b'oj dk vkokt yxku dh foQy p"Vk fd;k djr g] ml db ukek l idkjr g vkj fujk'kk gkFk yxrh g rk dky dk] viu dek dk vkj b'oj dk viu nHkkX; d fy; nk"kh Hkh Bgjk;k djr gA

tk nljh rjg d ykx n[ku e vkr g o viuh 'kfDr Hkkfrd lk/kuk dh [kkt vkj mud lxg e [kp djd ml l ykHk deku dh dkeuk l thr g vkj vDlj ;g Hky Hkh tkr g fd dgh mudh ;g icy dkeuk iFoh d mu lk/kuk dh yV e rk ugh cny jgh ftUg viu LoHkko l gh midkjh iFoh eu"; lfgr lEi.k itk d fy;

lgtrh jgrh g& og xh"e e >yldj o"kk dk vk0gku djrh g vkj viuh xkn e chtk d clj dh txg cukrh g tgk chtk d Hkhrj fNik cgjxh thou viuh iyd [kkyrk gA 'kjn dh pknuh e f>yfeykrh /kjrh lcdk ?kj pyku dh r;kjh e exu yxrh gA geUr _r e viuh Qlyk dk iky dh pknj vk<krh fQj f'kf'kj e mUg xuxuh /ki fn[kkrh g vkj clUr dk le; ikdj viu lkj migkjk dk ge lki nrh gA

iFoh d bu migkjk dh dn dju oky rhljh rjg d ykx Hkh igpku tkr g tk ;K Hkkouk l thou;kiu dju e gh viuk vkj lcdk fgr n[kk djr gA o viu vkidk R;kxdj gh Hkkxu dk vH;kl fd;k djr g vkj viuh t:jr l T;knk iFoh d migkjk dk [kp fd; fcuk lcd fy; NkMu dh 'kHkdkeuk l Hkj jgr gA thu dk ,lk vH;kl dju oky ykx nfu;k e fujUrj de gkr tk jg gA vkt /ke] jktuhfr vkj ckthj d dkjuke n[kdj yxrk g fd ; rhuk feydj bu lde dju oky egkuHkkok dk gh thuk ef'dy fd; n jg gA pkFkh rjg d ykx o g tk bru de gkr g fd mUg gh vYil[;d dgk tkuk pkfg,A ; ,l ykxk e fxu tkr g tk llkj dk gh 0;Fk ekudj ml fMxku e ldkp djr gA o llkj d ifr fu"Bj d#.k Hkko l Hkjdj viu vxk dk dN, dh rjg fldkMdj thr jgr gA /kU/k d chp l vkrk&tkrk llkj xxk fdukj dN, dh ihB dk f'kyk gh le> yrk g] dHkh ml ij cBdj ugk yrk g] diM /kk yrk g] mlh ij [kM gkdj l; dk ty p<k nrk gA llkj dk Hkeo'k jLlh e lki] lhi e pknh n[ku dk tUetkr vH;kl g rk dN, dh ihB dk og f'kyk D;k u le>A

ik;%;g i'u eu dk eFkrk jgrk g fd Kkuoku ykx llkj d vykok ,lk D;k igpku yr g fd mUg blh llkj e viuh igpku fNikdj thuk iM vkj llkj ,lk D;k Hkyk jgrk g fd mldh igpku fNik; ugh fNirhA

vuHko e vkrk g fd gekj LoHkko e gh eerk vkj fueerk gkrh g& ; nkuk Hkko gekj ekul ljkoj e thou ukdk dk [ku dh irokjk tl gA vdyh fueerk l ikj ugh ik;k tk ldrk] ml rk eerk dk Hkh lgkjk pkfg,A ,d lkFk ; nkuk lgkj llkj e gh feyr g vkj dgh ughA tk ykx flQ viu dk ikdj lnk d fy, llkj dk [kk nuk pkgr g mul llkj dh iVjh ugh cBrhA n[ku e ;gh vkrk g fd tk llkj d lkFk pyr g] o gh ml pykr gA llkj fdlh d iku vkj [kku d fopkj l ugh pyrk] og rk flQ viu gku l pyrk pyk vk jgk gA

lEcU/k dkb ek;ktky ugh g ftUg gFkdMh dh rjg iguk fn;k x;k gkA o gkr gh g vkj llkj e vkr gh viu vki tM tkr gA l;kx l fey ekrk&firk&cU/k gj u; thou dk lgt gh xkn e mBk yr gA tk /kjrh lgt gh lcdk viuh xkn e fy; g, g] og Hkh bl dkeuk l Hkjh fn[kkb nrh g fd ml dh xkn dHkh luh u gkA tc dHkh og ijnkfg;k d Hkkj l djkg mBrh g rk viu rkju okyk dk Hkh vkokt nrh&lh yxrh gA fdlh vkj ykd l ugh] geh e&l dkb ml dh vkokt lu yrk g& viuh eerk vkj fueerk dk lk/kdj iFoh dh ihMk gju d mik; djrk gA

llkj ,d cMk thou m|kx g ftl blh e vUrfufgr rkfRod fueerk pyk jgh g vkj ;g eeRo l feyh

lkfgR; Lkfgr

lkUROouk lgh ikyk&iklk tkrk gA fcjyk Kkfu;k dk NkMdj llkj dh fnypLih bl my>u dk ly>ku e mruh dHkh ugh jgh fd llkj dk jprk dku g vkj og dl feVrk jgrk gA og rk Ink bl fpUrk e [kk;k jgrk g fd mld ikyu&iklu d lk/ku vkj mUg cpk; j[ku dh dyk dgh [kk u tk;A

lfn;k l bl h fpUrk e [kk; llkj u viuh eerk dk idfr dh vxukbi e nj&nj rd Qyk;kA f{kfr&ty&ikod&xxu&lehj d ifr og drK gvkA llkj u ;xk&;xk rd unh&ljkojk] iM&ik/kk dk lgtk vkj i'k&if{k;k dh j{kk dhA l; dk firk dgdj idkjk] iFoh dk ekrk dh lKk nh] ty dk thou dk vk/kkj ekudj ml Ink vtjh e Hkjdj i.kke djrk jgk] vkx ij Qyrh jkVh ml norkvk d ojnku tlh yxrh jgh vkj llkj ftu x.kk vkj vox.kk l luk gvk g mUg Hktr g, mud ifr viuh J)k vkj fo'okl idV djrk jgkA idfr gh gekjh ikB'kkyk cuh] geu mld lkFk jgdj gh thuk lh[kkA

n[kr&n[kr og le; u tku dc ihN NV x;k tc jkT; d foLrkj dh dkeuk u 'kk;n gh dHkh llkj dh pDdh dk pyku oky ojnkuk dh mi{kk dh gkA vkt Hkh gekjh U;k; O;oLFkk norkvk dk ukckfyx ekurh g& lpep ijh idfr ukckfyx cPpk tlh gA dydy cgrh ufn;k] gokvk e >er o{k] jkj epkrh gok] ygjk ij [kyrh eNfy;k] vkdk'k e f>yfeykr vjck rkj u tku dcl cPpk tl gh rk gA bud lkFk lEHkyr g, bUg lEHkkyuk iMrk gA og jkT; O;Fk gk tkrk g ftle nork i tk dk ikyu&iklu e vleFk gku yxA llkj ;xk l tkurk vk;k g fd l; g thou dk vk/kkj] ty g ikyugkj rHkh /kjrh djrh g midkjA jkT; rk irhd ek= g] nork D;k tku fdldh g ljdkj&

;g dl k dkeukvk dk foLrkj

viu /ke l fuji{k gvk jkT;

jkT; l fuji{k ckt kj

Mc jgk llkjA

dkeukvk dh Nr d uhp

dk irh yk d idk'k e

viuh Nfc cpkr nork

f?kj cB g] ykHk dh nhokjk d chpA

vkt ge Hkkjr d ykx nk"kkjki.k d le; e th jg gA ftEenkjh dkb ugh y jgk] lc ,d&nlj dk nk"kh ekudj fuf'pUr fn[kkb iMr gA gekj jktuhfrd nyk dh gkyr ge n[k gh jg gA D;k ge Hkkjr d vkj nj&nfu;k d ykx ljdkj blfy, cnyr g fd fiNyh ljdkj d ikik dk u;h ljdkj Hkh <krh jgA njvly Hkkjr lfgr ijk fo'o lkr lkekftd ikik e fylr fn[kkb nrk gA djhc lk lky igy lH;rk dh leh{kk djr g, egkRek xk/kh u bu ikik dh ;kn fnykb Fkh& xk/kh th dh nf"V e rRofoghu jktuhfr igyk iki g& jkturk ;g ugh le> ik jg g fd llkj ,d cMk lkotfud itk{k= g ml dN futh gkFkk e lkidj ugh pyk;k tk

ldrkA foodfoghu foykl nljk iki g] ftl ge ijh /kjrh ij Qyk;h tk jgh ckstk: iofRr;k e dgh Hkh vkj dHkh Hkh jkt gh n[kk djr gA Jefoghu lEifRr rhljk iki g tk ge tvk vkj lVVk [kyrh nfu;k e jkt fn[kkb nrk gA pkFkk iki g ekuorkfoghu foKku] ftld ifj.kke vkrd vkj ;)k d :i e idV gk jg gA uhfrfoghu 0;kikj ikpok iki g tk gekj er l x<h x;h jkT; lRrkvk dh enn l futh {k=k e Qy&Qy jgk gA NBok iki g R;kxfoghu itk] ftld fy; /kek e Hkjij txg feyh gb g vkj pkfj=;foghu f'k{k.k gh og lkrok iki g ftl ge fnu&jkr Hkkx fyllk e Mc f'kf{kr lekt e rk lkQrkj ij n[k gh jg gA gekj cPp blh ikikpkj d chp iky&ikl tk jg gA gekj thou dk :i&jl&x/k&Li'k vkj 'kCn dk l;e pkfg,A bl l;e d fy, lUnj vkj 'kkUr iFoh pkfg,A ij bl le; ge v'kkUr vkj d:i iFoh d fuoklh gkr tk jg gA ge dkeukvk dh jkt u;h f[kMfd;k [kkyr] ykHk d oUnuokjk l lt }kjk dk ikj djr u tku dgk tk jg g vkj bUgh njoktk l xtjr gekj cPp Hkh gel bruh nj gkr tk jg g fd gekj lkFk u jg iku dk vfHk'klr gA bruh fyllk fd dN fn[kkb u n] bruk 'kkj fd dN lukb u nA bruk LokFk fd nlj dh fpUrk u gk] bruk Hk; fd ifrjk/k dh 'kfDr gh pd tk;A bruh Hkkx&nkM fd fBBddj lkpu dh Qlr u gkA tc dkb lH;rk viu ikok l [khph x;h ixM.Mh dk NkMdj fdUgh nlj jkLrk ij HkVdu dh r;kjh dju yxrh g rk lcl igy ik"k.k dh LFkkuh;rk NVrh g vkj fQj mld chp cuu oky fj'r VVr py tkr gA tc ge n[k jg g fd ty&txy&tehu&tkuoj vkj tu ckstkj d gkFkk e lki tk jg g rk dkb Hkh fj'rk ugh cpxk] lc VVxA pfy,] jlkb ?kj l 'k: djr g tgk xgf.k;k d gkFkk l Lokn dh fofo/krk NV jgh gA ?kj l nj tkr ykxk d ikl o dU/k ugh cp jg g ftu ij flj j[kdj jk;k tk ldA ge mu gkFkk l fdruh nj gkr tk jg g ftUg ihB ij Qj nu l n%[k gYdk gk tkrk gA ge ,d ,lh jyxkMh e cB x; g tk gekj xko dh l[krh tk jgh unh ij cu iy l xtj jgh g vkj nj mtMr tkr ou ge ,d xexhu&lh eLdjkgV l Hkjdj n[k jg gA 'kk;n o bl mEehn l Hkj gk fd ge mud ikl ykV vk;xA D;k ykVuk lEHko g \ tc ckstkj ?kj rd vk x;k gk rc D;k ckstkj l ykVuk lEHko g \ ckstkj efUnjk e io'k dj x;k gA og rhFkk e Mjk Mky pdk gA ufn;k d fdukj vklu ekjdj cBk g] iork d f'k[kjk ij p< x;k gA vc ckstkj gh gekj Hktu] Hkktu vkj o'kHk"kk dk jpukdkj gA gekj rht&R;kgkjk e] lkyg lLdkjk e vkj fnu&fnu c<r v[kckjk e og io'k dj x;k gA ckstkj lln e cB x;kA dkfpx Dykl dk ekLVj th cu x;k gA vc ckstkj gh [kcjk dk tud g] ,lh [kcjk dk tk ge viu vki l c[kcj cuk; j[kA og Vyhfotu ij norkvk dk ck.M dh rjg i'k dj ldrk gA lkr leUnj ikj l vk; bl ckstkj u ,d u; ekjhp dh jpuk dh g& foKkiu gh gekj le; dk ekjhp g tk ge u tku dgk nkMk; fy; tk jgk gA tc ge viuh idfr l cgr nj py vkr g rHkh rk cg:fi; ml gju e lQy gkr gA gekjh Hkk"kk rd gel NV jgh g] ge tku&vutku ckstkj dh Hkk"kk ckyu yx gA ge b'oj dk fdruk Hkh idkj mld vku e nj yxrh g& /ke dh ykHk&gkfu dk fglkc yxku d fy; ;xk rd irh{kk vkj /kjt pkfg,A ij tjk ckstkj dk Qku

yxkb;] og idV gku e tjk Hkh nj ugh djrkA vc gekj tu ifrfuf/k;k dk pgjk Hkh ckrkj dh Qlcd ij fn[kkb nrk gA

D;k ykVuk lEHko g \ vkf[kj dku&lk fj'rk g tk VV ugh jgk] gkFkk l NV ugh jgk \ ge ftu dkykfu;k e jgr g] iMkl h dk ugh tkurA ij nj nfu;k d fdru lkj ndkunkjk d uke tkur g vkj ml ndkunkj dk uke ugh tkur tk viuk puk&exQyh ydj ,d NkVk&lk yEi tyk; gekj jkLr e vHkh Hkh [kMk gA vHkh Hkh ml dYQh oky dh vkokt ijh rjg [kk ugh x;h g tk tB dh rirh nigjh e gekj njokt ij vc Hkh lukb nrh g& >ViV eYykb okyk vkX;kA

D;k ykVuk lEHko g \ yxrk g fd 'kk;n ughA ij ukmEehnh e Hkh mEehn dh txg rk cuh gh jgrh g vkj blhfy, vc Hkh yxrk g fd ykVuk lEHko g& /kjrh vHkh Hkh Qyorh gkdj ?ke jgh gA d.Mk vkj ljkojk e ge vkt Hkh viuk og ifrfcEc n[k ldr g] viuh og Nfc tk igyh ckj ty d vkbu e gh rk n[kh gkxh] 'kk;n dN ;kn vk tk;A gok, gekj ik.kk d vkjkg vkj vojkg e cgu d fy, vc Hkh jkth gA vkdk'k vHkh bruk ugh QV x;k g fd ml jQ u fd;k tk ldA fQj ljt rk dHkh NVVh ij tkrk ugh vkj lojk fdlh d jkdu l #drk ughA xgu vU/kdkj e flrkjk u vHkh f>yfeykuk dgk NkMk gA

D;k ykVuk lEHko g \ yxrk g fd gk] D;kfd vHkh Hkh Lefr [kk ugh x;h g& vc Hkh fdlh [kk; g, Lokn dh ;kn vk gh tkrhA dkb Hkyk gvk Li'k ng dk vHkh Hkh jkekfpr djrk gA dkb tkuh&igpkuh&lh x/k vc Hkh lklk e clh gA :g u vHkh :i dk vglkl dgk [kk;k gA vxj dkb lpep dgu ij vk; rk ml dgu l dku jkd ldrk gA VVh gb& fc[kjh gb nfu;k dk vxj dkb fQj jp rk ml dku jkd ldrk gA

viu LoHkko l bl cej0cr&coQk nfu;k e fj'rk dk ol Hkh dkb [kkl roTtk ugh nh x;h gA bl nfu;k dk ge'kk mu jkLrk dh ryk'k jgh ftu ij pyr g, vki&ge rk D;k [knk l Hkh fj'rnkjh gk tkrh gA

vkj vUr e b&fjy'ku ij dN 'kCn &

;U=k ij vk:< eu"; dk ;g irhfr dHkh xgj fo"kkn l Hkju yxrh g fd 'kk;n og rduhdh dh fxj¶r e gA tc rduhdh dk fodkl ugh gvk Fkk rc Hkh eu"; viu LoHkko d vu:i ;gh lkprk Fkk fd tl og lklkfjd ek;ktky dh gh fxj¶r e g vkj bll ml eDr cu jgu dk mik; [kkt yuk pkfg,A rc gh rk ml viu ml vkReHkko dh irhfr gb tgk viu LoHkko vkj mll mRiUu gku oky Qy dk og rVLFk Hkko l n[k ldkA vkt rduhdh d lkFk Hkh mldk ;gh lEcU/k cukuk gkxkA rduhd eu"; d LoHkko l mRiUu Qy gA bl Qy e fylr gku d dkj.k gh ge yiVki vkj ekckby d LØhu l flj mBku dh Qlr ugh fey jgh gA vxj ge ml ,d lk/ku dh rjg i;kx djd fLop vkQ dju dk vH;kl dj y rk rduhd e ;g x.k dgk g fd og fdlh Hkh ml fj'r dk iHkkfor dj ld ftl ge dHkh rkMuk ugh pkgr vkj ml fj'r dk tkM ld ftl ge tkMuk ugh pkgrA djhc vku vkj nj py tku e gekjk vglkl gh lPpk lUn'k okgd g vkj ftl egll dju d fy; rduhd dh ugh :g dh t:jr gA

ukV;on

i';fUr dh 0;RifRr;k

xkre pVth

lioihfBdk & ,d

dykdkjk d lokPp 'kHk dk on g ukV;onA vkpk; Hkjr u bl ipeon dk ukV;on uke fn;k gA ckn e bl xkU/koon] ukV;kifu"kn] ukV;kxe] Hkjrkxe vkj fQj ukV;'kkL= dgk x;k gA on d ifr vFkkr ofnd lR; d ifr ykd e vkLFkk cuh jg bld fy, ofnd vkj mRrjofnd dky e Kku d vU; okXe; vk; ftue ukV;on] fu#Dr] U;k;] 0;kdj.k] ehekl vkfn ie[k gA bl c) d ckn vkj Hkkl l igy jpk x;k vFkkr vkpk; Hkjr vkj bl on dk dky[k.M g blk io ikpoh 'krhA bl lkekU; ekul xg.k ugh dj ldrA bl le>u d fy, _f"klLdkj ;k efuekul iFke 'kr g] xUFk d iFke v/;k; e o.ku g fd bl nork Hkh xg.k ugh dj ldrA bl flQ _f"k] efu gh xg.k vkj /kkj.k dj ldr gA nork Lo; cãk d iLrko dk vLohdkj dj nr gA cãk ;g ifo= on norkvk dk lkiuk pkgr g] fdUr nork dgr g fd o bl Kku d ;kX; ughA dkb Hkh ugh] flok; mud ftudk ekul _f"k&lk gk] efu&lk gkA norkx.k bl Kku d fy, Hkjr efu dk uke iLrkfor djr gA blh v/;k; e crk fn;k x;k g fd ,lk ekul dlk gk vkj D;k gkA ,lk ekul dlk gk dk mRrj g] tk on d xlr jgL; dk tkurk gk] tk mRre ork dk ikyu djrk gk vkj ftl ekul e rhu x.k gk& Jfr] Lefr vkj /kfrA ,lk ekul D;k gk] dk mRrj g] rHkh ge bu Ng gtkj dkfjdkvk d vfHkik; dk lh[k ik;xA vxj gekjk ekul ,lk ugh g rk ge ukV;'kkL= dk mld vfHkik; e ugh le> ldrA ge igy _f"k ;k efu ekul dk lLdkj ykuk iMxkA _f"kxUFk ;k efuxUFk dh xfjek blh e gA ;g lkfgR; rk g fdUr ;g ml idkj dk lkfgR; ugh g ftl idkj d lkfgR; dk ge Hkkl] dkfynkl] HkkjrUn] jchUnukFk ;k fuey oek dk lkfgR; dgr g ! Hkkjrh; euh"kk vkj fo|kokXe; e blh dkj.k lkfgR; dk pkj idkjk e igy gh ckV fn;k x;k gA pfd ge fgUnh lkfgR; ;k lLdr lkfgR; d bfrgkl rd gh lhfer jg tkr g blfy, ge fn[kk;h ugh nrkA ikf.kuh u viu vkdjxUFk v"Vk/;k;h e lkfgR; dh pkj idkj dh dkfV;k fu/kkfjr dh gA ; g] n"Vk] ikDrk] miKkr vkj drA _f"k d fy, ml le; 'kCn n"kh FkkA bll n"Vk cuk gA n"kh fcxM dj vkt _f"k cu x;k g vkj vc ;g i;kx ;k ipyu e gA nf"k;k ;k _f"k;k u tk n[kk]

tk mud vkx mn?kkfVr gvk og g n"Vk lkfgR;A bl mu _f"k;k u fy[kk] l tk;k ;k ldfyr ugh fd;kA mud n[k lR; dk ;kuh vKkr nf"k;k }kjk ijk ;k vik#"k; Lrj ij n[k lR; dk ftUgku fy[kk o g, ikDrkA ikjfEHkd ofnd _f"k tl nh?krel ;k c) ;k ldjkr iFke dkfV d mnkgj.k g vkj v'o?kk"k ;k lyVk nlj idkj d lkfgR; dA miKkr mUg dgk x;k ftUgku Kku d fdlh u; vu'kklu ;k fo/kk dh [kkt dh g tl 0;kdj.kA egf"k ikf.kuh u Lo; dk bl J.kh e j[kk gA vkj fQj 'k"k lkj idkj d lkfgR; tl dgkfu;k] dforkvk dk dr d vUrxr j[kk x;kA rc bl flQ dk0; dgk tkrk FkkA x| HkhA ckn e ;g vydkj 'kkL= vkj fQj lkfgR; d :i e ipfyr gvkA tl ofnd le; e fp=dyk dk vky[; dgk tkrk FkkA fnypLi ;gk ;g Hkh g fd lkfgR; vkj dyk d ikFkfed rRok dh ifr"Bk Hkh 0;kdj.k d mRrjofnd _f"k;k u dh g] vFkkr o;kdj.kk uA lLdr lkfgR; d mRrjofnd jpukdkjk u ughA blfy, lLdr lkfgR; dk okXe; flQ dgkuh] dforkk ;k ukVdk rd gh lhfer u gkdj 0;kdj.k] fu#fDr vkj ehekIk gkr g, ij Hkkjrh; n'ku rd foLrr gA bUg tku fcuk fdlh Hkh xUFk ;k lkfgR; dk ikjk;.k vlEi.k gA tl dyk dk ,d ikFkfed rRo g ifrHkkA vfHkuoxlr] vkuUno/ku] jkt'k[kj ;k eEeV l igy bl 'kCn dh ifr"Bk Hkrgfj u dh gA okD;inh; e rHkh ge bld ^vik#"k; rd foLrr* vFk d ckj e tku ld gA _f"k Hkrgfj dgr g fd ifrHkkk rk lHkh thok e gkrh g yfdu dykdkjk e ifrHkk d dkj.k Ng g] LoHkko] pj.k] vH;kl] ;kx] vn"V vkj fof'k"Vkifgr mudk lUn'k ;g g fd ifrHkk rHkh [k'kc fc[kjrh g tc dykdkj f'k"V gkA o ckj&ckj ifrHkk d lkFk f'k"V 'kCn dk ykr gA rk _f"k ekul dk vFk ;g g fd tk ml n[k ldrk gk tk fn[k jg d ikj gk] ;kuh] ftldh vk[kk e rkRdkfyd nf"V d lkFk viR;{k dk n[k ldu dh {kerk gk] og ml bfUn; dk fodflr dj pdk gk] tk bfUn; d vrhr gk vkj fQj mlu ,l ekul dh jpuk dj nh g tk lR; dk lh/k vkj fcuk fdlh vkoj.k d n[k ldrk gA ,l fo}ku dh pruk ;k lkp flQ n'; rd lhfer ugh jg tk;xhA tk n'; g og lhfer gA :i e lhferA og v:i ;k l{e dk LFky n'; gA v:i lRo g vkj n'; >B] blfy, fd og vLFkk;h vkj vfuR; vkj vkuioh gA blh nf"V l vkpk; Hkjr u viu ledkyhu vkj ioorh lHkh Kku&vu'kkluk l fopkj ukV;on e lekfgr fd;k g flQ pkjk onk l ughA pkjk onk l yu dk vFk g mu vU; lHkh ikFkfed xUFkk l tk on l gh fulr gA iUngo ;kuh NUnkfo/kku v/;k; e mUgku Hkrgfj d LQkV fl)kUr dk rhljh dkfjdk e le>kuk t:jh le>k gA efu ekul dk vFk ;g fd ftlu eku dh lk/kuk dh gk] ftlu eku l eu dk f'k"V fd;k gkA bl vk/kkj ij gh vkpk; vfHkuoxlr lk/kkj.khdj.k d ikp Lrj fu/kkfjr djr g vkj ikpok g vfrUnh; ;k VkUlUMUVyA ;g rHkh lEHko gk ldxk tc jxiLrfr d i.k gku ij ,d lnh?k eku iHkko cu] Hkjr dh Hkk"kk e noh flf) vFkkr 'kkUr jlA n'kd dk viuh o[kjh 0;RifRr;k l Åij mB tkuk] i";fUr dk lu ikuk ;kuh VkUlUM dj tkuk rHkh vkj flQ rHkh lEHko gA bldh ifof/k ;k 0;kdj.k gh ukV;on dk lkjk'k gA

पूर्वपीठिका - दो

१९८६ की सर्द शाम थी वह। हालाँकि उन दिनों कोलकाता में इतनी सर्दी पड़ती नहीं थी। तीन घण्टे तक पीटर ब्रूक का 'संक्षिप्त' महाभारत देखने के बाद हम नन्दन प्रेक्षागार में उनकी समीक्षा गोष्ठी में बैठे थे। अभिनेता के प्रत्यक्षीकरण और भारतीय दृष्टि पर बात होनी थी। अपनी बारी पर मैंने कहा कि भारतीय दृष्टि में अभिनेता प्रत्यक्ष नहीं रह जाता। पीटर के पास वाले सोफे पर बैठे उनके महाभारत के लेखक ज्याँ क्लॉड केरियर पूछ बैठे, यह कैसे भला ! ऐसा इस धरती पर ही होता होगा न कि स्वर्ग में, जहाँ भारत का पहला नाटक मंचस्थ हुआ था ? कुछ पल तो मैं भी कुछ बोल न सका, क्योंकि मैं क्लॉड का प्रशंसक हूँ। बुनुएल की सररियल छवियाँ याद आते ही मेरे ज़ेहन में पहले क्लॉड की पटकथा उभरती है। लेकिन कुछ पलों के बाद मैंने कुछ ऐसे समझाया। मैंने कहा, मंच पर दो अभिनेता आते हैं। एक अभिनेता आकर विभिन्न मुद्राओं और आंगिक शैलियों का कुछ देर कुशल प्रदर्शन कर कहता है, वह देखो हिमालय। दर्शक उस कलाकार की सम्वाद शैली और आंगिक कुशलता की प्रशंसा किये बिना नहीं रह पाते। वे मान लेते हैं कि रंगमंच का कलाकार बनने के लिए श्रमसाध्य परिश्रम और साधना की सचमुच ज़रूरत है, वहीं दूसरा अभिनेता मंच से सहज ही कहता है, वह देखो हिमालय और दर्शक हिमालय देखने लगते हैं। यह दूसरा अभिनेता दो घण्टे तक दर्शकों को जो-जो दिखाता है दर्शक वो-वो देखते चले जाते हैं। पहला अभिनेता यूरोपीय है और दूसरा भारतीय। पहली प्रस्तुति में अभिनेता दिखता है, वह मुख्य है और दूसरी प्रस्तुति में पाठ्य। भारतीय अभिनेता दर्शकों की आँखों के ऐन आगे होकर भी, प्रत्यक्ष होकर भी पूरी प्रस्तुति में अप्रत्यक्ष है। वह बिल्कुल सामने है लेकिन दर्शक उसे नहीं देखते, वे पाठ्य को, टेक्स्ट को देखते हैं। भारतीय दर्शन यही है कि 'वह प्रत्यक्ष है किन्तु वह नहीं दिखता'। उसकी शक्ति दिखती है। उसका वैभव दृश्य है। वह जो-जो हमें दिखाता है हम उसमें स्वयं को खो देते हैं। यह उसी का सम्मोहन है। यहाँ आत्मा नर्तक या अभिनेता है। मन को वह रंगमंच बनाता है ताकि वह रंग कर सके, नृत्य कर सके, अभिनय कर सके और प्रेक्षक हैं उसकी ही देह की इन्द्रियाँ। इस तरह प्रेक्षागार में बैठे सभी दर्शक उसकी ही इन्द्रियाँ हैं जो उसके उस आकाश या स्पेस को देख रहीं जो उनके भीतर भी है जो अब कलात्मक सौन्दर्य में सामने प्रकट हो रहा। अब दर्शक अभिनेता की रचनापूर्व और रचनासमय की अनुभूति का उसी समय एकसाथ अनुभव कर रहा। हमारे यहाँ दुनिया एक रंगमंच नहीं। दुनिया एक प्रेक्षागार है जहाँ प्रेक्षक या दर्शक उसे नहीं, उसके अभिनय को देखते हैं उस कथा में जिसे वह कहता है भावों में, जिसे भरत ने भावानुकीर्तन कहा है। तीनों लोकों का भावानुकीर्तन। यहाँ तीनों लोकों का अर्थ तीन लोक नहीं बल्कि एक ही लोक के तीन आयाम हैं जैसे जाग्रत, स्वप्न और सुषुप्ति, जैसे सत्, रज और तम, जैसे शब्द, अर्थ और भाव, जैसे नाद, बिन्दु और कला, जैसे भू, भुव और स्व, जैसे परा, अपरा और परापरा, जैसे कुछ नहीं, सब कुछ और इनका साक्षी। त्रिआयामी लोक का अलौकिक उत्सव। इसीलिए भारतीय साहित्य में रस या काव्य की मीमांसा पाठक की ओर से की गयी है। यूरोपीय दृष्टि में काव्यालोचना कवि की ओर से है। भारतीय प्रेक्षागार में सहृदय प्रेक्षक सर्वोपरि है। उसकी ओर से ही रंगमंच को नौ रसों के आधार पर नौ भागों में विभाजित करने का अभिनयधर्मी विधान है। उसकी इस 'ओर' पर नाट्यवेद के

lRrkblo v/;k; e pkj dkfjdk,¡ g tk i{kd ;k n"kd dk lân; i{kd e :ikUrfjr dju dk vuq'khyu lkirh gA ,lk vfHku; lEHko gku l gh lEHko gkrk g ikB; vkj i{kd d chp ân;&lokn] ftldk o.ku v/;k; vkB e gA

o.;fo"k;

ân;&lokn d fy, vko';d g ,d vuq'khfyr ,dkx eu vkj eu d fcuk ukV; e jl ughA eu ugh rk jl ughA eu ugh rk ikpk bfUnz;k vU/kh] cgjh gA blfy, ikp efu Hkjr efu d ikl tkr gA iNr g fd ge crkb, fd ;g ukV;on D;k g] D;k g] dl g] bl dgk vkj dc vkiu igy n[kk vkj lh[kkA ikp gh tkr g vkj o Hkh lkekU; ykx ugh] ikp efuA mudk urRo dj jg g efu vk=;A NBs v/;k; e o tkuuk pkgr g fd jl D;k gA fIQj bruk gkrk rk Hkh Bhd Fkk yfdu o dgr g fd ge jl d lkFk fu#fDr Hkh crkb, vkj fu#fDr d lkFk ge lxg vkj dkfjdk Hkh crkb,A vc vkt igy rk jxdel dk dkbl fo|kFkh jl i<u ugh tk;xk] ;fn fdlh Ldly e i<uk Hkh pkgxk rk fu#fDr vkj dkfjdk d ckj e ;g tkurk gh fd ;g lLd`r O;kdj.k l g] 'kk;n mylV ikoo okil vk tk;xkA 'kk;n Mkek djuk gh NkM nA jxdeh gh ugh] HkjrukV;e] dFkd] dfM;kVVe ;k Nm lh[k jg urd dh lkp Hkh ;gh gkxhA mudh lkp e ;g ;k og pquuk jg x;k gA lc e ,d dk n[kuk ;k ,d e lc dk tkuuk mudk fy, ifrxkeh ;FkkFk gA mldk ekuu l e ,lh lh[kuk vHkh lLdkj gh ugh cuk gA mldk lLdkj vfHkpkj] vuqdkj vkj ifrdkj l l|lfTtr gA _f"kekuu l ,ls ugh lkpxkA nlj vkj] lLd`r ukVdk dk epLFk dju okys] fo'k"kdj mRrjiqn'k d jxdeh rk ukV;'kkL= dk vkj n|:g] nf"dj vkj n%lk/; cuk pqdk gA ogk rk lgt vk/kfud jx jl gh vc vuqifLFkr gA Hkjr dk irk Fkk fd ,lk gk ldrk gA blfy, mUgku lxg dh ckr dghA mUgku dgk fd ;fn vki ukV;'kkL= d leLr Ng gtkj 'yksdk dk u Hkh i<uk pkg] lh[k dj u djuk pkg rk fIQj lxg dk tkuu l gh ukV;'kkL= dk tkuuk gk tk;xkA lxg ukV;'kkL= lkj gA bldk X;kjg rRo gA ;g& jl] Hkko] vfHku;] /kel] o`fRr] io`fRr] fl)] Loj] xku vkj jxA ;fn vkBo LFkkbl Hkko gh jl g rk lxg e Hkko dk vyx l 'kkfey dju dh t:jr D;k iMh! Loj Hkh gk x;k rk fQj vyx l xku D;k!

mifu"kn dk vFk g fd lR; d iirhd x# d djhc cBdj Kku ikIr djukA blh l iLFkku=;h cukA mlh idkj bl ukV;kifu"kn d ;g gh X;kjg iLFkku gA ;gk ge fdlh ,d ;k nk iLFkku dk l{ki e tkuu&le>u dh dkf'k'k dj jgA tl lxhrA ;kuh Loj vkj xku vkj y;A

Loj d ckotn xku d ckjs e Hkjr dk vyx l crku dh t:jr blfy, iMh fd vkt dkbl Hkh xk;d FkkV ugh xkrkA og jkx xkrk gA jkx vkj FkkV d Loj ,d gh gkr gA Hkjo jkx vkj Hkjo FkkV e Loj ,d gh gA ,d gh idkj d jkx&Lo:i d vk/kkj ij jkxk dh Jf.k;k cuk;h x;h gA ;s FkkV gA ekjok d lkFk Hkh ,lk gA Hkjoh] [kekt] iohl vkj dkQh d lkFk Hkh ,lk gh gA njvly jkx d Loj l gh rk og FkkV cuk rk fQj Qdl D;k gkxk! fQj dykdkj dHkh ;g D;k ugh dgr fd vkb, lqukr g FkkV HkjoA FkkV dk blfy, ugh

xk;k tk ldrk D;kfd FkkV e vkjkg rk gkrk g ;kuh Loj rk gkr g fdUr vojkg ugh gkrk vkj xku d fy, vkjkg] vojkg nkuk dh t:jr gA blfy, Loj d vykok lxg e xku dk 'kkfey fd;k x;kA ;|fi vkpk; Hkjr d egktuin le; e jkx d fy, jkx 'kCn dh txg tkfr 'kCn ipyu e Fkk vkj tkfr;k dh Jf.k;k jkxkx] ey ;k FkkV ugh] cfYd xke dgh tkrh FkhA o Loj ij vk/kkfjr Fk tl "kMt ;k e/;e xkeA

Rkky dk bfrgkl gekj ;gk fo}ku vf/kd l vf/kd lkr&vkB lk o"k ijkuk crkr gA ukV;'kkL= dk rky fooj.k vkj vkt d rkyfoe'k e dkb lEcU/k fo}rekul n[k ugh ikrA efuekul dh fQj vko';drk gA vkt ftl ge Bkg dgr g og ml le; Fkk ;Fkk{kjA vkt tk nxu vkj pkxu g ; ml le; dg tkr Fk f}dy vkj pr"dyA vkt ftl ge dgr g rkyh vkj [kkyh] o Fk Øe'kh l'kCn fØ;k vkj fu"'kCn fØ;kA rk flQ n[ku dh t:jr g vkj fn[kkb nxk tc gkxk olk ekulA nf"V ukV;'kkL= e iLFkku gA ;fn nf"V ugh rk pyuk ;k tkuk ;k xe ugh] nf"V g rHkh ;g g vkxeA nf"V gh ekx gA ekx lxhr dk vkfoHkko bl idkj gvkA Loj bl rjg yxu g fd Loj lkeu gk yfdu o viR;{k gk tk; vkj mudk vkR;fUrd Lo:i fn[kA rky lkeu gk yfdu o fn[k ughA fn[k mul cuk ,d ijk ykdA xku gekj vUrl e iR;{k gkrk pyk tk;] xk;d Hky gh lkeu gk] ltk&/ktk cuk lojk ;knnk'r l Hkjk fdUr og xku u gkdj xku dk fcEc ;k jflydk Hkj gk ftld lgkj ge okLrfod xku dk viu vUrl e iR;{k dj ld] bfUn; d ikj tkdj 'kkUr 'kk'or Hkjr rV ijA bfUn;k cl ihNk djrh jg ex;k dh rjg vkj ex dh rjg ekx xku dh dLrjh dkA

blh nf"V l dykdkj dk rhuk ykdk d Hkkok dk vudhru djuk g] ;kuh Hkkfrd] ekufld vkj bu nkuk d lglEcU/k l mit vn'; vf/kHkkfrd fLFkfr e ektn Hkko dk iuuokA ;g dHkh vudkj ugh gk ldrkA vudj.k flQ voLFkk dk gk ldrk g] Hkko dk dHkh ughA

blh idkj lxg dk ,d vkj egRoi.k rRo g ofRrA vxth e vkt ftl dgr g lhfud ,D'ku ;k n';ifjdYiuk] ml gh rRdkyhu 'kkL=h; lLdr e ofRr dgk x;kA nf"V d ckn lf"V ;kuh n';A ;gk nk ckr vkpk; Hkjr vkjEHk e gh fLFkj vkj Li"V vkj lfuf'fpr dj nr gA ,d rk ;g fd dykdkj ;k dfo dk iFke y{; g nf"VA ml nf"V dk viu e [kkt fudkyuk ftll vifre] vykfdd vkj vlhfer lkUn; dk n'ku fd;k tk ld] gh dfo gkuk gA ;g fopkjtfur ughA fopkj Lefrfuhkj ;k Lefrlki{k gkr gA Lefr e iovuHko vkj lLdkj gA fopkj u;k ugh jp ldrkA jpuk ;k ltu dk vFk g u;k vkj ekfydA iFkeA u;k] ekfyd ;k iFke d nk y{k.k g rkR{kf.kdrk vkj rktxhA ;g fopkj d lkeF; e ugh gA bld fy, l"kEuk dh rjg ,d vn'; ukMh migkjLo:i idfr u dfo ;k dykdkj dk n j[kh g vkj ;gh g ifrHkk tk dykdkj dh 'kfDr g ftld tfj; vkjEHk e og viu0;fDrxr nk"kk dk gVk ldrk gA tl vkyL; vkj ieknA

ifrHkk d tfj; gh og dYiuk dj ldrk gA _f"k og g tk ml fopkjn';d ikj g] dk n[k ldrk gA n[kk gvk ,lk n';ml dh nf"V gA fotuA ;kuh lh;j ;k _f"k ;k dfo ;k dykdkj og g ftld ikl fotu ;k nf"V gA bl gh vkt ge lkfgR; ;k fluek e bet] betjh ;k eVkQj tl 'kCn nr gA nf"V Hkkfrd

fcEck dk vkyEcu e tc 0;Dr dh tkrh g] rk irhd ;k beit dgh tkrh gA bl gh rc eU= dgrs FkA vn'; tk n'; dk ikj g] dk irhd ls n[kk tk ldrk gA gekj vopru dk Nfo ;k irhd pkfg,A fQj og pru dk fojk/k e i[kj ugh gk ldrkA og irhd dh Hkk"kk dk le>rk gA lU/;k Hkk"kk ;kfx;k dh ;gh gA dykdkj dh lU/;k Hkk"kk ,l h gh fcEcHkk"kk gA rk ;fn _f"kpruk dk dykdkj dk ikl beit g] fotu g] nf"V g rk fQj og _f"k g] dfo ;k dykdkj gA yfdu ;fn mlk ;g ykd e crkuk g] ;fn mls dguk g bl nf"V dk ckjs e rk fQj mls lf"V djuh iMxhA okYehfd dk ikl nf"V FkhA bruk ls gh o dfo gk x;A yfdu mUgk bl crkuk dk fy, jkek;.k dh lf"V djuh iMhA ;kuh n'ku dk o.ku ;k ltu djuk iMkA nl jh ckr efu Hkjr lkQ dj nrs g fd lkUn;l iFke egRo ij g] dyk nl js egRo ijA ftl ek/;e ls lkUn;l dh jpuk djrs g og dyk gA lkUn;l vHkh"V gA ;fn dyk ls lkUn;l dh jpuk gk x;h rk n'ku dk o.ku vyx ls ugh djuk gkxkA ikB; dh vUroLrq n'kd dk ikl LorÅ igp tk;xh] jlfu"ifRr viu vki gk tk;xhA tSls lkjh lkIkj e lc dN viu vki gk jgkA D;kfd gj oLrq viuk dkj.k Lo;a gA dykdkj ;k vfHkurk dk fLQ viuh vfHku;dyk ls lkUn;l ;k iHkko ;k jl dh lf"V djuh gkrh g vkj fQj nkLrkOLdh dk 'kCnk e] ;fn dykfefr ;k vkfVLVh vPNh g rk ckr viu vki ikBd rd igp tk;xhA

bl h nf"V ls mUgkus n'';fo/kku dk Lo:i r; fd;k vkj mls mUgkus ofRr dgk] tk vkt lhfud ,D'ku vkj n'';ifjdYiuk gA ifrHkk g rk dYiuk gA ekfyd vkj u;hA beitjh ;k eVkQjA fcEc ;k :idA bl h vk/kkj ij nl idkj dk :idk dh dYiuk dh x;hA fcEc ;k :id ;fn fy[kk ukVd ;k ikB; dk vk/kkj ij jxep ij ugh cuk;k x;k rk ml ikB; dk jxikB ;kuh i;kx vkj iLrfr igys gh foQy gA i;kx g fd vfHkurk vkj vkt dk funs'kd u dkbl fcEc jpk g ;k ugh ep ij vkj fQj og fcEc gh ijh dgkuh dk viu vki dguk 'kq: dj nxkA ;g i;kx g] pr"inh; ofRr dk] tSls Hkkjrh ;k lkorh ;k vkjHkVh ;k dkf'kdh ofRr e cuk n'';fo/kku ;k jxfcEc dkA vc vfHkurk }kjk lkUn;l dh jpuk iLrfr gA mlh ep ij yxkrkj lkUn;l ;k jl dh lf"V djuh gA fLQ i;kx g rk ;g lEi"k.kh; ugh gkxkA fLQ iLrfr g rk fQj bldk lk/kkj.khdj.k lEHko ughA

lkjka'k

jpukdkj dk ifjp; mldh nf"V gA ;g fopkjxHk ugh] cfYd vrhfUn;/keh gA bl gh vkt ge vUrnf"V dgrs gA jxep ij bldk o.ku mldk n"; gA ;g nf"V ikjykfdd ;k i';fUr dk ry ls mn?kkfVr gkus ij gh og ykfdd ikB; ;k jxdel dk tfj;s n'kd dk n'; dk ikj y tk ldrk g vkj Lo;a Hkh Åij mB ldrk gA ;g vfrfUn; {kerk jpukdkj e lrr lLdkj dh rjg gkrh g ftl s ifrHkk dgrs gA tkxr gkus ij ;gh jpukdkj dk vejrk inku djrh gA jxep ij lkUn;l dh fujUrj jpuk vkj bl ifd;k e n'kd dk lkFk n'; dk :i ls ij gkuk gh i{kxkj e mldh nf"V dh jl lf"V gA 'kkUr jl gh ifrHkk ;k i';fUr dh iR;fHkKk gA bl idkj 'kkUr jl dk v:i idkj gh i';fUr dh 0;kifRr;k gA

iLr dh fdrkc d dN iUu

vxth l vuokn vkj iLrfr % f'kjh"k <kcy

chl l rbl dh o;l e fy[k ekly iLr d x| l chrh 'krkfCn;k dh xU/k vkrh gA idkjkUrj l ;g okD; ,ukrky Ýkl u viu ikDdFku e fy[kk gA iLr dh e/kk viu vdj.k e gh fdlh ifo= ijEijk dk xf>u oL= lEgky ldrh g] idkjkUrj l ;g okD; Hkh ,ukrky Ýkl u mlh ikDdFku e fy[kk gA

viu x< x; pfj=k dh ncyrk vkj bl ncyrk dh lnk'k;rk] blh ncyrk vkj lnk'k;rk dk vfojy }r vkj v}r ekly iLr dk og yxHkx vUrghu /kjkry g ftl ij mud pfj= pyk djr g] ?kVuk rd volkn e Mc] bl volkn l ,d {k.k ie djr vkj blh volkn l mlh ,d {k.k e mdrk; g,A mudk ;g mdrkuk ^gku* l mdrku tlk gA gku e ^u gkuk* n[ku tlk g] bl n[ku l mith ,d fojfDr Hkh n'; ij g vkj blh fojfDr l mitk ;g vuHko g fd o vuUr d NhV dh rjg iFoh d fcykj ij <yd jg g] D;kfd u gkuk gh vUrr% vuUr gA bld foijhr mudk bl volkn l tk ie g] og yxHkx ie tlk gh g ;k de&vt&de ie d vkjEHk tlk rk g gh ;k fQj fdlh ,l vkjEHk tlk g ftle ,d mnkl vUr dh inpki gkA bl HkkoHkfe ij fe= g vkj o g tk fe= ugh g] bl HkkoHkfe ij 'k= lglk ugh g vkj ;g vuifLFkfr ekly iLr dk i<uk FkkMk dfBu cuk nrh gA ;|fi mUg ikB d ^'kf) dj.k* l vkifRr g yfdu mUg i<uk viu vkidk fuey djr tkuk Hkh gA iLr dh foy{k.k e/kk dk vkHkkl mudh iLrd ^lytj ,.M Mt* d gj i"B ij fyik gvk g vkj ml ij ,ukrky Ýkl dk og peRdkjh] foue vkj lEekui.k ikDdFku ;fn ;nkuk ikB bl fdrkc dk vkx i<r py tku dh i;kIr ij.kk ugh g rk b'oj gh tku og D;k g tk ,lk gkA

iPphl l de dh o;l d iLr vkj ipkl l Åij d Ýkl! D;k gh mnkgj.k g] ijLij lEeku vkj mldh fouere vfHk0;fDr dk vkj lkfgR; d ml n'; dk tgk ;g lEHko gk ldk FkkA ^lytj ,.M Mt* dk ikDdFku vkj lei.k vkbUnk i"Bk ij 'k: gkxk vkj lekIr Hkh gkxk yfdu bld vkx tk g og fo'k) peRdkj gA nf"V dk peRdkj] nf"V d mnkÙk oHko dk peRdkj] iLr dh nf"V dk peRdkj] iLr dh nf"V d

mnkÙk oHko dk peRdkjA

ikDdFku

D;k mlu e>l dgk fd e ;g fdrkc mRldtuk d fy, iLrr d: \ vkj D;k eu ;g ;|fi l[kdj ij yxHkx xj t:jh dke dju dk ldYi y fy;k \ mldh fdrkc ,d ;ok pgj dh rjg nyHk vkd"k.k vkj l?kM xfjek l Hkjij gA ;g Lo; gh viuh vu'klk djrh g] viu ckj e dgrh g vkj Lo; d ckotn Lo; dk iLrr djrh gA

lp] ;g fdrkc ;ok fdrkc g] viu y[kd dh rjg ;ok yfdu ;g ,d ijkuh fdrkc Hkh g] llkj tlh ijkuhA ;g iÙkk dk olUr g tk ikphu 'kk[kkvk ij g] ,d ikphu ou eA ,lk dgu dk lEekg gkrk g fd u;h dkiy ou d ikphu vrhr d dkj.k volkn e g vkj 'kkd d oL= igu g, g] mu vud olUr _rvk d fy, tk vc er gA

xEHkhj gfl;kM[1] u viu ^od ,.M Mt* dk gyhdku d xMfj;k dk luk;k FkkA ^lytl ,.M Mt* gekj Hkn lekt d lTtuk vkj nfo;k dk lukuk vf/kd volkni.k g] ;fn ,d lifjfpr vxt lTtu dk nkok lp g[2] fd thou yxHkx lguh; gk ldrk g ;fn mld vkuUn ugh gk rk gekj ;ok fe= dh fdrkc e ,d mdrk;k gvk fLer vkj Fkdku dh enk, g tk u lkUn; e u egkurk e dgh de gA

;gk n%[k Hkh] tlk ekye gkxk] l[kdj vkj fofo/k g] tlk g olk gh funf'kr ,d piy Hknd vkj eghu fo}Ùkk dh peRdkjh nf"V l ikf"krA

^lytj ,.M Mt* dk ;g fnueku ml dky dh lpuk Hkh djrk g tk dky idfr dk g] tgk ,d ljhyk o.ku vkdk'k dk] lkxj dk vkj ouk dk g vkj ml dky dk Hkh tk viu fu"Bkoku 0;fDr&fp=k vkj mlh itkfr d fp=k dk g] viuh foy{k.k lrgk d lkFkA

ekly iLr cjkcjh l viu o.kuk e iQfYyr djr g rc tc o l;kLr d lu oHko ;k rc tc o fdlh fn[kkoVh vkRek dh fp<fp<h 'kku d ckj e fy[k jg gkA o ln'ku n%[kk vkj df=e ;krukvk d] tk mu Øjrkvk d de&vt&de cjkcj rk g gh tk idfr ge ij ekror mnkjrk l cjlkrh g] o.ku e vifre gA e> Lohdkj djuk gh pkfg, fd e> ; vkfo"dr n%[k vkj ekuo }kjk [kkth x;h ihMk, vR;Ur ekgd vkj eY;oku yxrh gA e ekly iLr dk vkHkkjh g fd mUgku bld dN pu g, mnkgj.kk dk v/;;u vkj fp=.k fd;k gA

o ge fdlh xhugkml d okrkoj.k e vku vkj ogk Bgju d fy, o'kHkr djr g] txyh vkjfdMl d chp tk viuh fofp= vkj vLoLFk lUnjrk d fy, iFoh l ik"k.k ugh ikrA vpkud ml xgu vkj Bgjh gb gok

d chp ,d mtyk vkj pednkj rhj xtjrk g] fo|Yyrk dh ,d ygj tl ,d teu fpfdRld dh fdj.k[3] tk ng d vkjikj gk ld] ,d >Vd e dfo Nih gb bPNkvk vkj xlr fopkjk dk Hkn nrk gA

;g mudk ygtk g] ;g mudh dyk g] ,d ;ok /ku/kj gkr Hkh o vk'p;tud :i l fl)gLr g] o ijh rjg ekle ugh g yfdu o bru 'k) vkj yxu'khy g fd o Hkky irhr gkr g vkj ge mUg olk gh ilUn djr gA mue dN v'k ofpr cjukMhu Mh lk fi;j vkj e?kkoh iVkfu;l d gA[4]

mudh bl fdrkc dk D;k HkkX; g fd ;g db 'kgjk rd tk,xh mu lxU/kk l vkj mu Qyk l lth gb ftl eMyhu yhej[5] u fijk;k g] mu fn0; gkFkk l tk xykck dk mudh vkl d lkFk fc[kjr gA

,ukrky Ýkl] ifjl

29 viy] 1896

lei.k

ej l[kk foyh ghFk d fy,[6]

¼eR; 3 vDVcj] 1893] ifjl½

^b'oj dh xkn e foJke djr g, re e> o lR; gk tk eR; ij fot; ikIr djr g] tk ge mll Mju l jkdr g vkj mll yxHkx ie dju d fy, r;kj djr gA[7]

ikphu ;ukuh viu erdk d fy, dd] n/k vkj efnjk ykr FkA vf/kd foodi.k u lgh ij vf/kd ifj"dr Hkek d o'khHkr] ge mud fy, Qy vkj fdrkc y vkr gA ;fn e rEgkj fy, ;g fdrkc yk;k g rk bldk iFke vkj e[; dkj.k bldk Nfo;k dh fdrkc gkuk gA mi'kh"kdk d ckotn ;g fdrkc i<h Hky u tk, rc Hkh ml egku dykdkj d i'kldk }kjk de&vt&de n[k yh tk, ftlu e> ;g vifre HkV fcuk fdlh df=e mnkjrk d nh g] ml dykdkj d ckj e ge M;ek d 'kCnk dk viuk dj dg ldr g& ^og ftlu b'oj d ckn lcl T;knk xykck dk ltu fd;k gA[8] jkcV Mh ek.VLD; u Hkh viuh vidkf'kr dfork e mud x.k xk;[9] gA ml foy{k.k xkEHkh;] eghu lkjxfHkrk vkj okfXerk] ml Jei.k x<u d lkFk tk dHkh&dHkh mud dfrRo e l=goh lnh dk thfor djrh g] og mul Qyk d ckj e ckr djr g, dgr g& ^rEgkjh rfydkvk d fy,

dkb enk xg.k djuk

mudk f[ky tku d fy, ikRlkfgr djrh gA

re mudh foxh gkA[10]

re gh mud iYyo
tk mUg veR; rk nr g
tcfd og ¼foxh½ doy lgkj ykrh gA*
mud i'k ld ic) g vkj db gA ejh ;g lk/k Fkh fd iFke i"B ij o ml 0;fDr dk uke n[k ft l l ifjfpr gku dk vodk'k mUg ugh feyk fd o mld Hkh i'k ld gk ldrA eu Lo; gh fi ; fe=] rEg doy ,d cgr de le; d fy, e tkuk g] ckyk d ou e lcg&lcg e rel feyrk Fkk] reu e> vkr g, n[k fy;k Fkk vkj o{kk dh Nko e re ejh ifr{kk dj jg Fk] oku Mkbd[11] d fpf=r jk t i#"kk dh rjg dMh yfdu fuf'pUr enk e ftudk /kh jknkÙk lkUn; re /kkj.k fd; jgr Fk vkj ;g lkUn; lp e] t l rEgkjk] mud oL=k e de mudh ng e vf/kd okl djrk gA , lk yxrk g t l mudh ng u ;g mudh vkRek l ik;k g vkj fujUrj ikrh tk jgh gA ;g ufrd lkUn; gA gj ckr bl volkni.k lekurk dk mHkkjrh gb yxrh g fd iRrk dh ik'oHkfe Hkh ftudh Nk;k e fdlh jktk dk Vgyr g, oku Mkbd vDlj fpf=r djr Fk mu db jktkvk dh rjg tk mud ekMy gvk djr Fk] rEg 'kh?k gh dky dk xkl cuuk Fkk vkj rEgkjh vk[kk e] t l mudh vk[kk e] iokueku vkj fojfDr d dkey idk'k dk txg cnyr dkb Hkh n[k ldrk FkkA yfdu ;fn rEgkj vfHkeku dh xfjek ij oku Mkbd dk vf/kdkj Fkk rk viu vk/;kfRed thou dh mRdV jgL;e;rk l re fy;kukMk nk foph d cgn fudV FkA db ckj tc re mxyh mBk dj viuh vHkn; vk[kk d lkFk ml my>u ij eLdjk jg gkr Fk ft l reu viu eu gh e j[k fy;k gk] e> re nk foph d ^tku n ofIVLV* dh rjg yxr FkA fQj geu Lolu n[kk Fkk ;k yxHkx ;k tuk gh cuk yh Fkh fd ge ,d nlj d lkFk vkj vf/kd jgx] ml leg e tgk mnkj vkj Hkyh&Hkkfr pu g, i#"k vkj fL=;k gk e[krkvk] nx.k vkj diV l ij ft l l ge mud v'yhy ck.kk l ljf{kr jg ldA

rEgkjk thou] t lk re pkgr Fk] ,d , lh dykdfr gkxk ft ld fy, ,d mnkRr ij.kk vko';d gk ft l ge /ke l] e/kk l vkj ie l ik ldr gA yfdu ;g eR; Fkh ft lu rEg bl fn;k FkkA ble Hkh vkj bld rjhd e Hkh ,d fNih gb 'kfDr lgk;rk vkj xfjek Fkh tk thou e lyHk ugh gA fcydy olh t l tc ieh ie djuk vkjEHk djr g t l dfo tc o xk jg gkr g] mu vLoLFk ykxk dh rjg tk Lo; dk viuh vkRek d fudV egl l djr gA thou dfBu gk tkrk g tc og ge ,d ixk< vkfyxu e Hkj yrk g] og fujUrj gekjh vkRek dk pkV igpkrk gA tc ge {k.k Hkj d fy, ;g cU/ku <hyk iMrk gvk yxrk g ge Li"V nf"V dh feBkl vuHko dj ldr gA tc e NkVk gh Fkk] e> ckbfcy e ukgk l vf/kd fuLlgk; pfj= dkb vkj ugh yxrk Fkk] ml ck< d dkj.k ft lu ml pkyhl fnu viu vkd ij ck/kdj j[kk FkkA ckn e e db ckj chekj iMrk Fkk vkj db ckj e Hkh ^vkd* ij fnukfnu c/k jgu d fy, ck/; gk tkrk FkkA rc eu y{; fd;k Fkk fd ckotn bl rF; d fd og ,d cUn txg Fkh vkj ml le; iFoh ij jkr Fkh] ukgk dk viu vkd l

llkj dk ftruh Li"Vrk l n[k ldu dk volj feyk] ok vU;= dgh u fey ldk gkxkA tc ejk LokLF; l/kjuk 'k: gvk] ejh ek u] ftUgku e> dHkh vdyk ugh NkMk vkj db ckj rk jkrHkj o ej ikl jgh] ml vkd dh f[kMdh [kky nh vkj o ckgj pyh x;hA[12] yfdu ,d dikr dh rjg o 'kke dk okil vk x;h fQj e ijh rjg fujkxh gk x;k vkj dikr dh ^gh rjg o dHkh okil ugh vk;hA* e> fQj l ,d ckj thou thuk vkjEHk djuk iMkA viu l eg ekM dj mu 'kCnk dk lur tk ek d 'kCnk l dgh vf/kd dd"k gkr Fk vkj rk vkj mud 'kCn Hkh tk rc rd dkey jgk djr Fk vc ol ugh jg x; FkA o thou dh mRdVrk vkj e> dÙk0;k dh f'k{kk nu d mnn'; l fyFkM g, FkA ck< d dkey dikr dh rjg rEg mM tkr n[k dl dkb ;g dYiuk dj ldrk g fd firi#"k ukgk u ,d rjg dk volkn ml vkuUn e ?kyr g, vuHko u fd;k gkxk tk llkj d iutUe dk vkuUn Fkk \ fdruk dkey g thou dk ;g LFkxu] ;g yxHkx b'ojk dk ^'kL=fojke* g tk gekj Je vkj gekjh 'krkuh bPNkvk dk jkd nrk gA :X.krk dh xfjek tk ge eR; d ikj dh okLrfodrkvk d lehi y vkrh gA ^feF;k ltkoV vkj Hkkjh ?k?kVk dh xfjek mu ckyk ftUg fdlh fujUrj vkxgh gkFk u lko/kkuh l lokjk g[13] ek dh ;k fe= dh NkVh&NkVh dkey fu"Bk, tk fdruh ckj ge viu gh volkn dh e[kkdfr tlh tku iMrh g ;k o lj{kk nrh enk, ftudk gekjh ncyrk u vkgoku fd;k Fkk vkj tk gekj fujkx gku dh ifØ;k dh ngjh ij #d tku okyh gA db ckj eu rel nj jgu dh ihMk lgh g ij d ij] re vkd d dikr dh fu"dkflr lUrkuA ej fi; foyh] dku g ftlu bu {k.kk dk vuHko ugh fd;k g ftu {k.kk e og ogk gkuk pkgrk g tgk re gk \ ge thou d ifr bruh ftEenkfj;k xg.k dj yr g fd ,d ,k le; vk tkrk g tc bu lkjh ftEenkfj;k dk ijk dju dh v'kDrrk l grk'k ge dc dh vkj eM tkr g] eR; dk idkjr g] ^eR; gekjh lgk;rk d fy, vk tkrh g ml fu;fr dk jpu d fy, ftl ijk djuk n"dj gkrk gA[14] yfdu ;fn og ge mu mRrjnkf;Rok l] tk geu thou d ifr xg.k dj j[k g] eDr djrh g rc Hkh og ge mu mRrjnkf;Rok l ugh NMkrh tk geu Lo; d ifr mBk j[k g ftue igyk vkj lcl egRoi.k vFki.k thuk vkj thou d ;kX; gkuk gA

re ge lcl vf/kd xEHkhj Fk gh lkFk gh vkjk l vf/kd cPpk tl Fk doy gn; dh ifo=rk gh e ugh ij viuh fu"iki vkj vkuUndj mRQYyrk e HkhA 'kky n xUlh d ikl ,d ojnku Fkk ftll e> cMh b";k Fkh] og ikB'kkyk d fnuk dh rEgkjh Lefr;k l vpkud ,d dgdgk mitk yrk Fkk tk ree dHkh Hkh vf/kdH fuf"Ø; ugh jgrk Fkk vkj ftl ge vc dHkh ugh luxA

bu ¼;gk fdrkc dk ftØ g½ i"Bk e l dN rbl dh o;l e fy[k x; g ij db ¼ok;kyUr] brkyoh dkeMh d yxHkx lHkh v'k vkfn½ chl dh o;l e ;g lHkh ,d m}fyr thou dk >kx g tk vc 'kkUr gk jgh gA 'kk;n dHkh ,lk gk fd og thou bruk fuey gk fd dyk dh nfo;k ml ij nf"V Mky rk viu fLer vkj uR; dh ifrPNk;k, mUg mldh lrg ij ljljkrh feyA

मैं तुम्हें यह किताब भेंट दे रहा हूँ। अफसोस! तुम मेरे मित्रों में अकेले हो जिसकी आलोचना से डरने की इसे ज़रूरत नहीं। मुझे इतना भरोसा तो है ही कि इसके स्वरों के स्वातन्त्र्य से तुम्हें कहीं भी धक्का नहीं लगेगा। मैंने अमर्त्यता का चित्रण केवल उन व्यक्तियों में किया है जो एक नाजुक ज़मीर के लोग हैं और इसीलिए अच्छे की आशा के लिए अत्यन्त दुर्बल और शैतानियत का आनन्द उठाने के लिए अत्यन्त भले हैं। पीड़ा के अलावा कुछ न जानने वाले। मैं उनके बारे में कह पाया हूँ तो केवल उस विश्वसनीय सहानुभूति के साथ जो इन निबन्धों का शुद्धिकरण न करे। ऐसा हो कि वह सच्चा सखा और वह दैदीप्यमान गुरु[15] जिसने अपने संगीत की कविता और अतुल्य कविता के संगीत को इसमें मिलाया है और ऐसा हो महान दार्शनिक कि एम.डार्लू[16] भी जिनके द्वारा उच्चारित प्रेरित शब्द जो अनन्त जीवन के प्रति किसी भी लिखे गये से अधिक आश्वस्त हैं, मुझमें हो जैसे वे अन्यान्य विचारों में है। तुम्हारे लिए मेरे प्रेम की यह अन्तिम मुद्रा बचाकर रखने के लिए मुझे क्षमा करना यह ध्यान में रखकर कि कोई जीवित व्यक्ति चाहे वह कितना भी महान और प्रिय क्यों न हो, मृतकों से पहले सम्मान पाने का अधिकारी नहीं है।

1. हेसीयॉड - वर्क ऍड डेज़ एक लम्बी कविता है जो कृषक जीवन का वर्णन करती है। इसके रचयिता हेसीयॉड (700 ईसापूर्व) हैं। मॉउट हेलीकॉन मध्य यूनान में स्थित एक पर्वत है, इसका प्रसंग यूनानी मिथकों में मोसेस के साथ आता है।
2. जॉर्ज बरनार्ड शा का सन्दर्भ है जिन्होंने कहा था 'जीवन सहनीय होगा यदि उसमें मनोरंजन न हो।'
3. क्ष-किरण के आविष्कारक विलियम राजन का सन्दर्भ।
4. जॉक आरी बरनारडीन द सॉ पियरे, 1787 में लिखे उनके उपन्यास पुले वर्जिनीए और पेट्रोनियस आरवीटर (सन् 27 से 66) की किताब स्टायरिकोन का सन्दर्भ।
5. मेडलीन लीमेर, एक चित्रकार जिन्होंने प्रूस्त की किताब में लिये चित्र बनाये थे।
6. विली हीथ, एक युवा अँग्रेज़ जिनसे प्रूस्त उनकी असामयिक मृत्यु के कुछ माह पूर्व मिले थे।
7. ईश्वर की गोद से, अर्नेस्ट रेनान की किताब 'लाईफ ऑफ जीसेस' के समर्पण से।
8. ड्युमा के शब्द, मेडलीन लीमेर के बारे में अलेक्जाण्डर ड्युमा की टिप्पणी
9. रॉबर्ट डी मॉण्टेस्क्यु, पेरिस के प्रसिद्ध कवि।
10. एलिजाबेथ विगी-लीबर्न का सन्दर्भ। प्रूस्त की किताब में मेडलीन लीमेर के वाटर कलर्स शामिल थे।
11. वॉन डाईक- फ्लेमिश चित्रकार एन्थॅनी वॉन डाइक।
12. खिड़कियाँ खोल दीं - जेनेसीस के उद्धरण।
13. ज्याँ रेसीन के नाटक फ़ेड्रा से।
14. मृत्यु आती है - फ्राँस का इतिहास, ज्युल्स मिशेल से लिया गया उद्धरण।
15. सच्चा मित्र - रेनाल्डो हान और एनातोल फ्राँस का सन्दर्भ।
16. एम. डार्लू - एलफांसो डार्लू, प्रूस्त को दर्शन पढ़ाने वाले शिक्षक।

पत्र

^lekl* d fiNy dN vdk dh rjg gh bl ckj Hkh Jh ch-,u- xkLokeh vkj Jh mn;u okti;h dh ckrphr iHkko'kkyh] mi;kxh vkj ihfrdj tku iMhA ;g fu.kk;d] xEHkhj vkj v/kjh ckrphr ge Hkkjrh; lH;rk d ckj e gekjh viuh dyk ijEijkvk d fo"k; e Hkkjrh; dykdkjk dh viuh fof'k"V] ekfyd dykßed vUrnf"V;k d lUnHk e cgr dN u;h vkj mi;kxh ckr crkrh gA bl ckrphr l gh geu igyh ckj Jh ch-,u- xkLokeh dh yEch] nyHk vkj xEHkhj fdLe dh lk/kuk dk] mud vlk/kkj.k lei.k dk igyh ckj tkuk g vkj og Hkh fdlh Hkkjrh; Hkk"kk d ek/;e lA gekjh viuh gh Hkk"kk e] viuh lH;rk] ijEijk vkj bfrgkl dk tkuu&le>u dk l[k dN vkj gh gkrk gA

;g lokn ge ;g Hkh le>k x;k fd viuh lH;rk d ifr gekj vKku vkj mnklhurk u viuh dyk ijEijkvk dk u le>u e ge dykßed] Hkkoukßed vkj ckf)d :i l fdruk T;knk fu/ku cuk;k gA fdruk vthc tku iMrk g fd uul[k tl vlk/kkj.k dykdkj dh ltukßed lk/kuk l gekjk bruk T;knk vifjp; cuk gvk gA

leg e i<h&luh x;h bl ckrphr d ckn ;g Hkh ifrfØ;k vk;h fd geu viuh lH;rk dh rjQ n[ku dh viuh nf"V fodflr dju dh txg ,d m/kkj e feyh vfood'khy vkifuof'kd ijk;h nf"V dk cjh rjg vkßelkr dj fy;k gA bl if'peh nf"V d fcuk tkp&ij[k d gekj Lohdj.k u ;g fd;k fd ge jktk jfo oek dk rk x.kxku djr jg yfdu uul[k tl vf}rh; dykdkj d ifr mnklhu gkr py x;A ijEijk dh gekjh v/kdpjh le> u ge viuh vk/kfudrk dk Hkh xyr <x l le>u e lg;kx fn;kA gekj bl cM udlku dh rjQ xk/kh th] johUnukFk th d ckn txnh'k LokehukFku] fuey oek tl fpUrd yxkrkj ldr nr jg FkA

ge mEehn g fd Hkfo"; e Hkh ge ^lekl* d ek/;e l /keiky] dey'k] jru fFk;ke] if.kDdj] ch-,u-xkLokeh tl ekfyd euhf"k;k dk tkuu&le>u d volj ikIr gk ldxA ge bl if=dk d nh?kthoh gku] vkj T;knk iYyfor gku d fy, viuh 'kHkdkeuk, nr gA

fouk;d dydj
iKk tk'kh
idt BDdj
t;'kdj

लेखक परिचय

भगवान सिंह, n'k d lEHkor% J"B on v/;rk vkj dey'k d vfHkUu fe=A 1968 e Hkkjr d lHkh Hkk"kkvk को सीखने के क्रम में भाषा विज्ञान और इतिहास की मान्यताओं से अनमेल सामग्री का प्रभावशाली मात्रा में पता चलने पर इसकी छानबीन के लिए भाषा वैज्ञानिक अध्ययन। इसी शोध के परिणाम स्वरूप आर्य-द्रविड़ भाषाओं की मूलभूत एकता लिपि प्रकाशन, नई दिल्ली (१९७३)। रुचि का मुख्य क्षेत्र भाषा और इतिहास। प्रकाशन : हड़प्पा और वैदिक साहित्य (१९८७), दि वैदिक हड़प्पन्स (१९९५), प्राचीन भारत के इतिहासकार (२०११), भारतीय परम्परा की खोज (२०११), कोसाम्बी : मिथक और यथार्थ, आर्य-द्रविड़ भाषाओं का अन्तःसम्बन्ध (२०१३)। दिल्ली में रहते हैं।

कुमार शहानी, भारत के महानतम् फ़िल्मकारों में गिने जाते हैं। सिनेमा पर गहरा विचार किया है। 'माया दर्पण', 'तरंग', 'कस्बा', 'भावान्तरण', 'चार अध्याय' इनकी प्रसिद्ध फ़िल्में हैं जो भारत और विश्व के सिनेमा में कालजयी कृतियाँ मानी जाती हैं। कुमार संसार के बड़े सिनेमा-अध्यापक के रूप में ही सहज स्वीकृत हैं। इनकी फ़िल्मों को राष्ट्रीय पुरस्कार समेत कई भारतीय और 'प्रिंस क्लाउस' समेत कई अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हैं। दिल्ली में रहते हैं।

हरप्रसाद दास, ओड़िया की समकालीन कविता के अप्रतिम और अद्वितीय रचनाकार। बाईस वर्ष की उम्र में भारतीय प्रशासन सेवा में प्रवेश। संयुक्त राष्ट्र संघ से सम्बद्ध तथा उसके अन्तर्गत यूरोप, अमेरिका, दक्षिण अमेरिका, अरब देश तथा पूर्वी देशों के विभिन्न सार्वजनिक महत्व के कार्यों में योगदान। इन दिनों इनफ़िनिटी एजूकेशन फाउंडेशन के प्रेसिडेंट। ग्यारह कविता संग्रह, चार आलोचनात्मक चिन्तन की पुस्तकें और एक कथा साहित्य की किताब प्रकाशित। इनमें से 'देश', 'अपार्थिव', 'प्रेम कविता', 'प्रार्थना के लिए ज़रूरी शब्द', और 'गर्भ गृह' हिन्दी में भी प्रकाशित। 'गंगाधर मेहेर, राष्ट्रीय कविता पुरस्कार के अतिरिक्त 'वशं' कविता संग्रह पर भारतीय ज्ञानपीठ का 'मूर्तिदेवी' सम्मान।

जवाहरलाल गोयल, का कविता संग्रह 'आओ, जल में जल की छाया देखें' प्रकाशित। पढ़ने-लिखने और चित्र बनाने की प्रवृत्ति के कारण साहित्य और कला से निरन्तर सक्रिय सम्पर्क। दिनमान एवं कई पत्र पत्रिकाओं में लेखन। जन्म सिवनी मध्यप्रदेश में किन्तु इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट की पढ़ाई के बाद कोल इण्डिया लिमिटेड में पैंतीस वर्षों तक कार्य और इसी कारण अब कोलकाता में निवास।

jke'kdj f}osnh] vuoknd vkj lehf{kdA ckXyk dh J"B dfr;k dk 45 o"kk l ckXyk l fgUnh e fujUrj vuokn djr jg gA budk vuokn fgUnh dh reke i=&if=dkvk vkj iLrdkdkj : i e idkf'kr gkr jg gA johUnukFk VSxkj rFkk lR;thr f=ikBh fujkyk dh lkfgR;l ckM/k ij vkiuk 'kks/k fd;k gA lekl dk fiNyk dN vdk e vkidk fd;k vuqjk/kk egkik=] thoukuUn nkl vkfn dk vuokn idkf'kr g, gA o"k 2000 e f}okxh'k iqjLdkj] o"k 2004 e lkfgR; vdkneh iqjLdkj l lEekfurA vki mjbl ¼m-i-½ e jgr gA

/kzo 'kqDy] fgUnh dk dfo] dFkkdkj] miU;klkdkj vkj fucU/kdkjA /kzo dk dbl dfork lxg idkf'kr gq ftue ^[kktk rk cVh ikik dgk g*] ^fQj og dfork ogh dgkuh* vkj ^,d cqn dk ckny* iez[k gA budk nks miU;kl ^mlh 'kgj e* vkj ^vej Vkdht*] ,d dgkuh lxg ^fgpdh*] lkef;d fo"k;k ij fVIif.k;k dk lxg] ^,d ukxfjd dh Mk;jh*] egkRek xka/kh dh ifl) iLrd] ^fgUn Lojkt* ij dfUnr lqnh?k fucU/k] ^iiT; firk dk lgt lR;* vkfn idkf'kr g, gA /kzo u fo[;kr jxfunl'kd c-o- dkjUr }kjk funf'kr dkfynkl dk ukVd ^ekyfodkfXufe=* e cUnyh xhr fy[k gA /kzo dk vuqd iqjLdkj ikIr g, gA fgUnh lkfgR; dh if=dk] ^iokxg* e lEiknu lg;kx vkj ^lk{kkRdkj* dk lEiknu fd;k gA Hkkiky e jgr gA

xhre pVthi] vfHkuoxqIr vdkneh dk funs'kdA iPphl o"kk rd i.kdkfyd lLdfr&i=dkfjrk e lfØ; jgu dk ckn lEifr ^nh fgUn* e 'kkL=h; lxhr ij fy[krs gA vkpk;l Hkjr dk ns'kdky] jkx lxhr vkj xf.kr dk vUrlEcU/k vkj pkj ey xUFkk&ukV;'kkL=] cgnns'kh] vfHkuoHkkjrh o lxhrjRukdj dk ikpo] NBk vkj lkrok v/;k; dk ¼lLdr l vxth e½ vuqokn e lyXuA rhu Hkkx ¼lkr v/;k;½ idkf'krA nks ukVd lxg ^v/kjs jkx* vkj ^n'k: id* idkf'kr o lEekfurA

f'kjh"k <ksdy] fgUnh dk ifl) dfo vkj dgkuhdkjA igyk ,d dfork lxg ^mPpkj.k* vkj gky gh e ^ij ;g rk fojg* l;l idk'ku efUnj chdkuj l idkf'kr gqvk gA dforkvk dk vuqokn dbl Hkkjrh; vkj fons'kh Hkk"kkvk e g, gA bUnkj e jgdj mPpLrjh; ân; 'kY; fpfdRlk djr gA

t;izdk'k] ;ok vkykpd t;idk'k fiNy iUæg o"kk l vkykpuk fy[k jg gA nqx dk egkfo|ky; e i<kr gq vkj ogh jgdj y[ku dj jg gA

fj tokuqy gd] mnl dk vR;Ur ifrHkk lEiUu dFkkdkjA vyhx<+ fo'ofo|ky; e v/;;uA dgkuh&lxg ^cktkj e rkfyc* idkf'krA 'kks/kdk;l ^mnl fQD'ku vkj flueK* Hkh idkf'krA mnl dk v/;kiuA Hkkiky e jgr gA

शर्मिला बोहरा जालान, fgUnh dh dgkuhdkj & miU;kl dkjA ^'kknh l i'krj*] miU;kl ^c<k pkn* dgkuh lxg प्रकाशित। भारतीय भाषा परिषद् कोलकाता का ज्ञानपीठ 'युवा पुरस्कार'। आपकी बूढ़ा चाँद कहानी का मंचन विजय कुमार और सत्यदेव त्रिपाठी के निर्देशन में किया गया है। कोलकाता में रहती हैं।

आशुतोष भारद्वाज, का कहानी संग्रह 'जो फ्रेम में न थे' प्रकाशित। इसके अलावा कुछ अन्य कहानियाँ, निबन्ध डायरियाँ भी विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित। इन दिनों कृष्ण बलदेव वैद फैलोशिप के अन्तर्गत उपन्यास लेखन। नक्सली इलाके में पत्रकारिता के लिए कई पुरस्कार। टाइम्स ऑफ़ इण्डिया, नयी दिल्ली में कार्य।

सुबोध पाण्डे, अँग्रेज़ी में कविताएँ लिखते हैं। समास के अंक छः में सुबोध की पहली बुन्देली कहानी प्रकाशित हुई थी। यह उनकी दूसरी बुन्देली कहानी है। गाँधी चिकित्सा महाविद्यालय, भोपाल में पढ़ाते हैं।

विशाल गोयल, कविताएँ लिखते हैं। एक कविता संग्रह 'आज भी अनादि से' प्रकाशित है। उत्तराखण्ड के गाँव भानवाला में रहते हैं।

विक्रम भारद्वाज, कुछ कविताएँ और लेख पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित। कुछ हिन्दी पुस्तकों के सम्पादन में सहयोग। आई.टी. सलाहकार। दिल्ली में रहते हैं।

आस्तीक वाजपेयी, हिन्दी के युवतम कवियों में एक। पिछले कुछ वर्षों से कविताएँ लिख रहे हैं। कविताएँ वागर्थ, जनसत्ता, कथादेश, पूर्वग्रह आदि अनेक पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित। भोपाल के मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान से धातुविज्ञान में बी.टेक. की डिग्री। पश्चिमी और भारतीय मार्गी संगीत में गहरी दिलचस्पी। कविताओं के लिए 'जानकीपुल' पुरस्कार घोषित और 'भारत भूषण अग्रवाल' पुरस्कार प्राप्त। इन दिनों लखनऊ में रह रहे हैं।

मिथलेश शरण चौबे, हिन्दी के युवा कवि और आलोचक। कुँवर नारायण पर आलोचना पुस्तक 'कुँवर नारायण का रचना संसार' प्रकाशित और कविता संग्रह 'लौटने के लिए जाना' हाल ही में प्रकाशित हुआ है। आपको 'मीरा सम्मान' और 'रमेश दत्त दुबे युवा रचनाकार सम्मान' मिले हैं। कई साहित्यिक पत्र-पत्रिकाओं में कविताएँ और लेख प्रकाशित हुए हैं। 'समास' में सम्पादन सहयोग करते हैं।

इस अंक के लेखक

बनवारी

भगवान सिंह

कुमार शहानी

हरप्रसाद दास

जवाहर गोयल

रामशंकर द्विवेदी

ध्रुव शुक्ल

गौतम चटर्जी

शिरीष ढोबले

जय प्रकाश

शर्मिला बोहरा जालान

रिज़वानुल हक़

आशुतोष भारद्वाज

सुबोध पाण्डे

आस्तीक वाजपेयी

विशाल गोयल

विक्रम भारद्वाज

मिथलेश शरण चौबे